TSHAD MA RNAM HGREL GYI HGREL PA

(Mnon - Gsum - Leui - Hgrel - Pa) Pramana - Vartikka - Virtti (part)

Sakyamati's own Commentary to the Second Chapter of His Pramana - Vartikka

By ACHARYA SAKYAMATI

Published By:

Council of Cultural and Religious Affairs of
His Holiness the Dalai Lama
"Gangchen Kyishong"
Session Road,
DHARAMSALA. H. P.

Printed at: Tibetan Cultural Printing Press, Kashmir House, DHARAMSALA (H.P.)

गरिमहण संस्था....1.6.8.0.5... ग्रंथा य केन्द्रीय उच्च तिन्यती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी



मैंदे वर्षश्वरातर, में दशर प्राप्ति रु.रतीर. क्र्बाश वश र्राची होंदे. भु.रवर रक्ष. सम्स मुस मु वस्तान देव में के दिया है। है। है। तम् दे नरे हुन नर नड्स व मेट में ह्मन सर्म मान्य के माने माने हम निर्माण के निर्माण <u>हूं</u>य. त.बेंचास.इ.कथ.मुक्त.इ.केर.बेंचाश.चक्रेंट.च.केर.ची. चर्चय. चंच्यायेश.क्ट.. ह्र. तरु वेश. भुर. त. रेट. । सि. तरु. ब्रिट्श. श्री. मैज. वर्हेर श्रेर. लट. बोहाजा. वरु. ব্৴.ষ্ট্র.বর্ম ৫.বর্ছ্,পেলম.শ্র.লয়,১বল ≅২.পর২.**প.বা-**বিশারনে,১বন:ন্রাপ.১ नद व विं य नर्र से दे मिंद दे रे से यो के स्था प्रमुद से दे प्रमुद मुद दे दे पदे " श्राम्ब्रान्तुवः हे क्रेन् केना त्तु 'न्य ' त्यन्य श'वर्र 'ख्रिय' द्ं खेवब्र' ५ तु र 'बुव'य' दें ' क्मरामाली हेवर पुरुष है रहारी ग्री हा का को दायते छिद वेर त्यमाश वेद सामर नर्द्र नर्बर्द्ध वर्ध दे हुस्र-१८ र्चा मिलिट मी. भु. स.स. मार्श विष. यह हर हे वर्ष के अर्थ है अर्थ वर्ष वर्ष के अर्थ वर्ष के वर्ष वर्ष के वर्ण के वर्ष के व मारेट मिट.ची .श्रेंच.क्ष क्षंत्र.जंतमंत्र.च्रं मान्य.च.क्षंत्र. वंत्र.चर्मा रेचेर... ह्ने च तक्ष स्मित्र स्मित् वात्रायवेवसासद्रायाणेश

क्रमः में ते. श्रीं य द्रमः क्रम् श्रीं तात्र द्रमः क्रमः क्रमः व्यापः त्रमः विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान वि



র্ম্ব পর্ব পুण র ।

क्र-भार्षात्रेम मे प्रोप मे प्रोपान पर विष्यु नक्ष स्तापा

सर्दरश्च याद्र हेय शु (यम्याद्रमा यासी वर्ष वर्ष सक्त मित्रमा कित्रमा प्रेरिन द्रिंश र्वा या माहे जा में व्ह्यु व प्रेरिन ये हुँ र में जार मी के दे है है मर्हेर वराइ वरानुरावानेसा नावाहे में विहास दे हिराहे। मारामी क्षेरासर्वर खुव इट हेश खु दवन य न्याय य नदी दुवे तस सर्वे र पर दर्द य लेश वु नदी दें र्हें। भवेष्यस वर्षे दे किरान्य वया द्ये द्वे वया ने शायर वर्दे का आदास सर्व हिन् नहिनानीश सर्के रायम जुलाओ राजसा हिन्यम जुलाकर हिन्यम जुलाकर हिन्यम रे लिया दशाय दरार्थ देश के करे हे से मह्यू य है दास यहिंग्राय र सर्ब शुम्र दर हेश शु द्यमाय याष्ट्र यर होद य माल्य सर्व हेर नारेमा मेंद्रायदे खेर है। दे त्यस न्वर पदे महर हैन नहेन स्र्र य स सेर वेस वि.च.चीटःश्रेंसायाक्षेत्र स्ति। हे प्रसालेसावाच दे स्राम्यस्या दे केद के क्षेत्र म हर केद धेर पर देश गुट हिर पर हैं न शायर बुशाय साधित ही। हे:र्जा:देश:वि:व:वे:सर्व:सुम:५८ हेस सु:्यम् पर्दाः रवे व सानुस घरः विदायर में अस्त हैर इसर्य रायलगानर से जुरु पर दा है रिवे पर की वस.चरेरे.र.७ंश.चे.च.त.स्चाम.च.झॅस.स्रा। वाः.चु.ष्ट्र.लीम भ.लुर.स. बहुर्भाक्तर्भमः त्रु राम हो नाटामी हें रदा मी महन हैर गु खुमा कर हैर मर्दिर खुम प्येत वे लेखाइम यर वहेंना यर में ने दार देवें कें। हे सूर धुवा में देवे.च.भू.पुंश.त ४३ इव वश्याम् स्वाधायते विश्वाचाय श्रूटायरे श्रू.पदायाः .

र्के निया वाराणीय या खुवा का मेनाया दे त्या खरा कर्षेत्र खुक यदी तं दा सरायहीं वायर विक्रमान देते हैं। दे भ वहु न अह करे दि तर वर मह ने खुमामा अह है। র্মুর্ র মের্ম্বেশ্বর দ্ব মহার ঈর মার্টার্কর মান্দ্রমান্ত্রীর মার্টার্কর মান্ত্রী पर्देशरायुः स्थाप्ता प्राप्ता त्या स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप मद्भुर्धरे धुम या भए कर्मा मा ध्येष्ट्रा स्मा स्मा सा ध्येष्ट्रा हो। वर्षानु गर्ने में न वर र्दे हैं । यदे दें ने र र में विश्व न ने कर माने याकेराल्येशयर हिरारेवसावानु वर्षास्तर केराकार निष्मा देश यः गुरुषः है। दे यः यः है । न : नु द यः यहना यः प्येद व न द व से : न द यनूरः चुरायार्च नावदासीकार्क्षरायां भरोतायदे सुरार्चा अरोकाया है। पर्दर'य'द्रप'से'पर्दर्भ'य'द्रमार्चेव'य'द्रप'र्खेद'य'लेख'मु'व'खे । द्रे'त्य'द्रप' र्च हिन्दे प्रवश्य भेष हे हेन पर क्षायर म्वावन यह मु हिन भेष पर मुर र्दे । १२ अर देव देवाय परे दे वे उत्तर कर भीव है। 📉 दे है द वे कर मामहनाय व मार्देब से जानर वर्गुर न उद्यो हैं एसे इंसरे हैं हैं। से देश या मार प्रेव दा रे'वै'कु'म्ब्रिस हर्र चर्रे छेर कर्म वहनाच व निर्देश में बार्म दिसुर दे'नश'क्'क्र'नुक'च'के'नुद्रि'यर'क्ष्म'यर'व्हिन्'य'स' વઃહનુ:મ'એનું નેં। ष्पेत्र **बेट:चेट्र:यथ:**उस:य:के**र:गुट:**२३स:च:दे?केर स:ष्पेत्र:य:देवे:खेटा म लुरे, रे. उर्च स.चेर. भु.चेट च. १८. मु. छेर. इ. जुंश.चे. च. खेंश.खाँ। भू जुंस.चंडू. ਵੇਂ ਕੇ ਅਵਾਲ਼ਤ ਕਤ ਐੱਤਵਾਰ੍ਹੇ ਭੁੈਵ ਕੇਲ ਸੁਧਰ ਵੇਂ ਐੱਟੇਕਾਰ੍ਹੇ ਵਿੱਚੋਂ ਸੁਸ਼ਾਧਾਕ **ਸੰ**ਣ य: ५८: ५५: ७८: ७६: मुद्रः मुक्षःय: मः प्येरः हो 🛒 वेक्षःय: प्रकाशः १५५: प्येरः 🏕 🔭 माध्यस्य हर्ता हे मानि व दुः हुन यर हुन या हैर पर्राय म प्रवारे। ध्या

मु दमा प्रशाहर् या हे र मु हो र दें। दे वे मुर्या यर देंन वसायहर पर पचीर हूं। के विश्व हुं भारत अस्वीश या के विष्टुं के श्री मा के हुं में के हुं भेक्षाया अतुभाव (Bद्रायर भेक्षायादे स्वर विकेश्वर वदवा केदार का लीम चेट्टचे भूष पर अभभ था। हम भमीय व केर मियानर हैर पप्रे प्रम् इट.श्र. कंब. त केट. केट. केट. हो। दे.बे. मट. म्ब. मदे. लेखा स.केट. दे.बेस. म प अरह्मेश्वातात्व परिश्वित पुरं विष्य प्रतीर है। पहिने परे ते समाया नाव्य रेना यासाध्येय हे नादानी यादे तहें यादी स्थानाध्य यादाविष्ट्रा गुटा वहें निवे क्षाया महामेना पवे प्रमा केर कर दे स्रोक्षाया केर कर मेना या प्रेक्षा हैं। विदर्भ भेर्त्र खुमन्द्र खुमार खुमार मुन्द्र मिट समा भेर बिट न्दःमोस् ४ द्ये मासूच चर २ सुर। है है जेस य न्वर में वेस न न्य स्विषायायायायारी कर मे नाम वह देश स्वी द्वारायाया म द्वार म से द्वाराया निषायाना निष्या निष्या प्रतास निष्या निष्या प्रतास निष्या स्थान स् चल्या च हेते.कें रहारेनायायह यहाँ पत्रे क्या रायकाशन्त वासेदायते सुर। दे प्रतेष द हे प्रहेर महे क्षाम मलिक द स्था महिन प्रति मार प्रमुक र र बुंब यामा भेन विशा विभाग भरासुय हैर भेन न नव्द सुम उदा भरा है है इस थ इ दिन से दे पा उद दे लेख मु न भारत हों से ही। धुयाया मी भक्र नेविर हुंश.वे.च पार्श्वाश.च ता क्ष्य.चर क्षातर क्षात्र का मार्थ सार है......

सावगायरे कु 'दे सेन या ने १ वर्गा दे हैं र त उस त हु दे र या या कुस व स्ट्र भाके दे दिह हेबा छा न हार पर्या हिं तु वह दूर वा बे वह रहे राये ही देन्य स्रिप्त लेश वु व देन् न मर्सिन द है। कु रिय ही रिन्सिन पर ने हैं दर्दा में महर है दाय संग्राय यहुद वर वृद्धि क्य के देर वुद्धा इः श्रेष्ठा अः अविश्व व अः श्रेष्ठा शःष्ठा अः देवः वेद वदः बुषः वः नदः लुर.च रता विकास्तामात्र्याचारता स्मिन्नात्रामात्र्याचारता मे मर्जर नावर में दरक गट मेदाया यस हीं मेदायर विक्रा वालर क्षेत्र य देरदानी मक् र हुर ज हीर वर विल्। र हिर दे वे माना मुर पानार भूका च रहा। विका बॅद दि सुरे सुय लेख मुचाय ब्रिय ना प्रेश पारे के हुरे मह राष्ट्रिया ह्यर पर म हो। पकर पर रचुर परे केंग हा पहर पहर लेख म निय में रहे ही। र्ने भर्देर देव चेर व्याप श्रीय वाहाने वर मर्हेश या भेराने हे हिराने वनुहार्स् (गु) न्य देव यथा ४५ वं या व या अर्थे न्या व या न व या या व व व या व व र्माश्चरा वश्चारा ध्येत व्या दे निया वेश प्रदेश हे निया पा प्रिक्त हे जीवा हगायाञ्चर हेनास साधिवायारे वे देवा होरायर वुषाय साधिवाहे। प्राहेन हर प्राप्ति । जिन्न पर प्राप्ति । जिन्न केना सालिन । अप केना सालिन । अप केना सालिन । अप केना सालिन । अप बैक् संप्रदार्दे राष्ट्रेर यात्रा के राशा है है है से राय है राणी के है राशा सालिया या लामा करें में वित्र र प्रवेश वि. हे गांहर वित्रु वित्र दरासः विवास त्यास वर्षेत्राच । भेर्ताच । भारति वा भारति व

लॅर्न में के रामी मान में में में में में षदार्षाद्वाचा हो नाम प्येदादी बेर'म'अर'ब'और'हे'रे'क्चे'वरी'हेर'बेर'मरी'क्चेर रदा बेर्'सर किर'मर' मेर्परि हैर मुन्ने न यस मुर चेर्पर सास्य पार हैन हर है न रे हैर री। दे बुरासेदाय क्वेरायर छेदाय हे**राकु**रीयर्गाहेरातुप्तकुराय दे भार देखरा.... सर्दि चर प्रदेश यरे हु मु य सिंह यरे प्रच मु य औ (यारे कुर रे वें रे मो रहा) बर्.मिट.लूर्.त.स.लूब ह्या स.च्ये.सूचीश.बु.श्चेची.शूचीश.का वैश. यामर्वेट लेश नुप्तायामर्वेट न क्किंश व के के कर मर्ह्य व प्रकर्ती देखा है ख़र र्वित्रं वि. क्या तर् ह्या स्था भी भी देश तर क्षेत्र का भी वा स्था वा स्था वा स्था वा स्था वा स्था वा स्था वा स याहेश्रासुन्यनायाध्येन्त्र्या नस्त्रिस्य न्टार्श्रेनायान्ताते वर्नेन्यन्टा พู.ช่ะุ๋¿.สรู.ชลัฆ. นิ.ชอิง.ล.พ.จัฆ.ล.๒ฆ.ตุง.ล.๔๓. นิ.๔ะ.ชลัฆ. चुते दर्स या वा के का का के का का के का दे.चशक्षक्षाच्याद्वे चुरेन्दर वुश्वायामश्रमे खेदावासदि सुंभार्ट हेशा श्रुणा •**४**चना,न,रेटा,पिश,सेटश,न,रेटा,येचोश,च,**रे**ट,४चोल,चर उचीर,र्यू,खे**ल,चे.च**र... न्निंद्य स्ता दे इर दे न्यूर सर् छ। नाय हे दे गुद हिन दर्द द लेख छ न १.मी र हूर . रे.मी. रेट प्रचेश १९४ रहूता स्वीप म संस्थान है सी सर्देव पर नि न नि या सेर यहा सर्व हैर स सेव दें विश्व नि न दें नह ग्राम सेर याकृत्विवायासेदाय भेरादे। सर्केर परागुःवादन्दिन लेगाया भटादे द्रार्मायरा

देश गुरू र स्मी इस यर केश य गुन हैं य दु होत पर हो देश कर हैं सी। विन ुंष्ठिंगयाकुराणुःसुर र्रे लेखान्नायाकुःस्या ध कुराणुःसुर र्रा। अव्यव कुर ૮ાજું માનર 'શું કે 'યા કે 'શું 'અદારે કાર્યું 'છુ 'વા છે ના છે ના છે કાર્યું માલક કે નું કાલક કે કે નું કાલક કે वय पर सुर हा। है.के.ड्रे.केर पवीर खेश में माब पर किर वीय हून ग्रीश म्याद्भ नुर्पार वृद्ध सर मिश्र से १७० वर्ष मा के द्वार के दे निर्मा सिर्मा स्थ े वर वहूर्तय द्वायाय अस्त्राय णुत्रहूर्य गु श्रेट ख्यारे स्पट द्वासाय णु रहेर् यर मु च भेर है। दे र म मे दिस च दे म कर हैर भेर कें। गुन हर दर दें देश वरे ही देश मोश यहें देश के दें हो दे यह वुषाय के ही देवर रहे द्वार र महिन्दा पाद्वर थ है। वर्ष वर्ष स्वाप्त पहे पहेन मिने गरा त्या चिह्न स्थापते कुर्द वर्षमा उद्गर्द संस्था त्या प्रह्मा प्रत्या मा स्थित है। वर् दिर वर्ष्म मि रिपर्य रहे ग्रें व पर् प्रविद वे श की रहा व व व र रहे हा . . र् हुर्निन भहर वश । इस यह हुना मा मिश्रिस चूर वश देस तर हुना म वहीय विभागीस विवेश हो। यह सर भारत क्षा धर है । धर वे मु यस प्रवास स र्ह्य र् या वर्ष प्रत्या र वित्तर वित्र वि हुने सानी हैं रेन हो। सेने हुने सान शिमान र नियान कर हुने त्रीय पर क्षेत्राची साहर्तावराञ्चन् हे गामान्यासायायायायात्रावातेसानुनावा**वने व**तुदानरः ें त्नुर हैं। दे भार्श्व में हैं की दुष्पद पर्दि भारते मुख्दि दाय विकास में हैं।

बै'न्द्र में हैन बस मुव' हैब' वबे 'छैर' में। नुसम्महम नु:क्के'न' सेन्'ब' **ঀ**ঀৣঢ়৽ঀ৽য়৽ড়৾য়৽ঀ৾। दे৽ড়ঢ়৽ড়৾৾৻৽য়৾৽ৢঀ৾৽য়ৢ৾ৼ৽য়ৗৢ ঀঢ়৾৽ড়ৢৼ৽৻ৢয়৽য়৽য়৽য়৽য় कुरे.बु.चर्म.वे.मु. तर्.रेब.बे.की.लट मुरे.ज.मी.लूरे.य.पंयंब.वे.लट लूरे.च . किर्दे अन्तिम मान्धुमायाभार्वे । सान् क्रिंग्याभार्ने क्रिंग्याभार्ने विष् च.भ.लूब.हे। श्रद.कृता भ.चाकुश्राचाचित्राचा की खेताच हेर ग्रेश सुरासद होर. र्रो १८ हे. यश ब. श्रेट. १ वी. श. गड़ेश स. ग. ल्रे. तप्र. पश्चर वे. हेर टे. पर्चीर. र्दे । दि दूर द अद हैन समान है साथा म प्रेंद यदे सह द है द तद है द तद स चु प्रेम मी इंट सं प्रेम लिट स्थर हिना गुट सं प्रेम प्रेम हेना सं ना सुस यर मिर्नाया अर्जा मिर्ना अर्जा । अर्जिना साना है साया य मिर्नाय दे द्वारा व ह्ये व अट दु अ विवाय है र यह त वृद्ध य र विद हे स्नर हेन सर्द र वेंद्र मु स "" हिना सःकेराणुः हुँ र र्रो अर् हेना सान् के वायाया प्रवसान स्राप्त रे वाया भर हैना म हेर फेर पाय फॅर पट पद प्रमान हो ही या भर ही मा हेना वाहेर सहारा भर हैना महिला केरा प्रमान केरा प्रमान प्रवृत्तान स्पेत्राहे। स्नाद् हेना साद्वार स्वेत्राचा हेना है । स्वेता साहित्रा है साहित्या स्वेत्रा स्वेत्रा ଌି୩'ୟ ୩୬ିଷ'ୟ'ୟ'ୟୟଷ ଶ୍ର'ଐ୍ଟ୍ରିନ୍ସ୍ୟୁ କ୍ଲେମ୍ବର୍ଟି୩'ୟ'୬ିଟ୍ ଐ**ଃ**'ଧନି ଥିବ' ्रे मु ना इस्र प से द प हे 'सुर 'क नार' प्रस 'सुद रहेवा ना इस्र प प्रदा माप है 'से द यां क्षे पर विवार को अने पर के दे ने निर्मार के दे पर है दे रहते हैं तार कि ना त लट.पचीर.रू. हुंश नर्थर.त.चीट.लुर.च.टु.लट.दीरे.कु जूची.पश.शैची.कंट.... हेन'च'र्येन'है। वेश'य'हैन परे हमानु ह्व च'परे मिशम ह्वदश'य हैन'यीन र्वे। । भूरे ताचाचा चाक्य केर ताका वालक स्रोतः तालेका ची चाखर हा स्र म्रे.पर्ट्रे,व.तार भ्रे.च.रेट पद्यंत्र वर प्रचीर। प्र्यं, यीट भेरे.ह्या.स.चह्या.

कें शास्त्राने नाम कें केंद्रायन विमानु यमुरान भेदाया दे हेंद्र ही नामेंद्रा वी दे अदासूर व्यान प्रेम में लेखानु नारे समानु नहेंदे गी। प्राप्त नार लेगा ह्ये वर वर्षे राम है संस्था के है। इस मिर्ग के सेराय है है है है स्रों देवस कावर्ते ते श्रास्त्रे मात्रसाक्ष्मवसाद्धरा बर्गुरा व्यास क्षेत्र या हे खराता है । वा হ্রমণ্ম শ্ব स्रोत्ताकेर्न् विराधरास्रोदायदे खेरालेशायाईद यानारास्रोदा य विर्यम् सेर्थं लेश व्याप वर्षे अधानाम प्रेमा नाय है मह न याकृदाध्येदावादे अर्थान केदान केदान विद्यापाद य वे द्रिंश वें केंश केद थी र पारे हुर री। हे हे स्टर हिर पर पारे में पार म Ŵᢋ᠂ᢋ᠂ᢋᢆ᠂ᢡᠵᡃᢂ᠌ᠵ᠄ᢂ᠆᠓᠂ᢋᠸ᠂ᡆ᠂ᡩ᠂ᡩᠽ᠂ᡩᡭ᠔ᡃᡪᠵᡄᡃᡥ᠗**᠂ᡪ**ᢅᡬᡧ᠄ᡸᡏ**ᡘᠷᠰᢃᠵ**ᢅᢡ᠂ᡆᠵ दगुः। **ने:वस:व:हे:**श्रद:दु:वयद:वये:**कु:दःय:व**श:व्रवे:दर्श:वॅय:वेन: मद्रमालेग सामार्सिंगसाम रे महत्तासामहत्तासाम धेवार्वे। नामाहे हिदा क्या मीक्षा प्रह्मेवा च अव्यविषा चर गुरानु वह वाक्षा चर यह ही वाक्षा व्यविष्टा धरा वनुर व देरे कें गुर हेंच नु क्षेर या अध है रे ख़ैर व वर में हेर है। दे या लिना या रदास लिना या अर्गास पान रेनास या मार्ने नास या माल किया रामा स्थापन <u>દુત્રા તું કુર્વા તું કુરલ તથા લું જાતવું નાર્ય કુર્વાય મુખ્યાનું કુરા લે કુર</u> पर्दर्धाते 'त्वर'वीश' इच 'यर 'देवे 'यर 'रेवा' धाम प्येव' वा वा पार वीश व देवे 'दम' सराक्के पार्वेदायर वेदायाधिक कुण मार्के या या सामिक। मार्यादे मर्देर सुमः म नारेन वर देना स धरा है ता मान्य केना स में वह ग ने लि दा Q.4.

G

वे'दे'नाइव'क्रेन्स'स प्रव'दे। मवर्द्र'यर'नुर'ठ्र 'न'क्रेर'णे' खेर'र्ने। दे'सूर' वंनाल्यात्मात्रात्मात् मेन्यात् मेन्यात् व्याप्तात् नेन्नित्त्रात्मारा हार्च न्दान्दाना हिन्द्यायर के मण्यायाना दि य गुर्हेन हेर्ने में स.मेर्ने पहें सहित्तर प्रमेर की । बेस ने ने ने स.मेरे सी दे'द्वा वैश उद् क्रिया पत्र गांवश वि चे ठवा वो दें दें दे दे शांव रे अडे र के द ग्रेस ष्ठिर्यर सेर् यर लेस मुन्य या स्राध्य सम्बन्ध यर प्रमेल यर मुर र्रे । नाम हे चद्ना हैद र्वं अ उद की अदे र व लेश नु च के न मान हे र्वं अ उद अदे व गूर हिंच की वरेक्यादे खे.वर चीरावासर्टावास्न वावह्राया है यासालका वालेसा वावदे र्ने दें। अट के मुहाहिक की सुधा है जाय स्ट्रिंग या प्रेड़ के पार की की पर ना कृरविश्वास्त्रणे सेरायापुरहिव सामिर्ती विरामा रहिशा विरामी राती । भारहिव इसामर नवना या बससा उर गुरि द हेर प्रेर प्रेर पर में हुर ही। देश के रहसा या बु: भु: पात्र स्वाया प्रति रहा पर्व द कुर प्रवाय प्रति : भुरा अस्ति । असे पार्व प्रति । असे प्रति । असे प्रति स गुर्हित गुः सुरु तम् देश्यर दिशुरार्दे॥ भी न से द न व से विश्वर व दे दे द रसाय धेराने र्वाप्तायते स्रम के गुराह्में प्रकार महिनाया है राधिकायते मिर रें। र निम्न वर्षे नम वर्षे नम वर ही पा मेर पा है ही व मेर पा मार्सिम्स तमा ही . य. हार त. बुधा या त. स्थाना यह दे तर प्रचीर। रे . हेर व . योव. हॅर रु ही न ने ही ने मार्थ न्याय यथ ही न ने या ने या ने या ने या ने या ने या पर् स्रिट र्व महिट वस रेस ग्रुट वेस ह व प्राय संग्रास स्री ग्रुप स्री ग्रुप स्री गुः भूते द्वाभा नदेव वस। द्व गुट लेस नु न भ स्वास न हिस है। देस **ঀ৾৾৾৾ঀৢঀ৽ৼ৾ঀ৾৽ৠ৾৽ঀ৾ঀ৽৶৻৻য়৸৾৸৴ৼ৾ঀ৾৸৸৾৸ঀঀঀ৽৸৻৸ঢ়৻৸ঢ়৸৸৾ঀ৾ঢ়**৻৸ঢ়ঀ

यःभेषः व्या नाम्या रहेन गुःदेव से द्वा यदे से सः देव भेषा देव स्त्रा सरे दें भेर देश विषेत्र के प्राप्त के स्थानी का सर्वे हें राज्येय हैं हैं हैं हैं हैं से स्थानी की स्थानी की स लेगा भे क्या या नाटा भे हा नाय है क्या या से दाया उस लेगा भे द दे दे हैं हैं है लूर से दि में दश दर्ग व ज्ञान रामर द्यार। दे र हे हन पायस माल र की दमा था प्यत्र त्रा इन स स्ट द का सर है ने सदे द स्वासर के का स भे र'य'देते हैं। इस यर से हमायर देखा साम हैं निधाय भें दे दें 'बेसा द्युन' तर प्रचीर हा। रे.से.लुबे.ब इ.डेर.रेट्श.च् छेट. विश्विषाश्चरमाता लुरा इश्र शे रंचवा.चरा. रे्च्या.च.लट. सेंटब्र.चर. उचीर. रे। वे इस पर हैंन व द्यायवस य हिद फेन पते हैं र रें। वेन हे हु सदे देंन लुब १ लहानाम हे वस्त्रा उद से दार लेवा महेते हो। गुर हिंच गुर वस्त्र उद्देश्याप्रेव यादे सुरावाहे सुराणु इ इसाईव स्मिर्या प्राद्या समायर पुरासर " व्यू. हे श्रु. मायविभायत्री से माया ध्येता प्रे वे की वट मी स्त्रेव रही हिंदा त्रसा मिर यर है। स्त्री गुव हिंदा गु रहें व वह मारेवास म्निश्यरे देव भेव वे लेख मुन्दि त्र प्राप्त । वहने हेव लेख मुन्दि तर् नमृद् नर्हें ने ने न्यर मार्दे रहे में वें स्यान धेद लेश न्यु र यर मुन के दें। इसायराइनायाद्रार्यो सूरावाद्रिंश यो यायवा ईव तनायायरे रदायलेवाद्रासर प्रमुर है। पहिना त पर नहें र पहें से में दे से सर दे से सर से से से से पर ने सर मु रर्ने म पर सुर रा । वाहेश रा सर व पर्वा सर या सर स्वास था था मिस्सिट्रायर में नुःही द्रिन्न ने ही वे सम्माय तामान्याय म प्रेन र्वें। गुनःहेंच रुङ्क न परे नालन रना रु रुगुर बेन परे छैर परेर सार्क्कर

|'दवर हें भ' के 'फेर भ छेर म हो स्थास वे । यह इक्' म के 'पह द्य.मी.स्या पर्या है। रेप. पर्य विश्व त्य. द्या पर हैं त्य दि विश्व त्य है तपु.सुर. लेश.ये. त. बु. ही दरा पर्येत्राच कर मी वैशायपु देशायर हैंद यादेहा पर्यापायते. हिर लेख वि. वधु. व. हूना मूं । भरीया नधु. पर हे मारेटा पर नहर नर्ते॥ दे त्या श**र्**द्या यहे के त्या प्रत्ये के त्या है त्या है स्थित के लटामिर्द्र भाः वायर विमुद्धान के**र**ालेशकारी मुद्द शिवायर मेर्देशकायमामा र्रे निष्यः तत्र्।। विष्यः तरः द्वे तर्रे हर् कु निष्यः यः वेशः यशः हेर् ः यदेः **ब.** ब्रेंचेबाब ब. लटा वेश राये. ही हेर ल्यें च हेर लेंब हे विवास हेर की खेर हैं। ৼ৾৽ঀয়৽ঀ**৾ঀয়**৾ঀঽ৾৽য়য়৽ঀৼ৽ৼ৾ঀ৽ঀ**ৼ৾**৽য়ৼ৾ঽ৾৽ড়৾৾ঢ়৽য়য়৽য়৽৽ৼ৾ दे खुर द निर्देश के का सामुन य है द भी द दें ले का है के भेदि या सामे के विष् विषय दे त्यार हिंद्या दरा यह रहेंदे या अदि का अराधा अर युषा या है हमायर हेंना या की क्षे पा दे वे कें। प्रमास में ना या वे क्षे निया में ना का प्रमास कें ना का मान वनुर व। है अर नु न वर यदे वह भारत है किना य अर् य म अर वि ।। B्वायाक्षेत्रभेदादायादाङ्को द्वा यात्रमसावदायादुसात्रमसावदादादास्या व। विरुद्ध संस्था स्थान मारानेश्वान स्थानित हैं साहा बुर तश्र प्रवश्य व. म. हेर्य. व. ह्र्याश तर विद्यारा हे हेर पर्ध र तर हेर्या શુરા શુર્રિત ના ગુલા માર્જી લા તા. જેવા કે. છે. છે. શુરા શુરા ના અંદેશ. शुः ह्रिनाश्चाया वा नाइव क्रिनाश स्थान वे स्थाना वा सामिव के लिखान स्थान है।

ह्ये नुम प हेर हे भ नु न ता र्स्वाम पाय रे प्यट वसम उर र र र्से पर ह्या नदे मालिट हर्ष यामालि है। वससाब्दार हुँ नद्रे हैं हैसा निया हर्ना स य.ज.लट.वेश.व.हेर.ल्र.व.ट्.केर.रे.वेट.जश ह्या.च.ल्री ह्या च.टे. पर यामसावसानु य देगारामाध्यम सेरायसानुसाय हेरादा स्वार प्रति हेर्गाया श.लुर. मी.लूर्य.मी.सक्य.चांबर.जहा.लुर.जूर.जूरा ट्र.लट.ह्येश.एकद रा. लेशकी द्रायात्रश्चीयामालेशका ह हेरालेशनी ସଂଭାങ୍ ଏଷ୍ଟାପା ହୁଁଷ୍ଟାପାର ଦ୍ୱା ଅହିଁଦ୍ୱର ଭାବିଷ୍ଠା ପ୍ରାସ ଓଡ଼ି ଅଧିକ ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅହିଁଦ୍ୱର ଅ चेश दा स मूच प्रदेश माय हे दे खेर सुम प्रस हिंद प्र स हिंदा स है न स है दा स श्चै विश्वास्तर पर्दे द्वार्ये द्वार्ये देव स्थान स्वीत स्वी दे. ब्रॅच. त.जय. श्रे. लट. श्रे. जे य. त.चे थ. त. के र. ल्रूर. तर त वीर व. हे. लट ल्रूर. यःमःष्पेत्रःहे। नुम्भःयसःसूटःयदे सःसुनिसःषः ष्पदः द्वरः ह्वेभः ददः। यहः श्चिमायायात्रम यदे दमायर द्वा यामाभी य नाराधिकायारे ही वसाया है से ना पत्रे खेर स भी र की ् वें र गुट झूम पु त्य र स्वास पदे द म प र र मी दस पर र र्हेन्।'यस'यङ्केवस'य:१९२' ग्री'सेर'र्दा। क्**स'यर: १**न य:म१९स'४**न**।'उर'सी' मु 'नदे सुर दर। इस पर में नाय महेन या अर देन या सि महेन इट्चर् हैर है। दे हैर है अट्चर सर् हें स हा हैर स उर मी देश है च.ज.सूर्यम.त.सूस.सूर्य दे 'नश'व'र्ख्नाय' दे'तर्'व'तश्व' वृश्व'य'म्य यामाध्येकाने विभावन वाना नामा भारती है। यदेशा हेरा वासी रही। त्वर विनायहर या सेर भेरे छैर में बिस मु न वे न्या माय प्रेम परे ही विसास दे विद्यार एक लेड परे हुँगारी। हेड हुँगार शियार लेख न लेख न स्याय राष्ट्र ह्म स. ब्रे में ट. चर्ट हे ब. खब मा हिट हों। यह फेर स. हिन च है पन है इर्यार्भे म्वर्गम् देर्द्राया च द्वेषाया मेर्पाय केषायु वासा ब्रेंदे वर्ष केर केर में र विषय पर हिर पहेर ब्राहे । र र पार केर पा मेर म भरादे 'भेर यामु स्म हरमालर ऑर्न व २ हुमान भमा भेर मसाव लेखा हुद सर म्रो.चर्डी स्प्री से वि. श्रूचीश के ही लुश वे (बुश मे. म. फार्श्र) महाराहा है। परेव ए पर होर हों। हे अर ुवार ले गत्मत लेग रह तहे या वाह के रुले र यसानेशानुकानुकेरानु चाक्करानु निरामाने के हुरा यनुराने। यरी हरा सर्वेदलायरा ल्रियमाना हो त्रीन मी रवारे वारका या स्रित्य रे सेवा मे दि पर वेस पा यहिया। यामश्चार्यते द्वार्या या सराञ्चे यहरावश्चराष्ट्र हुन या मासेवास है। दिरा ही स. लुब. बु. खुंब. पहेंब. हों। हे यक १ ह. भेर हैं . यं पर पर पर ही. प्तरायर प्राययसाय के**र जे**श यरे खेरा होरे सळव केराया विवास व्यास <u> हुने श्रा ८ ४५४. जुंश तर वि.च. १५४. तथा वेश वट उट्टी वट तथा तथा स्त्री</u> नुमान केर मार दे प्रकार मा ही भार भीर तहा व ही मार हरे पर है ने हो त्रसं प्रहेर् पर्दे । र्द्र द्रन्य र लेना या मेशाना नहन पर्दे पर्दे प्रायना प्रविद्या म हैं या स्रिंपिये दि में नार प्रेशमा देर सर्वे वर लेव या लेस ने वरे हें वर हैं। दिने दें के दें में श्री मार्सिका यह दें के किए के प्रशास हुन 5 छेर य हैर ग्रेश विवास स्पेर य । दे तर्दे त्या सेर यादे हर र विवासर

हो**र** या भे रभे न भारती विषय हो जे भारत स्वीत स्वीत स्वात स्वात हो स्वात स्वात है र स्वात ะ ป.รูป.จ.ผีปูตาพยูะเปรู เซิเตา ญัปพ.กรู เห็ย ู่ เบ้าผู้ป. 14.4 I ઐ_{ર્ય} દે હ્રુ^દ વૃષ્ક્ષુ 4**૬** ર્સેવારા **વે** 'ક્ષુે' સેવ ર્લે 'હેરા દુઃ**વઃદે**' વબદ 'દે'વા द्यैर (देव गुष क्रिया वादा का लेखा नुष्या का स्वाया श्रें खाते। रहा मी क्रिया य.ज.चर्ड्स.बंश.ब्री.अ.ज.ब्. खेंश.वे.च.ब्.चर्ड्स.चर्ट्ब.ज.१.ब्री हे 'बेश' चु'च'य'**सँ ग्राय**'वे'च|ब्**र'**गुँदें।। हे 'झॅंच' य'य' व्हेर हुँ र'हे। सर्द्धत्स.त.हुर. (बुंस.चे.च बुंस्टर.चं.केर.चंत्रंच स त.च.क्षश्च.चंत्रभश. डर्.ज.भर्षुटस्य.तर.बुरे तर्र.हूर्.बंर.व.ज.म्री केर्.टे.चर्रेश.वस्रा र.व.चर्मेर. यश्चर्द्रश्चर् स्वापित्रे प्रस्ति व्यश्चर्य स्त्रि स्त्रा स्त्रा स्त्रि स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् है सद वर्षा व नु र यरे नाबुद धेर हैं। वुस भ र द दूस वु ता हैंने ब सरे हीदाञ्चाद्रमः द्वानेश्वाचात्रश्चाद्वाद्वाचा के हिम्मीकाव्या र्देष:यहेर:य:दे:बे:बार्क्षकंत्र:बार्क्षकःदे:ब्रू:द्राःदेष:द्राःदेष:य:द्रवा:बार्बाःवर्दि:यदे। दे 'द्रवा ग्राट' सेसस 'द्रट' सेसस 'यस 'बुट' पदे 'र्केट 'द्रट' से 'स्व 'यर 'द्रह ग्राच केद'ग्रे' कुर सर्दरस्य र स्राया न भेर यदे तर होर के से एक र ली विकर या र रहा ३१ व. च रेटा। विचित्ताव करें में हिंद भक्षरे सावहूरे वर वेरे ता करें में में लमः ने स.च.च.के तकत्र पर्योत्र ११३ मा ये त्र १ मे वे मा व कर की मे द दर सकत्र ... मारे यहर् या ठर मीर्वे। विष्ठा मार्ग वा देव लेखा न व के मेट दि मक्ष्रमाद्रमात्याद्रदेख्याके परायद्रेश्या लेखा नु पति द्रवे हो। माके मात्यद्र द्धराके पर पर्टे पार्टी के लेश मान की दूरा महिमाता र्दे ता मेट दर महरू भ. छे. पर तर्र् . तथमा भट. रेट. भक्ष. भ. र्रे . छे. पर . पर्रे . च. लेश. चे.

रते द्रार् ॥ है रूल में ट्रार्केर लग्ने स्थान बेंबान वेंबान वें रत्यवित्रवित्रवित्रवित्रयायाः भेदान्त्यम् अत्रास्त्रवित्रवत्याः विवित्रवत्याः र्दे मी रता व वेदार में के में तर प्राप्त मर्थ में भर विष्ट में ฒ.देचेब.रे.चू.के.चे.डे.कुट.रेट.कष्ट्रामपु ४८.रेखेथ.रे.वेट.चंडु होर.ट्री हे. बेर के क्रिंटित ज क्र्ये श. गयु रह चबुके के सक्ष तर प्रींट हे बोड़ ग. ज रह नु न्याना साथा है । तुर न क्षेत्र पर नुष्या ने परा न स्वित्र मा निष्या ब्रदायर विद्या देख्र व केटा द्रास्त्र संस्था से द्रमु र दे। देव मु भूत'त्'च न्त् पते'क्स'यश'सु र्स्य'मु म्हान्दिन महिन् सु नदस र्ह्णा क्षद्रानायाने सुति वहूर्यमानु व प्येत्रात्राद्राम् वित्रसानु सेर्पय उर्ग्या वात्रसा न भ श्रेन्स पार्श्चेश श्रे । श्रेर म श्रेन्स या महर् पर नु नि ने लेश नु । ज. सूर्यास. त. जा श्रुट. देट. मैं अक्षे रेया. स्रेश. यहंद. तप्र. तार्थ स. क्षेत्र सार्थ. ष्येव:य:दे:११ स्थाःयश प्येव विशः वु: नते: देव:दे ॥ . व्यव्याशः माहेशः य त्य प्याः लिस नु व के न भी कें र्वे व केंद्र मार प्राप्त केंद्र मार प्राप्त केंद्र मार प्राप्त केंद्र मार प्राप्त केंद्र निट.मी हें. र्व. प्र. भूट. प्र. रूचिश त. ज बिश च च ज स्वीश च ज । ५८:मळ्यामाना द्वार्य विषाताता के दे त्या के ता के त सेर्'म'हेर्'णुं' छैर'र्रे॥ देदे'कें'देव'य'यहण'यर'से'प्रणुर'रे। लेख'ठ'य' के के रेंव में रेंक वा हो ने मानहेंद्र पा हैद में। मेट दिर मर्द्र मान देंक

हैर'र्'हे पर'वहहाबस'वहरिय'भेरानी। क्षेर्र्यानीर्देशके पहिं 'वें साम्पेरानी दे⁻१९४९ के द्वेर ४ क्केश व लेश व व भ कॅर वश **क्र** वर वेद दी 💎 वक हुंब है वर वर्त्राया भार है। रेत्रायर दवा विविद्य व विवेदा धाउ र द्राय हुना वर है। प्रमुद्राचा नेस नु ना प्यार दे दर मेट द्राम इराम इरामा प्रमुद्ध ने का प्रमुद्ध ने हे ना यर यहना पर यहा नाम हैं रहें के त्या अटा स्वेट रहा स हं के समा है यम यह नासर यादेवे कें नवद यें वर्षा सुर मेन या छत्र भेताहै। न नवेर व र्सेन सामिक साया म न्नीकें मेद्रदाम ६५ म ता देर के पर पत्नाम पारे दे कें ष्ठुं[,]रॅभ'कुं'र्द्र'भ'वह्रन्'यर से'व्युराहे। द्येर कर्षुन्य न्युम् प्राप्तुर्दे। र्वरायास्त्राम् द्वार्या लेखातुः न केर्नाया नहन्या मह्याया सहित्याया हताया भेषातुः त त्रष्ट्रभ'यस'तह्रम्'यः इ दन्।दःलेगःनेःळें न्।हेन्। यः न्रह्रम्'यरः द्रनुरःलेहः। दन्।द लेन कें निवर य रहन पर रचुर र दे रवि १ र । केंद्र र सक्र माया स्विष या या तहना था का अदा तहा या या तना या ने ने ने देवे त्या तना या ने निया विदायना विना । मी कें भेर दर सर्व माद्य या १६मा यह त्यार देश हैं लेख न पर दे हैं हैं। हैं ब पर च ल्रें व लट लेश में हे ले में च दे च कर में दे च के च व वेच मार्थ सर्दर स च ... विश्वास्त्र विश्व दिन्ति । नाम दे नाम ने नाम विश्व सु व व व श्व नाम केश या सर्वत्यामार्वितास्य प्रतिष्यामारी त्यारा परिवया पर छित सर्वेषा स्रीतिष्य छ । वे.चेश व.४व४.७ म.चर्ह्र्स्तर वे.च.मूर् ब्रुब्ध्यक्षातर देवे.व.चर्षेर वेश. ते खर क्षेत्र यस कर या व क्षेत्र की देव की क्षेत्र क्राय केत মুহ-এহ-এর্থা गु देश तर हुन्। त. भु नर प्रमुर थ। देश पर हुन्। या था हैट ने ने ने हुने **दमःय:हे:हेदःवहर्दःयर:वु:वःश्वेतःह्याः** च्युःयसःवुरःवन्नेःवेत्रःयःयःह्यरः

न नः भेर पर हे र जूरे र पर र व ।। इस पर र भर पर वस म श्री रद्रायादे भूर व विश्वाया वहेद वर मु वर वहुव दें। वा वा दे वदे भूर विश्वायात्रश्चामी प्राचा के प्राचा के प्राची क स्मर्थ हैर हिं व वहेर वर वशुर की किर वर प्राप्त के सामित के नि कर.ह. कर. धम. व.र. वंदा तथा हुना तर र प्रीर.व.र. र कर वंदा चर पर नर्ना हुर. वहर्नितरन्त्र मार्थेर मी। विक्यान में हिन्दी ने विक्या मार्थित प्यतः में करत हैं द ने म प्यतः है। है अर 5 र ने में हैं ने हैं दें हैं दें हैं दें हैं दें हैं दें हैं हैं विश्वानु नश्य वर् च मृत्री क्या यह वर् वर् हे नि व हे छैरा हित वेस.च.जम.धुट्थ.च.रट.मु हैट.च.ज है.रू.म.मे रूप.मे.ट्र. व्हर.चे.च.र वे.च. कें विश्वानुष्विः देव निष् हमात्रक्र धर छेर दे। अमश शु स्ट्रांचस पुस य प्येक हे लेखा अ व वह के क्रम मन मन या वे देव मी द्रम था है वर् न वेश न न मा सेना स न मेव वें। नादानीसार हे हर सहिद्या त्यार लेखा न या के पहें कि दार से से से म मर्दे दूर्स व क्षेत्र बेस मर्वेट वर वर्षु र रे बेस नु वर व केन ने श्रिक्टर नत्र देश व द्व मी देश वर हेवी व दे देश लेश च व दे। अभाश श्रिंद पर क्ष पर करें हेश ही होर पाले के प्रथा देते हैं के के महित हो है जिस ही र्वेद पूर्व देश वं उन् देश वहेंद द्या वहेंद द्या व मर विश्व पर है व के द प्येश पर केश में च है में रूप में देश है हैं पर में में में लेश्च देशक देश व दट वंदश वंद हैं मिश बट्य वर विस्ता

बामेद दिन्स कर राम द्वार विदेश वर ने देश में जार प्रेक्ष पार के देश के प्रेक्ष कर के दिन्स के किया है। जा का क मळन सरीक्स याउदानुमसाह्यायर नुवे। देखरावा हैं दे इस यदे न्न के द दक्त दे दे व दे न पर के द के सेन पदे दे ने पर के दे न मर्द्रक मा क्रिया पर में से परि में में के दार्थ में में मा प्रसाद इदः या स भेदः यदे खेरः स्था विषु र यर के 'दर्द स्व 'ग्री' भेदा यदे दसा यदे ' श्रीदार्द्राम्मळव्यास्त्रप्रम् इस्रायम् विसायदे दि वि हिन्द्रिकाया व स्मायम् न्त्रेस चायश्च प्रायक्षायर प्रह्मायर हेर्पायर हेर्पाय नेपादी से व्हाय हेर् भेराहें इंड.क्ट.क्स.पेश.कस.व.रर.त.व्.क्स वे.च.ज.स्वेस.वर्स्स. र्शे १ हे देर देव के क्याय क्य के के स्वायर विश्वायर निर्माण रेता के निर्माण र्ने नी इस्र म हेंद्र सं त्र ह्वास य देवाय वाद का पाद कि साद है से साद वाद वाद के द मुराय केराप्ये हो। हमारु वेशाय के हमाय के प्राय के राय र्वे व स्वाया व वेस अ व के दें र यस नवर परे प्रतर व दर के र व वे र के र व वे र क्रीं ता मुर्गाश पर्मी विश्व अस्त देश तर विश्व पर मुर्गा विश्व अप वर्षे स्त. इत्वर्धानराष्ट्री वरासीत्वीरावराष्ट्रियाचात्र्यात्रात्रा हार्ट दर्भ के रहम बु:सँग ग मम के रूप के र्रम चुन वर व नर र्रा दे है हर क्रुट्र व स्वास म मुन पदे छेर लेश न न ने ननर हिंदा रट नर रहा न से मीस क्षटायार्थ्याय पर्वे दश्यापर हेंगाया क्षेत्र पर्वे र ही दे प्राप्त मुन्याया थ स् । स.च. म. भेर र वेस च च व व न व न व व व स स स स् न स व व दे र चे र च र व स य ...

सैंद्र-मेश राज श्रेट.व.श्र.३८.वद्र-सेंद्र-र्ह्णा नु सेन्'य'कर'नु 'वर्णुर'र्ने । हीने न्द्रिंश वे के नावर सेव्यान वरेने यस हस मान्नदश्यामित्रके लेखानु वर्षा देवीं दशासी है दिया के निवास मेरा सदी हैर विसानु नाम स्वासायाया नेसाना नाराभेद यात घमसाउद देव दर्माना स्वाप्ता है। विश्वान्य पर्देश्य वर्त्त्वेन व नविर् पारक में में कर से न ये में प्रेर पर्देन स याता शे क्रम अपारित के लिश मानदेश के गान ।दे हर देव मीश हर यादर मरादे पर्दे में निकार निकार के प्रिंदि । विकास मानिकार के विकास स द मेश पा भेद द दे मेद याद अद देश हैन हैन हैन मेश। दे नश द मेशप हैदात से विष्या दे त्या दे के साद्युद यर वहेंदा ये से है। देखें के बे देखें हुं हुं का चहुं का क्षा हुर चके हूं के केर रे के का चर चलना निद्भिर य दे से प्रमुद दी है वर ये दे से स स र न सुस य नह मु पुंस.त.बंद.मुंश.त्र्र्ञ्च.तर.वेंश ई.वे हे.द्र्य.मी.ट्रं ज.रच.जस तश. नाइस्यान्डर संप्रदेशी क्रियानाविरानु देश्या विराम् विराम् देश यामि दर से सपुर पर सुनाश भारति व राजेर पहुंद हो। मान्दर स्पर बुंस.चे.च.ज.स्वांश च ज। वाञ्चवांश.ज.स्वांश च.टे.ह.के चेंर.चींद.च बुंश. कुरी श्रु. मभाग्नि देश तर जेश तथ बिडिट वर विश्वी जेश वार्ष जेश तर रट. ब्द लेख.व.च व.शिज १८.च.ज.क्र.च.च.च.च.च.च.ज.लूर त.र.रच.क.लीज.

सर्वटस्य प्रदेशमा इस स्रेप्स दर्शनी सेस्य ता वाहर हैं। वाहर हो यह मी रह मी माबर भार्यर या माहेद्र मार्थि । यदी नाइस भ्रयस द भेद्र माबर माबर भार्य । अस विरायर सेर् यर तिवु त्यर विवु य रेत्रे हैं। अयर दर दुस हेर नार्थाय म्बद्धार्म क्षा मुद्ध है से द्रा द्रम् यर द्रमुर। वाय दे महिर मुक्ष वर्ष द्रा यदेश्वयःयर विद्यायस देर्गार्ये हार्षे वित्र वित्र मुल्य रामीस गुट रेर श्चायमानी बरामी श्वास वा अन्य माना निक्ष माना निक्ष वा वा वा वे वे वे हिंद स सर्वित । माय हे दे त्र पार्वे पार्वे भागेष छद यह छेत प्राप्त हो। वा प्राप्त हे पार्वि दश अवद य के द भार के लिया विवास के विवास के किया मी कि ए गी स की किया देशाया हैन भेन प्राप्त है है है ने संप्राप्त हैं ते हैं ने प्राप्त हैं। ेरे उस मुगम इन केर प्रिक्त पर छिर रा। रे केर के ने अप राहे सहता हैर हिं भूर व क्यायर् र प्रशास्त्र प्राप्त महामा स्थाप हर ना वहा या क्ष्मानिस सर्वेद प्र क्षित्र हो। हे हे अस स्वर्ध दे साद के से सह है हैं हैं \$42 80 4.5 M 34.08 E. 24.82.02. 32.1.64.3.1.4.2. सदै द रें में में निर्मा संस्था से स्ट निर्मा न यद्द्रशः स् निवरः भाषाः पश्चितः भाष्टः भाष्टः श्वेरः ह्याः असः स्थः ह्याः न्य जेश अन्य के इस्माध प्येत्र के जिल्ला के तिस्त्र स्थाप के स्याप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्था के स्थाप क्रिया भी के लेका छ नहीं हैं कि लिया है कि हैं कि लिया है कि लिया

कुरायानुभारमार्हेगारमानुरायादे हो। नुस्राय मे स्मायम हेना य नाद भेर पारे खुल सेर या संभेर है। खुल नाव र व नाव सार है जुस चर्चे खुर्य रु , ३९ भेष चर्चे छैर रहा दे खार्से (चर्चे वुहास के दे के हिने खुरा "" उदाकृदाध्येदायरे क्षेरार्शे लेखा देवे क्षेरादे केदाली क्षेरायस्यायास्य निवर्ष निर्धापन्मः वेशन्त नाय स्निधानः स्रुधानाय। 🔻 रे हैर्गु सुर लेंसामु म के झूल मुरे 'खुका हैर का मुकारके क्य मर हिंगा या ही मही मही है हैराही। देत्र खिलान्दाव्येयाचा कर्^{द्}षेत्र देश बुंशानुःचाकी 💎 श्रूसानुवे खुणान्दाविया व खर हैर् केंश हो। देश है हिस वर से हेंने वस खेल रे का देश वर हेंने व न व वमानर द्रात्र देश ममाव ल्या मान व ममाव दे वीर न है। क्रिंभ ये.टे लट ध्रुंश वेश तंद, ट्र्यूर क्रिंद, चर वेंदेर ता लेश ये चर्ट ह्यें शायट वन्द्र व प्येव व । निर्देश व के रेश में के बिक्र में वर्षेश व के देश व नहिंद्नु व दहना य दे दना के दर्दर कुय के सूर्य। नाट दना व नहार नहाया व ृदः बर् दे कर् देश या व्यक्त या श्रे दे दिना वा दे अद्वे हैं है अप विकास मार्शिक्ष दर वह व व कर्मन स्वाह व कि व हिर मी व हैर 5 व वह स व हे विशे दे नहेंद दे दे दे दे त्या कर ने सम नदे है स नदे एक कर में ही नाल र देन त्रायमः हुन्। यर वर्ता पर्ट्र क्रिया गुः श्रुवे ख्रिया नास्या वर्ते छिन्। यर नानस्या सम । नास्त्रभावानुदान्द्रम् मु हु त्या इमायर हिन पर् हें पर् पर मियां में मेरे स्वार में महन हैं दे दे दे दे दे दे दे दे हैं के पर हैं ने पर हैं ने पर हैं

ख्य सं प्येत है। से मार्थकायदे तस्य सं हैद दु स्था वर विश्व र स्ति हैर स्ति म् यम वैः यतं र्वमाराधारमानो मक्राहेन्ने महारामानामानामानामानामान प्रमुखानु को द्वारक अपने का अपने का के का सुका कुर के का सुका दुः वनीराव निवरानीरात्रेय न हेया है मान्यासारोत्रा मेरे के पररामी मान्य मुर.तर.राष.पपु. बुर.र्स्। वाश्या.प.हर. चर.त. १४५ मी. ही. वाश्या व दश्यश क्र्यां या लेना सर्वे स्वर प्राप्त हें बार्स प्राप्त हैं के स्वर संस्था पर्वे पार्वे प्राप्त संस्था स्वर पर्वे प गुः शुर द्रमायर देवा य रे खुमा मेर य उन्ने द्राप्त द्रा विस रटाली जारेट ही शास रामार वाहराजा स्वीया त ब्रिया वह सी प्रेश सा र्ने अर् न लेक न न दर् न स्थूर मा देखेर के अस्ति न न के मु र् मु दर्भ में मेर्द्र अर दें।। रहनी 'दर्द्र वस क्षेत्र वदे हें विंकित है। नार ने कें दम समिते सें नहा तार ने उर्दे पहा है। वें दे दे हैं नहा मुक् इस य क्र केंबाब पका वर्ग र व व्दाद्ध पर्ते का से र व केर र मुंदि पर मेर प इसावानिकार्भेरते। वन्तर्ह्माउंमानीकालेकानुनारे न्दासूनान्दानिती। दे 'यस'न्वर'न्दे 'कु' सहंद वन हे न द प्रेंद क लेख छ न है। व्यद हें य दह वह इक् या वनाके चाक प्राचित्र के लेखान वन विक्रान ने सहरका हे नासका चार्ट विशेषान उद मी हैं देश देश ने पर्व हों। दे नगाना या में ने सर्हित्स या में में विं। दे दिए नास मान से दाय हिंस मुन के नुसा 5वे.चर्या हेब.ज.लट चेलज.चेत. श्रुष.चेचा.चे के.चहेर.चर.चेर.च.रे.

रे इस मर वड्र पर रेंद्र नुमाराय म दे माराय नर होर य है B고. 신 बुंस.च नम हैं। पर चेर.र्श विश्वासर नायस स्रवस में बुंस च वाही नायम न न में नाय हु उट न सन है 'न दे नाय साम साम होते । नाय साम स्थार है है 'न न है. खेंश.चे.च.बु.चाश्च.च.भें.च **रट.उहुचा त**रु.ेश रचा.वेर्जा चाल हे लट चाश्च. त्रश्रास्त्र,श्रिम,ब्रेंट, योश्यत,लुश,चे.च.व.व.वीश्यत,च.श्रेंप्र हेव टे.वीर.च.जश.. ું તું. ના શ્રાવા ન કું. શદ્ય તમ. ના શ્રાવા ના ના મહે. તા ને કે કું હું. શદ્ય કું કા કું કે કે हे कु अठव वें।। हेव अटॅब यर मुख्या राम्रार केव या हे वे ह्ये र अटब हुस मु दिर ने मु सक्र वा। नेर सह्य पर पश्च प हैर मु देर सह्य श्वर हैर देश नु नदी दें के हैं के हैं के हैं के लेख न नाम के नह नह नह नह नह ने हैं। गुग्रद कैंग्स सम्बुर सर्गा भे र दें तेस मुख्य दे दे साम्या यानी स दर्शा नाय है द गु लेख मु न य र्श्निक स्था नाय है म् के मिश्र के र पर के में हुँ र पर में द पर्या। र्द्र द म पर है दे थर ्रिं हुन सन मार्न के दे दे नवस अवस ठक के द जी है से मीस दहित या साथित ही। हे प्रसाद मास्याय पहेंस या द्रान्यसाय हे हैं नुपाद म् त्रायस दहित पारे स्ट्रान त्रा प्यार स्त्री केंग्रस प्रमान स्त्री ना स्त्र अन्यादे हिर्देश विश्व है देवर स्थाप ने वे से मि है है विश्व प माद प्येद स दे हित पहेंद्र प्यायस पहेंस स दह वहसाय प्येद दा सु य पहेंद्र प उर्दे हैं हैं दियद विवादिन या उर्देश सर दिर्दे हों वि हो है हिर दा अद

भ्रवस्तर्भ भीर वें। निस्तिनानार मी समाय प्रमान में है ते दे ते रहे हैं न. १. १४ . में र. में र. में त. म. लूब. हे बुझ चे तर ही र. हूं। हूं वे प्र. हूं ते प्र. हूं वे प्र. हूं वे प्र. यामाधीमाया वहन्या वर्षे भाषा श्रीकृत्य विकार की दिन दाव्या वर्ष्ट्र देवे " इस यर इर वर मुर पास भीर में दिस मिन के पहल पति रे कर्म कर है। पहुर्यायपुरिटा श्वारा करें मीश पेश ने या पार्थ मारा हे राष्ट्रीय के हे दे देश कर के हरा मुंश विव च क्षेत्र य। दे दिर द्वाया च कर दे दे दे दे हमा या हिन स क्षेत्र या दे खर व विव भर छेद स विवाय त द्या मार्च । ज्ञा तथा ही विह द स व लट ही है १.२८.ववस के हैन वो हैट वर्ड हिर । है है अस विट वर्ड हिस वंशनाश्या व भार नाहर व भेर कें। देश व द्वार व देश मेर य डर प्येर वे विश्व व वर् य वर प्ये पर व व रे खर के व वार बर ही। ਸ਼**ୖ**ଽୄଽଊ୶ୢୖଵୣ୶ୖୢୣୣୣୣଌ୕୵୷୰୷ୠ୕୷ୠ୕୷ୠୄ୵୷ୡ୷୳୵ୣ୷ୠୢ୷୵୵ୢୖୠୣ୵ୖୣୗ लट हैं, जब वैदान दूर केशन ज्या विश्व के विश्व कर हैं . पूर केंट हैट । दवर विदेश्ये मध्याय है नामयाव ध्येष हैं विमावस्त्र पर विद्यार हैं। कुर् हुर् रे . चु. पुर्म च .लट . देश ता ना हुस हु . जुल . ची. च . ज सूर्य हा . चि . च सिट पार्से नासा ना पहेंद्र बाला सट त्या पर के हैं प्रमेश में लेस ना ना है। न्दः बर्तेया च उदः मि अदः या स्वाधा या यहिन या दान्याने अदः देव हिन् सादा ह्या इसरा प्रतस्य है से द पा उद्देश भी द दें वेश हित्। दें दें से सेंदर देश प

ह् स्यांकृतात खुल. व या व रह्स है। नै सा हेर ने या या यह हैर ही। व ५५ ब्रूट नः ३५ लेश नः नः २६३ वन् १५ ते वन् १५ ते वन् । नास्या नरः ब्रूट नर्दे दट द्वारा उत् ्रि व्यथनात्रुः ५६ विश्वानुः नः है मानुद्र या है । माश्राय है र पर्य दिय छ । बी हैर पर मुर पर दें पर स चर्ह्स दस स्युभारामः चिना या । विश्व या द्वास सर्दे सुमः दर'दर्देश'कुम'म' भेव यदे 'तिर ८२' स्वर्ग प हैर व दर'यर हूर व हेर वा खुवा" शर्द्र पश्चाष्ट्रवायाध्येषाया। दे द्रायम् याध्यायाध्याम् हेनाय हर्षा हेन्द्र मिश्रामेश्राम प्रेश्म दे खुर शिव यर हेत् च हे दहेना हा यदे ॥ न्दा हैना नद मीश हर बर मुद्द वर सेर्पर वर्ष मुद्रायानाद क्षेत्र य लेश मुद्राया कर्मा साम । मामलीना नारानी शहर बर्गाः वराने राम हेरा से राम हेरा यह से विनाम मामलीना नारानी शहर बर्गाः लेश मुन है नक्कित पर मुन ना हैना भी हैं। मुन या नाद भी है ने है है ने लह मी नियम माध्ये हे लेख माने माने सामार्थे हो वान विवासर केर साम देशम्याम प्रेन है। दे वा नक्षेत्र वा हेरावा देशमा हिता बर पुर : विर : देश : पुर या की का को दे । विर की की से ही। विर विर की की से की मेर्यर रम्मायर मार्डे र्चे प्रेश्चर दे हिन यर हेर् य मेर्से समाय प्रेश लिटा नहीं व.त.चार्ड व्यूट्र मीर नव .चारे हुनाश ज व विव चर होर त दनायान न्मेन सामा प्राप्ते हैं। ने 'हेर ग्री'खेर मह्मून पर नि ने नि केरान य बेश न य से न सम्बद्धा है। वह र न वह न वह र हुर ग्रेश मिय ता स्रोक्त मा रे प्र प्र नाय अप मान्य हुर वह्य या पर हेर वह्य वा स्रोक्त स्रोक्त स्रोक्त स्रोक्त व्याप्रवाचय द्विम मा 11

द्रनः सम्बन्धः यम् भः मुः विमेवः यभ्रा । यमः सः विष्युः यहः य।

माल्य केर व्यव र व्यव सेर केस नु व के सर् प्यव है। दे हो व दस तकः यात्मान्तरकेराध्येषा र्वे मन्तरकेराया समानेम रानेस उपाया स पर्दे पर्दे। न्रास्य प्रसास हे हेस दु पर्दे पर्दे हैं है है है है है से सि. प्र लेश नु नः ता **सें**नास या है त्यह प्येह हों। देते कें रद यलेह से द'य है द गु है र वन्तर वैना गुटा श्रुरा केरा द्वारा हे वेश द्वारा के रदा प्रवेश सेना पा विना ह्येर नुर रहे दर द्वार उदार देवा सामा स्वार के देवा विकास मा ୖୢ୰୵ୖ୶ୖ**ୄଵ**୕ୡ୲ୖୄୠ୕୳୰ୖୄୡୖ୕ଌ୕୳ୖୣ୕୕ଽ୕ୡ୲ୖ୕ଌ୕ଽୄ୕ୄୣଌୄ୕୲୳ୠୖଽ୴୲ଡ଼ୡ୕୴ୗଵୄୡ**୕୴**୲୵୕ଽ୷ୖ୴ୡ୳୳^{୷ୄ} ^{કુ}ર કેસ'નુ'ન'હુદ' = ર'ળુદ'સે વર્ડેર'ર્ડેશ **દે**'સુર'ઢેંન'નો'ર્ડેર'કેર'**ળુદ'ર્**રેસ' र्वर चुर य दे मालक से पदरें दें ।। 💎 के पानी देंक तुना के हस पर 🖰 **र्भे ५ ५ ५** । वश्रद्रा ही ५२ छ्र १२ ५६ ५६ ५६ १ । हा दे परिश में नार देश कर लेख न न है अर्दे प्रोद मा कि के निर्देश में सुद्दे में स र्झे दस देश नु न व स्मास पर वह पर हिर है। नावर सेव न हेरे हें वर्र से इटलेस दु रादे र्ट्स में इसस मुँ स्ना वरे हें में परदेव दस है"" 주의 원 숙주성 전 로 독의 의품을 기존 ('고도' 및 의용도 등 등 등 등 등 등 등 이 비용의 다음 ''''' माल्य रोम नानार प्रेवाया देवे दें वे कैरा प्रदार के इदा है। दे हैं है हर ह्ये वनम्बाय वहेन न सेन वहेन है केर है। क्षेत्र वह केर हैन क्रिंग्य नार अक र देते क्रिंग्य नार अक यादे के रहाम है से वह मालक या स

ध्येष ने स्रामा निवर से भार द्रेस ये हैर ध्येष नी सूरी वहेंद्र पर मु यम् दुवायान्य देवायान्यके वावसा क्षेत्रायमा न केर के स से ब व ॥ चीराच बिश्र चे.व. ब्रे च कीर तहा बुश्र चे वर वहा चर चेर् ॥ दे. हेर. बारे विमान्द्र वर्ष रहामी महब केराया यहीं वि ही न्द्र छेश इमायर हैंगाय" ही वर विशुर में। हे है र हे भ दु व है खर है र घर र वर्षे। है रे खंदाव सुवादस् स्त्रुवाश में ब्राह्म से त्यास्त्रासायस । हासून खेरिया लान्वरायसाञ्चा वरीदाव हार्षे राष्ट्री राष्ट्री तराम व हेर्रा वि मार्गिसानवेसा तर्मा स्यान्य वर्षे हैं है भरार् मुर यर दे र महें स्थापर हैर हे बिहार हर व नदाय नदाय नदाय ने देश मान हे देश मान है है दार मान है है दे देश मान है है देश मान है है देश मान है है है नु तें लिखानु न के माहिकाया है र जि के न में । दे हिर न माहिका माहि हिर न माहिका माहिक कुर र्।। नाय हे क्रेंन वनाय लेगाय थ गुरा र्रेश वर्ते र र है लेशन्ताचारे न्याने न्याने रूटा ने हेतातुस नायशक्षेत्र तुसान केर दे केरार नावर केरा न् वहर्'यर मु व म प्येन प रे हिर न प्या हुम मु व न व न हैर न वहर पर वु'च'हेर'षे १'हे। नल्र'हेर'ठु'२म्बर'विषायस वहेर'चेरे हे रहे दे हैं न्द्रशार्याधीय वे ले शानु न वे नधुशानि रे कें द्वा है है दे न न न न है है लेश नि.च.ज.स्योश.नश उकर.तर.नुरे.ट्रा इंस ने.जश.ने.न. हेंस.ने.च.कुं.र्घ्स. उर शिष क्र के प्रमास क्रिया मारी हो मारी है मारा कर है दा देश मारा में दे के ही है है मार द्रेंश व त्रिन्र लेन पश्चित्र पहेंद्र पर नु न अ प्रे प लेश नु न के रहानी है नर लेक नर-नुर प यक्ष गुट न्दर नहेंद्र पर नु न म भेर न लेक नु नरे देंद्र हैं।

हे रे के वर येदा पदे ही दशा यह गया थ रे वेश द्वा वादी गृह गया या से ग्राया वा गा नद्शान्त्राचीराता हे परामेशाया स्ति वसायन्त्रासा लेखा चारते हिंगहीं। हे न नः लेखान न रहेरे नम्दर्भ के ज्ञा पहनायरे के सक्षाने के स्थान प्राप्त पा त्रुन्। यदेनुः मर्कर् नाद ध्येष्ट्राय दे 'त्राय त्र वर 'त्रुक्ष 'यदे 'तुम्राय 'श्रेन्। स्रायः ' **ค**ลูๆ กล้าสูาผสราฐาคฐรากรัดิาสัาติ เกล้าผู้ราสูม กราติการ กร**าม**...... यर लचीर मी। ट्रे.केर भारत्य व मी भव्य भुरं ताल्य व व समावर ल के. यर यर्वाश व व्यायर प्रवीर ह्र विश्व वहार पर प्रवीर है। य रे.के.चर.चरचारा माके**र**.णेश श्रद्धाता प्रत्यीर खेश मी.च के.वेश तक ते.लेश. হর:ক্রী ৡ বহ বহবাধা নাজুমানু ম র্মায় বামের জ্বা বাম র ব্রা বাম ব্রা হা पर्याय'य'र्थन्या सने तुम्र'य'मेर'य'म'त्युर हेस तुःनपे र्ह् हेर य हेर ग्रे स प्येर वे लेश स य वे यह ग हेर ग्रेश रे ख़ सुर ग्रुर य रहें राग्रे " के प्रकार प्रकृत में भूष प्रमाणिया विष्य प्रकृति विषय प्रकृति । के पर पर गरा भारते विद्रास्य मार भेदाले वा अद्देश रहें से दर हैं विद्रास प बुंश.चे.च ज.श्र्वश.च.झूंश.श्र्रा श्रट.ग्रेर झें.रट.पुंश.च.पडिंग.च.बुंश.चे. न है से र नो है ज़ र र से द मो है ने स म तहना म लेखा छ न है र हैं । દેવા જે લેકા ઇ વાલ કે સુવાલ કે જે માં છે કે લોં કર્યો કરાયો કે સુવાલ કે ક્ષેત્ર છે. બાદ ક્ષેત્રે કે કે લેકા મા चैं.सक्^र.वरे.ची.सुंबान ब्रोलुरे.खेंबाचे.घ.बे.श्री.**देवधे.**बु.श्री.वरे.कुटे.सालेरे.सहून. निर्मा नर के भ भ ने निर्मा कर से के निर्मायमा निर्मे कर में लट दे से के कि के मार से दे ना लट के ता कर के सा के मार के

दन्य वि मः श्रमः लेशः तुः २ वेः श्चेर् । यः यः **स्मासः यः नहेर्** य वे 'र्मेशः यः **यसः स्**।। द्यायायनाय विवा नीहा विश्व वाया वे रूटा मी वाया स्वाधाय स्वी वुषाया हे दारा वुषा य शर.स.स्र्रा.तप्र.च ४४. अवश्रामेवा हो। यहूँच पश लेश विराप्त स्री वे स्र बुक्षायायक्ष्मिं सक्षान्त्रहरू स्थान विकास सहित हैं। है स्थान सहित स्थान नु लेखानु व के नु द्या ७५ मी व ने दे प व के दे भारतीय व मु महिर दे पर ही २५नाम क्स. ल्रंब ५४. मासुम ची:२५ ग.३५. ७३. मी नहीं . में र. मननाम प. मी न. प. मे ক্র মহন্ত : ৡৼ৾য়ৣয়ৣ৻ঀয়৾য়৸য়য়য়য়য়য়ৣয়ঀ৴৸য়৻ঀয়৻য়ৣয়৻ঀৼ৻ मक्तायाहेर्य केर्न के बिम व नरे दें कें। दे भागूरका कर यह रहें या मेर्द्राया विश्वानाया स्थानाया मारसारका प्रदेश विश्वान स्थान भुक्षानु दें क दम यह से दा के प्राप्त मार्चे वे वे के भु दि हुं का नुवे भी निवास है ।।।। न्द्रश्राभेदार्ग मालदानु लेखानु च दे स्ययायर्गा सद्दायर पर्दन्य लेश मु:व के द्रिश**र्य र मुर यदे स्मयश शु:**यय पर्ये। विकार के स्वयःय प्येर र्वे 'लेश'नु'न'भे'नालुर'नालुक'प्पेक'र्वे। रे'के'यर्ने'भ्रत् नु'स्रेन्सर 'सर्वेर्न्स' नवदः व दे व व से देन मदे लेश तु व है। सेवाय संवास मदे नवद व र क्रद्भान्द क्रायर वन्ना पर छ न निहेन ए छेन पर घक्ष प्रक्र र छेन भरे छैर। म् तम् चिट्रत्रे, पुंभारा लट्रत्याच बुबा मुक्के मम्बर्धा पर स्थापार दे हर दः द्भाराय दे पहेंद्र यदे नु ब से ने दाया अदादे खुर खूट या भेदा हो।

5ुः च्चाः न्याः स्त्रीयाः प्रदेश्यसः २५स यः दत्यः सः दत्यः यः ५वः प्रदेशः सः ३**५ः प्र** बिटारेदे जेशाचा अटा सेराय रे दें भी अव उन हेरामा अहारी। देनमान मेर्पर रेंद्र उर्पर्स पार्टामार्पेट्सायरे वेस यायसानुरायर मेर्पायर ह्या य दरान्ने राजें 'लेखान्न' यदे 'मान्त्र के नाह्य सामुनायान्या हे 'स्रुवायर ने ने यदे क्ष्राणी हेंदाय प्ये दे दे दे दे दे हैं हैं। नार में स प्या दर्श रा दा दि हैं स चि.च.च.स.स्वास च.र्झ्स.ह । क्.स्वे.रच.जम.बुस.चे.च.परस.च.रम.ट्रम.ट्रस. त्रान्त्रान्त्रसान्यास मूत्राच साय्येदार्वे लेखानु त्रमा ह्यूराने ह्यूनायर हेरा य स भेर के लेस मु नते रहे रहे। इस मु स र र र र र र र न र स मे न र स 5'यरे र्द्र रे । व'दर यं सेर्यर दर्द क' अप लेख ने ने दिस यरे मुंदं पदि श्रुदे नहेना नर्दे का अराहा। विदे देवे हेद के के के देवे प्रदेश सुरे रे लेख न न के हैं के मानन मारे हैं राउक हैं राये माने सुर र्या दे हैं व हुँदि सर व भव नी महिना हैर स भेर हे दिये व वस सम्य ह नुदें। य वसामान केरा वर्गामा भीरा मेरा है राषा दरा था किरा वर महा वर्ग केरा रुप्तचुरार्ह्य। शेमश्चर्रास्त्रश्चर्यात्रमश्चर्यत्रह्वरवर्ष्ट्रप्तात्रद्भ पान्नेर त् हेर्निश्च प्रतेर्त्ते सेर् र्वा रे. डेर्म्मवर्त्य प्रत्येर विषे मीश देश में न दे मोडियोश रेट हैं। रेट रू चेट रू चो में जा सूर्याश माज लट उन्हा जा यान्दावनीय यात्रार्श्वनाशायते हिनायन विश्वासे बायते हिना है। माद्र रुद मी लट रहें से से दे सम सामित तर रहे रे ले हैं है ने मिं हैं दे ने में

र्देशलेश.व.च.च.म.स्वासायार्झ्स स्त्री देपर्टर.व.वे.लेश.व.च.च.ब्रे.ह्ये.ट. ले भः चुःचदेः द्राँ द्राँ। प्राव्यः मुक्षः गुदः म्वादः म्वादः सर्द्धः सः ३ः माध्येय वे लेस नुप्त वे देव नावय न्याय हो यात ध्येय प्राप्त । क्रामक्राक्षेत्रद्वाचयत् स्रुरार्चे लेश्याद्वादशास् । वस्राक्षा वस्राक्षा नु व के देल दूर व र र ।। दे तमा व दर्ग व हैन प्येक के लेख नु व के सबे च्रांत्रसास्त्रा द्रांत्राः महर्त्यते साल्ये राष्ट्री विषानु चार हिना द्यूर रदे हुर रे लेश में वर्ष रेमाय है रे भर्द है । उर द्या में भर्द हें ने प दनायानते सुर न्र्याच सेनाय हेन नुष्वणुर निर्मे सुरारी। वर्षे पाय लेखा चि.चरु पर्यक्त वर वहूरे कुरा वे.चरु श्रेचका के बुका वे.च कु.चरुर उरे हुका वे वदे प्रमेश व के नालक हर जर ग्रह र संभा भेक के । व व के र भेक के क वर्षेश् यर वर्हेर् पर्यो। वर्षेश् प प्याप्त प्रवश्य व भेर हैं। ह्ना प हैर मु ब्रुर-रुपाश-पाश्या नद वर्षा व शाली १ व् . हेश व व य स्वाश प्रयास्त्र यान् भेदान्। न्यरादाभ्ये मार्ड विकाले मार्ड देशाले मार्ड क्र यर निवन यर पर्देश या वर्षे का यह हैं वर्ष के ही। हे दूर्व ही बैं सं प्येत हैं है हुर रग्नुर व दे सेर व हैर प्येश पर वहूं व है र पये छैर हैं। द्वर व सूर्त दें दर्द र दर्द श व र मार्थ कर सूर के मार्थ से से र मे मार्थ सं र दिन न मने प्रान्तिया कर प्रेन के 'बेश मु न पर दे 'अद द्विश मान प्रमान कर जुरु कर " महेना पते खुवा उत् केर प्येत पते खेर । दे प्यार मेर पत्र द रहा व मेर

या भेदार्वे ॥ अरे हर्षा यहाँदा या यहाँ वाया स्वामाया भारतीया या भारतीया रक्ष गुन् नु न्न नुस्र पर रे हर दु दु व य य वर्द्धेस संदे प्रेस पर हैं दे ये दि सी व सी चुःव है खुः य यम्रातुक्षानाहेना त्यायम् याम्माचुः यदे दि ॥ नाराक्षेत्र पाने वदे हर सर्वेट हें लेख हो व नुराया लेख नु व व यह मी दश्यामा र्द अ: स्वीयायाया सेर्पिते ही स्ट्री वर्द अप वर्दे या वर्दे या सेर्पित हैया है। दह्नन् पत्रे हुँदे केश दा बहुट वर विश्व दा प्रेश हु पत्रे दूँद दट दह स दस ता **ৼ**য়ঀয়৽ঀঀৢ৽ঢ়ঢ়৽ড়ৢয়৽ড়য়৽য়ৣঀ৾৽**৻য়**য়৽ঀয়৽য়ৢয়৽য়৽ঢ়ঢ়য়য়৽ঢ়য়ড়৾য়৽য়ৢ৽ঀঀ৾৽ৼ৾য় निरंधः क्रुनासासाम्बद्धाः स्थाप्ता । वर्षाः स्थाप्ताः विद्याः । वर्षाः स्थाप्ताः वर्षाः । वर्षाः स्थाप्ताः वर्षा ल. श्र्येश.च.जट.ज. श्र्येशस.च.श्रेष्ट्र. तीवाच.वाटाका श्रेष्ट्र.वपु. श्रेष्ट्र. देवे.देव.देवे. नरे नर् वानर्क्ष वासेन्यान्तेसाय उदाकुर हिन विदेशहैं। ह्यांश मु ह्यां सामा हिना ता सम्मा ना ना ना सम्मा ना सम्म लेखानु च के मुंचि ह मा च दे मुंख्क प्येक्क्री। इस्था माहेखालेखानु च के मुंचि इटाम् थु भारत्मे वाक्षास्त्री सहका के द्वा कि क्षेत्र के निवास कर स्थेत लेश स निर्देशके दिन केर ए ति स्थान निष्म निर्म केर दे केर निष्में केर क्रिका के क्रिक्त अर पुरायक स्वर प्रायम के प्रायम कर वा कर महिल है के क्रिक्त यह्रीत्रान्द्रात्रकेर.वे.ह्बकासर.विचेर.वादेःकावदेवासव,वादेव. ছুনাপাট্রী,রিধ প্র বিধারাসেখাট্রারমপ. এই জে.পাছেখারা, ই.বমাথারীনা ह्येंबारानाहेन वानाहत केंबारामाना वाना का के विकास है परः वर्षे वर्षः धरे हुते दमः धर्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः प्राप्तः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व

मत्रे मुं उद्दे हैं भेद मी। ही दिस पर मुं प्रते मुं उद्देश साथेद दें।। दे तरायते देशामु पारे महिनानु पहेंद यदे मुह्म या हेन नु रहा यहे रे । ×८.चु.ती.ती.प.१८४.वी.च.सु.भे.भारा की.मेस च.१४.भारा क्यां श्राची तारा तार् ब्रॅ ह्या के हे हिर दे पर निर्मा के ब्रिक्ट के ना वर्ष में मोट्टमा में देन प्रत्ये वे सत्य स्राध्य राष्ट्र प्रत्ये प्रते हैं र वेश में प्रत्ये हैं स्राध्य में मु विश्वासाय दे ता श्री श्री है है से साम है ही स्त्री मारा ने से हैं दे हैं है मुक्त देश न वह बा दृश ने वा प्राप्त कारा स्वीयायाय विष्य विष्य विषय है वा प्राप्त विष्य है वा प्राप्त विषय है र्श्वेदः प्रदेश में श्री । कुमीरेना नी तुरा या से से राहे सामारे से प्राप्त कियाना न दें असका सुर सेंदर नदें सिंद्र में से प्यादा निकार निकार सुर पर सिंदर ना निकार सिंदर निकार में सिंदर निकार में हैन न क्षुर पर नुर्वे। दे वे बहुश नु नुरुष पा उर् है पर प्ये व वे लेश नु य'वे'अमधासु'ह्यॅदःदर्रे ह्यॅ वे'इमाध मुकेना हॅम्बायते' प्रमुखानु खरा हैने प्येत है। १ अमस्त्र सुर्ह्म त्यालक प्रताय क्षा मुन्य रे के ही। यह १ के दे के लेख मुन्य दे है भर र प्रति क्रमस सु हिंद नदे र्जू दें।। नद ने स इस धर है व प्रका । मेनाश हैं लेखानु नाहे नाशवानाद्र हैं तह नाहना वसाइ न्द्रमा हैन प'ते नामका वदे हेस क्षां कर्ती वर होते हैं। वामका नाम कर परि है नः २६, ६८, ब्रुर् २५। हे क्षेर्यं नः लट १८ क्षेश्रः मुख्यः स्वांश्रामसादेः क्षेर् वक्षद्धर वेद द्या ५ य व्यवस्थ वे दिन हिंदा स्ट्री वे द व व व व व मठेमा पर तुस्र य हिन्दार पर हेसासु पर्मी पर है है। हे हा अर ही हिर्देश र्वरामुरायकित्रमुवायकित्राधिकार्वे किता देवे क्रियाववस्यानिका हिन

चर वृषाया भर देश नु न ता स्वाहा सा हुं सा स्वाहा हिंदा है से सु न ने दे के हिंदा सु न ने दे के हिंदा सु न ने दे खेश नु त है वृद्धा सते हैं श स् त मूल के हो । वृद्धा या मालक मी हेश सु त मू भभ्य लूर् ना ले था ने नर हुन था देश नर हीर हो । हे सेर व हुन हीर तर् विर्तर नविश्वी हेश शिर्ते व लेश तथा हर श्रेर्ते व में भक्रे वृषायाष्ट्रमायम्नायमानु वार्यस्य । दे त्याभ्यामानु समान मुना पासे दार प्रमुद दें। विमुद्द पर के प्रमुद के प्रमुद्द के प्रमुद के ब प्रवासी है निवार ने हैं के जिस है के लिख । कि हो है के निविद्यानु भीता के साम के सम्मान के सम्मान के सम्मान सम्मा लेखारु **न** के माथ या नाया ने काया दल हिंदा या श्रीका नुकाय का फीका है। यदना कुरादेशमान भेवाम रे हिरावा परीरावेशमान्याहित मही मुरामहवानु में प्रमुर हा। है है र द्वर है दे हैं हैर र है र मर्बेट व दें प्रें दे हैं से मध्रुवाया दे सह महिन्य विश्व मुन्यदे द्वाद्री है । है पहिन्य महिन्य मुन्य माध्येदायामाराध्येदाया देशानु मा वा स्वान्याराया तकत् यर हिन्द्री। र्वे हिन्दाय द्रिन्स पर्दे ह्ये दे हे नर मेड्स मा द्रिस वे ही है वर विश्व वाहर है सामहेंदि हो। दूरिश विश्व से पायद विमानी है:

यर त्येव य वे व त्ये १ व्या 💎 ह्या यरे दें के दुवे वहा व वेश व य वे रनाना यर वुव वर्दे व के खुय दे वा गरेगा दु मेर धर वर्दे य हैर में हुर हैं। हुं य दृष्ट व्यन् दा होद र हे ह देश न य वा स्वाहा य लेश नु व है विहेवा द दिस र होदायवे केंब्र हेद प्रेश परे क्षेत्र में अप देवाबा कर्म लेश नुपर है दही गर यते सर्वन है र ग्रीर ग्रुर स देश वु न २ रेश वुर यर र मा वु य य ये हे ने वृंतु मनु र य है कर्न द अदार द विहे द व रेन से वह वह वह व व रेन मुर 'द'ना है ना रे केंब धेद दें 'बेहा य प हैद' ता केंद ता ता पाट करें य दार केंद ता मान र केंग्र दे न्या मीस मालन मी मानन केंन द्याय म से द्वाय य उन र महेंन गुट प्राम्य में प्रमुय य उन हिन स नहन हैं लेस क्केंस है। यर नु. म हेद वा स्वाधाय दर्स स वे वे स्वेत्रा हैस स्ट्रिस स देवे सुर माल्ड ही " नान्त क्रेंन्स देश भी हो। देश देन् नाम ने नत्तुन यह न्देंस ये दे हेन उन हुनि जेस यादिस से दे हिसा हु हुन महे हर न अना उंच मुक्ति द्वास द्वारा वे अय उर नुमूच या हेन स प्रेन विद। दर्स सु नानम के ग्रेस की दें। व्यर्भ पर मेर मेर मेर मेर है पर मेर पर महें पर """ से तुर है। दे तुर तुर तुर ते हैंर ते भारा लस नुवास हैंद ती हैंर र्रे १६५ केर.तर भुन्यत् स्टाउट वर्ष वर्ष क्रि.तर स्रे अगरः सामहिना भ हेर म ला क्या दे लार रहानी सकत हैर नहिना सुर्दीर

यर पुष्यार्थे र त लेखा पहेंद्र व स्वर हुर त नाया वर त मुद्र र लेखा वसससा पर्ये। दे स्टर्ब र न य विना हे स तुः य बै हो दर्श में र हा नश हो दर्श में र हे दु प्रश् विवाया में द्वापीय रहा मी संदेश हैन अब यर क्या मुहसाया अव व्या है सूर र्ट्स रें 'हैर-फेर वा दे'यायर वर्षिक्री न वर दि व हेर वर्र वर वुव भिर्म दे हर ना है विदेश देश रे दे रहा च ने न स्था मिन च के हों है। र्दमाधार रामी मर्कर की रामिश कर माहि रहें हैं है रामिश या अ भेर नुमा विभिन्न भेर विश्व विश्व नुसुद् या ना भेर या दे विश्व दा अर्कन हैं देश भे विष् देश के विष् के प्रतिकालिक नु न व क र्मिम न क्रिंग की है है स कि र में द में द कि द कि या व लेश मु न के हैंन्य न र्रों अपने हो न कर हो देश हो कर मार सुँद था केर भार के उटा हर्। १८९० इस य महिल मुश्रद्धा हैस सु मार है के प्राप्त हैं व प्राप्त हैं व परे सर मार्च १ केन मारेस के बाल्य उ के मारे लेखानु मारे दे मान्दाय सहित या व रू द दर हु ते सक्द हैन द्वा व्यव नवित् यते वविय नु र्यंद या स यो द दें विस नाश्चरक्ष.स्य ॥ ५. स्न- ने स्त्र्य ने स्त्र ने स त्यस नालक प्रति श्रुति महत हेर ग्राम नालय न हेर र प्रति हैर हैं लेखा पर नी मक्ष्यं केर् तम्म विश्वान प्राच्यां म्यान प्राचित्र प्राची मह्य केर नियम निवर मार्श्वे दे लेखान न निवय नार में राज्य हैं हैं लेखान निय हिन नि यादे पंसाव ही में मर्का है रही। हे नालय नु भव के लेख न महीं मर्दिर

नी द्वार्था या है मा प्रेव नी। व्यव गुर मह्व सुमा नी ह्वा प्रेव स्था मी दि व र्राम्य १ १९८८ मध्य १ मा द्व मी र वे सारा मारा लेव पारी है है ररण नी मळवर हिर प्येत जी दे मज़ेव नु हिरा हु दमना पर दे निमा पर ने निमा कर ने दिर হু হুহ জুৰ এ এব নী শুনা থ নী নাৰ প্ৰত্য প্ৰত बुर्निसर बुक्ष माना भेका या दे के हुँ ने सक्क हैं राभेक के लेका देव नालक कु हिंगा वस्य नाव्य न न न न ने स दम्म पर न मद्र न प्यत्र की दे न स द स स्वर्ष श्रम रः भूगा नु मुन्द्रा था रामालया मालया मालका प्रामालका प्रामालका स्थान है । से सामालका मालका मालका मालका सामालका वतर यन दे श्री र दे र दे हिंदी सकर है दे उन वन वन मान दे से पा दे हैं दे रदः नी अर्कर हिन ग्री रद नो दि व सद्देश पुत्र मु वेश दाश लेश मु न भ स्वाहर रक्ष.चंबर.चर.चुर.च.लुरे.च.लुरे.चे मह्य.केष ची.लेख तब.रर.ची.ह.च ह्रेचिस. यर कुर रट में हें रेट मकर हेर हम मुनदे र्यट र नुम करा शुक्र दिसानु न दे दिसारा महिमा न मि मक्र म के द के द न न दि। वालेशन्त्र व व व द्रात्र केर मही। है निम्दर्श विषानु न महीदे महन हैर.चन्तर ह बुंद्ध हिंद. यत. ट्वेंट ह. । अड़ १. हेर वह र वड़ वें कें है है ट्रियर लेक् वस हे साम वास में साम में हेते. बुर हे नग हेते. सहर हेर ने नहें र ताल ब हा। हें ने हिर या पश्चित यर व याने हेर या लेखा व या के ही यञ्च या या पर । पर के मिखा यत्तर रश्च श्रम्भारा लेव.मी.चर्से ग्रमर मे.च.व.व.वट. मेट.लूर.त.स.लुब.ब्रा । हेरे अपनी र्रह्मायाय अलेशन वाहेश सुन्यामायने अयानी द्रासीत " सहव है र हेनाया मदे छेर हैं। र्या मुंधा लेख न न ने हैं हैं नेया या मधा

नुस सुसामे दे रदामी मळन भेराया पहना पर मे रम्युर र विशान परे रेन र्हें। विह्नायर से त्युर हे लेश नु न है। हूर हु ता दहना तर्भिक्ष.धटकार्यका.द्वी.रूजा.ची.का.ज सूर्याका.जा.जा.च्यांचा वात्त्रवे.जा.च. क्रें मुं हैं का क्षर विदेश मान्यां ना त्राची वा निवास हैं का में का विदेश में का व भ त्युर प्रभ लेख प्र १५ च ना कि पर दे भ ने के मुमाय ऑरस सु पठ र वेश. बुंश. चे. च वा. श्र्वेश दा. लें र हे। हि. हेर. चैशाय लूट श शे. पकर वेश. यिभाताल्ट्रा श्री : कर : तर (बेर तार्टा मेर्या तायम् वातर वि वर हेर् म्रूमावाता वहना पर में व गुर व दे दर व द वर हो अंदब हा वहद क्या वहुत वर मु पत्रे रेंद्र र मो सळव है दे भ प्रह्मा सर से प्रमुद्द रें दिश मु पर दे दिश सामा भक्रुंद भर्द ह्वं भ्रव ह्या हिंदा हा निर्मा न माने माने हिंदा है हिंदा है हिंदा है हिंदा है हिंदा है हिंदा है है मर्ज्जेन या महर् यद्री माहित माहित मालि र मिट वर रहेन हा या प्रमुख या प्रमुख नु पले द न्या नि र भेर च दे । ३ ले ख नु व व दे रहा ने सक् द के द गी इस पर हिंग्डाय । पश्चान्त्रसदे ह्नाधायान्त्रेशायायम् पत्रियानमाय्ये सारेल्। कु नीट मीश ने पहिमाना क्षेत्र हो नी नी विश्व मी हैं पर हो वा में के हो हैं। हैं कि रदानी सर्वत हैन नु हो। इस यह हेनी दिन हैस है न्यना पर्वे नहार पति क्मायदे क्वें वहा रदानी मर्कर केर दु लेक पहार् निहासायानदा भेकाया दे के रदानी म इंद केर लेद वे लेख छ उरे रेंद हैं। हेंदाश म म में दे लेद मदे द्वर मेंश दे न्याया परे हैं वर्र हैं साय भेर कें लिस पहेंद ही। दे हैं न्याय दे हैं दे अपमे भे हे । अप द्यापत अपमे अपने इस साम दिहें (स्ते केर ही।

्रत्मिक.स.लर.७ंश.चे.यर्.सर् ह.कून.इ.र.। श्रैच.मैं.भ.स्वेश.स.७ंश. नि.च.झेम.वश्राच पर.च.काब.हा झैच.चे.ज श्र्यश्राच प्रिम.वव.ची जेश. त.ज श्रुचं के ज.श्र्चकातपु स्रेश्चरायहे र.हा राजेरावे किराविका राष्ट्राकी निवृत्त्यते मिन्यमा माञ्चे मान् त्या स्वीस यहेन हो। हे सिन्दे हु.केर शुन, मैं.ज.श्चम तर लेज.वर में.चेश.त र्ये ज.त.केर.जुर.तुर.तुर. क्द्रमामाध्येत्रय दे प्रत्यद्वाचर हिस्रासु प्रवासि देशाया प्राप्य प्रवासि लेश.चस्त्र यर.प्रचीर.स् । प्रचीर.पर.पर्ट्र.की.श्चि.ट्र्र.ट्रेर.प.प.वेश.त.श्रेर. य हिन के हिन दे ता देव दे विक प्रकार वहना य दे कर सर के से द्यार वा है दे इस य देश गुर र द मी सर्द है द दें नास य ये द दें। दे तस द दे है दें नास य दे.क्ट.भ.३८.भूब.व.चीर.चीश.वर्जूच ।टे.जंट.ब.ट्र्चा.त पट्र.चंश्व.चंट्र. र्द.रे.पर्धिकातपर एष्ट्रा विष्टा रहे हैं.विष्टाता करे हु। हे.क्रेरे.बु.पर. मी में से हैं हैं दें लिस में न न स्थार यह देहर में में हैं हैं कि से माना लिहें मुक्ष नाल १ हॅर यात्र नाया पते हुँ राह्य । दे हेर यका दे हेराया या नाल १ मिटि म् शालु रे तथा विकास कर मा विकास कर मा विकास कर मा विकास कर मा के दे हैं र ले र म.रे. इर व.विव.तर वेर.त. स्वाय.च.रेश्वेचश तर् ॥ हे.यंबेच टे.क्र. कुर मामायम्बर्यास कुर ग्रीस मिनारा लोक मारे रहा समाया ना लहा सम्मारा लोका । र्श्वेर न न ने हेरा य अद मिया सर हिन म दम्या न न है मेना स 口了"学工司1 माकेर लेब.माब्रिंस.च.इ.रमा.मिट.वता.व.चल्लीव.मा.भुव.ब्री। रह.मी.भक्ष. हेर्'में वसमस्य व उर्में हिस सि र्वा रवना ता है। दर्म हेर् छ हर व हिस व व हैरर मा मक्षेत्र हिन्दू लेक प द्राध्य पर्मा दे खुरान राम के कि है निका

य**े.पश**शःय क्रेर.म्री.हंश.श्र.रंत्यं यञ्.रं र हेज.तर.प्रचीर.र॥ विश्वसःस.ह.के. व व वैत्र पु ति ह ग व श ग्राम्य व शै व दि । सहुत व र । र म नी स ईत्र हैद । हेर् । य दिवे क्षेर है । इर दे हेश ही रे ग्वा पाळ रे सा हेर रे सो प्रयोग 💎 चिवर रेवा दे सेसश नर हिरायश कर नहा स्राप्त प्रकार है। रट.ची.सळ्ब. दे वरा ब कर्म स्थित वरे कुर वर्ष भावासा भेर्दे । विद्यानी सहस् १९८ में अभारका है पां शुप्ता गा गरे क्राम १९८ में इस सामे देश सामे देश सामे हैं। सर्वतः हैन हेन्स या वित्र हे या सुर्वाना यह रहत स धीर हैं।। र्टानी ट्रिन् हेर्नु हॅन्था प्रेया भेराया हे खुर का बर्जिना यते ह्विरावा मुखाया प्रेका वी। ग्याने ने ति ति ने स्पूर्त प्राया भेव के लेखान मुनाया लेखान व के देव नार त्या लेखा यस हैं य र तहन यते दें हरे या र सियायर मेश व में वर्षे व से र हरें लेख मुन ने अर वा प्रम्यान नामा के दारे हैं कर साम भेदायर हुर नाम हैसान परीया म् १ हे ह्यु र पर र यू र इ वे स मु निर्दे दें हैं। इय म द द वें हैं द लेश मुन बै.चार.बै.चार.बे.चार.पश. गवर.में.ट्र.च्यूर च्यूरे हे.हे.हे.घ.य.र.हे.घ्यर.क्य.प्रमुद्रः है लिस छ न थ से नास थ से नास है। नास है हैं वी नाम है नास या दे हैं हैं नाम ना है हैं यर ले रच व्यर् च मा की र य दे हर हुन च देने के माम देश य के द व्या रे प्रमुच पर हैं वे नाव ('येड्रेंप'य'४' भट हैं वे नाव के पु ले के पा अर्थेट पर्ये क्षेट र्ते । १ रे रे रे दे पर दे वे लेस दु न व व स्वास यस स्व रें। मते हुँर न र में लेश न न के न स्कर्भ भेर म ने के तित्र भ मर भे ति न र

ब्रू विद्युत् विद्युत्व विद्युत्य वि ध्येद:51 नेट्रश.मू.ज.भ वधा.पठु.स्.वस.क्.न.भ.३८ लुब.पठु.क्रें.ट्री डे.केर.व.भू.वर्थे. नने खुर कर्मा हैर प्येश के लेख नान र कर सदे हु दे सक र हैर केर निर्देश अवस्य स्वरी ह्वा व्यवस्था विश्वस्य स्वरी है नहा कर साथ है है । व्यवस्था स्वरी स्वर्थ स्वरी स्वर्थ है । द्भ'द'दे'स्ट्रिं'सु**स'र्८:हेस**'सु'र्पना य'स'निर्देन्स''पर्दे'स्द्र'स'नीसुसर्वेद'पर'' मकायित है। विस्थान केरणी सुरादर इसावर हैं नाम द्रावह साम केर য়ৢ৾৾য়ৢৼ৻ৼ৽। য়ৼ৾৽য়য়৸৽৻ৼ৾৻য়য়৻ঀৠৄ৾ঀ৻য়৻ৡৼ৻য়৾৽৻য়৾ৼ৻ৼ৾৻। <u>इश्राह्म प्राप्त अराधा अराधे के देवाल अराध</u>्ये के स्वाप्त अराधे के स्वाप्त अराधिक विकास के स्वाप्त अराधिक विकास म हेर्मा भेरा पार्या मेरा है। इस्मार्या मान्यू पर्या है राह्य है । **५२- १०६५ म. १०१ म.** ग्रे.बद:र्-पर्ने चर्यः ख्रेरः द्रा। रे.बेर.ब.हंशःश्वःरचना चर्यः हैंदे अद्धवः हैंद के वदै 'भैक'हे। स्नि: हु मुर परे हिंक मालक रहे या या यस हिंग राय है हिंक शु द्यमाय प्रवाद लेश दे अपना प्रवाद दिया पर पहेंची पर दिया पर **लटार्बेर व्रायार्बेर विदे वेर् ग्री दिवेश मारेदी दिवस व्राक्त केरायस वेर विदे वेर् ।** रे.ज.ब्र. विष्.प्रमिज.च.क्षे.चर.प्रमी रे.चश.ब.चयश.वेष्.५वाश.तश. श्चेश.नष्ट. हेश.श. देवना च. हेर . लेब. स् । दे. हेर. ब. स्र. वेद. स्र. प्राथ. रूट. त्रं भेना में इस पर वेश पः हो हो। नार में हुर र द में सकर हेर विंद हमायाध्येत याहे के**द**ाग्रे खेरावाब स्वाति हमायाण्ये स्टामी टॉर्च हमायाध्येत हों। <u>୭ ଅଧ୍ୟ ମିଖ୍ୟ ନୁଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମଧ୍ୟ ମିକ୍ଷ୍ୟ ପ୍ରଥିୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ</u> यदै'न्न्य देते'वर्न केर् रूट दे 'यस मुद्द यदै' देव केर् नु 'वसूर य स' प्येव वें।। नाय हे है दूर दे र र मी मर्ड द है र मैं अहे हे अहे अहे य में व ज्ये क ले जा है है र मैं अ लेखानु या वे सी क्ष्यि देव गुरादे के रेवाक उव मी रहा मी अठव हिरामालक दहा ही। यदि केर्येन में बेरानश्चरमायायेन में। देनमान मेनमामहितमा यदै रदानी सर्व केर रेन समासी समूत या त्या त्या प्रति विदायर उत्ती ही लेखा चीट भारता चीका या केरा भारता क्राची पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना पारा माना 4E5'511 यर प्रविचा पारी लाट क्रिंब दिए क्रिंब हर मुँ इस पर दुने पार क्रिंब पार प्रवृत्त यते वर्ष हु रहे राते रें क रें के हो । वी रातर हिन या के हमारा ही रात की इस पर नुसाय प्रमुक्ती र्न मुद्द के स प्रमु हे लेख मुख्द सी। বর দ্বার মর দ্বার তর ট্র ্র মার দ্বী বার বার কি মার দ্বার বর স্থা पहनाच के अप्येक कें। वें के के खेब के बा अर्धुनाश नालक वार् न्याने वर्षेत्र तु ता तिम्तिता वा त्या वर्षेत्र तुत्रे त्रेत्र ते त्रेत्र तु त्रे त्रेत्र त्रेत्र त्रेत्र त्रे उन में तर्नेन्यायर नेराय माणे व ले व रे त्यस हैर त्युर। द्यम्भेषात्रचेत्राच सम्बद्धाराचाकेराक्ष्मसायाकेमा ध्रेकार्वे॥ तर्देरास्यस याद्मियायास्त्रमायास्त्रां दे लिसारे उसालिमा महेंद्रासर मुखे। सुनिस दे

हिसासु द्वापाय वसस उद् गुद द्वाय व केंद्र प्रेन यम विदे हो। प्राथ केंद्र देर वुर विष्यायाया हेश शुप्तम् वार्षा माज्य याज्य या स्वर्याया सामित वे ले व न्या है। स्पूर्या साम्येदाय दे रहें सामुक्षा है साह्य द्वानाया है दासाम्येदायां साम्येदारी मार हिल शि.पर्चे च.रेट क्रिंग म. रेब. च. हेरे होर चर क्रेर मा. ने च. पश हो ह्यां स ... यर विश्वर यर दे हैं हैं। हैं भी श्राय है हेश श्रु प्रयमा सदी भीशाय प्रेम पर भैः २र् २ **५म।** २ द्वा ना शुम्रायदे १ ना शास हुसाय प्येत सारे हराता है दमःमुक्षःह्रेकःकुःन्यमःयःलेकःक्क्ष्र्यः॥ मायःने व्र न्युते द्रियः व्र न्युते व्य प्रमुख न देश हु न्वनाय केन प्रेन की हे हिर हे अ हु न्वन य केन कि ট্রবা ট্রমাস্ত্রবেলানা দ্রীমার্মানর্মু বমান্ধুরাবমান্ত্রব মাট্রসাস্ত্রবিদাবা क्रि द्वे के दिन्द माम प्राप्य के ता प्रदेश में में माम प्रदेश में माम प्रदेश में माम प्रदेश में माम प्रदेश में च-तिमारा तात्र विकास केराक्षेत्र अप प्राप्त कार्य वा कार्य हिट। रुपातार्सिनास यदी हमासायस होसायदे । हेसासु द्वानायादरी है। श्चास्तित व केर.रट.रट्श.तूर.कॅट.च केर.लूब.ट्रा ट्र.के.श.लूब.ब.श्चापश्च. यः केर पु अ त नी र र ।। रे प्रशाद केर विर त मिला म प्रे के दे प्र प्र स्था केर प्र स्था केर केर में प्र स्था केर ब्रा निकेशनाताला सम्मीयाताला थरे। ब्रम् निय के निय माट.चेश ह्याश त.लंब.न इ.ब. दे हुए हू. च्. केर दे जे केर हैं विश्व माट के श्री केर हैं विश्व माट केर हैं केर हैं यः भटः रटः ने अर्ढ्यः १९८ र ने न्यासः या भेषः व् ' लेसः तुः पदे ' मान्यः के मासः सः मानाः सः । ।

9**5** 9·35·3 || नहर्नु केर केर लेस नु नते 'महन केम गीस नहर क्स.तर.ह्र्च.तपु.क्स.तर.जुश.तपु चिडिट.च.चर्ड्र. बेब हैं लिख नुपा ने ଌୖ୕ୢଌ୵୷ୢ୶୷ୢ୰ୢଊ୵୕୵୵ୢୢଽ୕ୡ୵ୢଌୖ୵୵୳୵ୄୄୄୢ୴୵୳ୢ୰ୢୠ୵ୢଢ଼୶୲ଌୢ୷୰୷ୄ୶୴୷୳୶ र्द्स य १९ रू.से**र** यावह्र । डेराया १९ एकु । डेराया १९ रू.सी। प्रायान ह्रियाया <u>५म त्य.५.३५ स.५४ ३५.५ सूर्य तर विर.५ . ७४.५ त.५ स. ५.५८ वर्ष</u>े स.... बिंश-तुः न वै:ब्रूश-तृत्ते निर्मा मादः विद्यायः ध्येषः भः दे वै: र्द्यं वाध्येषः ने। य निष्ठेश य निष्ट भेदाय द्वा माद कर्म भेदाय दे दे ति विष्य यर से दिच्चर दे लेख नु य व स्वाबाय महीं व य विद्या पार के व य दे द्वा वे स दे स य है द र हुं कु ... मर नेर दें विश न मने दें गर्ने । दे अर व वर ने ने विश्व के ने विविधान केर लेव व ला कर मा केर केर केर निव निव हिर हिर हिर हिया न म हेश न केर हिर । ৢৢ৽ঽ৾৽য়৾৽ৡ৾৾ৢৢ৾ৼ৽ড়৾৾৾ঀ৽ড়ৼ৽ঽঢ়ৣ৾৾য়৽য়৽ড়ৢ৾ৼ৽ড়৾৾ঀ৽য়৾৻য়ৢ৾ৼ৽য়৾ৣ৾য়৽য়৽য়৽ঢ়য়৽ঢ়য়৽ড়৽৽৽ ড়ৢ৾৾ঀ৽ড়৾৽ড়৾ঀ৽ড়য়৽ড়ৼ৽ড়ড়৽৽ড়ড়৽ড়ড়৽ড়ড়৽৽ড়ড়৽৽৽ र्वे। १५२ प्रश्नालेश मुन्व के हेश सुन्तनाम न्दर नेर हूट म नना नी ब्दर ब्रूर् वि.रेट पर्नेम नर्ज खेश वि.च.च.च.चम्रीर तश ब्रूर् वेष र्ज्र प्र र्दर विके ह्व 'र्दर विकेदिस वे दर प्रदेश व प्रमास मा बॅर नुति वॅर के केर नु दूर वर्त्रेय पार्थ के है। दे प्रमानुहाय केर की की ब्रॅं खुदै व्रॅं र्दा व्रॅं खुदै वेश य अट अव व्या वेश य दे अस दे ला पहना चत्रे भुरार् 'हेश मु'मा है हर्र मुदी दिं 'वा हर्र मुदी देश मदी मु 'वा ही ही मु बॅर वुर दे 'ल' ५ हुन' पर है और री। दे 'सुर दे ह्वें दे 'सूट पर्थ हैस' हु दम् निन्दिन स्मिन्दि देश सु नेद प्रमाद प्रदेश न न देश मु न स्

हेश सु दम् व दिव स्वाप दहें व पर देव हैं। दे **सेद** व मेर्'य'केर्'मुद'र्ख्या'य'यद्दिन'य'लेस वहॅर्'र्रे॥ रे'स्'म'प्पेर'र्र'र्दे मेर् यात्मा पहेन या है न्याया होना प्रति। हिनाया ये ते हे सुर मी ना नहा स्नायसा त्य वर्द्धशायश ध्रेक के 'लेश द्वाचाया हेन्साय चे 'हे 'द्वाचा चे दे । हे दे त्रीता श्वरात्वा वार्या स्त्री सिन्दार प्रमुद्धे पा ता सह्य ने स्त्री मात्र सप्ते मात्र साम्य स ब्रें। दे.केर.चे.चेरक.अंचक.दे। दे.ज.चर्डेश.त.हे. ट्रेजू.ट्र.च्र्.ज. पर्वेश'य'वेश'यु'पदे 'र्ने र्हा। देख्र' व'नाद'श्रूट'य'सर्वेट'य'र्स्स'य'स्निश यार्ज्जेन्सायारुद्वान्यार्याद्वारम्भाके यदि दे त्यारमा त्युसायसाम्बद्धाः यद्वार् र्घे ते इस्राध उन्ने के श्रिक म ही न नाम प्येन म ने ने मर्मेन खुर फेन ल ने से ने मिन क्षेर क्रिंग पु नुर प के र्वा। दे क्रिन् नु हे क्रिन् नु प कर पर पर हैं निकाय में दे नीर्याक्षेत्रात्रात्रात्रात्रात्र द्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा भूत्रान्तुं मुक्तारा वा देयायर यविष्याय भेते हो। र्द्याय दे रहा वलैक नुसायस्य उद नुमादसायाम्बदायस दे साधिक वर्षे वस्त्र निष् ्त्र पश्चिम्यादर नल्गाव के सिन् नुम्बुर यानार लेब यारे श्रम्या उदार सिन् नु . मीर तालुक बुद्र। अद्दर्शिम ? मीर त गर लुक त. रे. वशका वर दे. सूचा नु मुराया भेदा लेटा। सर्दे हुस नु मुराया नाटा भेदाया ने ना नु सर्दे हुस हैर 5'दिसूर र्री देशेय'नर'अर इटान'अर हे'सरें शुम'अट मलर र मेंन ्रुं सुर प हैर ग्रे छेर रार्टा अस्म रु सुराय अदाबद्दा श्रुक्ष हैर रु सुर पदे ्रिके रेट्री दे के दे के दे के स्थाप के बाद के स्थाप के किया मु यःतः स्वांशः यः र्ह्यसः यःव्यःनादशः श्लाप्तरः ग्रीः प्रितः यमः नावदः तुः ग्रीमः यः स्त्रे।

वासी दियान है दे दसासी दियान दिया है दे हिया है से है से हिया है से है से हिया है से है यु:व'व्यः स्व्यंश्वर्यसः सहनाः सुद्दः परः नेदः दे । वदः सुरः द्वादमादः लेनाः सहवः श्रुमाफ्रेदासादे प्रम्याउदाञ्चरावदे स्रायविदानी माद्याभ्रवसाफ्रेदासाम्यासेदा यते क्षेत्र लेखानु मः वकत् यर वित्तुर म शः क्षुत्र रू. मुक्षः यवे केंना द्र क्षुत्र रू स्. शूर. एस. यपू. ट्र. चिडिट च. स. लुस. च. जुंस. चे. च. शूंस. हे। ষ্ট্রীনীমের্ডর দীর্বার্ডর দৌরার জ্বিরার স্ক্রার ব্রহ্মান্ত দৌর দি সামান স্ট্রীনী न.बुश.चे.च.ष.श्र्माश.त.प। रे हेर. क्ष्य.तर. ह्र्मे. तप्र. जुश्राचाता हैए वदै दें वे नाशवानामार के इया है दिसा वें वा के दाय है विश्व है विश्व है क्सायर हेन्।यंदे वेशायशान्त्राचार पे.स्निन नु.सूनाराधिक के स्रेस्स र्खे । देवे देश देवे राट में टें विश्व दुःवाय स्ट्राय के मूवायवे स्वर हूं या के के लिए दे के क्व प्रति देश देश के क्ष पर हिंग पर के प्रश्न प्रश्न हिंग ये देश २८ मे दि विदेशमा व द्रमा पर देन पति द्रमा पर मेश पर देवे खुय देवे के ... यः भ्रेकः चते भ्रेरः हो। राज्येष्य अराहः विद्यापा वेषा नु सरः सूरः है। रदायबेदार्मि दायहेदायालेखानुपये दिन्दी। रदायबेदादेष्यदादस्यायरा हैंना पर्या गुट वहें राय हे 'सूर ब' हिद्रायर प्येंद्र या साम्येव हैं।। निट नीस वं दूर द्वर वे दे भेराय द्वा रहा विके हें हे यर सहित्स वर प्रेर द्वा द्वा

च दे से से श्रम देश से देश पर पहेंचा या दे दे हैं मिल्दा ता च दे पा से मिश्रा पा सर्दर्श्वमः नु से त्यु र हो दे य दवर ये दि ये चे दे परि खेर ही। यहे य त्यः र्यम्बाद्यः प्रदेशः प्रवेशः प्रवाद्यः दे द्वान् विष्टः विष्य शुक्र हैन नु नव्य मुक्ष वर्ति है। वन्न हैन दर्दि व दर् व र व र मुक्त तथ.वरं,व.ज.स्वीथ.व.३भश.शे.स्ट्रीट.वर.विश्वात्त्रेथ.वर्.स्ट्री रे.हेर. चर्चव्यानर नु चरे खेर द्वर च दे के क्ष विश्व नु च य श्वा व प क्षेत्र व श त. हेर ग्रीश. चित्र चार स्वाय नार रहे श रा. वश्य वर ग्री रहा मी हर सं च बहर न्दे क्षेर र्रो दे नमा कार्य स्थान क्षेत्र स्थान क्यान क्षेत्र स्थान स्थान स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान स्थ र्भुद्रायम् विना नुःसः वत् ग्री। विद्रागुदः न्यदः वे दिद्रासेन परः वयः वदे सक्दरः ৽ বিষ্ণু ক্রিন্দ্র ক্রিন द्रमायर हिंपायते द्रमायर श्रेशय द्रिंश वें वे रहा नी हैं वें वहेंद या दे ख़र दा लट. भु. पंचाता चतु. भ्रम. तमा लुपे. तमा चत्र. त्राचा चत्र. तमा व्यापा क्रम. व्यापा व्यापा क्रम. व्यापा व्यापा क्रम. व्यापा व य.प. स्वाय म. ह्या म. म्यापर ह्या पानार मी मुद्र नमुर् पान कर्षर य प्रेंब वें लेख मु न वे हे हर मुख य केंद्र दर दु न वे ह न ब स्था है दर ख र्द्धेनाश व्य श्रॅन्श यायायायायात्रात्राचा याद्वारायायायायायात्राचा व्याप्तात्रात्राचा व्याप्तात्राचा विष्तात्र ଇଁ ବଞ୍ଚିକ ସମ୍ପ୍ର ନ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ଅଧିକ ସମ୍ପ୍ରତ୍ୟ ଅଧିକ ହୁଣ ହୁଣ । ଶାର୍ଷ୍ୟ ्रें न अर्थे न र्थे न राह न उर मस क्रेस पते खेर लेस न न ने नहां मर्थे मर्थे

यशः ह्वा भः केदः तः श्रॅन्श यः च्चे दर्वाशः यदे : खेदः हो। ह्वाशः यशः हवाशः ठक् में निस्र शमाद प्रेक या दे में ना राज्य मी रहा मी हैं में वहें के या साप्येक का **ଛି** 'ଌୢ='୶<mark>ୢ୕ଽ୕୩</mark>ଷ'୕ଌ୕ୣଽୖୣୖ୵୵ୖୢଽ୕୕୩ଷ'ଧ'ୖ**ଽ**'ଐୣଽୖଡ଼ଷ'ଘୖ୕ୄଌ୕୵'ଊୖ**ୣ**ୠଔୡ'ୖୣୖ୵୕୕୩ଷ'ଘ'ୖ**ୖ**୵୴୲ द्रवाश ७३ द्र्याश थ दे लेख नु य ता स्त्रीश य श्लेश थाया। देते से नश्ले पते सुर लेश मु न के द्वास उद्दर सर सर पर मुर परे सुर रा। हवास दहेंद य'नवैद'र्'वेद्य'न्'नदेदम'नद्रम्याचर'र्हे न्याचार्यात्राचरम्याचरम्याचरात्रह्माचर'ने य कृष्राय वहूरिया सर्दर शिमाची ही साचैदाय चाटा नुवार क्रिया है है चेश की स्टाची हूँ चुं द्रेन्थायालेथायहेर्द्र्या ५१सानै केंश्रां उद्गादा विद्यापा उद्गाले था प्रा बुर्स्युन्य ग्री क्रिं के हर्ने । प्येष प्य यस ब्रह्म ख्री ख्या में के स्था प्रेस के ब्रह्म मुक्ष नक्ष्य पा हो। १८ वर देन देन सुक्ष क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य प्रकार निवास निवास क्ष्य प्रकार निवास क्ष्य क् देते देव लेख मु प्यस दे केंब उद पष्ट दाया दे दे दे दे दे सुक केंब उद पहेंद दे। देते हे ब चंद लेख नु निर्दे त्र नु सह में प त्र देश दे निस्तु व पर नु निर्देश वहार हैं। परे ख्र-प्रम्य लेग पश लेश नु पर के प्रमेश पश खेंदे व पश शें। **६५**'ଲ'ଜ୍ୟ'ନ୍ତ'ନ'ନ୍ତି'ଧ୍ୟ'ଛି ଛିଟ୍'ସ'ଛିଷ'ଣ୍ଡ **५**मन।'यर'ନ୍ତ୍ର' ପର୍ଦ୍ଦ୍ର'ସର୍ଦ୍ଦି। ब्द्रिक्त न व दे देव न हे बार हे अप प्रति । व स्र स ब्द्रिक्त प्रति । व स्र स ब्द्रिक्त प्रति । व स्र स ब्द्रिक्त प्रति । म् वै २२ देर महेर् पर १ देरे या मा खेश या नहेर् मा भेव वी। प्राप्त मा नेश य'वा 'क्षर व्यक्ष 'दर' की 'झे 'स खेक' यर ' यहर्' यर 'मेर्टी । रे.केर.व.र्या यते.क्रुंबाकाष्ट्रन्यर.ट्रांत्युरार्गा र्व.ट्रांन्र्रांत्राकालेशाचुरवाके द्वांन्र्रां वर् देर वर्षा हो। स् रूर हमावर खेल मुस क्षेत्र ने व दे से लक्ष मुहार न दिए।

र्सेन्स'य'य। इति से य सेन्स यदै सदंद है द से द जाय द न्या दे रे से द त्रपुरे हिराही। दे देर दे त्र विश्व विदाय है से के दे व लहा हो ने बिदाय है व के दे य.टे. क्रेर.व् विद.तर. वशका कर त्यव क्षेत्र.पविषा त.लेब. तर क्षेत्र.स्। स्वेत मुद्दरे के मी वेद्रहेश दर्ज़ व लेश व व ता र र वेश या ता मी वर वेद्र य है नाश में हेश खे. पर्सेच विव. तर वेद. तपु. हैंपु . ट्र. च्र. भ्र. भः क्षेय वर क्षा तर वरदा त... दमःनादः भेवः यः मेदे हो दे हित्तु है नामायः भेवः व लेमा छ नदे दिव हो। दनामा वे 'लेब' चु' व 'व' व्यं व्यं व 'व' व दे 'व' व दे 'वे 'व' व दे 'व' ଞ୍ଜିଷ.ସ.ଏ.୫.ଗଣ.ସିମ.ପ.୧୮.ଗୁ.୩.ଗଷ.ସିମ.ସଫ୍ରା ୯ଅଟା.ସ.୧୬.କୃଷ.ଫ୍ର. द्यात्मालेश नु त दरेदे इस यर विमेताय के हेश सु दर्मो न दर स्वी य लेश नु चर्ता। र्रूस उदाया लेखा नु चारी उद्यासी सर्वे प्रेस के ।। र्रूस है नि स्थाने नि लेश'नु'नदे'र्देश'हाँ। र्ळे**श'**डर'य'क्ने'न'ले'नु'न'दिशादे'र्केश डर'र्दादन्नेय' न'नम्बर्' हें 'बेश'नु'न है। ५६' मूर' द्रेया न' उद मी कें रामा वा डक्'ल'हें हे 'से 'हे 'त' के 'ले थ' नयद 'स' का के के 'डक्' हे परी ही 'हे परी ही है परी ही 'हे परी ही 'हे परी ही 'हे परी ही है परी लेब मार् भीर । दम्रेल न उर्म मी दूर ने कि न मार्म अपने का कर लेब हैं यर विशुरार्गे। दे ह्मर व से हा गु केंस है दान विदाय प्येत विशेष मार्थिय ना हिना मॅटरा.वे.परा.वरम. ७४.वे.प.जा तम.में.से.इ.कर.प्रवतावे.वो३४.३८. लुब.तपु.हैर क्द.श.चाडेश प्र.ब.लुब.बू.लुब.चे.च.वर्श चार्श्व,पा.स्र्र.चपु.चीटश. नस्यान नुसाय प्येद द्वा विद्यान यन द्वा ५ दे निवित्य नु निर्देश निवित्य नु

नर्गेर्न्यापर्ने केर्ने हेरा हैरा सी प्रान्य नाया प्यार कर्ना से केर्ने प्रान्ते ने से सी सी सी सी सी सी सी सी พ. ฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺปฺส.สษู .นั่เช.ฺเฮฑพ.น.นฺษู่งั่.นี่อุป.ปู .นั่เช.นฑพ.ษ.พะ.นิฑ.น.... कुर त्रुब <u>बुब में स्वत्र विस्तान तर्</u>य स्वत्र स्वत वश्चवःतर वि.वश ह्र्ष्ट्र व प्लेष व्. लेश वि.व.व्. क्रेन्ट्र त प्लट विषय व .क्रेन्ट्र य । रे.**ल.म**बिषाचि.क्रेर.थ.लुब.चप्रे.चर्ष्मैव.तर चि.चश्च.ह्रंद.चप्रु.खेर.च्रा น่ดิ พล่ง วิราชง ญ พร้าง ผู**ม** ญ พา กิพา รุ พิ ๆพา นดิ เมล่ง วิรา ญ รา ญ รา นา ธิ हर सेर पर मूच पर २२ देर हे द नेश मु चर हुर रें। "भ भट हिस मु বারী নামার মহাবার ক্রানির বিলি ক্রানার বিশ্ব নারী করা বারী করা বারী করা বিলি করা বিল করা বিলি করা বিল दे अस म्वित या अस स्वि प्रति दि दि रहा में सक्ष के के दे दे दे दे प्रति । विवत लेना **.इ**.स.चे.च.पर्टेश.डे.रेशनास.तप्र,श्रद्धश. हेरं.ग्रीर.ग्रीर.त.रा.पर.श.पर्टेश.त. छश वीं रि:र्पेर्'स'हैर'र्'हें नर पहेंचाय समा लेश मु:व के महेंब हो सर् याके. याक्षामा भेषाया है : श्रुप सर : होद : यर : के : यर : यर : होद : यर : के स মিং শু. रेभु वोश्वासपू. भट्र श्रिभ. मुश्चा पीयः पर्टर मा भारत्यः १ श हुर भे रश्चेर तायरे है। रा हेर अहर् छिम हेर ग्रेश हेर मे सामाहारस यये म्नान्मेन्स्यापारम्याप्यद्याप्यद्याप्यद्याप्यद्याप्यद्याप्यद्या मेद्रायरे धुवाउदानी मद्दाराम दर्दर्य धेदार्दे लेखा देवे सुराना स्था मिं चिं उना से निस्मान विश्वानु ना या स्वामान च से ता से ना से न मिंदि तस नुवृद्द दिया। दे स्ट्रिंग देव स्ट्रिंग स्ट्रिं

के स्टायिक में अध्याप के स्टायिक के स्टायिक

क्र्याम्भारम् वित्रामी । वसार्यास्था वित्राम्भानी

र हिर अव पर सुर हुं उर वे पश्चा पर भेव है। अर सार हुं उर पर्व न र्वे विस नु न तर् दे दे त्र विष्य य रे भेर है। व र स य र स्वार पर स पर स य र พูปุญ.น.นิพ.สพ.ส.ส.ส. ริ.ร.รษาสมพ นิ พะร.น.ผู้ ร.มิะ.พภูะ.นษา ผู้ร.เ र्रो १ रे.चलेब.टे.चलब.ज.लट.चेबब.संचल.टे.लेज.टेट.टेब.ब.टेट.चड. <u> १८.हीर। विश्व क्षत्र स.२२.लूर् वे । १८.श.क्षत्र ह्या श्र.</u>रेटाची. भ'ष्येषा हिंनास'य'दना'वे क्वेद'यर'दनावा हिंक'वेद'दे'दर'दे'व्य तुसाधाक्षां क्षेत्र विह्निका यत् विद्यास्य विद लेखानु न दे नियान के यते सर्वात के दे प्यादी देश के के मान पार्व साहनाश मान विद्या पर के पर् दिर सर्वर पर मुं निवर भेर के विश्व पर पर माने सेना थार्सन्या पर वायः ने 'ने 'त' द्वमः पर 'ना दशः पते 'सुँ ना सः सं ना सः सं पा सः सं मा सं र सः सु ना स् ने दे । पर 'ने दे । प यादे प्रसाद। विश्व या ता स्रितायाद्याचा प्रमाद्या प्रसाद्येक त्या स्रिता त्या प्रमाद्येक त्या स्रिता त्या प्रमाद्येक त्या स्रिता त्या प्रमाद्येक त्या स्रिता य दश्चेर य छेद सर प्रदेश र प्र

र्हें 'हिः भ्रद्र'द्रव्यद्रायदे यदि दासी दुर्भाम्यायाया सर्हर दा लेखा द्वायदे सिंहर त श्रुंशतश्र, विवंतर वेदेर त. देट के श्रुं रश्चेश्र व चिवं वर वेदेर यावे विच वराडेरायरे रायवेब केराये स्थापि खेल विच वर छेर यासे याद्राः स्वराया रुक्षेत्रक्ष च'र्द्द'स्क्'र्य'श्रेक्'त्व। रु'न्य'त्र'र्स्क्न्य'स'स'के'त्रुक्षेन्वस'स र्द्दः स्र य लेश नु नते र्दे रहीं। दे भामश से द द लेश नु म के है कि कि नु न के हैं कि नि न के कि नि के कि नि के कि नि यदे सर्व मुं हे दे हो वहीय न मस ये दुर्वा है दूर न या लेस हुन हैं ଵୖ[ୄ]ୖୖ**୷୷**୕ୄ୵୕୳ୣ୶ଽ୕୳ୡୖ୕୵୶ଌ୕ଽୖୢଌଽ୕ଌଽୄ୕ୖୠ୕୵ୠୖୣ୶୷୰ୖଢ଼୶୕ୠ୲ नाया हे 'अद माइत केंचार नाश्वर मी 'व दोय व क्षुव य 'अव य 'व दे व श्रेर:र्रो। मु द भारा र्ये दे मिर यर ता महें हा दहा मार के के निय विमा होशा मु वःश्चेंबःश्री रे.केर.टे.लेब.पे.व.क.श्चाशताल.टेवट.त्श्वश्चेंट.वर.चीर. लट में वहेंद पर देश मार्लिद या मार्लिद है। म्मिश्रा मार्थ प्रस्था मार्श्वी पाउद **ष्याय विमा**नीसामाह्याय केरा पुराया सामार्वे राया छन मी कर सामेरा यह । र्भे महिरामर मुन्याम प्रवरार्धे व कायर्का मानुन केर् केर् परि पुर रेम

लेशनु न के ही स निर्देश्वयानु नुष्टा न वर्ने त्यान हें का वक्षाने मानुष्टा न रामुका य'दे'त्य'दवद'र्वे त्यस'त्रद्रस'य'केद'सेद'यते'सुँ र'र्ने 'बेस'तु'वते 'र्ने र्ने ! พูนไห.<u>พูนโพ, ปรู เปละ ภูเ</u>ชิทส.พิ.ปง**พ.พิปพ.พิ.โย่ เ**กร.พ.นรัฐพ.ช**พ....** <u> बुश.चै.च थु.चोट.चोश के भूचो.ज.सूचोश.च लीज.ज.सूचोश.चश.कूर्.त.ज.सूचोश.</u> य'वृक्ष'य'सेर्'वक'रद'नीक'ख़ब'वहेंब्'च'ब'कुद'व'स'केर्'बें। दे'वे'हे'सूर्' नु नियन पर स्था पर साम पर है न नि मिलन पर प्राप्त हो नि है तहना हेब संरें वा वा र्सन्य दा वा स्था स्था । तहर नाव के के दे वे खु अ वा स्था सा मस्यानभ्रयायदे ना अनासाम्यास्य साम्यान स्ता वितास स्ता ৽ ঢ়৽ঀ৾৽৸৽৸৽য়৾৽ঀ৸৽ঀঀ৾৽৻৻৸৽৽৸৸৽৸৽৸৽৸৽৸৽৸৽৸৽য়৾ঀ৸৽৸৽ঀ৾ৼ৾৽ৢঀ৽ৼ৾৽৻৸৽ৼ ब लेश मु न ता शर्माश था कंद स मुब प्रशान नुस थरी नालुद सुँनास हा स दूद वडसायायम् प्राप्त विदायस। माल्यामु दिसाद मि द्वा मा य है हिनास से त्युर लेस मु त हूँ स है। है से से हिना में से से से में में हैं दिर रहा मी सक् न हेर मी देश ता देश ही ही ने हम हेर ले दे हैं लेश मलद रमा हे संसर्शी मिन पर दहर पर में हैर रें लेश मिन में । रह मी मह के हैन प्रेन मी। सहस मुर्यायपे हेश सु द्वापा य दे र ट मी मर्का केर पहेंद्र य स प्रेव हो। र स लेस ୢୠ୕୷ୖୣଽ^{ୣଌ}ୖ୶୴୕୴ୄୄୠଽ୕୴ଽ୕**୳**୴ୖ୶ୖୡ୕୶ୡୖୢଌ୕୕୳୶୕ୣ୶୲୷୕ୄଢ଼୕ୡ୳ୢୠ୕୷୷୷ଊୖ୕୶ୡ୷୷ୡ୳୕୴ पक्र'यर में देश विक्रा क्रिक क्षेत्र क्षेत हेश शु त्यना न प्येद नर तर्दे ते। हैं केत्र नहीं न तर ने न तर निष् गुःह्रसःक्षात्रम् वर्षाः वर्षा चंद्र,क्द,भश्र.बिरं,तर,उहूर,च.कं.वैर्, बुक्ष.वै.च.बु.भटूर,श्रेश.बुश.बीट..विरं... বম.েছুৰ.এুম। ত্ৰি.বম.সার্ম্বের, ছেই.প্রশ্ন এম.পুর, না.ই.বম বি.পৌলা विकेषात्म स्ट्रांस पुर्वा मान्य स्ट्रांस स्ट्रां ৡ৾৾ঽॱড়৾য় য়৾৾ঽ৾ ড়ৢ৾৾ৼ৾৾৾৾ড়৾৾৾ৼৢ৾য়৾৽৸৾৾ৡ৾য়৾৽**ড়৾৾৽৽৾ৼ৽৾ড়য়৾৽য়ৼৼ৾৽**য়৾ঀড়য়৾৽য়৾ঢ়<mark>৽৽ঢ়ড়৽৽ৼ৾৽৽৽</mark> **श्चरकः वक्षः**नाव्यः नुःनाद्वेनाः यः **ढर्ः सः नुःसः ५६**नः यदैः ख्वैरः छ**र्ःसः** सदः यः कृ**रःःः** लुब रही। बुब प्रायत स्ट्रिंट हा म कर मानुब तक मनुब पति मानुब पत्र पा लेब र ब्रा । त्याद्याचा हु, त्ये हु यो. यो दश हु, वशया. वत्था । विविषा चि. यो हु श हु **. शर्वे** ट. हु दे **ଽୖ୕ୢଽଽୢୖଽୣୠୖ୷୕ୣଽୖଵୄ୶ୖୠ**୕୷୷୕ଊ୕୕୩ୄ୶୳ୠୖ୕୷ୠୄ୕୷ୠ୕୷ଢ଼୕୷ୠ୕୷୷୷ଊ୕୕୴ୡ୷୳୷୷ द्वाःवाः स्वास यास्री हिना में लेश स्वापर दिन्य र दिना स त्रेषावे मार्नेना वार्सन्य ये दरानी सक्ष के निर्मा से निर्मा प्रे के के निर्मा त्र्मण्डामार्म्नात्मार्म् नामार्म्नात्मार्म् ম'শ্ব'শ্রী दंश-द्वेद-व्-नाल्द-द्रभेनाश-वदे-सद्ध-क्रेद-रुद्र-गुर्स-स-द्रभेनास-वदे-सद्द-श्रुस-क्कें वर विषु र्या देश देश के देश में देश विष्ठ ขึ้งเพิ่รเกราสมเกราป์สานโนเร็จเพาญังสานารู้ จิราชิเพาร์จานรู้ พิ कुरायार्श्वरायायवेषात् क्षेपायायेषाते। देशयर ह्या यस रदानी सदवाकेराया पहिंदा यते तुष्प्राय केत ग्रे खेर त्या देते मिर्देश में के हैन य केत हें स्वते खुष्पातु मुर मं परे हेर है। रूपर्प हैरे सह र हेर महिमा स से र पर रे नह स र महिमा

नु नाव्य धर्न यास ध्येत्र व्या भ्र•म्बादात्रः स्वासायदे स्यानुवद्वा मीस वञ्चवक्ष क्षेत्र न्द्रः लेका चाया के को द्वापाया क्ष्याका धरी द्वापाय र द्वार के का यःबाटःर्प्येयःयःदेःरयःदुःयञ्चावसःयदेःख्रीरःर्रो। श्रुःकृद्। मायःदेःवाल्यःयःबाल्यः मुच से द ले स छ । च दे । च ल द र द र मी स कंद र हे द र स्था च ल द र से र में र व र से र व यानुवायानात्रात्रादारे नुवायमाने विष्युमानी विषय विषय विषय विष्युमानी विषय च.ष.श्र्र्याश्च.तत्र.भक्ष.३५२५॥ देतु.मै.२८.**४भ.**चर.८स.चतु.२८.चलुब.म्र.ज. र्सन्सः पर्दे विकानु नाय । से मे हना पा है राया स्नासाय दे हि रायर र देसा य. थु. देश. तर, हुश. पर्।। चै. २८. देश. तर, हुश. तपु. रट. च बुथ. चीट. लुथ. च. दे.ज.रे.सैर.दुश.वेड्रा. चैंडे.रट.चढुर.श्र.कुर.ज.१स.चर.ट्श.रड्.रट. यहेव.वे.स.स.र.त.त्रव.तर्। दे.देर.व.चे. चे.सेवस.ल्र्स.श. महार मा के के हिं। विशेष कर मी के सम्मालिय न के दे तर नदे में निया ทู้'ผูน'ธราทู่'ส่มผ'ฆ์| ริ'พะ'ธิ'วุร'ฉ'ดิๆ'ธิ'รฺรฺรฺาล'ผัฐผม **७ म.**चे.च.झूंश.झूं। ह्ये.ज.सूच्येश.च.द्रभ.चे.चश.वु.चस.वु.चट्ट.चखेर.च्ये. यः तक्रात्रिं हिन्यर नाल्यानु क्षां वन्त्रायः लेखानु वा वे हिन्यर नार्क्ष य क्षेत्र विं। देते प्रदेश में केर पर लेख सु पर वे मूर मुर पर पर पर पर विं केर प्र मुरायासेर्पर र्गा सेप्युटाय लेखानुय के से हु येगी हैं नाम से विर्धरायमा भी ना वब लेख नि न ने के में मिंटा या खेन्या पदी मु या बा भी ना बब हो । त्नीसिट.ज.स्नास.तस.चश्चेर.तप्र.हेन.ज.प.स्चास.च.ब्र.भक्ष.स.प.स्चास.....

ंचळ । विज्ञार पर वे परेंद्र सेंद्र ग्री परिशास नावश्य पार्वेद ग्री दशासा साथ हेश ีญ"รุ**ยค**ู่ ซณิ สุมานา รู้ ๆ **นาม**นั้ง บาว เดิง บาเพิ่ง นา ธิ นุว เดิง บาร์ प्रमुद्र ले का देरे हिर ऑर् यन देन यह समायर लेका म लेका मुनाया संनास मार्थेस ह्या भेड्डबासी.रत्नाता.सीस.पटियो.तपु.पर्ट.भा.जा.पर्ड्स.या.भा.लुब.प्ट्रु. खुस. ह्यर व्यक्तर वांसाल्ये रावस्य ५ मुसायहना प्यते स्त्रांसा साव हें सायर व्यक्त यादेख्य वा हे हुम् यत् दुन प्रनायावामा प्रेम ले वा प्रनामा वार्थेत या साध्येत हो। है हिन्दर हेश सु द्यना यदे रहा हैन अस कर् साध्येत सें ही क्स य वदेश मुद्र प्रदेश देश वर लेव य प्रमुद्र यर कुस य रे हे यु रे रेव र् विदेशके वर वर्णित विवेद की विदेश मार में के मोनाम ने ते पादनाय ले ने अस द्रां य द्रायर में त्वार परेते हैं। हे हे द्रार व परे परे द्रापर लेव मद्र में शाय अव ले वा देवे 'कुर मार मी के में शाय के यह गाय वा अप लेखा में च.ष.श्र्माश्चार श्रॅश श्च्री हाका वैर मीर तपु मीपु र श्वारा दा र प्रोज यते विश्व मु च के है स्नर् रु च वर् चते हे नहा रूट तही या नते विश्व मु नते रे ब हैं। दे भृ वुर नुर वदे द्वाक द्र दिवेश व ता का का व व व दे दे व से दे व से केर्द्धाः देन्द्रेन मु दुर्ह्य हेरा हु नवमाय देन्द्र स्थ द्वन संक्रित वर प्वति ही। न्मान्य क्रमां की की चार है कि सालेश हैं। या वे हनाश विश्व या दे दा दे हैं या या हन कॅर्न मन्दर स्व भाष्येव विशेष द्रिया है साक्षान्यना यन निष्ये । है साक्षान्यना यन निष्ये वा वा सिन् हैना स हेर दुः देहेन भ श्रेर पते ख़ैर दी। ग्राप हे प्रदेश ये कर ने खंस पते : **द्रम्य गुः वृद्यम गुरुष हे बार्स्स द्रान्यम य गुट न प्रेन्स** विष्ट विष

इदाय द्रिम्मेर या वार्द्द नु लेश पर्यास्तर महा केर की प्राप्त पार्य प्राप्त की निया ଷ୍ଟ, ଖଟ୍ଡ, ଲିଖ୍ୟ ପିଟି: ପ. ହ୬, ଥି. ପ. ଖ. ଖୂର୍ଥ ଶ. ଗଟ୍ଡ, ଲିଅ.ଗ ଥୁଲା. ପଟ୍ଡ, हुस. ମ୍ଲି. ଓ ସ୍ଥିଲା. বর রূজ'বর**েরম'দ্রশ্ম'শ্র**'র রূজ'মের বী লার্ডর'গুর'শ্রী ক্লারেম র্মুর্র'র প্রীর্ यर न.45.हों नाम हे.स्मास.जस.सेस.त.इं.स्ट.स.लुस.च.वंस.चे.च.वु. देवाश जश क्रिश न देवाश में लिय वर नाट कर त हे लहा। देवाश लश वर्षे वश मुद पा प्रेव पारे हर व देन प्रमा ही भाषा प्रविव विशेष मुद तर्यात्र विष्युर त्ये विष्यु कर्म कर्म सहस्य स्थित है से स्था कर्म सहस्य स्था कर स्था लेब प लाद कर सर म हार र नुष्य प लेब है। कर मने मु हिर लेब परे हैर र्हें भित्र होर के के रिट्र र पहें के ने अप अप अप हो। रदःविदेशकी'द्रमारा दम वा विदासरा केद संकेदाये स्विदेशकी विदासरा नुदाय दे.लट.इस यानीकेश.लव.ब्रा विवायराचावात्राचानाकेश. लंदरो सेमस दे देवास नेस तर में मक्दर हो। में दे प्रचस विर देवास लान्मेन्यायते वेयापते मुंशस्त्रं प्रेताया मारामे के स्टामे के स्टाम त्य दश्चेन संग्ये ने संग्ये के सक्षेत्र भेता विष्ट प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा र सेर रहे से वे वे हैं नहार उपना हिन उ हर के हिन होर प्रेय लेख ड नरे स्मर नहेंद्र इ नरे सेमल श्रिय पार्विम इ ले न देरे हैर मह हगर गुर मु मद्भर है लेस नित्य पर सें निस्न पर् ह्रिस है। पर स्मर हैं सेसस ह्रिस पर स नुस ब.रे.ज रहूर्य म् ज लूरे.चर्राकी रट.पर्यंश विष्ठ,रहूर्य त्त्रं लुब राष्ट्र क्रेंट्र प्रवेश... वदे मान्यकेन्या केन वस्त यर प्रचीर मी रहावित मी मान्य केन्या वे स प्यन वे

हेस नमूक पर 'वनुर री। नार व्याप्त प्राप्त सुर से मे नाम प्री 'सुर रें ଵୖ୶:ฮัส·ଘ·ฆ·୴୶ୖ୵·ଌ୕**୶**ୖଌ୲୷ୡ୕୵୷୵୕୶୷୵୷୷୷୷୷୷ଡ଼୶୷ୡୢୣ୷୷୶୶ୣ୵୷୷୷୷ यर ने दे र के अपन पर दे र दे र के दे र र्स्वार्थाय दिए दि वसूव यर नु पर दे दे दे दे लेख नु पार पर्दे द साम्रा परे रवाना सर व नवे रदा पति इ दि देना सर मा स्थी मा वाष्याद्रामिट मिर्दे प्राप्त प्राप्त में देश में देश देश में प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प् रेमा'रा'सेर'रो म<u>्</u>चम्स'र्सर'पदे'सुर'रस्सम्बर्धर'स्वरे'स्वरे'सुर'र्स् बेस चे.चपु.र्श्वर.च.पर्ट.ज.भ.ट्रश.च.रट.श.चीव.च र श्रीर चाकेश मे.ट्र्चाश व.वश्री व.. र्षेत्र है। दे त्यामा हैना स्पर्भाय नहीं न व स्थान ह के न शहर वर सामित च वा वित्रेय च से द पदि 'से द सा देश पा है द से व द । है से न वित्र सा दिया है पर से प्राप्त के से मार्थिय है प क्ट.वे.ल्ट्.व. वहूरे.त.पंचाल.व.भुरे.वा के.परं.व.वंट.वं.वंट.वंट. रेना'स'सेन्'ने से'ऑन्'चर्ये'सुर'र्स'लेस नुन'फेन्य'ने नस'न्स'मुन' य केर ध्वेद हो। से अर् यर यह र य रदा वनाय य केर गु खेर हो। दे य क्रिंद **र्**ट स् वश्वान्त्रे केर प्रेर अट विवायर लेश व वाया स्थित वाया ष्टिय.तर.**भुटे.**तपू.कुर.ऱ्.७ुंश.ये.य.कु.पंचात्र य.^{ख्र}ें ३.तर.पुटें.त.भु.रेभुचाश.य. .. पिश्र जिन पर के में ने पार दिनाय में कर्त कर के मान मिलक ने दिश्व में कुश मा १९ १ की खेर दें। ज्यूर व अदादेश धर अपन व के से र म द्वार १ व १ व मु. बुर् र्रा ५ मायायादार विषयायाया सेरायाय सुव यादवा या सुव यरा सेरा

न लुक्ताने केरावाचारालका विकासरात्वाका विध्वाक्षाका निध्वाक्ष्यका का निध्वाका ल्रं व प्रमुक्त में विश्व मु म के नाम में दिनाय न देश मार प्रमुक्त के सम्बद्ध में पर र्देश हो। से न्सेन्स मा हैन समादन्य न देश मा प्या प्येत वा है सून् वतर तरु क्वातशामिरावर भरावरु मुहारू। अ बीवातरु मिक्रालटावश्या पर्रे ख्रेर नार अर द्वान पर्रे ख्रेर र्रे लेख उ^{न्}य य **स्विक र हें स स्वा** ि हिन् यर सेर्यमानक्ष्यम व्रावदे हिर। माया हे त्वामानका सेर लेखा व् न के.नाबर.मी.नश्चर्तात्रं न्यांश्चर नश्चरं स्था वार्षात्रं स्था वार्षात्रं स्था वार्षात्रं स्था वार्षात्रं स्था यर सेर पते खेर वेश न व व व वार में छैर स मुक्त प है यह परे दें हुर मिर यर सेर पा भेद दें। विकास निर्मेश या उदामी विकास पार्ट में य बोर् याउन केर यादे 'दे हेंद्' ग्रेस खेर देखेर यादे सकत हैंद ग्रेस ग्रेस वि भेदः दे। दे व वृश्वुर वरे मूरावरे रेगाया भेदात्र अदेव सुमा गुम व्यद्भा सु नहिंद् या प्रेव वि ॥ े लेश द्वाया व व सुशायते देव दि। से हे या व हर कु सं नानुनास य उन केन गुर मिंद नु उन् यर नुदे। दे के न न प्यंत्र न कु क्रम्भाकुरामा कराया है राये द्वी। दे हिम्मा ये दे दे मे के दे प्राप्त कर कर कर के ं कदावां के दायां करा हो जादा या राहे गाया दक्षेत्रा यह पत्र हो । ते दहिनास दाहे भर दे छे व छे दे हे से च य । दे अस बे स च च दे मूद व दे मूद व दे से मार व दे से मार व दे से मार व दे से मार व द नुसंक्षित्रं में नम्प्रेनास्य यात्रा हे हे ते हैन हैन प्रेन हैं से हे न हैन मुस्ति ने नुस्ति वस माद्यान सर्वेद्रा पति सुरावित्।। दे वे कंदास है दासे वेस ने वा वा वे सर् क्षेत्रज्ञा के दसेनास म क्षेत्र के लेख न न के देने क्ष्म मर मजूद म क्षेत्र है। हिन् ग्रैस ब्रूट व अवेट व सेन् य वन्य व ब्रिव यहै. ब्रैर व वन् य वा वा पर है व

मुक्ष पहुंद पर त्युर र्रो। देते सुर र ह सुक्ष गुर वहेंद य द्वेर द से दसे र पालेशका मान्य वित लेख वाचार दे का नाम माने के द्रमेन सा परे हिंद दर। दरेकः वैदः वाया सेदारे से 'दसम्बर्धः यह 'सुर र 'देश मु मासास्मिश्राया सुप्ति।। में दमेनार यदे 'क्लेके स्टानी क्लेके प्रेप्टिंग यदे 'से र री। णुट नी स्लेटिंग या प्रतिकृत्र भ्रम्भयायमा विकासी का का मुद्रा के अपने कि स्वार्थ के साम्या के स्वार्थ के साम्या के साम्या के साम्य हुँद्र यर मुद्र पर त्युर र्भा दे दे दे सेदः य दिए दे दे छ सूद गु है है नहा सामर नञ्चन नुर्के के लेखान के लेखा क्षुनःक्षुनःवरः होन वर्ष्ये विद्यम् वर्षः हित्यवरः होन् यः सान्स्येन्। सामान्यः स्वासः यान्यः व मेद्रायाद्य देवे मान्नुद्रायायमानुद्रायाध्यक्ति। देवे केदे द्याप्यक्ति मि.पंस्याची:वहूर.क्ष्याची.पाषु .रचाचा.तकाची.घषु रहाचबुक्ररहा.पचीलाचपु व्यक्ताहारीक व्यक्ति विद्यास्य नामाराज्येक या ने वहर्षा था विष्य वा विष्य कि वं वह वार्यादा वह होना वा लेका मुख्या का का व्यादा निवाद निव वादनाक विगादमा । वादन हें दे वाचादन केंद्र हेका मु वा हे अपने लेपा हें है क्षान्त्र प्रदे कु के व्यवसाय में दिस्त वा त्यार्थित वा लेखानु व वा स्वत्याय हुंसाने। र्क्तायके सुकारी रहा वले कार नाम वास क्रिया महाहारी है सामहामिक्ता वुद् यान्यान्। अवादम्बाखायाः स्वाहात्यास्य स्वाह्यम्बाह्यायाः स्वाह्य

रह्मासि.से.सेचेच चेर .रह.चढ्रेश्च म्रान्ध्वेचामात्तर्से च.लूर. 32.4.MC. म् भे रभूचकातातास्वाकातातात्रुः स्टामास्त्राका ন'ম'ঐর'র্যা दन्याय प्रस्मेनाश य व्यः स्निशः य व्यः हैं 'क्षेर 'प्येद' ले'दः से 'द्रसेनाश य व्यव्देदः तर नुर्परे र्द्र पन्नुतावरे स्र दम लग्न सामा स्र र म स्र र र र नुःन'ल। मुं'दम्बान'न'महेंद म'बे'द्वेर'ब'दरे'बे'सु बॅर्'खे म नेद्रमये ने बना ल्रेन माले रहे निर्देशन है निर्देशन है नह है रहे हैं रहे है नह है नह है वियायर नेरायायायाय महर्राया है यह कामार्स दे हे न पासेर दे से सर् द्विर लेस 3 व दे विद्रा दे तम दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा दे विद्रा विद्रा विद्रा विद्रा त पश्चितः तर्र श्च दशः ह्व चालरः रचानाः यर चेतः य चारः भेवः या हे । द्वा द्वर व्यावः च व**ष्ट्र- । पर्ने वर्ह्न च के न्**याया च त्र्र्युच च म त्र त्र त्र के न के न के न रदःचल्रेब्र-देव क्रिंदिव विवासर वेदायास दस्यासायस द्याया या सुवासायादा प्रेवः यार् रेन्न वा नावारे र मेमना शायदे सक्र केर गुर गुर गुर प्राप्त से र मेन सायर विवुद्रवर व्हेंब यर विवुद्र या देवे के रट.में स्थार प्र.रंशनाश.त.क्रं था. कुर लुक नर नहरं रा. लुक विकास पर रही। नर मी के रहा प्रे दे रामा व.ज.श्र्वाश.न.ज प्रचेत्र.च.च त्रेश्त.चंदा । रह वर्षेश्र भी र भुचेश.च.ज. র্মনাধানে মেনের্বিশন র্মনাধান বাস্ত্রী ন্মী ন্মী নামানামান বিন্দ্র নি याया में दिमेनामाया कर्मा भेद माप्पेद वें 'लेश' न मृद्राय है पुराद नाया न वहेंद्रा य सेर पर्टा दे अट ममस उर पश्चित्र सेर विश व पर से विश .

त.कूर्येश शि.चवर.च.क्रॅश.स् ॥ वस्त्रैच.चर.चे.च.रंचाचा.ज.क्र्ये । वादःभवः बेब वः वः वः स्वाबः यस तकदः वरः वेदः है। वनावः वः नावेशः मु लेख.ये. न.बु. झेर. बुच म्. नवस. तप्र. भक्र. हुर. क्र. रटा। स्र विव अस्य. हे.चार्था.चपु.भक्षर.केट.क्य.मीश.स्रा। पट्साय पटानेब्य.चाया.च.रश्चेमश. य.केर.वर्षाय.वर्ष र्रो। रुंग.बु.रट.वर्षेश.पंचाय.वर्ष.पंचेश.वे भू.रभूचाश. द.พ.ชุปพ.กษา ผี้ร.ว.พ.พะ.รุปพ.กร.วิษั ผู่พ.ว.ว.พ.ชุปพ.กษา ผี้สพ... कु.के.टेट. कि**व तर** बुट. ब.जबाय.व.टेशुबाश.च.**य.सू.**बाश.त हु श्रीर व.ल्ल्ट्श श्री.. महराहा। देर्न मह ना के त्राया निक्र देश हैं अप के हैं के विक्र के के के नाह्नाश वक्रुव हैन प्येद ही प्यट न्ना पदे कर स हैन वे स प्येद वे। বল্লীবর **স্থান্য:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:এল:** বল্লীবর স্থান্য: लेस'नु'न के सर् फेक के II रे'म'न माम स'नहें र हैट' हे अट' न सुनस यासेरायालेकानु वारे त्यूरार्ख्याच्या नुवे त्लेकानु नवरे र्विकार्ने । नाटालेना रहा यविष्यमे प्रमाना सम्मान स्थान स् य. खेंस. चे. चंट्र. सं. क्रू. चंट्र. य.ज.चक्केंचर्यात मुट.त.बुर्याचेंच वर्षा चहूर हे.वी चक्केंचर्या सुरेत्यर य.पर्.ज । कूचा.मूट.भ.पश्चीयम.त.पर्वेथ.त.ची.पर्थ.भ .रेभूच ग.त.पर्वेथ. ସଦ୍ୱି:ସ୍ଟ୍ରି: वासर्वेद:वासे द्वाप्ति: श्रुर: ह्वेस: तु:वास्तर:वार्स्स्य स्त्री। यन्त्राक्षः दक्षः विकान् वाक्षः स्वेतः स

ाने भे नुनियं भिन्न के विभा नुनि के वे दर्भेग्रस वं भे नुनि के भिन्न की ८ हैने हे व य र् य प्यान मा प्रेंब है विश तु य व वे स य य से से निया है स मेन्य विभाव निर्म के के अर्थ निर्म के सम्मार्थिक या निर्मित । न्दा केन न्दा सर्वे रहेका सार्थिनाका या लेका या विकास के वर्षे । इट वर्म से उद्देश में केंद्र केंद्र केंद्र के किया विकास केंद्र के किया केंद्र विंशीचुः विते 'देव 'दें। 📉 दे : इस 'क श्रूमः विते 'दर्गक 'विंश' चुः वाका खाका वाका। दे व्यक्षं ना बुद्दान्द्रमे हाथ दे रक्तुंद व्यक्तं द्वा वा क्षा क्षेत्र ना ना वह हा स्वास्त्र वा वा स्निम यं तिह्ना सर विद्यायदे नुस्य यं क्सिम प्यदे के लेख व वदे रे के हो। स्निय य वै दे अद्वार्थ ग्रेश महत्रायर उदायकिर ग्रे खेर राषाना यर ग्रे रादेश वि रे रश्चेम्ब मर्रे अक्र १९९७ र गुर या माञ्चर या या वि अव दे सुक्र मान्द्र ही। दे ब्रामायाने प्रदेश बर्दे हारा दु वर्षेत्र होते हे त्यस सुवादा दे से दे हुसा । विविधान से प्रते प्रते शक्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष देश विष्य प्रति प्रति वर्ष के प्रति मर्के वर्ष वर्ष विभागमा द्वेष वर्ष मार्चे वा मार्चे वा पर में में व वर्ष हो। मुन्य व में विकार के अमारे से अपने में कि मारे के के केरिया वर देव में में में कि म्द्रिन् कर में विश्व न न न महित्य हैं दर्दे चर्द हो चर्द व हैं र जि इक्यें संविद्वानित्व प्रति तर् छेराये का रे हुनान से दे सर्वि संस् ल सुदूश त भूर त है ज है अर वहाँ कि कर अर्थेट व में वश देवें वर देवें वर है स खुँ नाम २८स म प्राप्त मार्च मार्च मार्च ना केना य केना ही में के नर पर नामा वसायन्त्रायालेखायस्व द्वा दे पलेबान्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य महार्विश्यति सा स्तित्र राम्याचारा प्राप्त प्राप्ति वा विवा या करा विका या महिना प्रा

पर्दे प दब हैर के के वर पर्वारा देखार स्टूर दू पहुत हैं। ेरे सं स्पेत वर्ष दे.ज.रट.स् रट.व.भर.भुर.चर्.विभाताल स्वीशाताभर.तर्याक्षर.ची.ली.ली. क्रि. १.पर्श. वर्षा र.केर. दे. प्रीरी श्रीय त्राप्त श्रीय साप्त श्रीय साप्त हैं स्थी सापत हैं स्थी साप्त मानम्ब पाने विना दारेशायर में नुषाया हेर की हीर ही। देर मा मिट्नी के खुक्ती कि सिन्मिन्य प्रमाय प्रमाय है के अपने कि सुन मार्च के सिन्मि हुन मी स्थान मान्य प्रमान प्रमान प्रमान के नियम ্লুষ্ ইম দ্বীৰ দেই ম স্ত্ৰীম দৰ্শ দেশ কৰি । আৰু দাই দাই প্ৰথান্তৰ স্থী। . इ.स.ची.चीस म हेर लाय हो। हे स्वा या लाट देश देवे हे मादे स स्वा सामा स्वासायत विसाय भेराता है सेरायर शहर वायहन यर वनुरारी द्वेद्रावदे स र्खेन्स सर्वेद व दे या तुमाय मेर् पर मुराय न्याये द्वारा न स्र इट यानाट के माने क पुरुष पर्दे व सामित विश्व पर्दे । किस सर देशपर १९ वेर केश व पार्श्व के सि । हे के दे न सम्मुव प के के लेश नु न ने सर्दि सुम नु नर्दि परे खुय सर्दि सुम नु कर म ने यस मून मा ्ताला स्मितावराचि च वर्षेत्रेणाचात्रासीन्याक्ष्यंत्रावह्यातालावहर्ताताक्रमें में कर् मार भेर भारे तहन यारेश हुन यर छेर भरे परेने परेना हेर के सकर हर छ र छ । द्वित्य य देनाश नार त्या स्त्रिय है त्या दे क्षिर हेश हित्। दे त्या है स्वर हित्।

इंन्**रा**र्स्निन् नु न्तुर प्रदे दे ब्न्याय व्याप्ते स्व दे हे दे द्वा स्व व प्ये के वि बे रह वर्तेष मु देवस दि स्थाप के दाय प्रति । वर्ष सु स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रति स्व प्रत लेख-य-प्रताम म्याम्यात्वाचात्रः विकास न्यान्तः भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्रः । भ्रम्यात्वाचात्वाचात्वाचात्यात्वाचात्यात्वाचात्यात्वाचात्यात्वाव · लिग रु: में · क्षेत्रं अत्र · क्षेत्रं वर्षः क्षेत्रं । हे · केद है · द्येर · ब रे · यश लेश छ । य वर्षे ग्रा पस-पस्त्रायम चेर् र्रा। देते त्र्रमः चु १६ द्राप्त व्या लेखा चु न दे निर्मा मुबादब्धावाकुराव्य । स्वाधायाद्याक्षावाक्षावाक्षावा माने। परे सर रेनास मान्य स्त स्ते व्नामा क्षेत्र सर प्राप्त है। ने नुमायात्रार्थेन्मायात्रात्रात्य **स्वा**शायात्र्य निमायानेत्राह्येते हेर प्य न्युनास-न्युः नः तः संनास नः स्त्रीः नः सः भेतः ने। नन्नाः व्यन्। स्त्रेः स्त्रेः । र् लेश-वु वदे रेन्स पर दि स्व पर दिन पर दिन राष्ट्र त्यः स्वाधाः वात्यः वात्यः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्रः विक्षेत्र <u>नवुद व त स्र्वाश व स्पेर की व द्वाय व क</u> য়৾ৢঀ৻য়য়৾৽ৼ৾য়৽ঀৢ৾৽ঀয়৽ড়৾ঀৢ৽য়৽য়য়ৣয়৽য়ৼ৽ঀৢ৽৸য়৽ড়য়৽ঀৣ৽ঀয়৽য়ৢ৽য়৾য়৽ उद्भि य केदाय स्वाधाय रे देव दि। श्री य केदाय स्वाधाय न'सेद'य के'श्रमभ' उद्भिष्टिक या केदाया र्स्याचा सेद या स्वाचायर होदाया स्रोदा र्वि'लेशनु परे देरिनि क्षेप र रहेना य रहा खर पर्ना है रहना या यहा नावर भवसामालकारे नियान कुरावर पर्टेन यारे वे के क्रामी माजका भवता पहुंबा कुट हीश पर्वेट च. च. ही. च लगे. च्रा ही. ही. च. रट. पहुंचा च रट हंचा च रट हंचा च रेट हो च पर प्राप्त अवसा भवरारेन्स केन्त्र यदेन्स्काभ्रवराने यसाम्बद्धाने प्रकार प्रकार प्रकार

दि विश्वानु विश्वाक देवां या नित्य विश्वानु विश्वान विश्वान मुक्षापुरायर केराया अट के रुवेनाक या प्रमुद्दे या अदे के लेखा नुष्य के देव मोका ୄୖୣଌ୰ ୳ଽୢୖୠୣ୵୳**ୢ୴୵ୖଽୣୖ୵୵ଽ୳ଵୢୣ୶**ଊୢ୶୳ୣ୵ୄୖୢୠଽ୕୵ଽ୲୳ଵ୕ୢ୶ୢୣଈ୕ୄୣ୶୳୶୳ଵୄୄଌ୲୳ଽୄ हिर्याच क्षेत्र के लेश मु पदे र्देन हों। दे ता सदित शुभ हेर गुरु से हमाय हैर केंबर राम विकेश हैं। बार पर खेर लेख हार की कि कर पर पर दें देश केंबर ैंडेन्' अप्राप्त अर्थित वे द्राप्त का का देश दिव प्राप्त देश में निव्ह मीस एप्रेस का य देशनीशयान । मार्चना वार्शनीशयं में स्वा वार्के दाईनीशय में से हैं । दे ंचलैंद नु हिस सु न्यमा पस देश मा अस गुंद नुस सु स लेस नु मादी। शु द्वन यं स दे सं या भ्रद् है ना स द्व हों र दे वुदे द्व हुं य रह ना स्थे र या दे गुद्द्रपत्र विद्यापत्र देवे प्राप्त के किया मुद्रपत्र के किया मुद् दे वस्त व दिस् व विद्यापत् रदाय विद्यास्त व विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास्त विद्यास के लेके दि न के के कि न न के दें दें न लक्ष न न न न के ति हैं है न के न व निवंद मुझ महिना चर मुद्देर या द यदने हैद की निव्य यह रहा यविद उदायत्रा मार्शे बर्दे रदः बहुन छ द त्या होत यर विश्व स्वादा दे त्य सुनि संदूर में दे नद्गा हैर ने विच ने देश देश ने ने विच ने ने विच ने विच ने विच के ने विच कर द्र विक्रित् गुर्भ वार्थ वर्दे रद वर्षेद्र कर व अद लेख नु व ह्रा व हा है इर कर मी भेरा दन नी संभून वर्ष य हैन य स्निस य दे है र दर नाल र क्षेत्रपुरमहित्यम् व्यामा स्थापनि स्था

लेकानु न के केंका मार प्येका या दे क्षेत्री नहीं दे पर नु न केंद्र नु महनाका या है। रद मी मर्कि हैर वा नाद्य यह से हमाय हैर नार कि राय दे अह दे हैर वह राय राय दे : भर लेश नु न के सूरे दें हों। दे दे दें व दर देवे क नु न हेर भेर बी। यस लेश मु न के देवे दें कें केद दर देव प्रमान के के नाम हैं थ व्यक्तर्वेश करे किन्द्रमाना वह केन्द्रन वेश व न केन्द्रे स्वावन मुक्त सर्व महिन देवे दर्देश वेंश है दे हैद दु दश्य पर प्रवण या भेदाया णु:बाह्य**स**:चर्ट्र ॥ म्मा है क्रिंश कर स्वर दिंद मुल्दर संस्थेद या में हैं प्राये मुद्देर हैं वेश मु या या नाय दे!क्र्याक्यात्माक्र्याक्यात्मात्मेय सर प्रतीतात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रात्मेत्रा ্বৰিষ্ট্ৰান্ত্ৰিষ্ট্ৰান্ত্ৰীৰ কৰিছেৰ অধাৰ্ট্ৰাবাৰ্ষান্ত্ৰীৰ বাজিব ক্ৰিয়ামৰ সেনীৰ ৰ दे हराभदासाधीरार्वे। मदानी श्रीराञ्चारी वर्दिरायरा नुप्त दे हिराद्या स्वान *ॱकेद*'र्'म**्ट्र्र**'सर'नु'म्ब अत्राय केर प्रेत मु रूट मी अळव केर हेर वे अध्येत है। र्ह्ना परे शप्त पार्वे दाष्ट्री क्षा कर्म कर के दाय के **শ্রী বর্ণা ঈর তব্য শ্রী বর্লি র্লা ব্যুমাত র শ্রী লামির বি প্রামাণীর জী।** ्र्या रामा चत्रा (केशानुः स्वरेष्ट्रमा सरावस्त्रोत्याः स्वरेष्ट्रमा सङ्गेष्टा द्वारा स्वरं सी (केशानुः स य प्रेक्टो रामी महत्र हैर दार्व माउक हैर वन्या वर्ष हैर मा ୖୖୣୖଽୡ୕୶୕ଽଽ୕ୣଽ୕୰ଽୖୄ୴ଽ୕୵୴ଽ୕୕୴ଌ୕ୖ୶୕୴ୗ୕ୢୖଈ୕୶ୡ୕୴ୄୢ୷୷୕ୢୡ୕୕ଌ୕୷ୡ୕୵୴ଽ୕୳ଽ୷୕ୢଌ୕ୣ୵ୣ୕ଽ୴ - জুরান্ত্রান অংর্মনার্মানারে। স্বান্ধ দ্বান্ধ দ্বান্ধ না দ্বিদ্বান্ধ না দ্বিদ্বান্ধ না দ্বিদ্বান্ধ ·इहास्कारावदे विद्यासक्षित् यर हे त्या सक्ष्य द्वित् सम् हो न स्ते रहा सक्ष्य ।

प्ति. नर. रेट. जेश. त. तथ. पर्ट् चीश. तर. प्रेट. य.इ.धूर.विर.वर.वशका.बर.ज.वर्ड्स.वश.चकुचा.कुर.लुब.ख्रा हे.चस.व. **न**र्ना के**र** चर्रा ने केर गुँ छिर धर सा खबा या इससाय यह वर्रेन्स यर चुँद्रा นร์ ระเลดิสาติราราจอะเลาติราพิสาติโ ราลู สูราสูรายารามรัสาผูมา मुश च≡द.च.४.मिर तर.रेट.र्ज्य त रुषु.ट्रश्च.चर.र्ल्यूच.श्च.भ.चक्रर.ततु रट.... বৰ্ষা কৰা জী হল বহু প্ৰীৰ হোঁ। ক্ৰি শাবাৰ সামৰ দ্ৰী ক্টিইৰ মু কু হু বু হু হু বু হু বু হু বু रट रचुवस मञ्जूदस मञ्जूद साम स्ट्राम स्ट्राम स्थापन स्थापन स्थापन न्द्रां त्रां त्रसः न्वतः सः प्रेत हे विसः नुः नः त्रां संन्या या । व्सः यः न्दः स्तः यः देश'तुस'म'दे'भ'यत्'सै'दर्गस'मदे'सुर्-'तुस'म ५८'सूत्र'म'देदे'तुस'म'फेत्र'' ब् बुंश पर्नेतानाश मीवाराष्ट्र होरा स्वरामियाश सर वि.च.रा. स्वर पर्नेत या बुकारा निरम्भार सम्बद्धा पर्दे निकार सम्बद्धा निकार होता सम्बद्धा निकार होती कार समित सम्बद्धा निकार समित स बुक्ष.च.म्र.२२.च.च/८.च्रीक्ष.क.चूर्य स स् माक्ष.त.च श्रे.मी.ज.कूर्यका.च.भ्री८.वर.... वेदान नुसायादे द्वायासायन त्रास्य स्वत्त्वसाय विद्वार विदाय हिन्द मिसामेन पर नेता पे दे के के निस्ता पर कर में स्वान के सामा कर कर ने नर मेरे ने पा ने पा निष्य पा निष्य में साम ने प्रायम मेरे प्रायम म बुक्ष य दे ही मु ता क्रिम्काय व मुव यर हेर थ दे दे बुक्ष य दर वर वर वर द न.लुब.ब्रा वेश.त.क्ष्म.ल.लब.पट्चीश नर.चुर.चर्.वेश.व.लट.व.रेर. सं स्पर् का ने दिन दिन स्व के ना प्रति भाषा के ति मुक्त हो। दे ता स्व स्य द्रिन्य हेर्य र द्रिन्य र हेर्न य वर हेर्न य व्याप व्याप

यदै खुर बुन य सेर यर प्रचूर रें।। रे हैर है है खेर घरर यर ना हैर गुंबालेबानुःचामार्थ्याच पाञ्चेबार्वा प्रत्यानुःवापाटानुबानामार्द्राःचा मेर्'याकिर्'तुं लेखान यादे है हि हर कुषायाय सक उर्देन्याय यर नेर्पय पर नेर्पय व यद्याक्षेद्रानु मुक्ता दे ख्रा । हु मु मार्थ प्रमुख पर्य दे स् लट. वेश्व.त.चेट.लुब.तष्. वेश्व.त.रट.र्घव.त.तश. ३.८८.त.भुट.त.कुट.वेश.त.... क्षयः प्रमात्वीर स्त्री देखा देखा विषयः श्र्रां खेश.वे.च.वे .पंचंत्राचे म.वेंबाताचे .लुव त.टे .लीम.टे.वीं .त.हं...... प्रश्नापट द्रिं सर्वेट पर्ते। हि. श्नर : पहें र उक्ष प्र प वे पर : वि. न मलिब दुर्दे । ब्रिंडिंग्स मर्दे । वेस म से द वेस मुन व के क्षायात्रना नासायात्र द्वा रेनासायात्र त्यासायात्र विष्या विषया यत्।। अधयः चाक्रमः क्र्यः प्राप्तः दर्गः पर्वेत्रः वः वह्र्यः राष्ट्रः द्वेतः उरलेश मु न रे पर्र अवर नाहे स दे हा द रे र पर्र लेग दश से र पर्रा देखः कॅर्न्यर हेन्या द राष्ट्रर ग्री र्ने अर्चे ॲर्न्य भित्रे हे। वर्षे **सर्ने हेन** न लेख न न में ब्रम्भ रने निर्देश विष्य में में निर्देश में में निर्देश में में निर्देश में में निर्देश में में שַ שִּׁ שִּׁרִים בּ בִּקֹים בּ בַּקֹים בּ בַּקֹים בּ בַּקִים בּבִּיבָם בּיבּיבָם בּיבּיבים בּיביבים בּיבּיבים בּיבים בּיבּיבים בּיבּיבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים בּיביבים ביביבים ביביבי क् सेर्'य र्ट विनाक्स सेर्यान्न मेस र केर्य सर केर्य यह स्मि

देवे वर्ष्ट्रियावर् वानादाधीयायादे वे से द्वाया हेर ग्री सूसा व्यक्त रहा लेख नु मदे देव हैं। रे. ३८. दु मध्य. নইবিবাশন বা শীৰ বী। क्षद्राद्रे क्षेत्र या मृहेश गुद्राधि द्रावसाद लेश वु च या या स्मार प्रश्तिकर प्राप्त मेंद्र १क्रॅं नाडी क्रॅं पर्टे वेश मु पर्टी दे क्रिक्ट्रें मा दश मु मुक्ष की क्रें यति क्षु ति दे वे हिन्य बहुत य प्रें के वि । दे हर के प्रेंद्र य केंद्र ना ने লমন্ত্রক এম বন্ধুর দুঁ। ই স্থেম বেল বেল্লী অন্তর শ্রী উর্বা এক কর্মী কর্ম কর্ম দুলি मुं मतंद हैर न्या प्रेन म दे ने अवर महेकामुं केर माप्रेन ने लेखानु नर हुर र्दा १२ क्र ५८ मञ्जूष व उक् मी केर् धर मेर मेर पर समाप्त देश मान कर् ताबुद्रायदेखेर हो। स्प्रान्त दाक्र मुक्ष स्रवत नाक्षेत्र मा स्प्रदाय हे स्ट्रेंदाय ब्रिस.२.वर.ब्रिस.स् ॥ अस्तिमा.श्रेस.तथ.वर्षेयाता.श्र्यांसाताच्यांसाताः द्यां ्रवेश्वके द्रांसार्य देशसाया सा हमा या के दाना सा दर्दा सा दा दाना ता क्षी म्यादा केन प्राप्त प्राप्त विश्व विश् प्रमुद्देश न न न मून यदे अवद हूं नदेदें। न माय हे सेद पदे सुर देहें। र्रिकानुमान्यकार्रम् या मान्द्रदार्ट होशानुमान्यकुरार्ट्या दे प्यूर्य गुन न्सिल्सिन् न न के न्यें से संस्थित ये केन मार्चे मार्च लेश न न ने न ही प्रदेश क्षाचा के प्रदेश के क्रिक्ट द्रवेश वक्ष लेख मु क के अंदाय के दाव दें पाय दें पाय दें पाय के विकास के वि क्रिक् वर् मुद्दे या वे र् वर्षे के दे वर्षे दे वर्षे ्या वै प्रेंचि व के दे व व व दे के प्रति दे दे के दे प्रति । विषा व का की द यादेषमानीयर दानावसाय दाष्ट्रर या क्षेत्रय हेदाया ध्येव र्व रहेस् यु प्राया

स्त्राधाया। दे.केर.य.भवत.द्व.रचा.यैवा.व.जास्वाथाता.स्र्रीर.व.भव्द. यःनादः भेतः यः देरः से 'द शुरः दें।। द्रसः यं द लेतः दुः हितः धरः यः सेदः यदे धुरारी लेकानु व के हिन्हर दिंकार्य भारतिकार्य मेरायारे शर्दा प्रतापते । राये कु कुर र जूर मासाक के र है। माकु हा गा या यार से र पर हिर पर से र चते होर दे वस्त सहर महिस हैस हर च स्री च हेर से दे लिस न वर से त्युर र लेख मु नर प्रमें स्था स्था । अदाष्ट्र व से द त प्रमा विमा वस से द प रट विना वस सेर म रना हुँ र म हेर म स वा हेर र स्वर म स स स्पर्र म हेर ระเร้าระเชยีตานเพลเร็มเนเลเลน์สเลเน ลี้ะเนะเทเชนีระเร่ พลง. दमायाः व्यक्तियाः केता प्रस्ति यापतुः याष्ट्रतायमा स्रोतायमा स्रोतायमा स्रोतायमा स्रोतायमा स्रोतीयमा स्रोतीयमा चैर ले ना नर्देश वीं बलेश नु 'छन् पर मेन प्रते 'छेर हैं।। है 'हर 'तुमाय रे' याप्यदाष्यकृते। सेदायाश्चर्तायते मुग्नाप्यकृत्य केदाद्वायकेदाकेदाकेदाके र्दे विकासियम् स्थापिता नार्द्वामा नार्द्वामा सम्बन्धान मेर् साम्या विकास मेरास्य विरायर भर्ताया क्रेराया पर्दर्गायर विरो देखा स भवाव हे खर बसा सम्मन ता.स्मीश.तर्.त्र.त्र.क्रेर.स्.तर.चेस्तर.चेस.तर.पवेर। संवर.क्रेस. र् के र्ट्स से दे नावस विवस केर्नास्य वर विदे वसा नावर प्रा लेंबानु न वा अवीवा वा क्रेंबा की। इस्ब के वा खा खा के न व दा न वा दा हिन हैना

इश्र.च.च.ज.शूचा**श**.च.जा चाल्य.ची.वश्रश्र.वट..टे.येह्स.च्.केट.क्र्य.चट्र.ची. हैन भी र यर पर्रेन वर्षे अर्थे वे शुक्त से र प द्रिस से दर प्रेम पर में पर्रेन े हैं है वर्ष में लूरे तर हैं न हैर लुरे नहें में रहा है कि न मेर्यायर्द्रायादेवे के। द्रासाय वे स्वान मेर्याय वे स्वान सम त.वंगंव.बुंब.चुंश धुं क्ष तर वंबेब.तर्.वंचेत.व.दं क्र्वे तर्.मैं.वंचेश वे.... पहर्ना निम्ने साम है । दे भार दे समा समा है ने समा समा है ने समा समा है ने समा समा है ने समा समा समा समा समा सम लूरे.च.चंट.लूबे.च.ट्र हेट झैं.इशका.ग्री.लट.भ.लूबे.ब्र . खेश.चे कता श्र्वीकात नम्राचेकार्त्। क्षाय वजाय लेजाजीका यम्रेयाचा व्यापार । स्था व अंदाय दर लेगावस सेदाय केद से हनाय धेरायर द्वाराव । व र दें नालकः गुन्दु प्रमास प्राप्त है लेन हा दे होद्दार अद दे हैं स र्म अभेत्य मिश चरामर म निर्वा। दे केत् महन मदे हैर। दे हर द रैनाकायाने न्दें का मां का का के देवा के कि वा का का का का का का का कि है है विश्वानु तरे द्वापर व क्षापर व क्षाप्त का क्षाप्त व व हैन बहुम व हैर मुस्यार म भेरामा े रे बर्र मा से व राष्ट्र व सुवायर विदानको द्रमे न्याया हो। विवास विवास के ता के दार हो है व माध्येद हे हे ब नु न वा र्सेन्स या वा ही न हा द के द के द के नु न वा के द वा ने प्रतायम् व स्थारित प्रतायम् व स्थार्य प्रतायम् व स्थार्य प्रतायम् व स्थार्य प्रतायम् विद्रायायम्य पाद्यम्यायर्गे। व्यद्गायाकृत्राद्यानम् कुरिन्दी व्यद्गिकृत नद्रां के दे नद्र देवा वर्ष से प्रतिय के प्रति है र दें। दे के द

बै'हि**र**'गुँब'के'दर्'पदे'लेब'**ठ**'य'य'सँग्रायब'दड**र**'यर'हे**र'र्ने**। रे १९८ मु द्वेर प्रवेशन अदासा भेर हे लेस नुपा है ना पा है र मु दे हैं। वर्षेत्रं य पर्त या अदः मुलदः मुहेश हेमा थ हेर हु । दर्दर हो। माट अदे य दे चुका य अद दर्भावर दर्दर्भ नाट प्रेश्न पश्चर वा की ही दान की ना प्रेश्न वा लेक नु निर्देश हो। दे हैं दे नद्म है द व्यं म म के न न न कि व लेक नु यःवास्त्रास्याद्वस्य यः विद्यायनः द्वीतः न्याया व्यायवस्य स्राम्यादे दे क्षे-ह्ना-य-अ'ष्पेद'हे 'बेश मु'न 'य'स्निश'य'दे 'ब्रुॅंर 'न'नाकेश'यर्शे। के ह्ना य' ৡ৾৾ঀॱড়ॱড়য়য়৾ড়ৢ৾ঀৼ৾ঢ়ৢ৾য়৾৽য়ৢঀ৽৸৽ড়৾য়৽য়৻৾৾৽৽৾৾ঀৼঢ়৻ড়য়৻য়৽ १९ मः १९ व रे १ दे र व छितः यर छेर यः २ नायः व नायः व रही नायः द्वा त्याः व नायः व शन्द्रभारते वार्षे वार्ये वार्षे वार वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे उर् कोर्'यर विर्'यर केर्'य धेर के के केर्य पर लेन केर केर्य केर्य केर्य य दना तः देव च ददः प्यदः या साध्येव दे। मुख यर लेखा मुः वा के दस्या यर ह्यूंबा वस रहा े सहर न निर प्रवेश या दे वै दिनान सामा प्रवेश पा है साम व है सिद हैना मानितायते हिरामा वितायर तायहेवाय दरी हम हिता है। ৡয়য় য়**৾৽য়** ড়৾৾ঀৢ৽য়৾৾৾ঀৢয়৾৾৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৼঢ়৽য়য়ৢয়৽য়৽ড়৾ঀ **ঀ৽৸**ৼ৽য়৾৽ य कुरानर.चक्ट.चपु.श्रु.रें.पपु.सुर.रू॥ ट्रश.श्रुर.चर.ग्रेट.चपु.खेश.ये.च. बै ।खा गा दुवै :दुःच **षा शॅ**हेराया हुदि ।या रे दुवि व दे ।खुरा ब खा गा दुवै :दुःच । त्य स्क्रिंग्य होत्य होत्य हेत् केत्र केत्र होत्य विष्य प्रति होत्य स्वर्ध के स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य र्ह्स भन्दे केर क्रिस मूच पर वशुर के लिख सु च व के हिर धर अर्वेद करे केस चर् खेन में इं दश्रा ह्या अर्घर व लेश न व दे हेर में देश वर व पर पर व

त्र के के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर त्र के स्वर के स्वर त्र के स्वर के



क्ट.स.क्स.चम्रेस.मी.चम्रेस.चन्टा चस.मू.क.क.क.स.मश्चिस.मी

भट्ट शिभ द्रवा त्रा.च.च.द्रवा.चे.र.जेश.वे व.ज.श्वाश व.जा भट्ट शिभी ଌୖ 'मा हर सर्वेद 'च'र्भक 'व। हैना में सं है 'मा हैस 'दे 'हैद 'यदे 'हैद 'यदे हैं ंबुंश हिर् तर अर्थेट नेते ह्यें बंश नहट न प्येव है। विदेश ता मूर्य न निर प्येव याहे माने मात्यापट प्रवालेश न रहे हर्गे हिंदा है। इस माने माने महि में लेश.चे.च.बु विद.तर.भशूर च.ज.विद.तर.बी.झें.बश.हश.शी.वर्चो.च लूदे.च.भ.... स्चास प भर्तेर. न.रेर. पर्देश. त. पीरे नहूरे. त. ज. स्वीस. तस. खेस. मे. व. स. हे. व. स. रे. व. स. स्त्र भार्श्वादा में हैं है है सावविता नहीं है नह मिटा साली माने हैं में ॻ न वे र र मा अटा है 'सूर रू न यूर यूर 'सु मा या स्वाहा चये ही वस ही 'नदे हुँर" दे बैद्दि विश्वास के हैं ते के हैं न कर के हो हैं व कर के दे ते कर के कि हो हैं र्त्याया रहें ब वहा ही रते हिर र्त्रा हे त्या अट व खुव व र्व्यावादा दे हे देते हा विचितान्त्रीत्राक्ष मिट स भी र माले सामितान है । सुन् मा से न मिन पर <u>୷୷ୗ୕୕୕୕୷୷ଽ୷ଌୖଌଽ୷ୖ୳ୢ୰ଽ୶ଽୢଌ୕୷ୄୄୠୄ୕୷୕ୄ୰୶୷ୖୄୠ</u>୕୰ୢଽୢୠ୵୕ଽୗ<u>୕</u>ୢ୕ୢୢୄ୵୳୶ଽ व दवायायाया भे दि वर मी मु शकी या नहीं मा वादे भेर या दे हिरान नेसायाय द्व याकेदावनायायायाय्ये याक्षाये की देवे सुरावायाहे ह्यर नन्द्रमः नद्रमः सद्रात्तवीर हु, बुक्षः नि.म.म. शून्या स.म.म.म. त. त्रात्र ୩**ଵି' ମଞ୍**ଶ ହିଁ ଜିଷ' ପ୍ର' ସ'ଶ୍ୱି' ଅନିନ୍ଦି ଶ୍ରଷ୍ଟ ନିମ୍ନ ଅନ୍ଧି ଅନ୍ତି । ଅନ୍ଧି ଅନ୍ତି । ଅନ୍ଧି ଅନ୍ତି । ଅନ୍ଧି ଅନ୍ତି । 新 १ंहेंना य दर वास व वब लेख डा नवे सहक हेद ग्रीश सहित खुम महेंबर

यर 'चे 'व 'खेर 'स्ये 'खेर 'स्ये दे हे ने 'खेर हुन 'व 'व 'दर 'त्र व 'व 'व दे दे दे व 'व 'व 'व 'व 'व 'व 'व 'व 'व सद्राश्चम केर स्र्रायर नेराया भेरते। ह्माय राष्ट्र विसाय के सद्रा ख्रम'नी मेदारहब प्येष कें लेस मेदार्दा मेदारहम नी दर्शन या नेदाय हैन मेदी हैंना त.जश.च.च च.बुश.चे.च.बु.हो.च.२८ चेंश.च.२८.। चें्य.च बुश.चे.चश.के. मानेदे हुं सानु प्रकारी स्थालेट हुं नालेस नु नदे दें दें हों। पर साहें नहा वै'नाशुक्र'मदे'वङ्ग'वद्गं स्रॅस्टम्ने'हेना'मु'फेर्र'लेक्ष'मु'च'देहेन यदे हुश्र.श्र.पचटश.यश.४८ मो.ची.ये.ट.जश.यही.ह्या चुश्र.त.चिथ.मेश्र.खुश.चे.प.यु. म्बर मु.मबिट मुझ सुर हो मबर हु. जुझ रा मबर मुझ जुझ रा असम शे हूट. यर पर्रे पत्रे कुर र्रो । नाट में कें सु तक इस पर हैं ना प से न रे वे कें। नाट त मिद्रमा है द व्यद्र य लेख हु व द्रव व लेद हिंद य प्यद दें। मह में कें द्रम पर हिंदी य यस मु मु नि परे दे हैं। मेट मे हैं द लेस न प न न न परे दे दे मुरा न जी दे खु तु ते क्र स्पर द्यूर व अट मट ले वा क्र सर दें ना स यहेंदे य दूर प्रदेर क्षाचालेशाची चाला श्री ता श्री शाही दमा पर हिंचा पर हिंची पर है के पा उद लेशाची म.वु.चर्न्याताष्ट्र.र्व.क्षेत्र.थ्री। श्रुष्ट्र.दम.त.च्रिष्ट्र.च.क.पट्टर.च.वैद.च. रदानी महिन भेर की देशन देश मान देश मान देश में हैं है का दी न देश में वनायते क्या यर देना यते सक्र केर केर जी महिंदा न व वेस न न के के स र्बेट, ता चा के बी के बी केट ता के दे . ता बे ता ता ता हरे . ता ते हा ता के दे . ता वा के . ता वा के दे . ता वा के ता क यप्रक्षिरास् । पर्मा अर् प्राप्तस्त्रा वार्षा वार्षा वार्षा विष्या वार्षा स्त्रा वार्षा वार्ष र्वे । विविश्व ने विकास ने विकास के किन के किन के समाम के किन के किन

| इसेन्स में प्या इसेन्स से प्येत । विक्र से इसेन्स । NZ.991 त. पर्. थे। । भर्षे शिम. केर ग्रीस. वस्त्र वस्त्र . लेश. व. त. त. स्यास प्राप्त भ्रम् में हें हैर यह निर्माश कर में में चेश नहें रही। दे हैर णु खुर भ्रेन में लेख नु न देते **इस वर** दन्ने भारा है सेन ने दन्द ने हिंगिर यदे मासुमान भेर है। मैं मानी न्वर से दे हिं मार भेर प्रमालेश नुपाने हैं" ्रिट्-वस-विद-वस-विद-वस्त्र-वस्त्र-वस्त्र-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस-विद-वस ्मी द्वदः र्ये थे क्वें ब्वदः मीबः माइनाबः त्यः सुः वःदे वै द्वदः र्ये त्यकः क्वेबः पदे क्वें प्येव वे बेश नु न वे दमा मी प्येव वी। अद खुद न न के मा ब्रम पर हें मा वा हिं. च् दे.क्म.ह्ना.टे.पट्ट.पचीर.बुक्र.चे.च.ण.श्र्चम.त.ज.श्रमश.मी.चेर्य.... स्रेयमाय्यस्य विद्यापर विद्यापर विद्याप्त विद्यास्य स्रापर हिया मां क्षे पारेते के मि व ते क्षापर हैं नामारे तर् नर व मुर हे लेका माने प्राप्त म हत् यदे 'वेश'पश'रेन'पर'दगुर'र्रो। रे'पश'द'र्नेन'प'रा'रह'मेश'रेन'प' र्ट है हुर रेव य विषर् 5 रेव य प्रेष के विष हेव यर द्वीर है। थ्र.भ.श्रुट्.च.२४.च.भू.२८.चते.वुर.र्.। ३४४ थे.श्रुट्.च.लट.रट.रूचा. नेश च.च वर मीश अश्वर शु र्श्वर च र वे श र्थ र है। নম.পুৰ.মূ] त. भूरे. चर. वज. चर्. क्रेर. रू ॥ चाज. ट्रे. इश. चर. हूच, त. चर्सेश. तप्. चेरेश. भ्रवस व ला हैं।। रवह व दे दे वेश व इस वर हैं व वर व व हैं दे'न्यः हे'द्यर व देशः य दे'स्ये व यर द्युर व लेशः मु न हें र स् Ā٢.

Mz. खेश. मे. च. च हुन च. नहीं श. नजू श. में श्रा. में रट. हुनु चेश त. जश. वैट. चनु. टट. क्ज. कथ. कु दें ब. चश. ट्रंश. चर. प्रचीर वर्षे ॥ 통고, 그성로, 용점, 급, 다. 5 및 시작, 전환, 다고, 크로, 트리스로, 이 등고 다성로, मोर्श्यः भेरद्यः मुद्यः विष्यः निः पद्ये द्याः पद्ये यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः नहीं सारा सामा से प्राप्त का में प्राप्त के सामा में के प्राप्त के सामा में के प्राप्त के सामा में के स्वाप्त के सामा में के साम में के सामा में के साम मे साम में के साम में क मते वेश मश्राम् इत्वर प्रमुर ४ वेश मुन्म के मार म मुर्मेर मते दें के दे ते क्रां। र्व झु म धुर व उद वहूर य तर यहें साम व वर वर से कु स प हैं द गुँ भुँर दें। पर् हुँ र म भव व लेश न न वे हुदें। प्रमुर म वे पर्ने सिन् मी ही नर्देश वर्षेर मुराम ने अटान्स्ट में हैं से स्थान हुट सर हा ।।। माध्येष्रान् माध्यमा मुन्ति यह सुरान्यमा व है। मुन्तामा हर्ना मान्यमा प हैर न न मार्थ में महानी महन के महानी महन के महानी महन के महन महिला में प्राप्त में में प्राप्त में म चशक्रम् मुनामाया श्रुवाया यशक्रम् वर्षे । वर्षे सुना श्रुवाया श्री वर्षे । यशक्रम् वर्षे । यशक्रम लेब.तम् मिट हेम. चे.च.ल. श्चिमान म्यास स्था श्वा मा के.म. के.च. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. के.म. नद्वन्य प्राप्ते के दे देश न व के प्राप्त के भर्ते । तर रंभातर पेश प पार्शेट पर सें हैं हुं हुं हुं हैं में तर है.... अभ्य शे हिंद ने देश तर ने शत पा है । रद मी भक्ष र है र में नन्ता केन् केस न नि ने के कि ने नि नि स्था के नि स के कि नि न के स विदेश नर्भक्षातर वेश न मार्डिंद्र में हुर हैं का में राम करें के वे वेश ने नर्जा भ्रवस् प्येत्रः है।। र्से स्रेर्ट्रा पर्वे खुमा हत हैर प्यतः प्या देश न वे रहा

ની માર્ચન કેન મો ખાતા કરા કેન ખાન ના ના ના दे'द्वा'य'द्रवेय'व'वेस' न्दै न्नु न्दः देवं न्ना छेस नु न त्या न्दै न्नु न्दः देवं न्ना छेस मिवे।। नु न के निकार विकास कर विकास कर के निकास कर के निकास कर न र्ट मी सक्र हैराय वह से र पा हैर पश्र पर है हैर रि क्रैट य उर्व रही। इ.र्डर.थ.बुश.च.च.च.स्वांश.व.र्ड्स.व.जा शहर व.रेट.ह्स.व.जस. वन्यायाधीवावाधाविक मुनवादी प्रहेत् पर मुनवास्तर या वस्यावन्या पारता यहूर्तर नेर्पार्चिमाय वामावर्षायाची करलेश मुन्नर हुर रि। वाद मी कें र्व माल र लिमा प्रमेमा स्था देखा हैं सर हो पर से हु हुर पर हो प म् रट.र्ब.र्व.च्य.चु.पम्च.च रू.यम.च.म्र.चर.कुश.यर्व.हुर.व् स्रक्षं प्रमाद लिया यो स हो पर स्रक्षेत् वस स्र ५८ देव प्रमुख पा प्रमा यो स प्रमे स प्रो स प्रमा स हे.ज.चाट.जभ.रट.ची.भक्ष.१.३९.वेट.च ला.४.खेट.चाट. य सेर य भेर व मीस द नर नेद प्यापेदा र्दे के नाया पर नर या निराय है पर देना स यार्ट्साञ्चरे क्विरावाक्षर्णे र्वरर्गु निमायार्भे नमार्वे स्वर्णे विराम्हराण चुम्रायाक्ष्रस्त्रस्ति स्त्रिम्राचुम्राच्याक्ष्रस्य स्त्रस्य स्तर्भावस्य स्त्रस्य स्तरस्य स्त्रस्य स्त नुस्र व'यद'रद'मी सक्रव'हेद'सर्घद'य'र्यद्र'य'स'य'येदवा वाद'मीश'व'दे'य' यर मेर पर द्यार। रवह व नि व मेर व नि व मेर पर मी खुका त्यान्यदः व्यात्राह्म वाद्यात्राह्म वाद्यात्राहम वाद्यात्रात्रात्रात्राहम वाद्यात्राहम वेदःमःदःरहः हैदः ग्रीः व्येदः ग्रीक्षः वद्येवः यः वहेदः यदे । वदे वः ग्राहः रहः नीः

भक् हुर सिलामान नेराना भारत है। असे ए प्राचन से साम से यदे. बुर र . (बेश च य. दे.ह. केर. भूचा . वो. देश तर . पेश तश पहार या हे . केर. हैं ... लम.वैद् पत्रे क्रांचश.बैदायहूर्याम विवीम म् विषय विवास मान्ये । हिर.वे.सूट.च.ज.सूचेश.च.भुर.चर.घज.चर.उचीर.ट्... (बुश.चे.चर.टे.सूटश.सू)। त्नुर वर वे दर्द से रे की नाय हे अह इस वर हें ना नवे इस वर वे स्वाय से म्राया प्राया के वारे स्था के स्था वास्त्र वास्त्र वास्त्र वा वास्त्र केर मि ब रेदे 'खुवार 'वचुर रे 'ले ब। रेदे खैर खूर व शर्र पार पार लेब ব্ৰ'ব'অ র্মিশ্ব'র্ম্ম্রম'র্ম্ম । ত্রিব'বহ'র্ব্র'র দেশ্ব'রিশ'র্ব্র'র'র'র্ব্র'র' क्संयर दह्ना चर चुर पत्रा नाया है सर्वेद व रदा सहस्या वसा लेखा च यः वास्त्रीयाय वा नादः लेगा ५ द्या था ने साम्रामा या विकास में स्थान बुैश वनार (बना प्रमाने नर सर्जे ब क्या देश मुन प्राय स्मान रे वा स्वत्राया वतुवादाना वस्याय प्रमुद्धाय प्र चुद्रायावद्राध्येदावं बिह्य चुरवदे द्वार्ता। मानु मान्याया यहारहामी सर्वद ୬ଟ. ବ. ଘଞ୍ଝଟ. ଏକ. ସି. ବ. ୯୯ ପଞ୍ଝଟ. ଶକ. ବ୍ରିଟ. ଘଡ଼ି ଅ. ପ୍. ଫୁଏ. ପ୍. ଡ଼ିଶ . ସି. ଏକ. ଶିକ. . . . र्भ भरे. भर. उकर म. च्रारेट अरे म. च्रारेश ने स्थानर जेश नह लिया लेश है। दे द्वा नीस गुद वहूर वर वु व दद वहूर वर हुर वदे दि व लेंद्र सु वहूर चंद्रे.बुर रू ॥ भूबा.बु.ध्य तर वुश्व.चंद्र.ली.म.बु.चह्र्र.चर व च.लूब.ल. क् पत्रक्षायर वेश पत्र खुव्य वे पहेंद्र पर वेद पत्र में प्रेश के ॥

मुझ. ट्रें केंट. व.ज. लट. हें श.च. श्रम् श्रम् स्मा केंगे. श्रें श्रें रा. हें हे . खुर-र्सा दे:कृद-गुःखुर-स्रेमा-मे:दवद-सॅ दद:इ वदे:दवद-सॅ '**लेस**'दक**द**ः रे अर र नाम हे 'अर है अर र न निष्य प्रति पर ने न 77 B T T T ्रमेना द्रा वर वर विश्व मार विश्व मीस वहिंद वर वु व द्रा वहिंद यर कुर्पये रूट में स रंद हैर पहेर यारे स्व का मार दे त्रका कुका कुट परे प्येर D. 44. 4x. 44. 4. 45. 4x. 2. 4. 2. 4. 2. 4x. 3. 4x. म्दार्भेर्यन्ते हुँदे इस मान्द्रिंग्या हैन कुस महर होन स सेन हो। मी भक्षत्र हिर ग्री दे भ भ्या दे हैं । है है है ने माल्य में स्पर हिर प्रस लेख ह न वार्सेन्सामकामकर्यम् नुद्रित्। र्ना न्नाम नुप्ताम नुप्ताम **८**देवे चन्द्राच के चक्षक पर मुख्य सेना पहुंस या उक् के लेख मुद्री। मर व व लेश व व ते मार त दें दे व हर पर व व व व व लेश व व व बे के मान मान सामिता सामिता निकार के निवास के निवास के निवास के निवास वर्षिर द्वे । अर्थेट वर्ष म्रु दे दे दे हे वर मर्के र य है र प्रेर मर्के र प्रेर में प्रेर मर्के र प्रेर मर्के र प्रेर में प्र में प्रेर में प्र मुन्दर द्वास्त्र नर छेर प्रते से स्ट्रिंग नर छेर पर्यो हिरान प्रति । नर्या नर्या नर्या नर्या नर्या नर्या नर्या พิ พิรามสัยานราชิรานชาผยปานาชวางางางราพิวาพิ พิรา พิจานชียานชุ้ इ.डे.भ.भूब.ब.धु.स.चे.चाण.हे.जुंश.त.चेड्रच.हॅट.च चशताच.र्थं.तर् हुं ची त की ब की अप विदान भी तर्हे रे.च. हे पे. खूं। अहू र.च. बंबा तर करें तर. त्युर है। इस भर हैंना य कुर है स न दुर च से दर्द य रे दे हैं। सर्वेद मार्कमायर विकर्पमाय मुन्दि । इमायर हिंगायदे दुर्व व महिंद मासेद

यदे छैर र्सा क्ष यर हैं न य क्ष यर कर यर कर यर कर यर कि यह विषान प्राप्त मा चयु.ब्रेन्:रेटः। कृषी.बरः'पेश्व.च.चीहेश्र.भ्र.दरः चर्च.ब्रेन्स.चश्रमश्र.चर्या मव्ट.च.दट. देश.चर हेना.च. देश.चर.कर.च. हेर.चर्सेच.चर. हीर। हें नाया भेरावश्रादा सर्वेदाय सामेरावदे खेरार्दा देशानु नाया स्निशादा हो साही। म्वा प्रते अवतः भ्र व व प्रवास्तर म्रा प्रते क्रा पर में प्रवास के व दे व परे सुर। इस पर हैं जाय प्रेश पर दास सर्वेट पर सुर ही ইলা এই বুঝ **ৰ ম**ৰ্থই বা**ৰ্ম** এই কৰে বা ইই স্ত্ৰীই মৰ্থই বা ত্ৰীৰ বাৰ্ম এই ব हैंनायासाधिक यहे सुर। सर्वेदायहे नुस्रात्तर हैंनाया इसायर कर् य भेव वी। नाय हे अर्थेट य दट इस यर हैना यद इस यर वेस य हैना हर ही नदे हैं र सेंद य मार्सिंग दें लिया दे निक्र हर हैना में बहुन पदे सुर र लिया नु पार्श्वेस पाया दे 'मारेस लेस नु पार्ने सर्वेद पार्टा। मंदे कुं के क्रूट न मंदर् द से प्रति महन के महन के महा की क्रूप सर हैं ना साम उद्यास नि क्यायर हें ना म से दे प्रति रूट प्रति व विव प्राप्त है । जैद लिया व पर हिर हैं। दे द्र दे हैं दर्द हैं दर केर दे ता स्वीस पदे इस थ नासका य है दे हैं समायर हैं ना मासेदायते विकासाधिक वाहिंग याददाहेशासु वर्रियाय के वहेंद्रायदे कम यरा ह्या य हम श्राद्वेषायाम नामायाम प्रमान नेमायामहिनाया हिंदा या था श्च्यां नत्रे क्रिट न नि क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट क्रिट न म

· दं क्रीमा द्र द दे चंद्रे दक्ष चर वेश्व च द्रवा गुर माडिना नु द्रमुद हो। ·अर्थेट् वर लेखामु व दे द्वारायर हें ने या द्वारायहरा या द्वारायर हें ने या श्रेन्यन्ता के निन्यर हो। नार मे के वह भेर य लेख न व के अर्थर पर्यो। क्षायदायास्त्रम् दात्रवाक्षेप्तर्भास्य सद्द्रस्य सान्त्रम् वावावावा स्मिश्र प्राया वनाके पर लेखायान सम्बन्धान का प्रवास स्वास स्वीस वी.च. थु.च. क्षट्ट कर खेश च. भुटे चट. देहा च. हो। सर्ट्य श्रेस म. स्ट्रें चिटे. तहनाय नार जैन परि है नालक क्षेत्र क्षायर हेंना य केर जैन पर दर्दि दें। सर्दि शुक्ष मु तहना पाने र्वा न पान महर्मिक वासन्दिन हुन वासक रिका माल्रानार व्यवस्थाने देश खुन्य उत्। देशे रेमाय वे शत्र प्रति द्वमायर हेना यह दे अर्दे कर्ने के स्वरं तर देते विकास के स्वरं क के च क सर्वेद च क नाल क मुनाद लेगाया कम पर हिंगा पर हिंद लेका हु नवे दें के निर्मा निर्म पद्मेश्रादार्वे देश घर हेवा'या'मालद'सर्दे 'तु'सुर'य' प्यर्' द प्यर'ले रू' सु'व' या र्रेष पद्म लेखान्त वे न यह त्यास्त्राच्या द्वार पर मुद्दा पर मुद्दा पर विद्या पर विद्या स्थान स्थान स्थान स्थान यः ब्रह्मद्यम् मुन्नः च व्रेन धर्मे क्षान्द्रमः यां मिल्यन् सुर्वेनः यान्द्रमः यान्त्रमः स् ख्रमा उदावहूर पर क्रिन पर दे हैर देन देने वहूर पर क्रिन पर खेन पर हैर व र महित्यास्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व श्च पत्रें भारत हैं मार्थ मिल्य मिल्

मानुदायदेश है रेमाश घर्द सदे दस यर हिंगा य सदे दे उत्वरे र्वे र्वे र्वे। सुन्म यर द्युर व लेश मु परे र्व ५ दे छेर नाम य पर मुर पा ध्वर कें। मा ३१ मी ख्राया विदाय हेद पते दस्य पर हें गृपाय सद्दे नु मूर परे पा ३ स स्नायस प्रेर'द'क्र'मी'अयं दहेंद्र'यदे'द्राः द्वा वाया याया संन्या वा के यात तहनायानाटा भेर राये इसाराय हें नाया दे इसाराय के सारानाट भेराया है भर दर्दश में अर्वेद पर मुखा येव माध्येव है। इसायर हेंगा न हेंद अर्वेद में हैंद र्षेत्रपर मश्चाहरशामते प्रेरास्या सर्दि शुक्र हैर तु पर्दे थाहे। हे दूर व ଵୖୖ୕୕୕୕୕୕୕୕୕ଵୄଽୄ୕ୠୖ୴୷୷ଈ୕**ଽ**୕୷୕୶୴୴୶ଽୡ୕୶୲୷୷ୠଽୡ୲ୡ୷ୡ୵୷୷୷ୡ୵୕ୢ୶୲୕ यस क रें दे मालक थारेक व्यर्गे हो। क्षायर हें न य व्यर् क समुक क माक्षाय दे द्दशाचा त्याम्य स्थायराक रायाम की रायरामे विश्वराम्। दे हे द्वा य लहा हुंस नु न ता स्मिन र में स्मिन ने स मिन हुंस मिन ने स मिन हैं स मिन मिन स मिन मर्चेट्-पश्चेट्-पाद्ये॥ देनाकेश गुर्भ नेश गुन्म सर्वेट-पाद्या निया। देते'स इंसस क्षेंर वरे पर कर चेर वर्म लेस चु न के सर्वेद व रे दन दिसस यर मेर भारता मुर मुक्ष अवेद न मुर मुक्ष प्रमुद न हैं नाय यर द्वार दें बेश.चस्रमस पर्ते।। देवस.च.चेर्यः पर्यः मह्ट.च.भूर.चस मह्ट च. मानेशानाने पर पर्वेशामाने प्रति । इत हैना ही पर वेरा पार परिवास परिवास वसःसर्वेदः य द्वा नी सर्दस्य स्ट्विंद्र य प्येत ले द्वा रेष्ठ क्षेर.**भ**र्ध्र.य.ज. नार्द्र नद् छेर लेश न न भ्रूर ने अर्थर न हैर है न व नोनार नु नदे हैर वुस प स्पूर्य स स्पूर्य लेस मु नदे र्द्र हैं। स माय से रे द विर से सर्वर

यःपविक वे विश्व प्राप्त के विश्व प्राप्त के समायः भुषु,प्रध्रम् ख्रां क्षा अवीयःभुषु,प्रध्रम् पु.भ्र.ज.क्र.भपु.भवेर.भीक्र. भवा.वी.क्य.तर पुंथात भे वर.पवीर.बुटा डे.रेवा.वी. पक्षका ह्यूर.वर.वुर. यते. हिर र्।। हैश लेर विर्राल वे दश पर विषय प लेश वे लेश मालह वाता श्र्वां शावशा हुँ अप में देर हो । अस्त्रशा हुँ रावा आर् सर्वेदावा ता अ พ.พูง.มู.ผูพ.นิ.น ชู.ฟพ.ป.พชุพพ.พี้ะ.น.พอัย.นพ.นิช.นะ.นี่มีร.น.... देते कें सर्वेद प्रमाध्या नाम व्याप्तर प्राप्त मुं ना वेद प्राप्त मुद्रा ल्ट्रा शुम्महर्म विवे नु विद्राय वे दि द्रमायवे मळमश हिंद व आर मास्य वर'दनुर-री। ५२'सुर'सईवश'सूर'व'सर्वे: वस'वुश व'स'फेर्रे । ૬ેલે**.**લીઋ.કુે.વ.ક્ય.કુે**દે.જ્યે.**તથ.ક્રા.ક્રીંતુ.**ષજ્ઞના** શ્રુંન્.વતુ.યે.ત.ત.કુ**ટે.ટે**ટ.ચેંજા. यदे. द्वेर.र्रा। र्व.मिट.रेब.तश.भक्षश.ह्वेर.व.लुब.ब् बुश.वे.पर्रे. भवशाधिक वायाने दे भूमा अदावा का विष्या विषया चै.प.ज.श्र्येश प.श्रूंश है। देश.प.पहे.लट.लेज.दे.वेश.प.जाशक्सश. ฐัร : จร : อิร : จ : พร : ริโ त.्रेर.ग्रे.द्वैर.स्। रे झ.स.ल्य.य.य.क्य.प्रम.प्रग्री वाशक. प्नायः नर्ने सुर र्हा। अर्थेट नर्ने ख्राय विद्या के क्या के क् नामका च न्दः मे नामका च न्द्रः मुक्तः न्द्रः सद्दे । अवः न्दः मर्द्रः नदे अवः वः म स्मम

र्श्वेर वर हिर सर छेर। तिर्वेर स्थित वर प्रति र स्था मुरा वर स्था मुरा य अ प्रेन मी देन गुर रेस मीस मान र र से मान स्थान र देन र रे दे केद के दे दन ने क्राय घरदाय कर केद भी काय है कि का अपने साम के का न्ना ने लेखानु माने अवेदान प्र इकाया प्या ने दें। 💎 ना या ने 'दार्थिक क्रि. ह्या : न्याके नित्रकारा करानु त्यात है। ते निर्वेश हु खरानु सर्वेदान तहना त.रे..क्रे हुनेश्व.त हुनेश.त.ज.स्चेश्व.तपु. (बुश.वे.च.ह्यूश.हे। हिर.वे. सर्ह्रात्याया **८६ना पार्**टा छत्रः स्रेनासाया २ स्रेनासाया लेसाया या स्माराया हे स्त्रस ह्ये वर्ते। रे.केर.च.म.च.म.श्र्यास.च.म्ब.च.च.च.च.च.च.च.च.च. मार ग्रेश क्रों अर्थेट न सुर नु तहना या व ने भ सुर नु तहना या केन नि ড়য়৾৽য়৾ঀয়৽৸৽য়ৣ৽ঀয়৻৽য়ৼ৽ঀয়য়৽য়৽য়৽য়ঢ়৽য়ৣৼ৽৻ৢ৽ঀ**য়**ঀ৽য়৽ৡ৾ৼ৽য়৾৾৻৽য়৽ঢ়৽ नमः मा ृर्धेम र्यो स्मार्सन्म यानादाध्येतायाने द्वारा स्विदेनानु विदेनाया लेका सर प्रमुद्दा नालक भट लेख स स स्मार स स्मार स स चीया ने पार हे के मर के केन कर का मुना सके हुना के इसस न्दर लेख न करें न्दर श्रेय मर वतर या भेद हो। पर्द द अद लेख न पर दे के महें दे केन प्येद ्रिष्टीशागु हे पर पर्णेद्रका स्पेद्रका स्पराष्ट्री स्पेद्राधरा सुरू वर्ते विश्व नु न तरेश व कर्या व निया हो। ह्या प्राय प्राय के प्राय के प्राय के प्राय के प्राय के प्राय के प्राय त्रिम देश देश श्रास्त्र अंश वि.स.दे.रे.केर मि.स. १ वि.स. **୭**'ଔ୷'ଵୣ୶ୖଽ୕୵୴୕୵୴ୖ୵ୢ୕ୄ୕ୄ୴୕୵୳୕୵୕୕୕୕୕୕୕୕୕୷ୄୠ୕୳୷୴୴ୡ୵ୢୖ୲ ୴ୣ୷୵ୄୢ୕ୄ୷୕ୣ୵୷୕୷୕୵ୢ୕ म नुद्र मुक्स मने फेन हैं नुद्रा हु खु य नु र दानी दें ने दिहा स स से क नु दें न

् णुद**्र**वदः स् ते क्स पर तेश पते हेस सु त्व्दश क्स तह मा पर त्युर ही न्वट संशाक्ष्मसासु सिंट व अट स्न् र हेन सा है र प्येत पदे हिर्। 3.35.33. ୖ**ଌ୕**ଂୟୖୖଽୡ୕ଂସଂ୴ୡ୕ଂସଂ**ଽ**ଂସଈଂୡ୲ ୴ୣୖ୳ୣଌୖୄଂ୬ଈଈ୕ୄୠୄୖଈ୕ଽ୕୕୳ୡୖୄଽ୕୩ଈଂସଂଯ*୍*୴ୡୄ୕ र्वे १६२ हिर हम १५ हम मी खुय उद है दर से की वर्ग वि ृ व भेर भा चुना म लेखा य ईर्न हे जा र् क्विं पर दे भेर म भेर है। यह दूर निष्यानी अभावत हैन न्या प्राची से किया में में में है इर द्वर में हुन कर मु खुयाया दहना दा दे इर फीर गुरार हर दर हैं हरा । अर्यु प्रति वा वा वहना या दे वा व्यक्त प्रति । क्षेत्र वा श्रु पा श्रु वा श्रु वा श्रु वा श्री वा विवा श्री वा र हिर मी खुल उर हैर मिट द्वार व स न महिरा थ हैर के देश मानस्थान ्रिर दे दे खुर द विश्व नु व स्वाय य र्स्स स्वा। उद विवा संस्था यर दे दे प विक नु:च वर्दकावी ध्येदाणुदारदानी खुयाया वहना चर हिंदाचर नेदार्दी क्या ৾ন৴. ৬ৰ ব.ৰ দুৰ্খ এপ.ছেই.এ.পত্ৰেপ.৪.ব.খুৰ্বেব প্ৰান কুনাক**৴**.প भेरपराञ्चावरे के बरावेशवातुना रेम वहेरत है। वारके बर मेस परेरे शृंचि द्रना मोश र्द्ध प्राप्त के द्रिया प्राप्त के स्वर्ग प्राप्त के स्वर्ग प्राप्त के स्वर्ग के स्वर्ग के स्वर में अवर बुना मदे ये ने लेश द्वा प्राया थे में नहे ना है । अहर बुना यदे भी ने भेदाया दे उस दिद्वापर ने दाया के प्रोह्म या भी दारे भी में की र्शे वे ते सम्म दर्द पा हैद प्रेद प्रेद परि खेर मी। अमी १ हैंद परि पद न हेद

उद नाडेन<mark>' नु 'दर्देश' यर 'सुर 'य</mark>'दे'लेश'मु'च'दे' **भ**ेनो 'द**ेंद**' यदे 'यद्ना हे**र उद**'' पर्देश यर मुर पा लेश मु तिर पर्देश हैं। अर हैना स दहेंद या पा लेश मु य वै भी भ यते अद्भुद् हेन पड़ेश सुर हैं। इंद य लूद य अपन प्रमा अदिश g:न:य:र्श्रें; य:कै**:तूस:नालश:मी**:नाक्स:पद्रे 11 नाय हे प्ये ने ना हेन पहेंद लेशनानुस नाव र भी केंद्र सर क्यार में। यर से दाय के इस सर लेशना २**ऀना**शःसे**ॱसप्तुदःयशःस**ॱऋ**ॅ२ंदाःभेदःदेॱद्वः**यरःयरःदोद्यःयःठ्वनःनीःददःदसःलेसःठुःवः त्म संग्रह्म । स्रोम वास्त्रीय प्रत्रे द्रम पर विश्व पर प्राप्त द्रम । चीट.ची.ष्ट्र. क्षेत्र तर . जेश्व. त. चीड्रच. रट.ची. लीज.ज. नेश. हे. ही र ड्रचा. चैंब. परीट. चश वहना पर विषुर व विषे व वरे र्व हैं। दे हर व नाय हे इस पर वेसप केना कर मुद्दे । यह प्रत्य कर प्रत्य वह स्थाप । यह स्थे प्रत्य । यह स्थे प्रत्य । र्च निके निके स्मार नर सेर पर सूर न सक्दिया व किर में हिर हो। अब केर **मे** ज.स्र्रे, तसावर्सेर त.ज.खेश.वे.च थे .लश.जबा.चेश.वे.सं.वश.मेट क्र्रे.त.ज । **ढॅर** य**ार्ट अं कॅर् प्रे क्रूट राम इर्** पर अर्थेट न प्रेर के लेश मध्य हैं। डेन दर इस पर विश्व पर प्रह्मा पर किश ये के पर हिंश पु वास स्मार प्रश्ना विश्व मी ... म्यान र्वाकान मुक्तान लीका नावकानी ह्यून सक्षान कर नाक्षेत्र प्राप्त स्थान पर्या। मान्य कें ग्रास दे 'वस द द्व दश पर देस य प्राप्त विश मीरा मानस भ्रवशायहें वर्षा भे प्रचुराते। त्र्वानु निवानु निवान वर्षा यर त्युर र लेश नु पत्र र्व र्वा । नाय ने इस यर वेश या वेश वा के ना उर

मुं पर मुं पर पेर प्रतास्त्र नारमा कर पर पर दे स्र दे स्र दे स्र प्राप्त स्र मान तार्थातर पुरायान्त्रविष्यायाः स्वार्थात्या स्वीर्थात्येश स्वीर्थान स्वीर्थात स्वीर्थात स्वीर्थात स्वीर्था मायाने रेस वलेकन हुन वाया है स्राचाया है स्राचाया है परियासी के पार मी है पा बर दिस नु न व सेन्स म र्झू स स्वा नाय है भी र हेन स न र न स स था था था निवरं ताक्रमश्चारा सेर्परं सुर द अपा र्पट में दे मेशा पर मार्पे खुला या है है प्रेर तहना पर भी त्रार ले का हे ख़र क्षा पर हें ना या नि लेखा नु माया स्वाया म्याया स्वाया विकास स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया र्वट. त्र त्र त्र में . जूब . च्र विट । हे . जट . जिया निवश . ज क्या सारा नुसा यासेर्यये कुर्। रे.स धना पर्वे कुर्रर त्राया प्रसार्व। स्थापानाल्या लट.पुंबा.व.बालव.मुं .व.ब.लुब.बूं। इ.केट.गु द्वेर.मुंब.ह .के.व.वलुब. मंशिदशः स्. (बेश.चे.च.बे) कि.इशका.इ.चंडू.ईश.चेश जश । १९.डेंडू. चित्रा देशश ह. पर्वे १. वे १. वे १ माश्विदश श्री। श्रमाय भे १ माश्विश में यः के 'या सः ग्रीः तुना यः प्येकः हो। सनायः से 'या सनाश यः सुर तुः यहना या व्यासेनाः में हेस हु तम् 'च लेस न नदे र्र र्र । े रे हैर ग्रे हैर छुम उट च द म्वस यर नुेद पर देर द से र पर नुेद य देश नु य है सन्या से या र्सेन्स पर पर्से र यर.यी.य.लील.श्रट.य.थे.योथस य.ज.भुची.युश.पष्टिची.तर.पुटे.तस्। अट्ट्रेस्सेश. हॅन्। च र्रा त्राया च केरा र मूच चर्ते सुर। हरास गुरासस च रुसाम दे र स्मीया यत्तर् नेर्नावश्रास्य पृष्ट्व विष्य विषय । विषय मुरा वाका में मेर राष्ट्र पर्मा स् लेश न न वास्माय पा श्री का स् । रो

स्वायायात्राम् स्राम्भेनासायार्गीयराज्ञेदार्थाय्येतार्वे लिसानुग्यादे स्रोहेर्द्रा है यह ्ष्या विद्यार हिंद् पुर्वे स्टाम खर केर भेर भेर माने सुरा अप सुरा हिंद माने निहेंद ं चार्त त्रेम वामावहरावर हुँरावर वहिंदावर में विश्वर है। हुँ रेंदरे ं इस्तर्वञ्चरायर मुग्नाक मिनाय स्रेर् पर्य भेरेर मुग्ना मुग्ने रुमेन्स यादरे मि न्तु द्र हुर द्र द्र द्र द्र द्र प्र द्र पात्र। वित पुर द्र प्र ये के या के यह ने हिंग पाया परिंद बारकानी कर सामिक की। पर्ने सामिक महै ज़िलाय हैंने साम से राम हैंन · लूब.नर.वर्षेव.नर.वेश.न भ लूब.ह। भ.वीव म.कूर.की क्रीर.रेट.हिस.न. ्रवांभ्येदायम् विहेत्राधमाठ्यप्रयोद्धेन्नमायमार्ग्नेत्राध्येप्रयो<mark>द्धेन</mark>ामा हिस्स्या देश वना हैर दे खूँब धर विश्वर है। नार दर नार देवर खें है विश्वर मानार थिव याहे वे हैंना या केराय थेंदाहे। देये राव है साय दे देवदाय के निकास क्षेत्रक्ते॥ वर्ष क्षेत्राच वरेवे क्षेत्राच वरेवे क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्राच क्षेत्राच बर्देशके इस्तरे स्नुन यर नेदर्भा देश महिन्य स्वर्मी कर मी कर् अस्तिहर्भाराने हर्षा केनाया भावे केंस अस्ति निर्मा है है देवे लुर्यामारास्त्रेचाराः स्टार्चानाः वात्वेशाः सामा वात्रेशाः स्त्रीताः स्त्रीताः स्त्रीताः स्त्रीताः मु से दसमाश यानध्व यानार व्यव च दे व्यव दिर मानुन ये व्यव विव लट. प्रेश स्था लेखा मुन ता स्विषाचा झुंधाचा ला नाइन केंग्रा गु । मुन पर ष्प्रमालेश.मृ.च.वे.श्वेराचेश्वेय वरामानारम् श्वेराचरानेतानारम् विवादाके मा बुव य भे दि। विश्व प्रदेश व क्रिय पर देश प्रदेश प्र र्दे इर दे न्य ग्रेट ब्रिंग्य के विश्व के विश्व

य उन मी दम यर हेना य ही य हैन केन हैं। दम यर हेना य के दम या नहें हैं है। इंब.मे. हैं के के ना रहा है बारी नहीं के वार है के वार हों। वर् तास विदाय तामदर्ग दे देस पर हेंगा य दे तामविद्याय पर हेंने यर हैं न व वह वहें वर उद्दर्भ पर कि व प्रोंद पान है से प्रश्न मुला में दूर दें नी को य न'तहर्राच'अ'भेद'र्वे 'हेरा मु:मदे'नार्द्र'क्रेंनारा'तर्दे सामुच'मर'दमुर'र्द्र ॥ दे कुर.चर्रेर.चर.चे.चपु.कुरा ट्रेड्र.वे.चुस.च.खेस.चे.च.ज.स्वंश.चस.श्रेचस. विक्रेरामराबेरार्दे। क्षायर हेवायते वेशासार्द्र सेशास्तर्य केर हेशानु व बे इसायर हैं न यदे जे साय दूर वहे व से द व है र हैं। व व द व वह हैं न यहे वयशास्त्र ताक्षेत्र पराहें नायदे मुरासे वर्षा राष्ट्र से वर्षा वर्षा वे विद्या व मा अर्थान मुर्वे व तर विषय । या मा १ १ के दे सा मावा मा प्राप्त के वर के विषय । इस.चर.र्र्वाश.वर्.र्था.चर.पुंश.च.ध्.वुंश.च.ज.लट.ल्ट्.चर्.वुंर.र्.। वुंश. वादना मीश ह्याद्र देव मी पद्मे यातास महताव लेखानु व नालक मी नाहक केंग्रसः शु नहेंदे च स भेव वस व नहेंदे वनस दूर माम के स भेव वें लेव। पद्गार्थ्यत् संस्थित् हो। पद्मान्द्रम् क्षेत्रम् देवानीः प्रतेशः वास्तान्द्रम् वादेश्वे देवानीः पहुर्यः यपुं . धेयशः रेटः येण च. छेरं . ग्री. स्त्रीर ह्या व्यादायेषः वास वहार वेरानु तर्र वे वयस न्दान्य केर पहर है। वनशास्त्राचुरावरी क्यायर पर्धिर यरी क्यायर जेश य प्राप्त स्थायर हिरा क्रीक्ष वः में नदे सम्म मुना पर हैं पर हेंना यदे हैं पर मेक्ष यादा से स्वरं पर हैंद ह्र्य तर प्रजीर रू. (बुश. धला. प. प्रश्नेयश. प. ट्रे. ल. चीबर मीश था. चीय. पर पहर्रे...

यते हुर। ग्राने वर् याम हार वरे प्यार हेंबा न व या स्ति या ह्येंबा स्ति। वरे श्रे र र विश्वाच र ना त्या स्वर यह वे ववशा शु मुर ध द्वार पर र मुर्द पर र मि र में पर्देर् यादे वश्रा वश्रास्तर दे दे प्रमानिक विकास विकास विकास दे विकास देना विकास विकास विकास विकास विकास विकास दवर व ते वेशनाद व के दा ग्रेश दुर्ग या देश ख्रम या के दाये व देश खेर । रेत वस्त्र विस हिंदा वास क्षेत्र के लेश महत्र पर विष्टुर हो। हे से र न रेपट च दे नेशन्य र चुर्न धर चेर य हेर या हर यो नवर्ति था उन से के कर साम वहेर या रे होर 2. Lat. a g. ya. n. ann. 22. Lat. gl n. gl. m. a. t. z. na. uz. याक्षेद्राध्येत्र वे वे सायम् दाया मुन प्रते स्था प्रते स्था दे दे ष्ट्र ह.कंर.टु.ज लूट.चर.ज.श.वेट.च.बुब वे.च.ज.श्च्याश.च.श्च्रुंब श्री वस्त्रीय. त रेट.रंगचे.त.रंचे.म.पंपंत्रंजाय.रंट.पंजाताचाम.पश्चिव.तंत्र.ह्यूंट.ह्य. खेंस.चे.च. र्वट वे वेश याना प्रवेश या दे वे हेंना च सेर् या भेव वें वेश ह्वान य.हें। वस्त्रेय.तर वि.य.इ ल.पचेंत.व स.चहेंय.तपू.हेंर.रेट। वीट. न्वर सं दे वेश य के कर मेरे के हिंग य न्द हेश हु त्रेय मर द्युर य के के लेश.वे.वरु.रेचेच य.वश्चैव.वर.वे.व.र्.लापचेत्र.व.भ.वश्चेर.वरु.ब्रैर.र्.। दे त्यस मल्द वर्ष द्वरे कृद्रभादालेस व व व दे वह भावा व दे द्वर व ते देवर व ते ते से सार र्हेना वासेन या हैन वसून वर्ष न व नवे हैन केना हिन यर नि हिन यर है। मावै ता श्रमाश च तहें व मार्थे व दे से दि च उ व मी हुँ र नते क्या च नरे दमाना च ... ब्रु लेब पहुर प्रति हो । नार में हे दे हि क्षेर पा लेब पी पा रहें में स्ति र्श्वेस स्था वर्गा हैर है है ने व वहें र दे हैं व वस है से मु व मार्शिय है

보결리'라도 NE.다하나보집리.다.용 다고.화옷하다.나 등자. 문화. 구시. नुकामर्केक वायोक के। दे द्वामी यहेया वाया स्वामा धालेसानु वारी द्वापा याद्राद्रभुवादारुद्रभुवाद्यमुवाद्रभुव नाबुदःखनाशःशः**श्**नाशःयः हेः वरः सर्द्धेदःयः वेश्वः ग्रुः वरः श्वरः हो। इटाइम्पर स्टिन्ट केंद्र याचे दिटा दु ख्वा लेखा सु । या के वाखादट स्टिन हु दूरा (यस:द्राःहराःगुःद्रे:पश स्व:द्रश्नःप:२ले:य:२ह्रव:चॅ ले**गः**वलिक्क्ष येदःपदेः हैर री। दे पश्च द रेन्स य स्माय स्माय स्माय प्रायक्ती रे स्मर द परे दे रेन्स स्माय व्यालेखानु वाया स्वाका प्रसाद्या र ने दे दे दे दे हैं। र ने वाया वाया स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्व ड र दे दि ख्रायायश्च द्रायर से प्रहेर या द देते प्रवेषाय प्रहेर या अट द्रा सेद्'यरे सुर र लेक नु व र्र्स्य र हैं। दे अद लेक नु व के ह्यू रे हेंना पर्ता <u>ૄ૿ૺૹૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺ૱ઌૺૺૺૺ૾ઌ૽૱ૢઌૹૺઌ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱</u> भव द् . बुंश चे च का स्वाम वार हुमा निष्य स्वाम रुव दे निया में ते भी शामा प्येव लिय। दे या मु दे ग्रेंद या से नामा वा द्यदाचे दे नेस पासुक्षें द्रात्माण्याद्यापर हेंगापादर वहमापास भेगाने। तहमा प्रावश्चा हे**र** थ'त्रे क्ष'में अ'गुर प्रवर वे ते क्ष' व हे**र प्र** वसायाम प्रेन है। खुमाने पते हें नसामस ही न फ्रेन पर है न हमा दूस निवर क हूर्य त. इर्र. तपूर हिर ह्या लाट के हैं . से प्रति . प्रति . हे र तथ . ब्रेस.

वमा पह रेन्द्राष्ट्र पर त्या स्वाधायाय देव रेस में साद हिंद वर्ते। नाय हे कुष्र कुर रवह स् तु तु श व व हमा व स त्ये हे हो हो हिर य दरे द स मुस मुद्दालेश नु न ता स्वास न स्थार है। स्वास प्रदेश स्वास मुद्दा से से से दे ते ते द्यःरं यक्ते. यर विद्रा चोविष क्षे. रूपोश व . रेट. त. पश्चेय. तर . एर्ट्र. तश हिंश. शु तर्त्त्राच रक्षे मु केर य लेख च च य स्त्रीम्स य क्रेंस से ॥ ञ्च द्रम्मस्य प्रतर द्वरा ञ्चरामस्य मान्य विद्याप्त विद्याप्त य वै.य सद ता स्वीश सर् । दे द्वा दु हूद यदी दिए हु य ठ र द सा दिस दावादाय दे द्वा की खूद व र्ष्यू ता दे त्या दे अद हे सा वुर्ये। अदि क्षेत्र क्ष न'याट' वा र्श्वन्यं य वा नास्त्राय दे हमा यादिये हे सा सु दे तु वा स्त्रा मी विद्याय है हर यर देश न'भेर ने चुन्द्र महारा व वहार दिन पदि देन से गु इस वर्के संवीत वॅ लेशन्त्रवरे दें दी। देने दे के के के दे त्या वायदानी मार्देना दट लेखा निकाल स्थान विकर् सर ने देश वा मिर्देश निका लेख नुप मु नं विर्मा साम विष्या महे चर्ना हिन् प्ये का का मा हा गर्क नह कि निम्ना मान मक्ष्यामाध्ये देव विकास माने देव हो। से से में इस महासे स्टार्स मुद्दा से में मी खुयाम्बर्य वर्षे में विश्व विश्व प्राप्त क्षेत्र में में में स्वरं क्षेत्र क्षेत्र में में स्वरं क्षेत्र क् मक्ष्मुकानाह्यका नके दें ने निम्पिताय है नक्ष भारत्य पर लेखा के नके दे ही <u>ष्टिन्स्पर देवस दर से ने बेड्स यह टें जंड्य में वेस व के वि देना</u> न्दान्तियमान्दाञ्चनि न्दान्व विवास्त विवास विवास विवास विवास विवास

वैदेश द्वेष या पहित या रे प्रवास प्राप्त का स्वास में प्राप्त के प्राप्त में प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प मु मै रमेन्यायर्गा विर्नेन तार्यन्य यते द्वार यते व्याप्त राम्य या यत द्वा व्यानीस लेखानु वा के ह्यार पर्दर या मि द्वा रहार ने वस रहा ह्या है हमा त्तांश्राचर श्रीट.च.जश्राचोश्राचार्यु.टू. चू.चि.टूचो.ज.हूचोश.त.व.चं.चं.हची... में इस बर में शबस महित वर मु व मार प्रेश या रे दना मीस लेश मु वरे रें रें हों। मेशन दे हैन है ने त्यक्ष व न्न पति निक्षा परे दें वें च क्रूट प हैन प्रेन हें लेका वि'चर दर्वोद्यास्त्री वस्त्रें चार द्वा च दवर विं तस वद्या य केर प्ये वस दःवेशनुः नं वे मव्दर्भे । यहाँ र या यहा न वे हिशा शुः द्यमा या प्रेरायर । यहाँ र या हीं । क्रिंश कर मानुवाय में क्रिंग वहन या भेग के लेखा छात के ह्राय सावरे साह्यस च लेखान न हे हा ने दें किंदा ने हिंदी हैं किंदा कर के किंदी न है जिस है वर्रे इस वस सम्बुव व हैर हैं। हैर हो। सेना व के नु वरे वे सेना वर्षे। दे निवेद रुप्तर्वेद वर वेद्य निवास दे होट ने दे प्रवेश व सर्वेद वरे वी। दे देन के पर्स्वर. तानरे ताजका का का की है. बुंधा दी. पाड़ी प्राप्त प्राप्त ना बेंधा प्राप्त है जा साम है। या साम का व र क र मी र र कवाया व र द वाया या वाया व र र र वा वे दें।। माय'रे'उँदै' रुषः मुः राषः श्वरः प्रदे । यात्रायः । यात्रायः । यात्रायः । Bिट. तर . क्व. टे. ट वैट. चत्र. क्षेत्र. का कुट. वु. क्षेत्र. वुट. में यू. हेव. लुवे . में . लवे. लवे. क्व. भी इस दे स प्रेंद दें लेस पहेंद धर त्युर रें। विन देन देन देने सुर प्राय

ଌୖ୵ୡ୕୶ୖଌ୷୷ୢୖୄ୕ୡ୕ୣ୰୵୶୶ୣ୶ୡ୷ଽୡ୕ୡ୵୵ଌ୕୴୷୵୵୰୕ୖ୕୕୕୵ୢଢ଼୕ୡ୷ୄ୷ୢ୵୷ୖୣ୷୵୷୷ लेस.चे.च.म स्वासाय ह्यूस.ह। हिंदानर वेदायदे हूंवास पर हेरे की सम तर प्रत्रेत्र.व. वे.ट्रेप्ट्र.क्स.व.लूट्स.सी.वीर.व.टच .प.बुंश.वी.व.लूब.टी हैस. दुत्रे शक्षेत्र नाट के शक्षा सु दि दा लेश दु वि दे दे दे हो। य तार लेश क्षा सुना प्यत यनाः इससः इमः करः रसे नासः शुः सेरः खेरः री। यः याः याः यः विसः नुः नयेः ह्य अदःमी वर्षेद्रयः २५ यः यश्वास्य अदः यः दे सुरः दः कुः वहेवाः वस्तु रही। २.५ मैं.चोर्बर.चर्डर.लयू.स्रुर.४८ूर.व.जट. म २.७४१.चे.व.स्रुस.स्र्। ৸৴৽ড়৻ ৸৽ড়৻ৼড়৻৽ৡ৴৽ৡয়৽ঀ৽ঀ৾৻ড়৴৽৸৸৻য়ঢ়৽য়ৢ৾৾ঢ়ৢঀ৽ড়ৢ৽৸৴৽ঀৢ৾**ৢ৽**৽৽ मर्शा देकिर मुक्ति स्वेस न होता व साम स्वर न न न होता न स्वर में र्निषः सः मधुः चरः चेदः रे ।। र्देशः निष्यः मुः नेष्यः मः स्वाधः सः वे त्यवः भेक्ष ने जि.मालक के हेक अस मालक यह ना यद सक्क भेक हो। त्यार्देव माल्व मी हेव प्यर्पाय वे हेव उव प्येव त्या रे व्याय माल्य मी प्राया प्याप्त दे व พูब.जा व.क्षेट.प्रेट.लुब.बुट.रुषु.ब्रुट्र.लेज.बुब.चे.चर.कूच.क्ष.चर.क्रैर. र्. १८६स.च्याट.ज.जुस.च.वर्षितात.भूट.च.ट्र.ज.ट्र.सट.कुस.चेट्रा खेशत्यामार्ट्राचाराष्ट्रित्यर के हेशाश्चार्यात्य कर ले श्राम्या वित्रामार तर.पर्।। श्री.प.श्चीश.त.ध.रें..तप्.मिर.तर.चीय.तर.पंचीर.स्..बुंश. व. न. बु। ह. श्रद. ने. न चंद्र. नार में. कू चारा की रा. श्रुचीश तर न ने. निर. वर इस अस व दर् वर विर वर वीव वर प्र वी र हो। हे हिर व व वार

स्बेशन्तरमुन्तरम् नेशायरम् । विद्यायरम् रूरे रे ।। दे.पा. लेख. ये.पा. स्पाध. या. ये. यीया या. या सवर हीं या त्ये ही। न्द्रिं त्राप्तकाष्ट्राच्दर् कर्षा रेन्या वार्याकाता विष्टु न्द्रिं व्याप्ता वार्या व र र पा उन वि । र वे र देश ये प्यक्ष व र र पर लेख व पा या व प्यक्ष प्रथ प्रकर्मा चेत्रात्री देन ने निवास मान्या मान्या विकास स्वास म भेर हे लेस मु व ते सर न्तर्मार प्र मु व र दि सर दि न्य र दे न्य स सर हो द पर । र्ट्य. त्र्रं संदूर भये र वृत्ता य स्था स्था देवे वर्ता व स्थेर वर पर **ढ़ेस.च.च.**पारचेचे.त.पकट.च.भुर.तर.लट.ट्र.॥ वीर.ह्य.त.पथ हेस.चे. नःमा र्ह्ने देश देश पर क्षेटान उत् रह्ने पर्ने पर होन पर्ने गुन हिन पर्ने देशः र् विन्नाशाया दे गुदा द्वायदे दे हे द गु हि । देशायर देना पर ह्यसं यह न्या पर्वे स्थेर विसायहर्वे हैं। दे स्नर हुन पर्वे ने पर्वे ने पर्वे ने सबः दुवः तर्वेयः वदे म्वसः भ्रवसः ग्रुः विनः धरः ने यसः ने विकः नु विवारः वः सः ःः लेब ता ही वराव मुरालेदा। देशालदार मी सक्षर है रालेब परे हीरा हुते। घःह्नन् णुः कुः सः भेदः ने। प्रदानी सर्वतः हिन्दाना स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप ल्ब्.मिट. हे जानावंबा श्रेयंबा नावंबा हैं हैं तर् वंबायर होरे तह वंबायर हें वी तह ह्य :क्षे:पर प्रमुर त्या रे इंदर य ह्या यह नाम प्रमे हे विकास की साम है है ही है चर् मी क्षु 'येर मी । र्मुन पते रूट मी सर्व रहेर या नहेर म के साथे के बें। नेते क्षेर न्युना य उन मु प्रकृत ग्राट क्षेर या मु ने देश में प्रकृत या मु उन्यास गा लेब च ने प्रस्ति व ने प्रस्ति च शन्त्रपाञ्चितः परः चेतः पर्ते । हिसः श्वःत्वा पर्व्यत् । सः सः स्वेतः वे दिसः व ह्यः ।

घर त्युर रे ॥ दे १ है ९ है १ है १ देश है १ दो स त्युव धर्म लेस तु व स स्वाहार श्रुमार्ग्रा दूर्यास्यापटा प्रवास्यास्याम् । श्रु द्रम्य गुर लेख यु:वात्मार्स्वासायात्वा प्रदेश स्प्रांन्दाम्बादसाग्री सेदाव लेसायु:वाते हुस्र द्वे वर्षे । दे द्वा वहूर् यर हुद् यर हुद् से दे हुद् । वहूर् येदान वार्सन्मारावि स्तु द्वार र्स् ॥ सु र्स्स व ते नियम मर्के न व प्रेम है। निधायाया देवे खुया हरा दु पर्दे पा के दे गु खेरा है। इस दूरा न्दर्भा समार्गा हैर्मा हिर्मरर्गा वर्षेम दर्भात्र त्राताला निर्म त्र दे मुक्षा पर्म प्रते स्ते मुन् द्रम द्रिम द्रम दे दे में दे में दे में विमर्श उद वहेर् यदे दर देव उद के वे । दे अर हे अर हे अप के के के क्रिना मो द्रें र से सं ता पहना सब मुंदर दें। जिर पर उद प्रेंद हैं लेस नु न हैं। तर त्याद लेवा ल तहना सरे सुर री। वाय हे अहा विहास साम अ यना उन मी हमारा प्येन यादे हिन्दा प्राता दे दहरा में केंद्रा प्येन हे खन यहे रदःचल्वरक्रेदःर्यवर्षे रले व। देते खेर ख्वरचाले घानु चाला संवास चार्झ्स सी। क्षुर रे लेख नु न ता । मद न अद्या के नावर नी दर्द प्रथा वि र द वि वि वि मार लक्ष हे ता नालक कर वजहरू की खेर व लेख का वि वदे खेर कर लेंद्र वह वर्चेर-र्रा ट.स. ४.७४.च.४.घट.च के.सेट.च सेर्या र्श्वरायानेक यापटार्व मीका वहारायाप्य रहे। दे से दायर सु से तहना

नेम'य इर्ष पर चेर हो। वर्रर नेम य तर्वेर य तर्र च के के के के बिका नाया भटा स्वाना प्राप्ते का ने । विकास मानिका प्राप्ते का का प्राप्ते का कि स्वानिका स्वानिका स्वानिका स्व ततुः कुरः नदासम् हेश शुः प्रमू त उक्त मी मुं १३६ : ११४। मुं १३६ : ११४ व मा र्ष्य-गात नु नहनास न स्मिन न प्येका कर है प्येन स म प्येक के लेख न न ल. ध्रुचीश्र मा.को ् ल्यूचे २४ कुर्जे दे ८८ किटा है है जे से संसीश दा है कि ले ब वें। प्रिंत नव के व वें कि दासी के दासी का राज्ये हैं के कि दे के मिट व बहसा की खेट व.ज धूर्येश.व.रेत्य.ज.ल्र्स्.व.भ.क्रु.ब्रु.बुश.व.च.वर.ब्रीर.स्री विट.वज्राक. मु मिर व बर्श हिश मु मा स्विध मा स्थित स्था स्था स्था स्था स्थित सर से मेर यत क्षेर रे लेब नुप्त के मन्द्र सदी मुद्र यर के दिवा के कि सा यदै म क्रुन् हे पर पत्रम्स य उन् ध्येन ने लेस मल्द नम् क्रेसस हो। माध्येषः ब्रान्तिशः नह्यः पत्रेः सुर। नाव्यः तारमः नुः नान्यः पत्रेः द्ये रह्ये रह्ये रह्ये रह्ये रह्ये रह्ये र য়য়ৢঀৢঀ৻ঀ৾৽ৡ৾৾ঀৢ৻৽য়৾ৠৢ৾৻৻য়৾ৠয়৻ঀৼৢ৽ৠৼ৻ঀঀ৾ৼ৽ঀ৽৻ড়য়৻য়ৢ৽য়৽৻য়৻য়৾ঀয়৻য়*ৡ*৽য়ৼ৽৽৽৽ पर्नोर् धर नेर हैं। वनाश र 'लेश मु न पर पर पर पारश में कर केर चुट.चु.उर्ने.च.रट.कंर.च.हेर.कु.ची.चाटल ज.रचाल.बुल.चेर्न.बुल.चवर्गामश.जुरे. रे द्रन ल के हरा ल लेंद्र या भेक स के विष् विष व के के हिन द्रन 토선 교육비 네. लेस.च.च.च.च.च.पटा। रहूम.म.स्याम स्वरं भटादे र्या प्रेरं मा

क्र-भ रभार जीवा मी त्योवाय भर । यभ में वि यक सम्बर्धा य

दे : इर : वेश यः भेर क : अर । व : ५८ : घ : ५८ : से ५ ईवा स : छे र : वेश : छ : य दे रहे में के दे हैं प्रमा है प्रम है प्रमा है प्रम है प्रमा है प्रम है प्रमा है प्रमा है प्रम है प्रम है प्रमा है प्रमा है प्रमा है प्रमा है प्रमा है प्रमा है प्र ् लेश नु न त संनुष्ठ प्रशास्त्र सुन्त्र शृष्ट्य के के प्रशासकर प्रशासकर प्रशासकर मार होता है। क्र प्रत्रक्ष तु क्रे पार्य प्र दर्भ मेर् पारे द्वा नेद पार्य प्रेक लेख नु पर के वास्त्र न्ते हिर्मर रे र्ना ने त्र्र र तुर्मर दे ते ते स्व र रे र्ना न्य हे न्या स्व व रे र्श्राच मान्याच विष्याच निष्याच ब्रेन्य हेन्याध्ये १ ले १ वर्गा। इन्द्रा सेन्द्रा स्वर हेन्य सेन्य सेन्य सेन्य मुं वर्ष चर्या रेक्षेर मुं खेर विवेग रे ह्वास चर मुं सक्ष रे रे लेस निवस क्स पर त्मोवा पर ने रही। दे लस मीस द्मानी दें के र्या सा में हैं नस यदे कुर दे द्वा मेश देश नु य स्मास ध ह्या है। श द्व य स्पर् व स्मार द्रसं रे दे द्रमा में अट रे के दे ग्रीस महिमा हें रे से ही रे उद पते द्रवट रे दे ब्रैर। दे.रेबा.धु. बुस.चे.व.ज.स्ट्र.व.श्रॅस.टे। ट्रे.से.वेर.चेर.वर्ष.चेसण. य इसका गुरा विकास क्षेत्र या क्षेत्र या दे द्वा दे मादा नीका च द्वा दा का का या विकेता हैं ते यः श्चेदःयरः भ्रेदः दे लेखान्यः व दे विद्यायः यदे दे व प्येदः विद्यायः व इदायामेदाय लेखान्यावादी के देवासायरानेदायदे ते सायदी। देखा नेदायसाम्केमानु लेसानु प्रायासाम्बर्धायसा स्वेदायमानु देवा प्रायासा स्व

देशश अंतुर च लिश ये.च.४.चशण चट्ट प्रयंश ये.देशश.सू.। নাউনা' र् हॅन्स'यरे'कु'भे'खैर। वि दे'च र्र'सेर्'य'भेद। वि नहेन' मुं'भे'दर्स में भेस। । नासक'न इसस गुट में में दर हेस नु न देर नमून बेद्राय केद्र कुँ खेदर स्था दे प्रवस उर्द्र केद्र वर्षे स्था है सावर्षे, खेस के या है सावर्षे, खेस के या है सावर्षे हेर्मांश पा ता स्वान्त्रा सत् वहास नु उदार्थे॥ देवे वहास नु उदार स प्येत स दी। दे प्रत्यक्ष उत्र सं प्रेद हो नाट नीक दे स् वुर नुर प्रेट पर क्रिका सा क्रिका हु। ह्यात्र दस्य पर नेस पर क्षेत्र के के दिन म भेर के ने द्वात्मः हे हेश्वासुः तर्जे व : व्यद्धाः निष्यः । वस्य क्षातः व द्वारा निष्यः व । वस्य क्षातः व वस्य क्षातः व लेशवा अका मूर्या पर हेर्ट्या ने स्मायका के द्वार पर से स्ट्रा व्यक्तकात्र क्षेत्रवाद्य विवादाणेश वादेवी वाद्या हेत्र पु वाद्या भेकाते । व्या य दहारे ख्वायकेश रूप या केर सके खेर हैं। रे दिर दरे वनाय विश ૭.વ.<u>ફ્રેન્ટ્રેન્ટ્રન્ટ્રન્ટ્રવ</u>ાલું કા<u>શ</u>ે. સંજ્ય કુર્ને શેટ. તો. જોજા. હવે. કુર્ને ટે. તિજ કીરજા સાર્ય કુરું र्भे । भुष्टिर रे भ्येन व अप्योव हे विश्वाचाव वार्सिव अवस्थित अध्याद विद र्देशः विश्वस्य में अळव के र वह र प्रते हो सम्बन्धा पार्टेश र्ये व्यापान विश्वाप इमा प्रामार्वेद पाया देना पाया में दें लेखा मा प्रकारी। भ्राप्त प्राप्त मा मा स्वाप्त हुर मुक्कान वसमी जेश न से से नह दीन हो। ही काम दूर जाता स्मिक न अर्थन सम् तान विक्र में के हैं। हे के खेरिया व्याप क्या माहर था। हिना या भेदानामान हो मा अवस्थित । वि से या शेष्ट्र में महत्त्व से से महत्त्व से से महत्त्व से से महत्त्व से न्यसम्बद्धाः सम्पेष्ठः न वे स्त्रं स्त्रः देशः ववे स्त्रायः मृद्धाः विद्यान्याः ने साहस्य निर्मा

भ्रद् नुःक्ष्यः द्वः नः न्दः द्वाः चरः नुः नः नहिनाः नुः नुसः दस। न्द्रः सः वः व दहनाः तर.वेर.व.८.के.वर.वीर.वपु.धॅ.बोट.लप्र.त.कुर.तर.वेर.ट् ७४.चर्चर.तर.... विमुरारी इस'यर हैंग'याय नाइस य दें अमी नाइ गरा वह इ से हैं रिया है द नुःब्रुटः वः रूट मी सर्द्ध के दे प्रवेश नु दिंदा माल र त्यस हिंदी पर दे प्रस् द दे है द द्दश्चान प्रतास प्राप्त निम्नुसान द्वान सामिन द्वानीसानुः रूजा मी रेट्श स् में पुर पहेंदे. यर विश में स्थापर प्रमीर स्था । विश यर हिंगी. মক পাৰুপথ নজ্ব নিৰ্দিশ মান্তিৰ ক'বৰ্ম নিৰ্দাণ নিৰ্দিশ নিৰ্দাণ নিৰ্দিশ নিৰ্দাণ यश क्षे र्या द्वेदे वहर्न पर नु वर वर्त थाया हिन वर है लेगा अर्न । वर्द गुद्राभेद्र या सेंद्राया प्रेक् कें लिखा नु नि दे नि क्या मा नि हो । द्भर द लेश मु न व से मारा म हूं स से । वे रे अर द द सम पर हें म में ना ना हर पकुत वे इस वर हें ना नदे र एमी टें चें अका व ददाया सेदाया केद की कीर इस सर देना यते रदानी दें ने प्रतिकृत निवान का या है दायी वर्षी र्च्या पु^{र्}यहेर्<mark>क स</mark>र्पर देव मालक यश खूँचा य मार छक या दे के प्रष्टिया यश प्रश्न स भैदार्जि। यमुभायते नवदानीशामुद न्द्रशार्चि द्रमायराविनायासाधिकार्दे खेश मध्यायर विचार द्री। दे कि र ग्रेसिया असी या में बारा में बी शाया की शाया की शाया की शाया की शाया की शाया की र्देशनी नान ने रायरे प्रात्तिकार कर में द्रार्थ के विकास के विकास के विकास कर कर में हैंना पद्मे ब्रूट व र्व नी क्रम यस थे र्व में द्व नी नु व क्र वर्ण प्रवित्व वर्ण व मेर्'र्रा। र्रेन्र्न्य पर रेम्ब्र्न्य प्रत्र्विंग्य मार्थेन्र्रे। लेम्रानु य के देने हो दें के वे केद य हैद में खेर नावर प्रश्न केंग में दें के प्रश्न के हा

व्यद्भार व्याप्त व्यापत व्या महर्निम् नु व के जिस नु व के नि व नु व नु व नु व नु व के नि व क ब से दे पा है दे हैं । माइब है से पुब दे ने से से हैं दि दे त दे हैं । से इब दे हैं से से हैं दे हैं से से हैं रम् न पाकेर द्राप्येर या साम्येद वे लेखा न पर प्रमित्स वे । प्राप्त माया हे **इस यर हें**न्य रे देंद की इस या वहेंद यर नुप्त ही देंबा का सेंद्र या सामित सेंद्र गुः दे:वेशय हैर गुःर्द्शयं हैर था दे भर सुर वहर् สูาลาสิามาพิสาสาราสมาส ! ผูม สัยัฐานราสูาสารณีมาณักดิราฐานสูรา र्रे 'ले बा देरे 'कुर दे 'कुरे 'वहद्गायर' व व के माय्येक के 'लेश व व व क्रिंग यद्रवाकेद के मुद्दे वहूँद वर मुन्द के संध्येद है। रद वो सहद केद वा मुन्दे से <u> प्रमादित्यते खेर स्ता</u> न्या हे इस यर ह्ना वते ह्या वते इस या छे स्ता व सेर य हेर के हैर । रे वॅद में र दर कर वर वह र यर हुन स से वर यर म = ५ ग्री वह अदामा से हे रदा मी महंद है र भेद यर केर हैं। दे ७९.मी स्री.स्.मी.चाश्चाताचा**द्यश**ावहूर्तत्वराची.व.**लुश्चावचा**च्याद्वाताच्या व्यव वें। श्वे निर्देश वेंर गुर य के में वर्दे ने ने वर्ष श्वे वहें पर नु न के प्रेक ले का र्क न्म नर कर नि मुद्द मे द दे लेख नहें दे । दें क इ.केर.४.स जारा वैट वर्य.व.सेर.बिष्ये वेंयु.वर.जारव वें.चेंबेश.च रटा हर द्रम व ह्रिन प हर्ने नर नेर न सक्षेत्र प सक्षेत्र प सक्षेत्र हर्ने वहूरे न.मै.पश.चैर वर्ष अ.केर.वे परिंतावर् र्यटाचेश.लेव.त र के.के. বাৰিৰ বু'ল্ল'এমাৰ্ম'এম ইব্ বৰীল্ল'ল্লি'বি লুম'এই'ৰ্নি'ৰ উব্'বু'ৰ বি

मुर्हिक्ट न लुर ब लुट हैं न्ये केर मुन्दिस मक्षेत्र मान है महिस मुन्हिल दं ने है जी नु ही कर स्थाप दहमाय कर सु कर दें र यह दिया प्रकृति कियी हा स्वीर किये हा वर्तेश्च वर्षा वर्षा सुर्वा सुरवर से दिया है। १० है है। विस्तर्वी से देवदा करिया वहितासराम् नापादराहितामराज्येस्य सम्भायेलमाणि व्यापिता हित्ये स्माप्तिये इ. १५ में विशेत्राक्षीय वे इ. जंगमिवक्ता मान्न क्रिये तुर्वाक्त प्रधीत्रात्र डेरे दिस् कर हे जा है जिस है जिस है जिस है जिस के हैं निर्मा के हिर मिल हेन्द्रप्रीत्वे लेशान्द्रविद्याः । हेन्द्री हैन्द्री हैन् दे हिं के अन्द्रिक की केंग वित्रहर्ष व लिया मुद्राया विश्वास प्राप्त कि निवार होंगी श्रीय शिवित ये हिर्द वस्व है। वेर्द्र पार्श्व के निर्देश कर है। विद्रार्थ कर है से विद्रार्थ कर है से विद्रार्थ कर है म्यु इत् विर्म के मी बंभ का रेट्सा श में मिर्ट महिंद मह के मा मिर्ट के मिर के मिर्ट विन्ति दीरि। ेर्देव में क्षेप विकेष महिवास की ए देव में क्षेप पहिला इस चर ने मि चदे इस वर भोग महादान् महिल बहुत में हिंदि कि मि लेक म येते से रिया मिर्दा ने सर्व हैं जिलें। - - ने निष्ट नी से दे करा न विद्यायक ल्यां पा लेशां तुः बं बी दे हर्स बीरे वा ना इंसाधा जात्र सोमान्यहा बटा से से हरे हरे हरे मुन्द्रिक हैं देखालें। ने में कि के कि दे विश्व वर्ष विकालिक्ष्मित वर्ष विद्या मिन्ने म्ब्रुप्य प्रस्कुर मिन्ने। वर्ष मिन्ने स्वभूक त्रुं ने प्रमुश्चित्र विद्या के द्वारा के देखें स्वार्क के स्वर्ण के स्वार्क के स्वार्च के स्वार्क त्रक्षीर मण्डि हिंद अर्थ प्रथिति शक्ष स्मित्र शक्ष स्मित्र में विद्या में क्रिके क्रिके हिंदी श्चित्र केर्यं क

नु न ने दे भारता मुद्दार पर पर देश पर मुहर् यम्बुम् व केन्स्य वहूर्यम् त्वा प्रमान वसःभ्रानहर्मः हर् भेरामाञ्चाले । प्रेते से स्वानहर् भे सामर वास वास कु.हो. क्ष. तर हुंचे तर् हैं हैं त. दे हो लट ची शत य. क्षश्रं जा शु हों र ची बसाता ले हैं. ने नहें दे सक कर्महिंग में के काम कर नहें निर्वित में है अप ने अपन ्रेप्ट्रे.हेर.क्य.वाड्रालट.क्यायर क्यी.वप्र.लेख.व्य व.य.का.स्यीय. नामात्राच्या करे हिमाश हरे माहि श्राट न नाट प्रेन पाट है न क्षा पर हिना पाता है म परामुक्साम प्रिकारी हिन्दे ने निता केत् वह प्रोक्ट निता है व्यामिकाने द्वान के दिल्लाका मानिका वा केन गुणि केन न्या स्वान वा के ना व नावसायां "" भक्त महोस्ट्री। क्षित द्वार्थ स्था है दुर्ग मिया मेव पावर लेश स्था में व द्वानसायम् अते द्वानसायकायम् चन चन प्रति हा में से माना स्थेन में ने प्राप्ति म्बलायासीयार्के लेखान नदे हुन हुन। - नालाहे हुन हुन हुन बिनाडनाया पड़ेन इस.स.पम् वाकवाराक्षेत्रकार्यवाणवापार वर्षेत्र होता नुःवर क्ष्माने व सुदे हैं की उद्भ हिर उना है । इर सूदे हैं व क्रा पर पहें ना सामेक के का हिंदी हैं हैं हैं जिस हैं नमा है मा ्रद्रमः सर्र हें नासः सर्वे ना स्वाहत की हैं के हैं का है है जो है केन्द्र में नन्मस्यस्ते हेन्य माने मिटा हुन्हर सर्वे ।। हेस झटा च इहा क्सामर बूबातर विवद्गानकुनि हैं हुर पर उद्देश ते व वावर तस हूं बा तहे हुरे.

ह्यासः कृटः ह्या पदे खुरार्ये। दे वे भराना या हे खेश न पाय स्याधा था । बे हे हेर :भट त्वर : धाया धोद वि । वि चे :के या तरे हेरा हु पत्रों के साम वि इमायर वर्षेयाय है द्रेस यं दे गायारे त्यस माल्याय है यर वर्द दस लेखा है व व्यव हो दे व्यवह्रवा वर कुर भाव हे हेश हु प्रत्यू वर व्युर हो। वाय हे शंक्षुत्रवृत्तुया गण्येदादार्देवादाः देवादाः देवादाः विकास वर्त्रेश्यान स्पेर् का अदामालक मी र्वे मी हेश हु द्वना च हेश हु द्वना च हैर हु है " यर.पर्त्याम.तर.भट.श. नवींद्र.स् । प्रमित्य.तर.भविष्य.त.३८.लुब.ब. मे देवा ताता स्वा शत्र त्ये है है है देर दिन पाय स्वासाय में स्व देवा पर न् रचुर ले व। देवे श्वर देव प्राप्त प्रमा स्टिलेश मुन्य स्वारा स श्चर व.पा रचा पश चंश वेश वे.च.कु.मैंटे.तश.टे.के.वेर.मैंर.तपू.ट्रंस. च् अह्र नि में वस प्रश्नित्य हैर र् ॥ वस्ते हैं नि में ते हैं में हैं में हैं में हैं में हैं में हैं में हैं र्मा मार्थिक व्यवकृत वा वस् सेत् प्रश्निमाम देना प्रवे ना मुन्त्र पहन क्षेत्रकी नुसाद अप देश यर देवासायदे ना स्वासायक्ष्य केर देश पर देवा या स नश्र मु र्या था था सा थे दे दे दे में मिर में मु र म हर में मिर में में र म हर प्र मिर में में र्मान अर क्रेंट न न द क्षेत्र पर पर वा वा पर न वा वा पर वा वा वा विवा के न न विवा बस्र इस धर हैना पर्दे मात्रनाम मह्रदाय भट पर्दे हिरायाता विद्यापमा है।

र्त्या ह्रेन्या यर प्रमुक्तर्र्ते॥ दे प्रमान है अर प्रकृत प्रम्भाय प्रमिन है नि त.व शेर.ग्रे रेश.व.लट.खेर.त.शे.वर पचीर र.खेश.वर्थ.वर पचीर रू॥ वहूर. सर.चे.चरु.ट्र. क्ष.चर.चढर.चर. चीर च अश हुश चे.च.ज.चीट.श.लुर.च... म्बिर प्रश्न देश तर प्रदर्भ प्रति का स्वाधा त्या होते ता स्वीद प्रदर्भ पर ये त. कुर त. रे व . से त व कर व कर त. च विष अ से हर. रते मु धेश क्ष व रर्देश व र्देश व र्देश व र्देश व के प्रति क्षेत्र है। निष्य के देश व रेदेश वर्ष वहर् दश्र न्द्रंश व हुद वर ने देश न वर दे दे हैं। ଞ୍ଜି**ଶ**.ସିପ୍.**ଓ୍**ୟ.ମସ୍ଥ. दर्यट नीस दे अदं दु रवेहेंद् की क्षु वस द्रिश में हैं नेस य है स' भेद हो। तदेस ୡୖଂଢ଼୕୶୳୕ଘ୕ଽ୕୕ୣଌ୕୕ୠ୕ଽ୕ୗ୕୲୕୷୷୷୷ଽୖୄଽ୴ଌ୕ୄ୕ଽ୷୷*୕ଌ୕ୄ୕*୶୷ୡୄୖଽ୷ୡ୕ୢ୵ हैस.श.वर्त्ते.च.चर्चर.शे। दे.कंट.मी.चेट ज.श्चीश.त.७स.चे.च.ज.र कंट. ब्रॉब पाने र्न के प केर प्यर पाकेर प्राचक्त पर नुषाय केर के छेर सा अंत महिना ह्विंस पर्स हेश सु दर्जी व नार्ड वे स प्रदाय प्रदेश है। व्यापि पर हों हैन मिश द्र द्रेच वर्ष क्षेर हा वर क्षेत्र भारति वर क्षेत्र का कर हे क्षर क्षेत्र का क्षेत्र च न के के तिर म प्रेक् च य स्वास च त्यस स्वाप तिस च न ते कि च न ते कि के कि च इस पर महिर् परे देव वेस मु च के भीतामा भीवाय मा स्वास या इस पर पड़ेंग य.बे.चीट.ज.स्वास.चव.व्या वावबर्धसातर.वार्ट्स.वर.चेर्.व.स्व.त वर्धसः g.ឝ.dਜ਼ਖ਼.ਜ਼.ਜ਼.ਜ਼ਫ਼ਖ਼.ਜ਼ਜ਼.ਜ਼ਫ਼ਖ਼.ਲ਼ੑ॥ ਫ਼.ਖ਼.ਖ਼.๗ਖ਼.ਖ਼.ਸ਼ੑਫ਼ੑਜ਼**ਜ਼ਜ਼ਜ਼**ਜ਼ਜ਼ बेर्'यर'वशुर'र्दे। रे'कृष्य'फेर्दरे'दे'र्देस्य वासे'इटाट् लेसपुः यात्राक्षेत्रायात्रात्राच्यात् चक्रिंस च केर में खेर लेस न में मूर दस र विट हो। विट त्य संस्था चदे

र्वित्रमाचराम्बर्दाचरामुकाचार्युन्याम्बन्।च्यायामार्विताया क्रिक्त हुरार्ट्या व्यदेश हैं रहेश खे पर्मे प्राप्त हिंगा मा केर हिंग है यह र ह्रीं विचेत्व प्राचिक प्राचक विकानि प्राच के प्राचन प्राचिक प् मक्त्रमुन्त्रम् देवालेकानुः य है रेनाकाका स्वीकाय क्षेत्रका वर्षे मुन्नकं का नुस्ति का नि प्रकृति ान्तरिष्ट्र व्यक्षः द्र्यापार त्राक्ष्य स्ट्राप्त व्यक्ष्य निम्न विश्व निम्न स्ट्राप्त स्ट्राप्त स्कात श्रीम्यावरा के पर अर्देश पते ह्या दे केदावर्दि वर मुन प्रेश ही लेखा दे श्रीर दुर्वहेंद्र प्रवेद्द ए सूर्ट वा नेव ने वा वा स्कृति या हरा है वा नी देश करा नी अनुदर ... ब्रिट्यि में देश क्षान्त्र है। देन का वा की ना का ना मिंद या मा मा नि द्रावस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् । इत्स्रित्स्य स्त्रम् नाम क्रिन्न ने देव क्रम् में मानुद्र र्श्वस्थित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स क्रम्यावप्तत्वन्त्रेयाच द्वाया है। ज्ञान वर्षेयाच वर्षेत्र प्रेय के लेख क्षिर्युक्तं येकार प्रेश्य दे द्वाक्षय वर्षे क्षेत्रं क्षात्र वर्षे ही। व्यक्तिम्बर्वाद्वेत्रमान्द्रम्भारा लेक्ष्यनुष्ठा विकेशनायाः स्त्राधाः विकेशनायाः मृत्या क्ष्मदश्यवेयावये इसंपर देनायानिहस्तर। सुरे इसंपर देनाय दर प्रसायक है। इस पर हेना पाइमाय नाशुक्र से।। धूर प्रमायक परे में केर कुर बुका ने सुन किर तर प्रत्ये विश्व स्था है। दीर अहुमा हुन। असेविर अस्मान त. यु. जेडा ने न्य का स्त्र मध्य रा. चर्नेय रास रा ।। अर्थिक से मेर करमा है न उद्ये लें का मान दे वह हो है का वास ने का का मान प्रवेता मानेश्वराम के अर्थन मार्थ प्रमान होन्यार्।। पहें के माराय देवे सहना है द क्रिक्त विक्रार्य में क्रिक्त में क्रिक्त

यर 'वेद्र'यते 'रद' पद्धेद'ठद'र्दे 'देशमु प्रायः स्वाधायस प्रकद्य पर 'वेद्र'र्दे ।। ହୂଁ ଓ ୬ ଅଷ୍ଟ ଥି : ଅଟି : हुना स लहानाहाले वा र्थे**पम** न र्झे स र्थे ।। ५ र . लेक नका लेख नु न के तर्थ प्रते र्थे क्रिक न लेक न च ३ 'तुश्र' सश्च 'मुच' स' प्येत' स' त्या' दे 'द्रा' द्रामाय' व 'प्या' तुश्च 'स' सेद' स' मार प्येत' स' **दे** 'कुर 'क' चित्र यर 'हेद्र'य 'द्रमाथ 'त 'दृशेवाक 'यद्र ।। क्रायर 'हेवा'य 'देश' देशका। देव दे लेख मुन्य है द दूर मुन्द के मान में समा महित पर मित मान ষ্পৰ শৰ্ম। अर्बेट'यदे'रूट'यदेक'र्थेद्'क'यदा। दे'देश'तु'त'दे'द्दम'यर' र्देनायामाहेशायद्।। देःवहालेशायुःवायायहानेहानुःहिरायहिर्दायाधीनान्।। *ୖଽୖ୕ୢ*ୢଵଽୢୖୄ୰ୖୢୄ୰ଽୣୢୣୣଌଽ**୕୳ଽ**୕ଵୢୄୣ୷ଽ୳ୡୖ୵ଵୣୄୖ୶ୄୖୄୠୖ୶<mark>ୄ୷</mark>୕୷ୡ୵ୠୄୖ୶ୡୄ୷ୠ୕୷ୡ୶ୣ୷ୡ୕ୡୄ୵୳ଽ୷ ह्न य सेन्य उद गुन्द्र दे सेन मीस नासवा यर दहेंद्र हें लेस गु 35511 देवे के देश व भूवे द्वाची खुवा हव है द खेव य लेश हैं य वै ववै देव हैं। नाम् में के नियम में ते ख़िल लालमा में नहिनाया ने ते के नियम में ते के लिया का कार्या के नियम में के नियम में म्रित र्वेद भी द्वार व सम्मेश्वरायानार वा खुवारे भिर्म दे द्वार दे म्रित र्देन की खुम उन प्येन मा देने नहें में दे दे है न नहें मा माम ने नवह चॅ वे दे दे र र दे ने मह के दे के दे वा मु वहना या दे खं मा मु से स्वामी दे दे हैं के ता वा व ૡૢૼૼ**ૹ**૾ઌ**૾૽ઌઌ**૾૽ઌ૾૽ૹૹ૾૽૽ૢૢૺૹ૾ઌ૽૽૾૽ઌ૽૾ૣૹઌ૽૽૽૽૿ૡૢ૱ૡૢૼૢ૽ૼઌઌ૾૽૾ૡઌ૽૽ૹૡૢૢઌૢ૽ઌ૱૾ શ્ચિત દ્વાના ત્રામાં કર્યા એવા વા ખદા શ્વેત્ર પાયા કર્યા છે. વધા તાર દ્વાના **ন্**শুম্

मत् भेशायामाराष्ट्रवाराने वर्षे राये प्राची सामित्र विष्या प्राची रामी । #द्धर हैर हैर है लिया दे के ही दिवह से दे के स्वाप कर्र पत है पत है पत से से स रैमारा सामाध्येत वस्र। ५६ स्मन् नुमाया ने र दामी सक्य केन गुदा स्मू दे नें न भेदाय देवे के दे सद्यामल रायवे हुते देव प्वेद दे हुते के साम स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स त्नुर लेट झूटे प्रेशमाया से झूट न नि प्रेशमा हे हे झूटे रेव सापेव वे । ङ्वा ଵୖ୵**ୡୖଽ୕**ଽ୕୳୲**୰ଈ**ୄୢୢୠୄ୕ୢ୷ଌୡ୲ୖୢଵଽ୴ୖଵଽ୴ୡ୕ଽୠୖଽ**ୖ୷ଈ**୲୴ୖୣଽ**୴**୲ଞ୍ଖୢ**୳ଢ଼**୕ଵଽ୵ୡୖଽ୕ଽ୷ୖଋ୴ मुं उव नु त्युर रे। ने देख वुर मुर यते विश्व या वा सु दे रेव हैर नु र निरम ସ୍ ଟ୍ରୁଟ୍ରେମ୍ବ୍ରମ୍ବ୍ର ବ୍ୟାପ୍ୟ ନୁସ୍ଥା ପଦ୍ର ମ୍ବର୍ଗ୍ର ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ଓଡ଼ିଶ୍ୟ ନ୍ତ୍ର ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ପ୍ରକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ରମ୍ବର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତର ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ଷ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତର୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟ वर्द्द्रयात्वसामी मु क्वाद्राविष्या देश मु द्वर मु द्वर मु द्वर विष्या वहना यर मुराया दादर्दा या दशामी मुख्य पुरादे द्वार रे क्षेत्र केंग्रेस स्था स्था य'य'र्सेन्स'य'लेस'मु'त'रे क्वे द्वादिर देव प्रदेश ही बेद **गु**दःयदना हैर गुसर नुपुर ... दश्यान्तर् हेर्यर त्युर रे लेश हर हे भूर्त व वर्ष से सुरे ही मत्र च्रुकः के द्वेकः य प्राप्तः के द्वः य प्राप्तः ह्वः प्राप्तः च्रुकः य प्राप्तः विकारः विकारः विकारः विकार मु दिर्भ में प्रमास है। विमाय विभाग क्या मार्स्म सामा हुँद ଔ**୷**ୖୠ୕ଽ୕ଽ୶.ଶ୍ରୁଟ୬.ଶ ୧୯.ଜୁଘ.ଶ.ଖ.ଖୁଏ.ଶ.ଖ.ଖ.ଖ.ଖ.ଖ.ଖ. ळे. प.रट. स. प. हेर ह्यूर सिक मी.रट्स.य. पशायर परश.यर्ग। **५५स'य'भेक्'क्'हे। ५**२६ वॅरू'द्वहें पर दुर्द म केर्प्ट म्याय भेक्क के लेखा 9.निर्देश्वा विकास स्रोता के स्रोता के के निर्मा के के निर्मा के के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्म के निर्मा के निर्म के निर् में देशुर वस्ति व राष्ट्रेदाय हे दर दम्याय व राष्ट्र त्युर व रे हिर द

ট্রিব'বহ'ট্র'ব'ঝেল্ঝ'ব'ন্মীল্ম'মর্ম্। चिडिंद क.श्रुचंश.च.पंहूचे.तपु.८८. द्धा दब मी मिं महूर न ह बुना लेबा रेड लेखा रहत मी मह रे में यह हैं न यह हैं पदे हुर सर्वेद पर हेर स प्रेंद है। से दे हुस वस्तर रह है ना लह मी हैंना य इटायहरू।यर अर्देशर्दे ॥ क्रिं हेंनाया क्षेर् साहे हें हुर द लेखा नु य ता र्स्नास'सम्बंद्रंद्र'यर'द्वेद'र्द्र ।। दे 'चल्द्र'तु'लेस'द्व'य'दे 'द्वेर'र्द्र ' यवैक पूर्वे । दे वहनाय वेश मु म के दिस सम देना यह नेश पर्वे । नाडनास.पहुंच, नाडनास.सहूट.च म.ह्यंस.च.ल.ह्यं नास.च.ल। है.हेर म्बन्नास द्र म्बन्नास महिनास लेस दे स्याप्त द्रमा पर हिना या मलेक द्रा माल्याका अर्थेद 'व' सं' प्येद 'वे सं' तु 'पवे 'दें व हैं । हे 'सूर' व ' মর্বি ব'ম'%মম'য়ৢ'য়ৢ৾৻'ম'ম'য়ৢব'ম'ঀৢ৾য়'**ঢ়**'য়'ঀৢ'য়'ঀৢ৾'য়ৢয়য়'য়য়ৢ৾৻'য়৾৾য়৾ दरे नडिनेश अर्थेट न के. हे. के. शास्त्र के श के के. चे. च. हे. ती के. चे. च. हे. ती के. चे. च. हे. ती के. चे. च **ଵୖ 'Bଽ୕୵୵ୢ୕ୠ**'ଵ୕ଌ୕୴ୡ୵୶ୡ୕୵୕୳ୢ୵୶ୢଌ୕ଽ୴ୡ୵୴ୡ୵୳ଽ୵ଵୡୢ୶୳୵ୖ**ୢଌ୵୷୶୶**ଡ଼ୡ୶ୄ नहूर्रिं। लर.य.रपु.मांडियोश भहेर्. व.यु.दे.सं.वी.र्यं.मी.यंश.तश.के वर. मह्युर्य न दे हेर् भेर लेट ट्रे महिन्स सर्वेट न दे दि मी द्वार न स्वास स उन मु निमान देन या हित भेन हैं।। मालन दमा ने हैंना या दूर यह का यह र ୖ୶୶**ୢ୷୷୷୕୶ୄୡ୶ୢଌ୵ଢ଼୶୷୵ୣ୷୕ୣ୕ଽ୷**ୖୣଽ୷ଽୖୄ୵୷୶୵ଽୖୡୖ୷ୖ୷୷ୖୣ୷୷ୄୖୄୠୣ୵୷ୣ୕ୣୣ୕ଽ୷ ঀ৾৾ঀৼৣঀ৾ৼঀৢয়ৼৢ৾ঀ৾৽ঀ**৾ঀ৽য়ৼ৽ঀৼ৸ৼড়ৼ৸ৼৼড়ৼড়ড়ৼঢ়**ৢঢ়ৼ৾৾য়ৼ৾ঀৢ

नाय हे हिंद केद हो नाबुद नी नाबनाय सर्दे ताय क्रमस सुर हिंदा नाम प्येत के हैं ना য়**৾ঀ**৾৻ঀড়য়৻য়৾ঀৢ৾৽য়ঢ়৾৾ঀ৾৾৽য়য়৾৽৸ৼ৾৻৸৾ঢ়ৢঀ৸ৼ৾৽য়৾৽য়ৼয়৽য়ৼ৾৽ঢ়৾ঀ৽য়৾৽ঢ়৾৽৸ৼ৽ क्षर हे दे के रेना मर नु न केर प्रेक समे सुर हैं। मु दे नम के दे अमन शु हींद न प्रेंद्र व लेश नु न त स्र्मिश न स्र्मिश स्रों। दे न स द लेश नु न त स है'भ्रद.चत्रद.तपु.सुँद.लूर.तपु.सुँद.खेश.चै.च.यु.स.बीबेबेश. র্মন্থ'ন'মা ঀৼৢ৾ঀ৾৾৽ঀঢ়ৢ৾৽ঀয়৾ঀয়ৣ৾৽ঀৢ৽ড়ড়য়ড়য়য়৸ৼড়ৢ৾ঀ৽য়৽য়ৼয়য়ৢয়ৢ৽ঀঢ়ৢ৾ঀয়ৼয়য়৽ वर्षे खुर र्हा। दे वस व स् दे एक मा कि की असम श सिंदा में ना मा से द चर 'वनुर रो। वाष'हे 'देवे 'नादश 'श्रेवश द ह्ये 'सर्व श्रुस 'हेद'स 'फेव ह्ये ' ले'द। देन्सर्देन सुम्र केदास प्येत वे लेस मुन्य ता स्मित या स्थान । ना हत पहेंद्र यदे 'तुस्र व मात्तुत' सर्वेद 'यदे 'खुस' उद्ग की दूस्य यद 'ह्रेंबाय' खेंद्र 'यदे 'खेंद्र 'द्रा नायाने स्वयायान्त्रमयान्त्रमयान्त्र स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षः स्वरं स्वरं स्वर्षः स्वरं <u>बिक्षा इम्मायर हेन्।य अर बेस नु व य अर्थन्य य श्रेंस स्वा</u> ब्रिंग्लेब्'ब'बु'बेब'चे व'ल'स्रेह'च'झ्र्ब'च'ल। नीडित्नीडेह लेब'चे व ८हूब' लेक्षा देखाः वेष यामहेशायदे मञ्जूनायर पुःव स केश्रवे। द्वाणूर **दमः परः**हेनाः च नृष्टाहेसः सुः वह्नेसः य १ ससः सुः सुष्टः वसः नाह्नन्स सर् वः सुसः नुः ः न केर ने देश मा केर हिंग धर होर हैं।। नहमाश के हिंग मार मीश देश है नःषःस्याद्यास्यःदे इसः धरःप्रमोकायरः चेदःदे। इसः परः हेन्। पादे छेदः मह्त्रा अभू शु र्श्वर म लेख दी न है नि हमा अर्थर हैं । नि हमा अर्थर हैं । लेख ।

ปิ.ปรู.นีพ.กะ. รูป, ก.ษูป,พฐะ. ป.มพพ.ที. ฺฺฺฐะ. ป.ญน. ชุ. ฺษูพ. บิ.ป. พ. เช่น. ं। भ्रेंनारु मुरायाकेरारायरहायायेरायाकेराराकेरार्ये विश्वासाय है । रमारा सर सुर पर पुर हो। सिंग रु. मूर प दे माल र मी मुर पा ना रहा यंद्रे दर्द कुष कु के के कि का वर्ष या है रह में कुर प्रका मान्य पदे ह्मार्ख्या छत्र सेदाया केदा दुर्वे। क्रमाय माववादा प्राप्त केदा स्वामी रैनाम नमा कुमसासु हुँद नारम हो हिं लेस दु न है से से से स्टानी रैना सामे । रदः रेना'यसः ऋसः सुः र्सेटः व'नादः सः प्रॅन् यः देः स**ः ने ः भ्रदः हे सः** नुर्वे। श्रिम र्रेन्यायास्त्रेराच अटारटारेनायासास्त्रेराचराङ्गाचालेसाचाचा है।या चे बना नु क्षु न सर्दे सुम हेन या मेर भाषा र र देन के तर्हे हो। य. पेश. य. चीलर मुका अभवा शे श्रूर. यर निका प्रचे . राष्ट्र. सुरा र्हा। वर्षा यहे. माञ्चनाश्चात्राःश्चाश्चाराः सर्वेदः च लेशः छः च ले । नाद नी के 'द्राक्षेरः मुः नाञ्चाराः सर्वेदः च देवे के दे लेग मर्दे शुक्र क रेवे दे । निवर में वा ना हिना है के पान रेना रूर द्वा यर दूर्वा य विश्व होद यदे हीर दें।। रूट रेव य है रूट नी ই। বা চৰ ই। এব বই বী হ'ব। वेश पा मा वेश प हेना हर त युद्द वदे दर दिया रुष मी कूर न से पर से र रही। निर नी के से से से पहेंद्र तर हिर त र . जुंब सप् . जुंब व क्षे . यर प्रचीर . य. रेप्टे . ष्ट्र. मडिबंब प्राप्त . श्र्यं व व . प्रे शहूर या पर्यात कर हूं। कुर कर पुरायाया हुश श्रान्य पर मिय त्य । दे : ऑर् प्रते : हे ना सा : श्रम श : उद् : ग्री : हे व : स ना व : पर : द ना र : हे । ड्य. पृश्व. ता. भेर श. मीय. तप हीर. रा। क्रुश. १४. २४. २८. पर्य ला. प. ही. हीं प्रांती. क्र संकुर्द्रा महिनास तार्सन्सामान्त्र

ोर्.केर.ब.र्ब.पंचाचा तर जिचैर.तशरदा ची देश.त.व्य.की.पुंधायः શું**ર**. ધર. છુંર. તા. કુઝ. જુર. જુંશ. તા કુ. ખા. અંકિયા**શ. ખા. જ્યાં અ**. વા. કાયા છે. વડુ. કુંશ. શ્રી. चुर यह दर द्वा क्य देश नम्ब हैं। नार मी कें सुर दु सर्वेद न सर में लक्षानु न के महामीका के द्वहा से दे तेकाय के मुक् नु के न क लेका नु नदे हें ह्यं १८८.लेज.१४ देव.लेय.३मश.ब्र्ट. लेब.चे.च.चे.चे चे.लेज.१४ ख्री ୖଽୖଽୖ*ଌ*ୖଽୄ୕୶ଽୄୢ୴୷୷ୖୡ୕ୣ୶ଽ୴ୡ୵ୡ୕୴୷୷ଢ଼୶ୣୠ୕୷ୖୡୄୄ୴୷ଌୄ୶ୡୄୢ୕୷୷ୡୄ୷ ૻદ**્**ઝમ**શ**ાશાસુંદાના રહાદ્દેશાસામાનુકાન છે**દ**ાએકાનનું છુંદા દ્રી ड़॓ॱड़ॕज़ॱय़ॱॸ॒ॸॱय़॒ॺॱॺॱॸऀॺॱय़ॱऄढ़ॱय़ॱड़॓ॱय़क़ॱढ़ॱॶॗॺॱॶक़क़ॱढ़ॖॖॗॱॹॖॕॸॱय़**ॱ**ॴॸॱड़॓ॱॿॖॸॱ मुवासाम्भेदार्वे। ज्ञूदी सुभागामा भेदारी दे दे दे विकास माना भेदारी स्थापन द्वार्यात्स्य स् ॥ द्वार्यात्रात्म स्मतंत् हिद्राणी 'स्प्राया उत्राधित दावे हिद्राया महाताना क्याना क्यान क् - अ**दः यरः मेः रेलाबः** स्वा 🔰 🔻 इसः यरः हेनाः यः ५८ व्यवशः यः ५८ हे **सः** शुः ५ होवः वःषाःचीश्रायः वरः ह्रादः वर्षः हेरः त्वायः वरः ह्रादः वर्षः स्त्रेरः रे ।। **इ**शःचर देनाया शे.माश्रमा वर श्रीया च उत्तर श्री हिताया न से नाशाया के देशी दे ख़ॱॱॺॱऄॳ**ज़क़ॖॱऄॸ**ॖॺॱढ़ॳऄॖॸॱऄॳॳॱॿ॓ॿॎ॓ॺॱय़ॖॱय़ॱऄॱऄॱढ़ॸॖॱय़ॱ**ॺॺॱॻॖ**ॸॱॸ॓ॱढ़ॸॖॱॱॱ च.पचैट.च.केंडू, ऱ्र्य.में.इंब.में.इंब.से सु चेंट.चए.द्वेंट.पचेंब.चें.केंट्.च.कच.केंट.लुंब. বহরবূহ হী। श्चर गु रुवाद रहें सार्व हे तर से नार्य पदे खेर रहा। सु वया वुह र निर्मे नेसाम वाञ्चराम सेर्पित सुरारे यानर नेर्पिया सामा मेंदारी।

स लेख हु न के निर्देश में स्पर्ने । न न कुन हु न न मुन न में न न न चन्-द्वायावीम् अवायाने विशेषाकेतायाने ख्रावम् क्षेत्रवासायायाने देते कें। ্বুষ:ঘম:দ্রীম:ড়ৢয়:য়:য়:য়:য়য়য়য়য়য়। ঢ়য়:ৢয়য়য়য়য়ড়ৢয়য়য়ড়ৢ৾য়য়য়ড়ৢ৾য়য়য় चांचनाश्व.धच.दे.चश.मेट.इ.७म.रेचट.घू पु.जेश.च.शुर.त.श.लूब.मी। एब. ण्य रदः चर रहत य हैर क्रेर सर होर रही। दे नश द रहें दे दे दे रहे स् यदे क्रुर विशुर शु विश्व यदे के साथेक की। इक् या समान्यर वि वेशा भ'दम्बुर'मश'मार्देव'से'झ'झ'यर'यश्चेद'धर'यु च'स'भेद'लेश'यु'मदे'द्वेदस्य य'''' तरे के मार नार में निमास दे के अभाग हुन भरी मु कन हे न भेन स ने में कें ने ने " वना १ निर्मा देश होता चर्या स्थापन देश देश देश देश देश देश देश वि ধম র্মুর্ বু র্মুর বন্দী কাবা নর্ব্ব ধমা নে দ্বা বা বিদ্যালা ক্রিবা বা র্মুর বাদী নি ক্রিবা বা ক্রিবা বা রামুর घ दर सेर परे देश व र दे मालक मीस सर हैन स हैन स पर पर पर पर पर पर ब्राचायायायनेवावस्य प्राचस्य देश विदायर पर्राचन्त्राय सेरावहेंदा वेलेश वा हे के सर्वे प्रेक पा क्राइ के मा स के द द है ना स प्रेक प्रेक है ना स प्रेक प्रेक है ना स प्रेक प्रेक है ना स मेश अन्य १९८ भेर पर केर केर केर केर केर केर में मान के मा वा हुर वस प्रकर पर केर में ଽୖ୶୶ୖ୷**୰୵ୢ୰୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷** स्विधायसार्भेर. यर. युरे. हु। ला. थ. बुंब. ये. य. ज. स्वांबासायसा ग्रीट. सेर. उना सदे खुँनास य स्नर् उना सृ खुँदे हिर पर हैर गुँ क्स य नहे ना हुँर पर हेर र्दाः "दे'ल'प्तिर'चर'ची'ट्रं वॅ'स'च≣८'च'ल'चरे'र्लेद्'ध'स'लेक'कॅ'लेक'तु'च' के'वरे'सूर'द्यद'र्य दे' केस'यस'सूर'डे न' स'नाहेस'य'वहिंद य'प्येद'र्दे' लेस'''''

न.वर.त.देवे. होर.**अर.इ**वा.स.रट. स्**.स.व**चट.च.च.चर.ल्र्.च.स.लुक.्रा। हेर्ब. यवदायामायदेवे परे हिंदायर क्षेत्राया के कर्ते वेश मुन्यवे यह वहराया के कर्ती। विरायर के द्वा व्याविका विषय के प्रायम केराय के कि पार्ट का प्रायम केरा में मर्चर हैर या यर देर व में दिर यर हैं से हैर हैं।। दे आर है ना या माले र में **बेश**'मु'च'के'चर्र'म् मुस् यते रेंब र्श्वेर मुै'चर्'त'र्मेन्स पदे 'त्र ब'यस'दहेंद्र' प **ॻॖऀ**ॱऄॖॱय़ॴॱमो**ॺ**ॱढ़क़ड़ॱय़ॸॱऄॗड़ॱय़ॱॴ र्दर **७४ॱॴ**टॱऄ**ॺॱऄ**ॱॸॱढ़ॆढ़ॆॱॶख़ॱ ब्यं भी द्वितासान्त्रिसाना देश में प्राप्त हो सार हो प्राप्त हो नास र्घे ता हो। अर हेन अरे हेन्य प्राम्न हेन अर्द ये न ए प्रेन पर हेन य.चश्चेर.तर.चुर.तर.७र्दर.त.७्ब्र.कि.कि.क्.क्ष्मेश. दब.चट.उक्दे.तर्.र.३र.. **अ**र.कुचामामात्र्यस्त स्त्रेष्यस्य व्यवस्थानम् स्तरः वन्द्रस्य स्थान देः वाद्वाया खुत्राको दाया उद्या के दिन द्वारा के पार का दिन खुत्रा उद्या द्राविद्रातरामुद्धार्थात्राच्या याद्रायायदाखेदायद्रीय। यद्रायाप्रसा यात्राद्व वर्षे सुक्ष हैन सेन वर्षे सुर है। देवे सुव स्निन हेना स नहेस याभदासाभिक्ते। देके मुकायीशयाकेत् मुखेर नदायहर सामुकायाकेत् मु 3×311 लतः व द्वेशति वैदावदुः स्रदासानात् त्रावालेश वालेशावायाः ्रेना राष्ट्रे **सुँचा सः सः** राष्ट्रेशः वसः देः १९५ वाशुसः वनदःयःचः जेतः यत्र्या तालक्ष्यं । नार नीकान्यां कारा प्रवेश विकानु नारी ता प्रवेश नु कोर भारत है। **नदे अः जुक् अः वर्त्तुः वर्ते अद्भद्धनाः मः नेकः यकः वर्षे अः यनः वर्ते । वर्षः इकः इकः यः**

ঀৣ৾ঀ৽য়৽য়৽৸৾৾ঀ৽য়৽ৼ৾৽৴ঀয়৽ড়৽য়৾৽য়য়৾৽য়ৢয়৽য়৽ড়ঀ৽য়ৼ৾৽য়ৢয়৽য়৽ঢ়৽য়৽য়৽৽৽৽৽ दश्यात्रात्रेर्था ४ वराणेर्वे। दे :WE.ह. श्रावना नृ :च न्तर हेर ने निहेश ना :WE. म क्षेत्र वें लेश न न वे खेता लट म क्षेत्र लेट न में स कर कर मा के वें लेश न पर र्रें १ हैं। से ने अप ने श्रिष्ठ चर्ट में इं नाट के इस है है र र ट र दे हैं से का कर र्क्किन दु नहीं दिर के न प्रेन है।। देन हैं हैं पर है दे हैं के कि कि कि कि कि कि कि कि कि त. ११ मी. रेक्ट. सु हो. पुश्रास देशासर हुशासर विचेट हो। शहूर श्रिश हूं तो. नार्यक्ष संस्था अस. ३८. ग्रेश. ८ ग्रीय. वर. ७ ग्रीय. बुंश. ये. य. ज. श्रम्भारा सार्था हेर्दे हुँर भैगा दर महिन्य ५ न व वहेर दश भैग हिंही वर विष्यु ने लेखा नु निर्म मुना निर्म क्षा विष्यु मिलु द निर्म कर स गुर त्यस "" व्युक्तःस्की मुनुदाहै र सः प्रापदाया है प्रापदाया भेरते हो। सह व सुसाह पी द्वा इमासकर ब्राचि रा श्रेयक शि. येश वेश ब्राचि या म सूर्याश ता जा समाहे ग्रह्म व्यापायका । मेरार्टर हेना साहिता स्थाप व रे क्षु वे र्व रूप प्रेय प्रेय कु सक्ष कर प्रेय वें लेख केर हों। मालव र्ग वै देन से के के से प्राप्त के के का की का कि के कि के कि के के कि कि नाहात्मार्ट्ना यादे द्वा सेदास दे के कार्द्व सुकाध्येद व वेश मु च नाबुदा दर्गाणा द्भायक्र,त.लूब.स्। ट्रेंड्र,ब्रेंड्र्च,त.र्थात.वर्षेभ्रःह्र्र्,तर भह्रदाय देवांशाय श्वांशाय रे हेंबाय इसाय बाबुस हेंब्यर होतायरे वायुर हेंब् सेरा यत्र भ र भेर देश देश हैं र देश मुकायत्र या भेर दे हे स्थान न स्था र्को विकिन्दे के देवा मार्के मा स्मा समा समा समा से मार्के मा स

नेस य देते में वर वेद यदवः ये दे से वस शक्ष द दु वेद य प्रव वसा विद ने खुन मुः क्षे दश भे र वेश ने स्ट्र- दनदा से ते वेश स स्वेद सर मे दारे क्षित्र शुन्ति वर वेत् वर्षेत्र दे वे द्वर व वे सु यस मेंद्र व प्रेक्किं। १ हि दे हर र न्वर वे वे इस वर वेश व केश वहेंद्र या के हैं के सेद वर द्वर वे के से स क्रिनेशायर वर्गुर में विश्व देश्वर पृत्वस्त्रयात वेशायर परेंदायवे देव हेंगा यर विशु र्रोष देविश्व अस्ति श्रुम लेश निविश श्रुन रेन्श य प्रेन भी लिम.मी.पुंश न. बुश हु भा लेश हुता हे. के क पहूरे ता थ हुश तर देवट ता हु. विश्वास हैना पर विशुर् हों ये ये हो ग्री देश वर विश्वास खाया खुवा ग्री दसायर नेश्वर्या हैन प्रवेदायते हिंद दे वे प्रवे माया पहेंदा के प्रवेद दे देश माया हैन पर्या नम्बर्गी। विक्रिसियो भेरीय रे क्रिक्रिया भेरीय रे क्रिक्रिया विक्रिक्रिया विक्रिक्रिय विक् र्घ दे: वेश्वर म हॅन्स च त्याने वर होर पा हैर दु वहूर हो। दे ख़र व ख़ुया है ळूर.मी.क्य.तर.पुन.त.र.मी.त.विव मी.क्य.तर प्रेश.त.विव.मूर्म.मी.मी.क्य.... लेखाम वर माना प्रेक शका खाया निकार केंद्र के केंद्र का केंद्र की का मुद्रादेश हिंद नेद्र देश मुन्य दे मिंतर नेद्र यादे दे रद्राय दि दर्ग मुद्र यथ हे सा देशचर ह्यूर सर रेग्रहार्स बेश नु नदे र्दे रहें। में नर नुर स प्रियर नुरायस साहसामर हिरायर द्राय प ता लेखान पता स्वीधायस है तकर पर । मुर्दाना अपि देश पर श्रुर पर देश पर के में देश पर श्रुर पर देनाश

भारें। यहर्त्यर मु.व.वहर्षायर मुर्ग य हेर् ने देश यर हिंद वर देवास य केर प्रेक की। रेप्य मिकर मेर प्राप्त विकास मेर प्रकासिक सामि रे देर व रेनाय हैं के रु निर्दे व ठक हा हैंदि व नार कि र य रे के ने वर है र य हैर दु चुर पाय भेर है। श्रु श्रुर पार पेहर पर पर्देर पर दें श्रुर पर हैं यते'अर वनाकेर'येर येरे छेर रा । रे'अर में वर हैर य केर रे ने क्षेत्र मुक्त हैन विकामु ते मा भेता है। मि वर पुरे याम क्षेत्र या देश वर हुँर बार्डेना धार्खेब पुरानिहें वाक्षेत्र क्रमसाधर विश्वरार्थी देश्वसाव निया है मि वरे नुदासामाध्येरायर विश्वेराता भे हेवायार्थेरातु विहिरावाञ्चारेशायर र्श्वेरावा प्रतेष्ट्रेर हें ग य हें र दु गर्देर पा ठर सु देश प्रत हुँ र प्रत देश य उस दूर हेश . शुं वर्त्रेय व रुम्नु मिंवर हुन व के दिते हुन वर हिन व के रवर विनु रे परेश के श्वर पति दर्भ प्रवर पर चेर प प्रवर्श लेश च व पा परेर श्वर न वे क्यां या नाके था हे ' भ्रुवे पा देट' हना ग पार्व ' भ्रूवे क्यां व्या है त्या में लिना भ्रुवा य ने नाद लेना च रहूर नाद त्य हेंना च र्ह्य ने नार्नेद य रहें हैं व ने दे य रहे हैं ते हैं ते य में नर छेर य मिं बर वचुर है। विरोध कर दे भे में दे के की मु नु रे में कर ल.६.८८.४स.मे.झे.खेस.एक.सर.स्ट्रीर व.के.वेर्डा २४८.१ पुर.वंस.चयु.ध. क्रुन् वरे या अदारें ना या श्रें नु नार्ने दा उन सादेश सर हीं री। बैं र द विषे र के नित्र के निष रही में नर केर कर कर कर कर है मिं ब' भेब' यर माबस' स्वा **प्रामा अर्थ के स्वामा अर्थ के अर्थ के स्वामा अर्थ के** हैद गु के त्युर व दे वे दे ल देश वर बुर वर वस व म भेर हैं। देश र र

द्ये च्च द्र अस्तु मुर्ग श्रुप्त हुन या ग्रें हेस वहेत् हुन वर्षे च्च द्राया स स्रुभः चर् स्रु स्रु त्र त्रु स्रुप्तः वर्षे । दवट स्रुप्तः चर वेश्वः सः स्रुपः सर वेशः **ଘ**ଟି.^ଅଏକ.ज.लट.लेज.मी.सै.ब.केर.ज.च.च.च.च.द.तमीर.च भ.लु३.च्..... बुंब ै.य.बु.बिय.सर.मुर संभारश्चेतास.स्ट्रां रे.स.सट.मा.स्ट्रेर.सर्.कंर. <u>ଽୢ୰ଽ୶ୖ୷ଽୢୢଽ୶ୣୖୠଽୣୠଽ୕୷୶ୄ୴୕ୣ୰ଽୢୠଽ୕୷୲ୖଌୣ୰୷ୢଡ଼୶ୖୠ୷୶ୡ୶୷ୡୡୢ୵ୢଽୗ</u> ୵ୄ୰୰ୢଌ୕ୢ୷ୡୢ୷ୡୢ୵ଢ଼୶୳ଽୄୖୢଌ୕ୣ୵୕ଡ଼୕୶ୣୠ୕୳ୠୖ୷ୠ୷ୠୖ୷ୠୢ୷୷୕ୢୠ୷ୢୢୣୠ୷ୢୣ୷୷୷ୢୢୣୠୣ୷୷ सर हेर्स्ये ह्वेर व व पर ही। व व वर हेर्स्ये र द व वेर हमार वे देश वर् स्वास हुर वर व वरे देव हो। रह वर्षे १ लेख व वरे स्वास है। श्रीर. य. रे. जूत्यं तर क्यीं र. रू. जुंश में या जा श्रुचे श पश्चरी चा प्राचा ची देश कूर्ण था. मे दम्ने न्या य वस्त हो। दे के द की से रादे दे स्ट का मी सर हो दा पदे वा कुद મું અનુક રા ખેત મું શ્રુપાશ શુ: ત્વા સવે દ્વ દેવાયા ત્ર : મુંદ્ર પા સ ખેત પા વાલન . .. मुक्षा वे साम्रेक में लेखा में मान्य क्षेत्र राम्य स्थित या नट निवा माने स्थित राम होत तः देशः व बहुशः गुः ह्यूरः चतः श्रीयः तरः हुरः यत्रः पवश्यः वः देशः यः बहुशः हूर्यः परः नुर्देश्री ्ष्ट्रिंग्यामेराजय चरेशाताजय कु.चस्रैवातपु.स्र्वित स्टास्येश स्था हिराया प्रवाह । विवाह सामा प्रवाह से क्या जा प्रवाह से प महर् है। र्वर वह व देवे के निर्देश के निर्दे ने लाया हैं के पिन की पीन हैं। हैं ना हैं कर ना कि का का का का की पान हैं के पान है के पा न्द्रिं चन्द्रे र्व क्षात्म शहर अर्थेद्र व नाट खेर व दे के ना वट छेर व बुक् ब्रह्म स्थित प केड के ब्रिंग विश्व विष्य विश्व व

वस्त्राचर नु न प्येष वि प्राप्त परि स्त्री वहार हैं र न प्याप देव निका वहार हैं। हे दूर द रे ता मुद में द मार में द मार में देश गुट विश्व मार में मु दे हे स । । । तक्ष्यविद्याः भूषः हो। विश्व सूरः सामान्यः व विश्व सुद्धः विश्व स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे मु.स्.रक्ष भ.लुर.बु. ७४०.चे चटु.ट्रक.चर.चेंडिट.चटु.उच्चर.वे.च्.चर.चेंटे.च.भ. लुब काइमाराम ख्रीम प्रशास्त्राच प्रथम पालुब ख्री प्राच प्राच व्याच व्याच प्राच व्याच प्राच व्याच तर नेश रातिए एम व या रास्तिका तका क्रांच में वाका प्रवृक्षा विकारी वर क्लेंद्र य रे द्रमीय य हेन् बस्र वस्रवास्य लेस नु व व स्र्रेव्स प्रायस वस्त । मर केर हैं। वालुक विश्वाद मास है अर्दे शुमा हैंना व दे प्रमान प्रवेश बुस् नि.चर् स्था पर्देश पद्देश मा . लुपाला है. लाह कुर्वासारा क्वें समस्त्र हैं हैं हैं हैं हैं लि है है ला देशनास मिन्ने मुक्ते भुनाद्मदाये दिन्द्रमायर पुराया है। हिनायाद्म प्रावत्म पाने द प्रिव विशामावत रामा रोगर स्था मार्थ रे नार्य मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्थ के हे कुरु उद्देश सामु पर दे WE कद्भागा का यनुस्त्र सहि मालुद्देश कि कि विशया खादे निर्माण या प्रमाश या प्रश्नाविश साम सम्मा अकेद् की रा नी सक्त केद दे ता रामी मह्य केद केद की पाय कर दे द्वा द्वार न निस यह केना ए दाय कर्न के हरा की सक्ष केन वा के साथ के ते नमन याना द भेदायान्वत्र परे अहार् दिन्न मृत्राह्म प्रमान्य विद्या स्टिन्न होते विद्या स्टिन्न हैं ग बान्दर हम नन्दर नामा बाज़िन हों का किया हैं हिंगा पाड़िन हों का

मिट हुंश च व. म. सून माता है म. घर व पर त. त. मुंद र ।। दगद लेग. દ્રમાવાનાકુના નુષા મુનાના ક્ષ્મા વરા ખેશાવાલા શૂના શાવ વસુરાતર વગેરા હુદા ৾ঀঀঀ৾৾৾ঀ৾৾৾ঀ৾ঀ৾৾৾৽য়৾৾৽য়৾ৼৼ৾ৼয়৾ৼ৽য়৾৽৸য়৾ঀ৸য়৾ঀয়৾৽ঀয়৽ঀয়৽ঀয়৽ঀৢয়৽ঢ়৽য়৾য়৽৽৽ सर्दे.तरं.वर्षे प्रवृश्य शिक्षातर विवास विकास विकास है। चीविष्य दर ञ्च 'य'र्स्र ब्राय प्रते 'क्र्यां व'र क्रियं पर 'येस' पर्व 'क्र्यं स'स' दि देशे वास 'व' 'अट' है 'सूर'' ब दे द्वा रदायी अर्द्ध केदाकी श्वास कर केदाया मार्के स्वर की त्या र विकासन्य वर्रे। देन्याञ्चर्यं प्रदेश प्रदेश विश्व के कि सके प्रति के कि सके प्रति के कि राक्ष्र हैद प्र 'रद'में 'सर्क्षर हैद'णे 'खाय' उद हैद'द पर्दे 'गे हम खे 'सर्क् हैद'य' कें भाषीक माना के माना विदेश के के साम माना के के के के माना के के न्सर में व संवाध य वस्र उर् से संद्र यम् य यम् व के दे हैं है व यहिन है " क्सार्य विश्व य क्षेत्रय प्रेत्य के के वि देव वे क्षेत्र सकेत स्थेव दें। दे देव वे र् ट.मी.सक्त.हेर.बे.मी.सक्रेर.नावर.जस.च ह्रेंच.रा.लेर.ब्रॉ। विश्ववास.रट. ञ्च त्य **स्वासः** एवे रता नु रत्वे ता के नाम समुद्राय रवा के नाम के दाहे व्यापा विवरं " नुप्तार्व दे देशमार नेयाय होतायर नेताय होतायर हो। सूट म लुव ता व लट हैं। इंद्रेड चिवर जश पर्डेच वंश ह चेश अविश व बंधशंखर 의 원·되게·허숙·디자·조도·취·저소석·경독·장·시·티론숙·즉 ١١ 문제·원 조도·취·저소석· मर्क १ के र ग्रे खुवा कर माध्ये परे ना विश्व मार्थ मार्थ प्रति पर है । वा देश मार्थ मार्थ प्रति पर है ।

त्रे के दश दे द्वा रह में सळव के ख्या वे स व्यव वे ॥ विव गुह देवा स พยื่อ.ก.ขับเพื่อ.สะ.พูป.สะ.สะ.ปู.พชุจ.อูป.นี.สะ.สู.สนู.ลูร.รู.เปีย यःश्र्वायायरे श्रुदे द व य भ्रुप्ति हे ग्रुप्ति प्रक्रिया में प्रक्रिया में प्रक्रिया या स्त्रिया में प्रक्रिया द्रें क्षेत्र. रे श्रमश श्री यसनामानः न्याने हे लेश. ये याता स्वीश यह क्रियास सर्.सह्द.तथ.स्रेंगेश के.सड्.वशंभात.स्रेंशतर.भह्द.ह्यी शु.चढर्.चस्र। द्रमायर क्षाय भेत्र पर होत पर वित्यते तुषा पर रेट वर्ष व होत पर होत वर होते लेश मुन्द के इसायर भेस व क्षेत्र वर मेत्र व मुन्द रव में रेट वले क्षेत्र व नार भिक्र म देते क्रिक् हो। इक्क होना छेद यानार भिक्र या दे हैं निक्र नु नव दिन दिन दिन प्रमा स्वतं दुन है ने दिन दिन न स्वतं न साम दिन हो है दिन दिन है । ॱ**लेस** नु न न ता सेन्स पद क्षेत्र के अर्डे दे च देहा खुवा रहे । या के ना क्साय लेस नु न ्यःस्वारायाम्बद्धाः चित्रस्य स्थिति सुनु । यायास्य स्थिते हे विरा दर्नी वाता सन्माया वहेबाया व्याप्त वाहे वाहे न्या है से वह ।। ल्ट्र श्रु मुन्द्र या अटा हे वर 'बेर्ड पदि स्नि हैं ने स हूं स स्नि हैं में हैं से दे हैं से या क्षेत्रायमा खेत्राय के क्षेत्राय प्रेत्वा। में ने नियम के विकास विकास श्रिक्ष सर्हेद्र या व मावसाया स्वास्य स्वास्य मावव द्रायाया हो। 🐪 े वीसाया दे वै दे'वार्चमसंच्दाणीय मुदाबदेद। दे'वार्द्दानु मराक्षेत्रं भेदा देदा ल हैं। हैंद खुल उद लेश है नदे हैं , मागुद लम नद्भा नदे ना नुद द नदि स ध्येव वे

क्रद्भाद्भात्रम् अने विश्वासी स्त्रीय ने विश्वासी विश्वास

्रश्चेरःदे दनाः बस्रकः उद्दे दे दिवानु च वः स्वाधः चस्रामी बुदः च हेद्रः चरः चेदः ध की क्षा बन्द तेश राजार जा होर हा केर राजा है यह राज संस्कर स्वा ब्रुन् खुन् भर्ता व के के ब्रुन् के ब्रुन् खुन कर लेक नुःव व में नर नेर पा कर भर सके खुर माले मान्द्र सके क मुगमा के निर्मा के के मार्च के कर न्त्री त्रमान ना विकास में देश में देश महारा हा ता हुई स्त्री हैं। विकास में देश में देश में पर्क मात्या हैते के पहेंद्र या के देवा खर पर्य कार मी महत हैत पहेंद्र परि निर्देश नार अर्थे नेर्यास स्वानु स्वीत स्वान्य में दिन स्वान स्वान कुन देश सर सर सर है। इस में रह मानवार के हैं से लिय है के निवार क्रुचा वहुंगा करा हो अरुव हुट हो शाय कर हुट हो र पा बिट शात व हों ए . ती जा कर . भेराता र सम्बद्ध सम्वद्ध सम्बद्ध सम्वद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्य सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्य रहर्ने अप्ता होते होते । ज्याने क्षेत्र प्राप्त होते । ज्याने । ज् #35:8×1 में भारत हैत गुराने माहिन वें 'लेश चे मारिन संग्रीत का संग्रास मार्स्स सूर्व ात्रीता देश त्रः कर सामान्त्रा ता दशका ह्या बोब्धाना हुता सुक्रा मुक् नम् हिर्देश के व व के संक्षित है के विष्य है में विषय में का कर विक्रण विषय मान्या भेक्का व सेन यहां क्षेत्र त सब से हा बार प्रेंत्र या है के स्व क्रिना लेक्ष के के के विवास के किया के ભૂચા.જૂવા.લુશ.વે.વર.શ્રુર.ટ્રા ક્રેડ.વશ્વ. કુરે.વ્રેશ.વે.વ. લુશ.વે.વું. કુમા

बर इस्यायर विश्वास ही वासुवासर होतासदे स्रवशास्य स्यादिर र्वेष गुनादर हेना " रूर है। तर्शा उत्राद्ध सम्मार्ग्द द आद लेश मु न त स र्माश एश र राम बिर ध हिर गुँ किर रें।। रुष अर्द्ध रश उद हैं वसरा उद गुँ। बर श्रद हैना स हेद दु महा मेर मेर मेर मेर हीर हैं। नालर हर दे पहना या हर र्टा हुर है। वर् के रेस से के प्राय मान मान सालेश मान के दे के मारे मा विषे यर लेब पत्। कु स से व सि के लेब में च ता स ब ब स में स मि स মছূৰ শ্ৰী.ছূৰ্মপ্ৰ.ট্ৰিপ্ৰ.বৰ্শীৰ নেলেই.পুৰ অ.৮খ.২৮.২৮.স. গ্ৰু तपु.विद.तर.रेमां.मुश्च.श्रैज.थठ.रूमश.श्रै.शू.मश.त.जश.लेश.ये.च.यू.विर.... चरः में वर्षे वर्षे । दे रचा में स्वानिसः वर्षे दे वर्षे दे वर्षे दे हैं स्वानिस्य वर्षे लब न ने न्वान्द वर नुमान वादाय लेंद्र या ने त्या ने स्मृद्र हम नुके । इता म इ.५.के. क्र्यंथाता.पाक्ष पर्मियका.य. क्रिंशा**ता.ये. द्रायाका.या.यायीय.** त्येथा.येषु. इ.स. श्राह्म प्रमाणम् त्यम् उद्ग्वी हमाने न पर प्रमुक्त पर दे दे दे हो। अन यमा उद् स्तर्भः अदः अदः अव विदेशे विदेश दे·षःषटःषदःषवानानान्त्रवाह्यकाःगुःस्वादः दुःसःह्यटः य भेदःद्वे लेखःम्लदःगुसः ग्रीट मिश्र सिट्स तर मिर्जा। विवास नाल स्था मिश्र माश्र प्रसेनाश पट सिंहिल मिरा मि यः स्ट्रास्त्रः मह्र्यः मह्र्यः प्राप्तः महिम्यः त्यसः मल्यः यदे महिर्द्धः महिर्द्धः मित्रः त्या दे.ज. भु. रश्चाचार हो जूटमा श्व.चावर. तर वी. वह.चाडवाश.चाडुचा ल. रशुमाश... यदी इस्रायर हेना यदी हिंस लेखा न नदी दें दें हैं।। दे दना वा लेखा न दे हैं दें दें ५= केर र्च तार्ते । दे रम्बायाय देश मुन्य के क्रायर से क्या पहें वि सर्वे। हें व

वहिर्यः अर्थः दे**न्द्रमः दान्नुयः** यम् ग्रेद्रायायवायायाद् स्रीतायवि ॥ वदेशः वाद्रशः ছুন'শ.গ মীন লম.ৠড্..ড়েগ.ঘী.ঘ.ধু.শ.বী.ল.ধুনাশ লড়.মা\এনাগ.মীম.র্ছিখ.দু. .. মার্মনাধ্য বার.**২২.**বরু,ৠ্রেশ,ৠ্রমারমারমার্মন্থ আঞ্জন্মন্মর্মু, ড্রমার্মনার্ম म् नायात हेर में हिरास्ता दे ताया प्रमायन हेर में नाह नाह नहा समाय है कि ભય.ઋતા.ની.નીલવાશ્વ.નીલદ.વ.નીદ.જુય.ત.ડું.યુ.રે.શ્વ.કેટ. में विदेव उँटा। र् पर्टर्यः दे सुन्यः श्रु हीराय व मूचायायाया श्रुवयाया प्यवार्वे वियाशेमयार्थे ॥ ଽ୕**ୣ୷୶**ଽଽଽ୵୳ୡୖ୕ଽ୶ୢୢୄ୕୴୶୵ୣୄୣୣୄୣୠୣୣ୷୷୷ଽୖ୶୶୶ଽୣ୵୷ୖ୶ଽ୷ୡ୕୵୷ୡୄ୕୵ୢୄଌ୕୷ यन दे नाट या अव यन उद मी हरा मुडेना ऑर् ना स से के वी। नुसामद्भारम के के दे दे ले साम निया स्त्रीय नाया दे दे मी दस मार्ग दे दे दे ना मु देश त.रेट रेश ह्या है चेट ज. ह.रे ने अष्टिश त.लूरे त.हे ज.हे सेरे डेश नुद्रा देश द्रास द्रास देश है देश ने देश के द्रामी क्राम सहित्य : याडवाकी होंका में निराह्मेर मिंगा होंगा रामानिर पार हैर पार्वे र में पार्वे र में । नुसामहित्साच उदा दे निष्ठे नाथायर में नेमामेदायर वहेंदाय हैं। हरें सेमामेदायर चर् क्षेत्र हो। चर्च भर् हे सामेच वालेश नु च वा स्वास परा हे हि प्रकर नर नुर्देश चाकु ना अर लेश नु न दे नहें सा हर नहें सा सा अर प्रे न न द्वा पर्।। र्रेंद र्.ज.श्रुवश.चरु.ट्.य्.श्रु.श्रुवश.च.वदेश.लेश.च न ३. ही स. जुन वि चू ज सूर्यांश नपु हू . चू . हैं . कू . कू या न . व . स. कु . चू . में . जू . मार्भे 'प्यक् प्रमा उक् मी माह्यक क्ष कें माह्य कें माह्य कें माह्य कें माह्य कें प्रमा कें माह्य कें प्रमा कें माह्य कें प्रमा कें माह्य के माह्य कें माह्य कें माह्य कें माह्य के माह्य के माह्य कें माह्य कें माह्य के माह्य कें माह्य के

र्देव ध्येव वे ॥ র্ শ্ব:হুনাম:শ্বর বিধান্তান বীনাব্র দ্রীনালু দ্রী নি নি নে থেন सेर सद दें दें र रें। रे हिर के देवे खुय अब अव का का ही हिस और कम । ८४.४.चा.६४.४८२.५८ कंश.च.चाञ्चना**स.**क्ष.कू.कू.चाश्चनानामा लना नी नी हिन्स से रस दस स शिका मा प्येत हैं कि स ही नते हैं ना नर दिनु र नार " रे लेग दर ये दस धर हेंना य के स थे र है। दे ल अक अना चै.च.ज.स्यांस.त.श्रूंस.स्या दे.भुट.वरु.द्वेर. लेश.चे.च.ज.स्यांस्याः यर 'वाकृक्ष'य' से द'यर 'वसूक्'दें। अक 'या च उक मी माह वाका के 'या 'उक मी . ट् र्यः हो नाट दे वा तर् पर दि हा स्वरं पर्या। विकासना खर मी ट्रांस्ट प्येर ता.चाडुचा.मीट.लारे.बुंश.ची.च हे.तासा.पहारे.वर्.। लट.ई.क्र्यंश.चट्र.से. र्षायस वहेर् यं केर वर्षे । रे वस से समाय सार्व सार्व द्वापि पर्य पर्य य नुर्वे। पर क्षम नु नुर्वे र ने नाय ने प्रव प्रमा कर मी हरा ही लब्रामान्नाम् नार्ड्सायर प्रमुक्त यारी देरे हे राउदालका समाजन मु द र्रायम्भानाया अर्र ५५ मुक्ष गुद र्रे अयर प्रमुर १ । हेन सेर य उर्र मुःलूब् २४.वक्ष्म.तरः भुःवेश.त.३२.मु.सुरः र्रा हूब्.त् व.स्वीश.तपुःर्वे. मार भेद स दे द्वा गुर लेख न य अ केंद्र यक इस यर देवा य वाह्य स द वा वा यर नुर् र्रा रेन उर र्रेन र से पहें पर मिश्र से मे दे से हैर दस यर हैंन य निवेश भेर्या भेराम भेरा में ।। दे खुर ने दे वेस नु न के यह यह ॥ दरे दूर खे मायेव या प्यक्ष मा उदा मी दं ने व्राप्त के प्यक्ष के विद्या निक बे ह्रिंद र्चे तार्श्वाश पदे अदायमा दुः महिंद्र या व्यव्हा श्वा श्वा प्राप्त या साम्यद

WE' द'रेंदर में मिंद की शामा राष्ट्र नद्र न्या अदाया खड़ स्मी दें ने क्षा के हैं ने या नाद व्यक्ताया दे व्यक्ता त्या क्षेत्र है। विष्युत्त मुद्दा के द्राच के द्राय के ना भ रहे माके मार्रे भर हैं वि वर्षा पर पाके पर पत्र ना भ पत्रे मु प्येष के वि साम प्र क्षुंका सेन वि वें अब सम् १६४ वि वें नि से सेन प्रतास के सम् વલે અનુ અનુ ને દેં સું કુ <mark>- દ</mark>્રા નાદ એનુ વ દે - દ્રના નાકુ નાદે અદ ના<u>ત્ર</u> નામ કુ મા क्रूचाश्चातानाटालायात् दे वे स्वरंताता हे त्या प्रत्ये विश्वा माध्येम हे ले सानु पाया संग्राम या के त्यक ध्येक है। ये अ त्येव वि वे ते ना वनास ' या भ्रार्केन साम केरा सेर परे खेरारी वेसान पर हैं हिंदा की ' यह यम उहा ही हैं वे निरुप् केर'र्'ग्राइ'र्'वर ग्रम्'यानार'भैद'य रे'वाञ्च केंत्रशायकेर'सेर'यते 'स्रीक र्दा १२.भ्र.ज स्वामा व.ज.लर.के.प्र्यूचमा वर्द ह्र. व्यामा वर्द ह्य. नु न है है है ने लेन के लेन अब सन उदा से प्रति है के अब सन उद है हैं न क्षे क्षेत्र मान क्षेत्र से पर्दे दें। दें क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र ्रब्दानर वर्त्तुरार्थे। दे न्यार्सिस्यायराष्ट्र ह्वीसायाकेन स्पर्याया हिरा। श्रु केंनास य द्वा है झू केंनास या है र है रूप यह प्राय या अर यना स भेदानी हैना हर दुः साय हिंदा यर महासासी प्रोता यह सुरा। नाय ने दे हा **ૐનશ.**તર.ક્રેદ.વ.૧૧૫ કે.સું.ઝ.ક્રેદ વ.**ટ્રેડ**.જું.કે.વર.**વર્ડ્**વશ.વવે.મુંર.વસુંર र्दें । दिंब निवनाया रखेंद्राय पर्ने वदे छैर हे नर नम्माय पर प्रमुर क लेखा ्च प्रश्ने हरामार सम्बन्धा है वर प्रमास वर्षे कु पर्पतरर हरा हराय है है**र** स द्भार्याभ्यात्र्वत्त्रात्रात्र्वत्याभेकाव। हुतिहित्ष्याक्वत्तिकायरः वेशयः

लेस.च.च.लट.चीय प्रचीर जेश.चे यह स्थाय रट.सैर.ड्रा इ.ज्या से.ज्या है.कु. हे.कु.च. हैन'ल'हे'हर नु'स'झूर'वर'त्यूर'वेशनु'व'दी पदे हुस'नु सेस्स'ने मुन यदै अवर क्षु न मुँद गुम क्षे क्षाय दम नरुष य क्षेत्र रहेंद हैं। व इ र्क्षेन्याय देशमा दे हिंदी प्रमान केर न मुराय येव मारे स्राव हिंदी क्ष्यां प्रशास्त्र द्वारा कर्मामसास्त्र त्याया ध्येत हो। देवे सुरास देस या ध्येत ही लेखा नु न के नाट केना सू केनास माध्ये के ना केना मी नट न के का भे के हे ले हा नु यदे नाइक हैं नाहा सार्य सार्य के देश से के नाही मार्ग रहा मही के हिंदी से के नाही सार्य से के नाही से नाही से के नाही से श्रः क्र्यं वाद्याता श्रेटा गुः दुरा में हा स्टूरा हे स्टूरा चे वाद्य स्टा से सा हे से मा हा से सा हा सा हा से सा हा है सा हा हा सा हा सा हा सा हा हा सा हा हा सा वाबु हो ह्या ही हों द वा दा सेर वा वा स्वासाव । देव हों साव है दस्सा पर क्षायात्रकार्त्यायम्बितायाः चेदायाः भेदानी द्रवायाः वेषायानावदानी द्रवाया यन्नाकृद् वे व श्रेव व । दे अदार्त्ना वसा खूव यर द्यूर र्रो। हे खु हे खुर <u>बेस मु न है न द र र स है द गुस र्रे । र र न वे र न न द ने न भ वेस मु न दे</u> खुैं र्रे य य स प्रेन बिट क्स यर **बेस प्रेन पर्ये पर्या है र या प्रदास प्रेन** है। कनास यर ह्याद वते दम वर में नाइक की लेक नु वते दें हो। हे हुर दम पर क्षे नादसः य दे खुर दे साधना केद दु खुर यह तसुर हो। र्ह्स दुसस यदना स्रोद'य'लेख'नु'न'य'स्वांस'य'य। श्रमस'स्द'सेद'सेदे'र्देस'इसस'यदन्न मेर्'या केर्'मा केर् मा केर्म केर्म केर्म केर्म मार्म स्रेर.चर.वर्षा.चर्. क्रेर.देर.। क्रिंग.ह.सेर.टे.चर्चर.च.चर्चर.टे.पीर.हूच. देनस्य य हेर् गु खेर सें। दे गुर गुर गुर पुर प्राप्त पर महा व दा प्रहेर् यदै दि वेंश द्वेद्य रद सेन्श व डंग दे आदा वसूद वर्ष महि वर्र हैं

ฏิช.ซูฟ.ซุฟ.ซุฟ.ซุพ.สะ.ฟชต.สะ.พะุป.สะ.ชพี้ ปู่ไ ปัง <u>થ</u>્ર. ક્રી. જૂત્ર લાતાનું ક્ષ. તેટ્ર બ. ત્રા. જાતા. ક્રી. જૂત્ર લાતા. તે ત્રીતા તત. તે ત્રીતા તત. તે ત્રીતા ત ব'ল র্জুবারা এই স্থেম ব্রম ব্রম ব্রম বর্ম বর্ম বর্ম বর্ম করিবারা বর্মী इस्र य उर दे 'सु 'तुर 'तु र 'पदे 'दें के दे ग्रैस सी पर प्रतु र दे।। ٩٤٦٠٩٠٠٠ عَرَا اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ ا दम्वरायर दम्बर र्रो। दे पलैकर देशे। इ र्ह्मर यरे हैं या उक् मी में निवेदा पलेक नु परेद पर प्रमुर वि दा देवे के ला पर में प्रमुर र विश्व मु म है महिन व พदः झुः र्ढेवारा भारते दे हैं है। के स्वार हो। क्वें नाहेना द्वार हा दर या हो द या दे । स्वार नाहेना हो। में द्युर रें लेंग नु नदे रें हों। महिना दूर लेंग नु न व संन्य प्रश्रेर पकर पर चे**र** राष्ट्र के ने के के प्रमान के प् माल्र माल्र मार्डमा हैन प्रेर प्रेर पर पर देरे दें। दे प्रेर मार्ड क्रिन्य पाम प्रेन पापट लेखानु नारट नले राष्ट्र क्रिन्य पाम प्रेन प्रापट हो। हें वें क्रार्केन्स पंकृत भेज अन्तिका केत् तन्य वर्ते क्षेत्र हो। ते ज्ञाता वस्ति व यते दवर नीस झ र्जेन स पर इस य १९८ - इस वर द्यार हो। वह ना दर र् सं द्वा मोश नार्थ पद लेश मु न स्व सं स्व स । स्व से स्व स मा केर दिन महिना म हेन न नावश या हो। इस यर प्रविना या नाट प्रवेश मारे के न हें न हें न हें न हें न हें न हें न यर द्वारा व दर प दर व दर या सेर य स निर्देश यर विना प निष्ठ प्रचार लेगा गुर प्यार प्यार प्रकार के लेखा नु चर्ते हैं। दे न्यार के दूस यर दशया श्रीत्राय द्वा केंग्राय केरात् नावशायते हेव प्येत लेट महिन केरात् मात्रभ राते प्यार देव द्रम न द्रम न शर्द र या के द या प्यार विश्व

ने क्रिं यार्चे के प्रमाय के क्रिया वार्च के क्रिया के मारेषा हेन भेर द्रिंद्र द्रिंद्र सम्म द्रिंग प्राप्त द्रिंग प्राप्त देश दे**ॱइर '**से' तद्द्र' द'रेल' नहेन' दु'दनुर 'र्से' वेस' तह्र र पदे 'हुर। दे'ल' नाल' हेर्द्रान्म पर हों लेख उपाय संग्राय संस्था हो। हे सूर व हे गुर र ही य'म'र्सेन्स यदे क्विं प्पॅर्'र् लेस न यदे श्रम्म रह गूर् रह य विद्यान हेन हेर ୴୶**୕୶**୕୶ୠୖଵ୲୴ୖୄ<u>ଞ୍ଜ</u>ୖ୷**୕୷୷୷ୖ୴୶୕୷ୖଽ**ୢଌୣ୵ୠ୶ୡ୲୕ଌୣଽୄ୕୷୕ୄ୷୴୶୷୕୷୷୷ୣ୷୕୷ୣ୕୷ र्श्वेर पर प्रत्युर र्शे रेने सेर महिमा हैर भेर कर इस पर दूर कर हर साथे र बॅं लेश मु:च ते ब्लॅ नाडेना ध्ये**द द**्दा का च ने द्वा कर के त्या का की विकास के कि ले मारेश गी। द्रा स्थाप्तेय पा स्थाप से मार्च सामी प्राप्त का मिर्ग के स्थाप के सामी का स्थाप के सामी का स्थाप के सामी का सामी के सामी का साम ন্ত্ৰ ব্ৰহ্ম ক্ৰি नाय हे हु रें व नी रहें अर्थ हूं हैं नाश य से द हैं द हूं ह्म क्रेंग्रायदे द्वार वद न्देन से दाद दि दे हे हिर ख्राय दिर नुसारे साथ वद । मुं दुं र्र्य मुं ना इनाय केर र बूद न प्येत लेय र अद्र र व्यव वा व्यव गुम्माय हे दरे द्रार्क दर्द के बेश वुष्य स्वामाय स्वामाय स्वामाय हे साही स्वामाय स्वाम ढ़ऻॿॗॖॖॖॖ[ॖ]ॱॻढ़॓ॱॕॱज़ॕढ़ॱॸॕॖढ़ॱॸॗॱक़ढ़ॕढ़ॱॿढ़ॱॿॱॺॺॱॸॕढ़ॱॿ॓ॺॱॿॾॕ**ॸॱॻऀॱॸ॓ॱॸ**ॖॿॱॸॕढ़ॱॱॱ क्रैर वे अ सेव है। णुन नु यन्यास सदी रहा स्वीत के यान्त क्सा सेन स हैन ल्रें यदे हैं र र्रें। दर्र य दे अद माद अद ले दा देवै दें वें खब स.ल्य. तर त्यीर त.रेवा.मेट रेप स्थित वशाया खेखा च व स्थित वा हेपे. ट्ट. च्ट्रुब्ब **अ.लुब्र.त.**बुंश्च.चुं.च.बुं.चुं.च्ट्रुं.च्ट्रुब्ब.लुब्य.लुक्.चर.चुंर.च.द्वा.... गिराह्य। देव ह व व अस्व विराज्य हेव के रवा में हा व व अस्व विषया

ने दरादेवे दें बद्यायमानवसाय में मिन है दारेब के विका लेट:ब्रूट:बर्ग<u>।</u> च वारे देवे दें वें कर म व्यवस्थर इदाव दे दें व नमायर हे दर्दे सु मार्ग स्विक्ति है से से स्वित या सामित है। दरेर है रिया है रिव है रिव है दें ससामार्वेदायाकृदानुष्टिरादाम्बिताकृदासाध्येत वे विषानुष्यराद्यारवाद्यार्खा मारा मी. क्रें क्री ह्या मी. ह्यं अहूर व. वे. प्रिंका व. क्रेंट क्रांचे तर हु वंश मी. शायिका व. बै'स' भेद' है। हैन स'द' दे' व्यासी ख़ेद सेंद ग्री। हिं वें कद सस ना हेंद् पदे व्यव चर्ते क्रायर हैं ग्रम्स से हें रच दर्मना पर दे रच के बं। दे पस द रच रुच. ग्रीश.विधित. चर्च. श्रुचा. वर ज सि. चेट. देट. श्रुट. श्रुट. च. श्रुट. च. श्रुट. च. श्रुट. न न विवर्षा सारेना यरे रन रेन गु विकास के सेना कवा था है। रेस मी रेस विर मेन् न अट कूट ट विस ने मन् नु नक्ष म ने नस में हैन के न पर नक्ष महिना वह स मह्यान्तर्भात्र त्यानाम् विकानु वराद्येत्वर्थे । दे द्राद्यं द्रमायराम्ब य दे सिंब है दे प्येब के बिंब ने न वा देते हैं वें दक्ष स प्येब म दवा मुहा है ते हैं व् १ दे दे दे हैं दे कर हैं के का का कर का निकास है दे का मानि की का मानि की का मानि की का मानि की मानि की मानि म क्षेत्र मु द्रे पुर द्रे दम पर है। द्रे सु सु सु दें द्रे प्र प्र पर पर पर है। मि द हैर खैब है अ स्वा पा अब भर दे खूर वा धुव है स्व मि न दिव है स्व मि न न तरेश हे या महना नेश हैनाश यश दिसा धरी हैं दे दे ने ने ना सं है होना है। है यहां व है हिन्दर है वासाय है दे दे जार देवा राजा जीवा या है वायर विवास या लेखा है। वर देमेंद्र अर्थ विश्व वु व देश व न्यवित प्येव विशे हे दिना है दिना है दे वेश वु न वदिये इस यर दिनीय या ने नियम यह इस या रे हि से लेश का या भी ने

माया अहारे वे हिं वे महिमार्स्स्य मार्श्व का के का मान माने हिं वे बी देकत्राह्मत्तानिकार्यात्रहेशकात्रासार्येकास्य रचार्यस्य क्रिट्ये प्रस्थायास्यासा ल्याने संक्रास्त्र संक्रास्त्र में देवा से स्वा के स्वा सके क्रानाक्ष्यं में भेशानिहास्य स्वास्त्रेयास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स कुंसरा कुरा हुसा कर हु जिसाही क्या सामा वर हुन मार प्राप्त प्र प्राप्त रासे होत्र स्ते होता होता होता साम केस वर प्रमुद्द हो। श्रीमश्राच निर्देशस्त्रीश्राच द्राष्ट्रमा त. त्रे देरावटा दे व व द्राप्त क्षेत्र हिन्दे स्था बद्राचेश्वर्यप्रसित्राच्याक्षेत्रहो ्र्यूयायान्य प्रेश्वरहे निर्मात्रायान्य थ.करे.तर्शिकान्तर्भात्तर्भात्तर्भात्तर्भात्त्र्याची विश्वस्थित्याची विभालाद्या व म् स्यान्याने द्वारी स्वार्के स्वार्चे स्वार्के स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वार्के स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वार्चे स्वर्णे स्वार्चे स भहासे इटाइने केर में। स्निकास हमासेय व नुवन कर कर नुवन क्र नद्माकेद्राध्यस्य क्यांग्री स्मेन न ने माट्य द्या स्व उस हेद द वसुर स्व नभार कुर दे प्रचा है पर प्रश्नास र नमा मा मासि । स्था में स्था है सा है सा है सा है सर दिर प्रकार प्राप्त के प्रमुक्त की । विष्य प्राप्त की कि प्रकृत की प्रमुक्त प्राप्त करें त्रभु देश भारत हैंदा वा साद भारत कर के प्रतिभाग की रे हो। वार कर में वारत हुने तर भे नेश त हैर के हैर रा। लेश र अर दे वहरे वर व्याप व अर्था पदेश्च क्रा क्षेत्रका इस्मी क्रेन क्रिन क्रा कर में क्रेन वा के क्रा का क्रा के क्रा न्द्रीतर ने स देवे विषय नर नेद देंग सामाने दुश स र व देंग यर नेद य हुर. रे. स्ट्रेर्ट. तम् तम् । स्थाना सह सम्बद्ध प्रमान श्रेष्ट. माना स्थान स्थान सन्तर्भेष कु अर्देश्वर्षाक्रमान्त्रके के तथा रहे स्वास्तर्भ तथा लेगा की

गल्द में क्रा य कद में ज़े र न न न न न ज़ र खु य म प्रेद है। রুম'র্জ্বর यदे खेर दें लेख वत्र केर हैं। हु असं रव में देख व दर में ने देश या दे कुं रूपा अहिंद यात्वा व विवा नी साग्राद्या अपार दे ग्रास मा प्रवे कें। दे वसं क्ष्मान्यान्यां सर्देक्षस्यामु अव्यासायिक लिटाहेसासु द्राप्ता वदी खुवा अटा यर गु.व.जुर हों। विवर देव दे जार बर वी वना हवा स गु वस पर जे वर श्चायाचे क्रिय करो अह देशे हर संध्येत की। विश्व र वर के वर्षे करें के सहें क सुमानु वर्तेन पति रनास परे क्याय के नाके गान्दानु ससान्ध्र से वर्तेन पर्दे । क्षेर देश दम पर मेर प हैर भेर प देश है। दुवा सार प के विकास द मन्द्राचारे क्षा प्राप्त के पुरस्ति पुरस्ति वादा के के वादी के ले के विद्या कर के नुसानी दे हैं या निर्देश पार के मी कर में पहुंचा ये मा भी करें। है के मेर पार है मिसामारेन में दिहान बिन क्षेत्र पदी सुराही के नाय है है ते सं सुन पर हिर्मा कर भेद ई क्षम वा दे केद के खेर हे केम जान न वर्ष रही। हे खुर व प्यार हे केम मेन् पर क्रम्भ कर है किंश हमस नहना मेन पर मानक्षेत्र पर त्युर रे ले न पर्दे र वहिंद्र पर अ है। दे अप पुर देश ग्रह मार्द्र से अ अ पर दूर्व स्थ स्या अस क्षेत्र पुरे पुरे स्थर मा भी । अस क्ष्र मा भी वा वा वे स्था स र पा केर र्-स्य क्रिं क्रि माभार्द्रपाद्वार्या हेर् पु हिते हिन्सायर में नेरा मिर्देशका वर स्त्रेन्य दर हैं से वर्ष पर दे से र दे से र दे से र दे हैं। मान्दान्य व पदा इस पर विश्व च विश्व देश हर है र ने के उदा विश्व हैं।

र्युन्य र्दा क रे र्दा य केर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर क रूट यह से पर केर प्रेर प्रेर हैं। सुर नहिनाद्दरं रुस्स द्युद् से नर्बेद्र य हैद गु सुर रन्स य नहिन दु सूमा रव वाध्यदान्त्र वर वनुर र्या। वरेष्य हिंव दिन दिन दिन विकास मा यामव के यादमस गुर्मा जैया जैया में सामद्राय देवें सुरा खें रिया में रिवास व्यव वि ॥ विद्यामी वि इसायर खे दश स्र्रायर वेद दें। कायर नाद सामाल का लेखा वा ना के दर नुः बूदः वदे दहें पदे द्रमः यायसः नाल र दे हों ने चे दि । से ना से नास पदे । निस्मा हिंस य वे तिविक यादन मिंव तादे खुर बूट परे खुर रें। उट हन श्रम्भ द्वत कें स द्वम्भ वद्व में से दिव विकास के मिहेस के स दिव विकास द रेनाश दा र मानि व मानिव हैं।। वह दह से देश हैं। इह देश देश देश प्रेव वें। े देख्र वर्षे रेव मी देव प्रेच के पर वेश माइम पार्ट पर्वा मिश्रा ब्रिट पर पु हो। क्या पा से दे प्रथा पहेंद्र पा के श्रीत पर खेर हो। वि बर्द हैं हैं कि कि माहिक पा उद भी कि विक ग्राह हैं में किर माहिक पा उद ही चेश.म.ट्र.लट.चट्रेश.स.श.लुश.चर.प्रचित चर् रेचट चेश.ध्र.तर.चल्च.त.... हे ख़र अद्दर्भ पर लेब प्यापलेब पु विकास कार्या प्रतिक प्राप्त विकास विकास कार्या चल्वाचर हुरूर्। देखर अधिक है है है र के ब्रह्म नहिना यह विनिक्र निरेश-तर विश्वा विशेष दे हैं है, नम्भा निर्देश के मिंह मां विश्वान न थार्सिन्सायाञ्चित्रास्त्री विकास मिल्लामा विकास कर्

वर् से हुल में हुं से सह्येत्तर वुषे संसी के हैं लेह वुष में में सार वुष ने पर्देश पाला सर्वेते लेक मानरे भेक वे 'लेक चु प के ना बाद कर कर्दे राजक र्षेत्रच त्राक्षेत्रच वर्षेत्रके विकास पर्यक्षित्रच विकास सम्बार् निर्मात स्त्रिक्ट के स्त्रिक के स न्त्रे देशान हो हे सहार्थ सम्बद्ध देश तथ वटाई स्टिश्य हो। विश्वास्त्रे न्यत्र हुन् हुन्यस्य सः सर् । वायन् हुन्हुन्य पायन् पर्त्या। व्यक्तस्य नुस्यानुस्य प्राचानाम् यह्नास्य यह स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व मुद्रास्त्रे सुर हो। हे स्थान हो सुर स्थान हो। क्षान सक्षित होत् कर्ड्टर प्रतास न स्त्रेक्ष स्त्र देश साहे स्वासम् निःसिः दरः न नेपुन्त स्थानिकः रूपा विकास स्थानिकः स्थानिकः स्थानिकः नहना हुन सहन सहन है । इस मान स्थाप में से मान है । ना कर मान स्थाप त्रवार मान्य के ब्रिन शक्ष । नावित संदर्भ स्त्री के सामार्थिक नव हैं से साबर है के इस सहिंद में स्थाश की स्थर देन में में हैं। प्पट्ट त्या पर ब्रेट व पट हो मिंद के हैं हा ब्रेट के के हैं है हैं हैं। द्राधिक द्रश्ति त्रात्त्र हु के छेड तर सुसायक विकार हू ॥ हे विकास रेचेशामका मैन चर्ने हुंशाना रेनेचा चार्ने हुं साजूर चाया जारे हो।

चर्चर,केर.चर्षेय.तर.चे.चर्.केर र्सा प्रचश.वेर,स्वाश.पश क्रेश.त.तर. म. भूष. हे। इ. च्. च. क्रम. श्री. भूर. त. र द. मी. र द. प्यंत्र . ये. ये. सी. मी. यर.चुेर्.सपु.सर्ड्,श्रिस.र्ट.भु.र्भ्रम्स.त.भ.मीय.सपु.सुर्ट्रा। प्यस्. ব্ৰ ঐ্লি'মন্ মঠক १९८ তক শ্ৰী শ্ৰু ব্দের্ম ব্ৰশ্বনাথ অদে অবি । । पर्यक्ष.वे.केर.श्र मैंव.तषु.क्वेर.र्स्। हे.केर.ब.क्ष पर्वेर.श्चेर.तपु.चेक्रश ୡୢ୲ୖୠ୵୷୵ଽୖ୲୷୕ୣ୶୵ୣ୕୕୕୶୷ୣଌଽ୕୵ୣ୕ୠୄ୕୷୵୷ୖୄଢ଼୷୕୶ୖଽ୕୷୷୷ୡ୕୵୷ୡ୲ୣୄୣୣୣୣ୷୷୷୷୷୶୷ ૽ૢૡૺ૾ૢૺૹ**ૻૹૢૺૻૣૹઽૻ**ૡ૽ૡૺ**ઽૻ**ઌ૿૽૱ૡ૽૽ઽ૽૾ૡ૾ૺ૾૾૱ૡૼૼઽ૽ૡ૽૿૽૱ૢૼ**ઽ**૽ઌ૽૽૾૽૾૽ क्षेर प्रवश्य व मा प्रवश्य व विष्य । प्रवेर महिंद पर व हे । यसःमानेशःभेराभेरायः नमामीसः ५६ वहर्षः याप्येतः है। ५६ वहर्षः स्टूरः पट्टेरः स्टूरः ৽ ৽ वर्षेट.च.वर्र-रट.रूचा.चर.श्र.चह्र्र.था तट.चूश.व.र्.लट.श्रुरं.दर.वर्षेत्रीर । र्वे मिटा है । इस पर प्रेशाय पर है । र्षा पर है । र्षा पर है । र्षा भार स्थार पर है । र्षा मार धेर या दे नाहेन नर दु अर द्युद से नहेंद या हेद गी है र दे मिं व हेद सा याः व्यद्भायाः व्यव्यक्षेत्र हो। देश्येद्भायते श्री मान्य देशान्य हो। मप्रे.ह्बाक्ष मप्रे.ह. च्याविटाय पर्षेत्र पहेंच मप्रे.ह. च्यापर क्षेत्र ख्रेश वे स्वे पहिन्यादे स्प्रिं यास स्पेन वि विशापहिन दे। होन या सिन्दा समासन देन कुंब नक्षें अवसारे न्या इमानर नव्या स्वे कुर रे विसान यर पार्य वे । हेंया यते दि व र र र मेना या उसा अदा यहे व यते : सूस यहे द र या स प्येव | <u>र</u>्जाः

यरे दि व व पर्द्राय में शावसार व प्रार्ट्न व साथ साथ दे हैं। रहा में मु हैनशरिदे दे स्मा हैनश्र हैं कर हैं दे हैं है दर् र्ना'च'र्बस'र्नु'नाइब'र्ह्या है'स्नर्'र्नु'चत्र'यदे'नाहर'न'र्न्द्र्य'य'र्न्द्र म्य न केर की खेर न के सामेर प लेस कहेर हैं। रे भर रू अर रू अर रू इटासेर संग्रास्त्र विश्वासम्। विष्टे स्थान विश्व ह्या प्रमान विश्व विश्व ह्या विश्व विष्य विश्व विश्य यदेव'स'भेव'दे' स्वैर खै। ।दे 'कृद'द्'हे से द' हेस' छ। ।दे 'ब्रें स' हेद'य' स् प्रहा । र्मायर पर्ट्र यानार प्रेम । ने अप हे . हेर्-सेर्-देवे-सुर। । स्र्राच-महेश-सेर्-लेश-देश-वनुर-लेश-वन्-र्ना र्ट्रेनिश नपुंद्र, त्य्, त्या स्टार्ट्रमा सप्टे शहर्षे श्रिश मीश मीव ताथ वेशका वटे मीश हे. मिं ब केद सबेंद निय वियान सेद दें। यह किद हिंग सबे दें के दें ते से क मेर्-य-कुर्-में, खेर-पांडिट-रे हुर्-मेट-पारिम-तप्र, स स्थ्-रेट हुस-से.पंडांनप्र, त्य द्येर। है हे नेश पान है नेश पान है ने ने हैं से हो ने पर है ने से हैं ने हैं में हैं म र्रो १ दे दश ४.च हे स.भंद. यर्रे. ट्र.च बि.च बि.च.च.च.च. पर्ना प्रति । पर्ने क्षा मुक्त हेन्स प्रति दि पर्ने प्रति हु हैंस कर क्षा हु मामुपायास प्रेक्ति। रेप्ट्रमाक कें कि के कि कि प्रमानिक प मिहें सामित मित्र हैं दे कि का मित्र की मित्र मि बुसाय माध्येव दें। दे दूर व स्त्रा व स्ट्रिंग वा वा प्रदास का मुनाव व स्त्रा व बुचा.भ.रटा. सर. कुच.भ.भ.भ.भ.भ. तपु. विर. तर. जी. स्. . वश. तहर ता व. तीस. हुस.श.रवच.म.पहचा.चर.पचीर.ह्या हुस.श.रवच.त.जश हर.सेर.हचास.

चना हेर हो रूट रेना व दश नी शहे शा के दे । न हे से खे हिट व अट नहुंद य हैर भेर पते केर देश दश पर नविग परे दें ने भर नह र य हैर भी रे। दे.केर.मेबात्तरावहेश.तर्.बेरा दे.षु.संर.त.केर.लुब.ब.लट.खेबाचाचाता र्स्रन्थः यः क्र्रेंशः स्त्री। वात्रन्थः ५८ व्हें रः यः वाः स्वः सः यः ध्यु भः ५८ व्हु वाः स्वः मु द्रमायरे हे व मु द्वीं द्रश्व ले सम्याय के नाइनासाध्य मानु द्रमायर प्रवास किया। क्रूर.च.ज.स्य्येश.च.लेज.द्ये.ची.क्ष्य.चर.ट्रा चीट.चीय.८श्रुर.चस.७४.चे.च. ୡୖ^{ୄୣୣୠ୕}ସମ୍ୟାୟ ଅଧି 'ଶ୍ରିମ୍ୟ ଅଧି 'ସିଂହ୍ୟ ଅଧି । ସମ୍ୟ ଅଧ୍ୟ ଅଧି । ସମ୍ୟ ଅଧି । ही. रूप वर्षे १. दे हैं . चर वर्षे १. च. चं चर वर्षे । इंग्रे. कु. हे . च. त. शूर्म थ. व द्भैन्षायते देव उत्रामा भेदाया लेखानु या वाया नारा ने के मा नारा न दिया प्रदेश स्ते "" इस्र य व्याप्त य प्रेर च देवे कें दे सु तुर वुर प्रेर क्षे च प्र किंव्राय रहेव यरे हेद उर सेद दें लेश मु वरे देंद हों। यह दे दे वह वह वा व हे दे तर वह द हुं। १ क्षातर जुबातर वुरासवाय क्षातर जुबात जुबात ह्या संस पहेर्रायाः केर्रार् क्किं यह गहा यदे संबद्ध केर्रायह रही। ना बनाहा सामा स्विन्धायाः ଊଽ୕୲୴ଽ୕ଊୢ୰ଽୢ୕୳ୢ୕ୠଽ୕୳୳ୖଢ଼୕୶୳ୠ୕୳୰୷ଢ଼୕୶୳ୖୄ<mark>ଌଽ୕୳ଢ଼୕୶ୢଽ୕୵ୠ୕ଽ୕୳୶୶୷</mark>୴୴୴ ର୍ଷ୍ୟ ଅନ୍ତ୍ୟ ଧ**୍ୟ ପ୍ର** କଂଭିଷ ଧ୍ୟ ଅନ୍ତି । ଜଣ୍ଟ ଅନ୍ତି । କ୍ରିମ ଅନ୍ତି । କ୍ରେମ ଅନ୍ତି । କ୍ରମ ଅନ୍ତି यर गर्भा राष्ट्र सक्ष केट. यहेर हो। मिन्न द्यार दिहर यहेर समाय समा लेख स य वे चीचर य रेट. वहूरे. यंद्र, ब्रं. त. प्रश्न यंध्रें चे त. ही। चीचर च रेट. वहूरे. तंद्र, वर्षेत्राचस द्वेद पर्वे सर्वद भेद भेद भेद भेद पास प्रे द देश व महर प्रत्स पहेद पा ८८. प्रमुख. मक्ष. भक्ष. पर. प्रमुख. पर. प्रमुख. प्रमुख. प्रमुख. प्रमुख. भक्ष. भेट. प्रें देशमान्त्रात् वर्गायर में दुषाय केर गु हैर हैं। दे वस द सक्द

୬ଟ.୯.୯.୯୯୯୬ ଲିକ.ଶୂକ.ଛୁ୯. ମଫୁ ନି.୯.ଡ଼କ ସି.୯.୯.୯.୯.୯.୯.୯୯୯.ଅ.ଖ.୯୯୯ଅ. च द्वारा प्रतानिक स्तर स्ति स्त्री स मुर परे रद्भावित देश हुँद परे सुर विश्व मुर परे दें । दें रूट रेम् परे दें र्चेश्व देश के के है। वेश यं नावद मीश मर्केद यर भे दुश यदे सेर ही। मर्केद यर चेर् प्रसाद लेश च प्रसाद सेस्स प्रमाय स्था चूट प दैश के व स्रेत यर नुर्ने य लेखान वरे र्ने र्ने । वर्षे क्रिया क्रिया वर्षे क्रिया क्रिय मिबिट मार्टा रहित सर अहर्य सर खेर मध्या हुए हिर खेर खेर से मार्थ मध्ये म् र्यातह्यातरात्माराहेत् हेयानात्री से र्यामी र्यायहें सामासेन्या भेक का भुवा निष्य वा क्षेत्र वा च मका कर दि क्षा वर सेना वा र्चन वि क्षेत्र दि क्षेत्र के ૹૼ_ૺ૽ૺ૾૽ૢૹૺૹ૱ૢઽૻૹ૽ૺૹ૱૽ઌૹ૽૽૽ૢૢ૽ૢૺૢઌૻઌૢ૾ૺ**૾ૼ૽ઌ૽ૼ૽ૹ૽૽ૢઽ૾ઌ૾૾ૺ૱** दप्ष.क्रीर.स्.७४१.च.५.द्रुम.५चीं..चप्र.टट.प्रुम.६४.मी .शुभभ.८८.शुभश जम. वैदान क्षेत्र रहा है । अधिकार के अभ्यान हो । रट.ची.चिर.ज.रचा.जश्राचा.श्रुभशाद्द श्रेमश्राजशाचिट,चप्र.श्रेर दुवी.श.र्घ.शर्रे। शः वर्त्र नाराया देवे हो वर्ते के देखें दे के दे वर्ते । दे वर्षा लेखा न न न लक् खटा जर गुटा पर्ने प्रांस प्रेक मी। वर्ष गुटा हेना पर्ने टिं वर BL: বर এই র ম.র্ম. ম.ৡ८. জুব.ব. ८. বর ব. ४८. ৮ এ. ব. ৯८. জুব. বড়, জুই। परि.पर्न.खेल.रक्षात्रम्भ.वेश.**स्. खेल.यपर.**तर्गराह्या वाषाने. यर्ह्य र पर से वृष्ण पर र र प्रविष्ण के से प्रविष्ण के स्वी कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या का ୢୖଵ୶.चଛୖ୕୕ୡ.ମ୕ଽ.୴ୢଌୖ**୶**.ଖୂ<u>. ଔୣ୶ୖ</u>ଞ୍ଚି.चङ ୬.୯୩୯.ଅ.୯୯.ଅ.ଖୁ.୯୯.ଅ.ଖୁ.୯୬୯.

बुद्धः क्षेत् परः सुत्पुर। यस्त्रायरः सी तुरायदे रदः पहेतः दे है सुर र्देष चर्द. ब्रैड. इ. ब्रेड. चर्मा नर्दा। चामा हे. हे. से चर प्रचीर च. खेडा चे. च वै.म्वायाये.भवतः स्याये.स्या पर्या पर्या स्वर्थायमाया र्सेन्सायार्सीस्टिम्सिम्मेन्यायात्रीयर् १३९५ प्रमुक्यायर कुसायाक्तावस्य क्ष्र रु विकायाका क्षेत्र है। रे के रे उक्ष रु के रे चाका क्षेत्र विशा विस्ति मत्रसम्बद्धाः भारत् भारा भेरा मा भेरत् हिंद प्रार्थित मा क्षा भारत् भारत हॅम्बारा-प्यान् सेर्पर त्युर हैं। दे पर्यान रार्मा पार्स सामा सेर् र्'न्द्र'यर'व्युर'र्रे।। म्ह्र'में कें'रे'क्षे'व'ऄ६'**यरे**दे कें से**न्यर**'हिन ત્ર- છું - તું - કું કું - કું વસ કું તુમાન તું કું માતું કું માતું કું માતું કું માત્ર કું · · · · मादः तमातः लेमाः क्षेतः ददः दकै वरः दक्षेमाश्च यः ददः। दे विवे तुः माल्यः दमाः मोश्रान्सव य'न्द्राष्ट्रिन्यर छव मी नावश्रा स्निन्स वें ने यर न्हे नास यानार प्रेव थ हे रेता. बु. श्र. तम. पे. देशू त्रीय राजु ।। श्र. तम. व हो. श्र. तम. ती. तांवस. श्रेयस. बहुर्युन् नुःक्षेत्रानुः सर्वेदः व व रदेः साधन्य देःश्चेन् नुनेत्यादेः बुन् क्षेः वान्दात्वर्द्धः च.ज.सूर्याकाना रेभूषाकाना इ.जेर में में ये बहुत्य हा सर्.व.व.व.लता इ.रेया. ମି'ଝି' ଜଣ' ବ'ଟ୍ରିମ୍ୟ' ୟଦି 'ଖିଷ' ପ ୧୯' **୯**ଛି' ପ ଲ' **ଐ**ମ୍ୟ' ପଦି 'ସ'ଛ୍ଟ୍' ସ୍ୟୟ' ୫୨'' । पहेंचे.तर.प्रचैर.स्।। भ्रेंश वे.भह्ए च ह्य चंब्रेच.हे। श्रेंश.वे.धु.जश्च. मर्वेट् त.त्. रुप्ते.हु.केर.शर.तप्र.चथन्न.श्रेचन्न.थ.कु.च.रट.पक्र.च.ल.श्र्चेन यदे प्र श्रु**्न हुन भार हे 'ब्रुर ।** के 'लस कु 'हुं श वु 'सर्वेद 'व' वे क्सर जुट स्

यदै नात्रभ भ्रवस द अद त्वुर हैं लिस नु वरे हें द हैं। से ह य पर दिन त्य लेखा नु न है के समान नमिया या नि ही सान महिता में ति माने पर । मर्देष् पर दर्र प्रते क्षेष चु चब्रि क्ष बेश चु च है। मद्भी यद्र दि याता स्त्री वासा अर्दे दे पर्ते । वदे अदा सा प्रेन हे ले सामु व के सद्दे पर दर्भः परे : क्षेत्रः वर्षे । द्यु = : वर्षे दर्भः में : क्षेत्रः के विष्यः व : वर्षे वर्षे । द्यु = : वर्षे : क्षेत्रः के वर्षे : वर् स्वारा मा रम्बर ह्वार माध्य लेख छ च न मा स्वार प्राप्त प्राप्त स्वार क्षेप्ता वर वर वर को ने पा के ने क्षेप्र के ने के विष्ट मी मान पर पर पर के ने विष्ट के ने कि के ने कि के ने कि हैन नु मर्द्धदश य प्रेश व हेते छैर ह्यें वर्षे दर सेर ये वर्षेमार्स प्राथ प्राथ निर्देश देश यास्त्रा भ्री वाद्रावहिनायाद्रान्यस्यायाद्रमायराष्ट्रीयवे दिं वीस्रायादरः ह्यदायर त्यु : मुं। दे विदामी दाया श्रिमाय दे साधीदार्व ले दा वन्त्राय पर्दे सक्षरकारामाध्यक्षाते। पर् सम्म द्वित हास्वानु इस्तान उत्ती प्रियायदे सम्मेत श्रेम्स १८ संस्थायस वुराव १८ सर्वेद्यायते हो हो हिं । द्वा प्रमाधर परि याप्येद दे लद ब्राय स् स्ट्रिय व व ले इ व । व व स स स स देश्व यादे त्रश्च गुटा द्वे व के व्यव नी विष्य या ही यादे व द्वा यह रहा है नाया दश मी पर्मा हैन उन प्रेम न प्राप्त । नि मी प्रश्लेन पर में प्रश्लेन प्रम्य में प र्च ता श्रीत ता सेन नु में के जिट ही में ता का निक्स ता न हेत नु ही जान दिना ता ता श्चिशाय नेट करे य पड़ेशने. हैंश ही हैंबर हा नेटा श्रेम हा का ख्चीशाया का ही हिला

यालटारे खे.वेर वीर व र्षेष तर वीर की र वट्ट मी र ला स्वाधार के सा हिवा है। मीरायत्रार्टायंबुब्कुर्युद्धः अत्राचिराचिरायप्रास्त्राच्याः स्त्रीशायप्राद्धेरार्ट्या मेर्मार्ड्न्यम् छेर्मार्ये त्या प्राप्त किया स्तर्भात किया सेर्मार्ये हेर् वस्रकारुद् है साधिक है। द्वीर क्रार्य रेवा साक्ष्य स्र यम्भेर.यपु. विधिताता के विष् . विशावी या कु र या ने . यो या व ता ले थे हूं। बै.चीट.म.र्वितातासुरे, बुटार्षिकातपुरतितालट, सुरे, तुं बुधावश्वास, ब्रेट्स मर ह्यान म ल्रेन्स म में के विनान विका निका निका में कि नाम श्च.त.प्र.कुन.मुश्च.ट्र.किर.पिश.संटश.त.लुव ख्रा क्य.प्रतेर.श्चेर.त.चलव. न्ना वै र्ह्ये वे नि से ने वि ता से निस्न वा स्मान स्मान से नि वा सामित है। **ਜ਼**.ਜ਼ **શ્**र्यक्ष.म.चढुर.में.साक्षक.चर.३सका.से.श्रिट.म.३२.मी.हीर.ट्री मिटार्झ्ये.स्.ज.स्यांश्वारा ही रूजा ही ह्रा हे दे रहे रे त्यांशा के या के विहा विहा मानहिन यर पर्दे पानाकेना मी आट कानाकेस यर मुक्त य पर्दे पा सा प्रे के हैं। निर्माद्यायाय के ते सामायाय मान्याय है द्वार पर होताय के सामायाय के व १ रे केर में हिर जेश याम लेश मायते पर्य पर्देश यह कर हैं । हे देर वट में वरे व पार्श्विश रायर है रहें नहा यह रहा র্মি বেশ্বর ব্যা पत्नि दे प्राचीत्र मी कर मी कर मी कर मी कर में के कर है। मु नद्म हेद छव हेद प्येव प्येद सुर हो। गुव द पद्मका सदी महिट पद् वं 'ल' स्रें न 'स' स्राप्टा र हैन' हैं न 'चर्रे 'चर्ना हैन 'खर स्रेर 'ची 'मल्र 'ची 'कर मुर 'स'

हे**ॱ**श्नर्-तु-प्यर्-प्रश्नेषः पशः ग्रुधः ५८:य्रथः यः १९८ ग्रुः ष्पेर चर्ते खेर ही। दे अत् पु . भदा श्रुव द्यं र के श की मून्या वा वा द्यैर महेश हु से द पर् ॥ ब.इ.लूर ७.व। ह्य.त्. प्र.४.३मम.श.श्र.ह्य.त.ह्यर.त्.३मम.श.श.ह्य.त. हिं सर देव माल्य त्र त्र त्र त्र व्या । माय हे हुं है कि हिं में है। हिंद है पेय पर वयःवरःवनुर। ।रे.क्रं.वर्रे.हेर.हिंदःस्र्रं सेदःलेश.वु.व.र्टः। उर दक्षेत्रसाय देश यदे हुर। । ह्वि ये दे ह्वे प्रदासे देश नुपाय स्वास यः नश्चिरकारमः भेष क्रा। शः ५५ त्यानाः चः ४ अः देः वङ्ग्यतः यसः नुः नः भेष Ð̈ί म द्राया सेर् दें लेखा मुन्य के साधिक है। दे अप विश्व क यहन पर्देश सद्द या से सामसायर हुन पर प्रामुदार ही। हून प्राम्थ स्वासः याने न्ना गुटारे विंदानी कुन्दा न भेदाद ने भेदाद ने याना ना या के लेना न ऑर् पार्केर अप्याप्त केर विकास हिंदि पर मुर्बे! है हिर द दी दे दे ने के नाकास मारेन'न्सेन'य'धेर'ले'र्वा र्ह्हेन'र्न्स'ग्रे म्राट मेंर्स'ग्राटा चुम.चेर्. ट्. यू । वि र्ज.केर.कैट.वट.कर.ट्री ।र्व.लुर.क्म.जुम.ट्. ८.४.२.भ.४.४.१४.म.ध्य.तर.४चीर.<u>५</u>.५५४.४<u>५८.५३८.मी.ब</u>ेर.सी. त्रै प्पॅर् प्रमाणे मुर्गे विष प्रमाण कर्म क्षापर विष प्रमाण

डिना च उद प्रेद खेर । दस्य चर्मा स्थाप र ही दस्य चर प्रेस च पर में दिया दस्य मिश्चरश्चरत्ते. द्वीर प्रमाय स्थे र र्षः मायः ने व्यापः ने व्यापः ने व्यापः ने व्यापः ने व्यापः ने व्यापः ने व य. ब्रे लेब. बे. बे. वे. के. के. वं. तं. ते. तं. लेट. केंग्र सं चीलवे. केंग्र र शुःह्मॅद च झ खेब स दे बैं ना है ना खेब व्रा दे स दे स च ना नव र स्ट दें ने स यहूर यर भी वेश न अभाग अभाग शी स्टूट य से दे या मार्से या से दिट यते खेर हर। वेश य के असस सु खेर यते हें में के द से द खेर ही याक्षा स्मार प्राकृत विकार मेन प्राची खुर है। नाम है दें न परे वाम की मा याचित्र दुः होत् सं त्या ह्यां सामा स्थान स्थान हो हो से दे न दे.बु.५.७८-५ चोश. १४ श्रुष. बु.सु.च.ता. सूचीश.च.ज.ट्र.च्यू.१५.च्यू.४ श्रु.शु.सु. य हैर ह व है न प्राप्त के दे हैट । अदे द खुम र पुराय म के द न स दे अदः देश द्वा मार दमा मीश लेश दे प दे पदी मही महर म र्दः ५ हें दार 'बेव' य' अदः र्वा 'यर कर्' ध' अर्के व' **अर्के दः है।** हिर्'यर 'र् त्यन्कः सः क्रेनः प्रेवः प्रवे : स्वे : रेवे । नेवे : स्वं कं के क्रेनः स्वा के नेवे : स्वे स्वा के नेवे सेवे स 리로다.다. 스트 . 다고. אובַשׁ. נוד. פַשׁ מ. א. אַר אובַשַ. הא. אַבַשַ. האבַשַ. האבַשַ. האבַשַ. האבַשַ. האבַשַ. האבַשַ सर्ह्य सर्हेट न से दे ता दे अद हे स नुर्ता दे है है दे सहस नुष्य ता स नावर त बुश न ता स्वास तरा तकर तर होर है। वस्स उर हाँस परा दे 34. 25x 2c.xc xcx. 40x.24. 4j. mc 3. 4x. 1. 2xx 2c.2. 32. 63xx 2x. 2x. बु लुंस प्रहें हो। अदश मेश पर्ष्य जिय पर्या के प्राप्त में प्रिय के प्राप्त स्थान

พ.พะพ.นิส. นาฐพ. สง. ระพ.นิ. นิง. ระพ.นา. นา. เล้า. พ.ส. เล้า. พ.ส. เล้า. พ.ส. हे.श्रेट.ड्रेश.चेड्रा हे श्रेट.टे.चोट.चुश.कुर.श्रदश.चेश.पालंब.चं.चं.चेश्चट. यदी मात्रका स्नावका उव रमेत्र य देवे सुर । सह से द्वा मी सर्वे प्रवे प्रवे हें सह द থাবে। বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব এটি ছি.জঁব পঠ্ড বে.বে এপুর বিশ্ব প্রশাবর वलम् यः सहर गुः र्मि व किर्ने के से से में व लेखा वह व पर प्रमुद में। नु दिर प्रिया प्रसार मह्त पर हूर महर्ष महर्ष पर कर्ष पार महर्ष स्था महर्ष यते. होर ले र व. में सारत वते. में वहर तर तमुर र ॥ तरे में में मा प्रेस में म इवेक पति सर्वक केद कर प्येक पति क्षेत्र रें लेख नु प के नार मी खेर मकेश गुरे । वेद क्रमश्रास्त्र सिंद केद मर्सि व केद मर्सि व प्येद र्वे॥ दे प्रसाद मावेश ग्रीस र्वेन पते सेश व केर शिकाय हे देश कर मिन केर महिर पर प्रमुद्द रेग है हिन र्वटः च 'लस्र' च ह्रिंच' यः त्य द्रिंद्र' यर 'लेश मु 'च 'वे 'यर्ना 'त' ह्रिंच सर 'द्रिंब 'यर ' र्दे । भेरे हर दम्भ पर मल्या य अद लेख नु म के हि दूर कर मी महना के द उद मु भि भ के द र देश तर हो विश्व देश तर प्रविता में । रेल सूर प्रहूर त ल सूर त. मह्मिन्यते लेख नु न के मान्य ता र्शेष्ट मानु स के दा न महिना र्टः रंगः त. केर् त. खर्षः तर वहूने त. ख्रेंना तर विचेरः हो। मोबेरः हैं कूरे निर्टा ब्रिट्स क्रियासायाद्या दे विषया न्यामाया स्वीति विषया लु बु हिर चन्द्र प्रम् पर्श हिंद सर्देष्य ताल कुर्य ताल है समस वर् गुरु वे केना वर क्राट नर नीर ना क्रिं ने ने लका ने का नहीं नर्मा ११ है ना कर .. चतुः सुरार् हेशान् इतायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स्तायत हैता प्रति स् सहरायत तुसाया के प्रति स्तायत हैता स्तायत स्ताय स्



'পুৰা মান 'দ্ৰী'ম্বা**ল জাৰ 'দ্ৰি গৰা** জ্বাহ্ম জ্বাহ্ম মান দ্ৰীয় 'দ্ৰালী কৰি দ্ৰাহ্ম দৰ্শন দ্ৰাহ্ম দ্ৰাহ্ম দ্ৰাহ্ম দৰ্শন দৰ यदना केंद्र दु नु र पा अदा दे ते वदन केंद्र दु नु स्वार साम्ये का समा यदमा हैन महिंद् धर देन सामा के व लेश विद सर यहेंद्र धर के व महिमा য়৾৽য়ৄৼ বয় য়ৢৼ৽ঀ৻ঀয়৽৸ৼ৽য়৾৽য়ৄৼ৽য়৻৽ঀৢ৾য়৽য়৾৽ঀয়৽য়৽ঀ৽য়৾৽ঀড়ঀ ঽয়৽ৢঢ়য়ঢ়৽৽৽ पर मुर न क्र पर पेश पते पर्न केर कर हाँ पर में का समी पर कर कर का वारु वा से स्थूट न व प्यट वा बाद से स्थूट वि से से हा चोश्ची.चझ्चैरश्च.त. बर्भाट हु अरङ्काट म केर अ खेब बमाले वा हे के खेर भामा खेब हो। परे लेब ने जेब पालबारवर मालबाय है। का नहीं नबार में नुबार है है है है रहें। म् रूश पर् हे हे हैं रूश है र य प्रमुर है। खुय व र र य व नावश य रे या ध्यया वाहिना वाहिन 'पेश'य' श्रु'र्क्षेत्रास् श्रु श्रुट य'अट'ईस'यर हेंग'य'५८'५<u>देश'य'देरे 'पेस'य</u>'माल्द'''' यशःगुःम्नाव्राध्याः श्रेष्टायदे खेः र्या वेशःगुःयः अभ्यातः स्वरं र्या रेदे द्वीर पर्दे भ्रेर मार मी कें 'बेश में मार में मार मार में मार मार में मार मार में मार मार में मुै केश पुन्व है इस पर हैं मृत्य दृष्ट हेश हा द्वेत्य वस स् ॥ वेस य दे ଝିଂଘ ପ୍ୟ ପ୍ରିଟ୍ ପଂକ୍ଷ 'ଭିଷ' ନ୍ର' ପ୍ର' ପ୍ର' ଶ୍ୱିଷ' ପ୍ରୟ' ହିଁ ମି ' ପ୍ରତ୍ରି ' ସାଞ୍ଜି ମ୍ୟା ସ୍ଥର୍ଗ ' ସାଞ୍ଜି ସ हिन्य देर ह्वा वर्नामायदे कुर है। दवट व वे नेम पा मूर् हैं नाम या वर्ना

दे.बै.देवे.ह्.व्.व्.केर.भ.लुब.सवे.क्रेर. मीर से नेर रेस नु नि रें ढ़ऀॺॱय़ॖॱॻॱढ़ऀॱऄॺॱय़ॱख़ॖऀॱॺॺॱढ़ॸऀॱढ़ऀॱक़ॕ॒ॱॱॻॕॱऒढ़ॱढ़ॕॱॱढ़॓ॺॱॸऻ<u>ॾ</u>ढ़ॱॻॱऄॖॸॱॸॗॱढ़ॺॱॻॸॱ क्वे न नाम के न न ने दे में निक्त के निम्म के निकास के के निकास के निकास के निकास के निकास के निकास के निकास के 59.511 रू:सार्वे'सा ध्येव है। रहार मा या द सा मु हिं वें 'हेर प्येव प्ये हेर हैं। ङ**ৢঀ**ॱ৸ॱঀৢৢৢৢঀৢৢৢঀৼৼ৾ৼ৾৾৾৻ঀ৾য়৾৽ঀৢ৾৽ঀ৾৻ৼ৾ঀৼ৾ঀ क्ट्र.त.७४.वे.च. के.चर्सेनश्रत्र्।। १.**ल**ट.के.रूप.के.रूप.मश्र.संदश.वश.चर्य. भारतर. थिव है। सु दूस है नि के है न स्वाप्त स्वीप र दें। दे हिर नि के न ची.ट्.चूर.पचीर.खेश.चे.च.ज.श्चीश.च.ज। श्रुभश.कै.कू्चीश.शे.कैट. य.चोट.लूब.च.ट्र.वेशक.शि.बूट.चर्ट.ट्र.च्र्यंश.तर.चुंश-चर्ट्र.चरेच.कुंटे.टे.चौट.त. है 'भेट. टे. चर्चट. तपूर क्षा. त. चाडुचा. टे. टर्ची र. ची. की. हु. गूज की कूच का की. की. चाटा. .. थेर'य'रे'दै'स'थेर'दें 'लेश'नु'यदे 'र्दर'र्दे ।। र्ज्ञाः क्षेत्राय पदे दस्य य' ८इ१.च.चबुर.रे.क्य.तर.क्य.४.वेर.च.य.लुर.रे.ल्य.क् वे.च.स्योश.च.बुर्य.वे. य वे अ नु व र्श्वास परे दें मिट भेर य दे पहेंद य मिट प्रेक्य परे हे दस यर प्रतेतुर्धर से प्रताहर हो। विश्व तु प्रते र्देव हो। मुं हैं कू चेश. यपै क्सायर पहेंदाय ववेद नु विसानु व केंश में सनु र या केंदा रहत मी द्ये पेदा र्वे। प्राप्त विष्टे प्राप्त विष्टे प्राप्त क्षा के विष्टे क्षा के क्षा के विष्टे क्षा के विष्टे के विष्ट

यारेरावहें वा है। क्षायर है। यार्पायकाया है, वहें वा लेका नुपति र्दे हैं। दे ता लेश नि न वा स्वीधा पत्रा देश नर है। वहा वहार है न हैं दे हैं। क्षे द्वा मीश रश रदः विश मु: म के मविश मी प्रे के ॥ परेश के परे अर ने.चीज.टे.लय.जा ची ट्.च्.जा.चर्डेश.यश। चाट.श्र क्यूचाश.त.यंश.तर.ही.चर. तुसायास्त्रा दे वे लेस नु या परि पहिंदा या देवे के । मूर्याया सुरायदम । है है अव यन उर मे दें ने महें अप दें के । नहन हैं नहां हि पर दें . चरुराच'स'मुव'च'प्रेक'र्के 'लेस'र्स्चर्गा माय'हे 'हे'सूर 'लेश'तु'च'य'र्स्वस य.वु.सीय.राष्ट्र.श्रधर.ही.य.११४.थ्री। श्री.कू.पूर्यंश.राष्ट्र.टू.र.श्रंट.य.भ.क्ट. यःसेर्'याः छक् केर्'र्'र्'त्युर रहें 'लेश'तु'य'के 'अक्'यम्। मी माह्यम्स स्टेर् य'क्'अर'' พลาผาเลงเมิเรา รู เพาะเามะเกา ผู้ราชิ เมิรา ผู้สานานารสัยสมญ์ म्बिरम्भे खेर के प्राप्त कर्म कर प्राप्त के मानवार में निकास के नि चेदःह्या पद्गाला लेश चे न न स्वाम स ह्य . च. २२. न. ज. जुरा . च. क्रु. च. क्रु. च. च. हे । र्शेर व्याप सेर डेस नु पदे र्देव हैं। नाय हे से सेर हुस खुय नुद विस नु न ने अर् 'योद र्व ॥ दे 'या र्व 'र्व दे मु ह्विंश यदे रेव प्येद यद प्याप्त । तपु.हिरा लार श्.श्.श्.श्र.हिश.श्रीं हेर्ट, हेर है. र.हे. लेस'मु'न'फेंद'ने। सें 'सें 'सें 'सें 'सें 'सें 'सु'युव' मुद्द' लेस'मु'न'वि 'ने' 'सून' हो। ८६ अद नुः सं केंप्स पदे नावस व सं सं व्याय सेन पा के दिन व केंद्र यर चैर.त.४.वैश.त.भै.हो। रेज.त.रव.१शश.शेर.इच.श.ला.४.तुर.र्.।

लेश नह र पर प्रमुर हो। दे दमा मी सुत्र नु मुद्द अद मार अका अव ले ना सर देव है र र पर्यो पर में र पर लेश न पर हैं र र है । है पर पर में र पर है भक्तिश्चास्यास्य रवास्य रहेत् भटेत् पुर्वाकायकात्वी वराके वराव्यी वर्ते॥ श्र्यकाराष्ट्र, स्रिका कु.लीजा केटा या का ज्यान येटा का प्र्यूर राष्ट्र, मुवारे, कुरे या वहर ही। र्वास्यास्याम्बिकामी सार्केन्यवे स्थ्रायान्यान्यस्यायस्यस्याने केषास्याने । ... **यसः लेसः मुः नदे रें हो।** माल्यः दः माल्यः लेसः मुः वः वे स्व्यः हेना मुंदः मामकाष्ट्रियार दे प्रेके के लेकारे स्निर नु स्ट्रेक पर हिन्दी। इसामर दिली यर वृद्धारहे कु केर के खेल के के कि कि निया । कुल स्ट क ही कि त.बरे.ची.चेश.त हेट.दंशचंश.त.अ.लुब.वंश ह.र्जर.व.सं.सं.सं.सं.सं. मी. इस. त. पहुंची. तर विशेष पर विशेष हो पहुंचेर हुंचे सू ता स्वीषा भा है। र्भास्य रच गु देश ताला र मी विश्व स्ताला स्वाला स्व रयःभः मीयः तः केर. मी. सीर. हार् स्यायः स्थायः त्रायः भीषायः भेदायादे सूराद त्यादारवा खुवा हेरातु विष्याद विष्याद विष्याद विष्याद विष्याद विष्याद विषय विषय विषय विषय विषय विषय मः हैना उर पहेंद्र या मेर दिं लेख न नर या प्रेत का लेखा दे ते तु मा हैना बर.चडिट.च.भ.लुब.खुब चर्चरेन । खुब.चे.च.ज. शूर्चब्र.च.झूंश.शू ॥ वाद्मी के अन अना हिर पर रे मीर तमकेवा हेर गुर लेख ने व है। वहित्रपर विष्य दे निविद्य हित्य दे निविद्य दे निविद्य दे निविद्य हैन हैन लेखानु न के निरासर नु साम्य भाषा कर की प्रदेश न नार के नार देश साह ना रुर नेत्रपर सी तुराय हेर के खेर रि। दे सर व निरायर सव देव ने मा

तृ नुर यां भार्मेदायाने अप्तापादे केना उरावहेंद्रायर न्वत्र नुस्का से पर्दि हैं। देॱहैद्'वै'दे ख़र-द', अव-अन्दे-दना-हेस-मु-च-अर्थेट-च-क्क्रिंश-क्ष्मा , **व**र्मुर-चर-वै'वर्दर में द'के प्यद रहेद अद वना देश हिर्पर मेर्पर केर्प व हैर प्यद प्यद । अद लना रुव नहेना ल हिर पर केर मिस लेव मते सुर दहेंद पर देवार रे लेवा रेते किर लय त्यम उद प्राप्त के य प मार्सिक मार्सिक है। दे हिर द मार मे ર્ક્કે અન ભવા વિરાધ રાતું વવારા વાતા કેવા કેર્યો છે. બેશા ધરાવ **વુરાવા લેશા** છાતા. प्रदेते अपन प्रेन व्रा प्रमान समस पर्येन निमान स्वास प्रेम स्वास चि.च.बु.लब.जचा.बंश्वरा.जालब.जचा.चेट.उचेजा.च.क्ये.चु.लूब्.२४.टंट.जशाल.... स्चित्राचारत् चार्टात्र्य धर्मा अवायमा उदानी स्व ग्राटा अवायमा दे हे त्याप्येत्राहे। वर्ष्येत्राच वर्ष्याच्याम्बरायेत्राच्येत्राह्येत्राह्या नाटावनावालेनाः मो तनात लेना वहें नर तमुर है लेश मु न के के न व संस्थास य वर् न दि स्क कु ल्यू न र लाह क्यू न क्यू न विश्व प्रत्येय न हे न स व व व स न न न न न न न કેર.ભય.ખય.વય. છે. ખેતા ભય.ખય.ખય. વય. વર્ડા તા તેટે. વર્ડા કરે તા જોય જો অনাওর ৸ে পর এনা ক্ষম অ অব ব ই শ্বেম ব নুম্ব বমা পর এনা তর অ । । । । नांश पर्राथशण्टावर् पर्टावर्षापर्रापद्रीत्य द्राय द्रायायश्यश्यम् याः "" प्रमुख माधीरावा। माटामी कें द्वी पर रे हित हेश म मादी मादी मादी कें का कर नु स वहित पर मुन्स में हिंद माल र दे नार नेश हैं हैना उर लेश नु पर या सनास न हैंब हो। हैन हर ने स मु पहुँ नर हैं ने म म हैं में स होन स होन सर हैन उदं विहेत् यदः नालुद् से विहेद् या केदा साधीत दस्या मालुदा सर्वेदा

वते भर वुस्राया स्वसायते न्द्राच हेना हर लेस वु न रहे है रे हुर पहें रा परे.सेर.रे.स्ट.जश.वैभाव.ज.स्चीश.तपु.ध.क्षेर.त.चिथ्यः पर्ट्र. माने प्रमाद दे में भारत है ना केना केना केना केना कर प्रहेंद्र पर प्रमुद दें लेस-दर्नोदस-स्र्। भराक्केनाकर ह्या नहेना दनुर लेस मु न उदे दि हुर ही। ·ଌୖ**୩**:ଌ**ଽ**ୄୣୠୖ୕ଈ୕୳ୖ୳ୖୡ୕ୠ୲ୠଈ୕୳୕ୠୖୢ୕୶୳ୠୖ୵ୣୖ୕୵୶୴ୗ୶ୖୄ୵୕ୢୡ୕ୣୣୄୠୠ୷ୠ୕୵୷ୄୖୠ୕୕ୄ୴ଌୖ୴ୄ वहेंद्र यर में वहेंद्र य नार प्येद यहे वा क्रिंद रहे प्ये प्याम प्येद दें। प्रेद रहे बै मारामा≝साधार्त् यसै कर्झेर्ययावरुपराधर्परायारेखारेश्चर डे**सा** मुर्वे**। रे**प्**सर**ा व म्वव य भव राष्ट्र केव ये पर्ने नर्द सव यार्ट म्वव र्या न्या स्ट या हि या है व व व ने ख़र विकेश नु ह भामावश वा वा वा वा माने ही है ने नियान वा का के हिन वा स्वीन सामा प्येशक्षा श्चायास्य विश्व द्वाय हेन् नाडे गानु पर्दे प्ये हे साम विश्व मान पर्व श्चा य सेन्स य भेर ५ र न्सुस ऑर असुनुर य १९६ मेर द अर व गर वर्गे द य नहेना ঀৣ৽ঀয়য়৾৽ঀঀ৾৾*ঀ*৽৻ড়য়৽ড়য়৽ড়য়৽ড়য়৽য়য়ড়য়৽ড়য়৽য়ড়য়৽ড়য়৽ঢ়য়ড়৾ঀ ङ्कार्के**नसः भूटः व**िषानुः व रे केंन्साने के सार्वे भी सार्वे ।। केंसा उत्रामी हैना ल लट खुश व करा श्रुपेश प्रश्न दक , पर वेर हो । देश दे.श्वे.रेट्श. चॅर-ऑर्-स-चण्ना-स-ध्येद-द्र-लेख-स-स-दे-हे-स्युय-केर-द्-स्र्-र-स्येद-द-स्रु------र्ज्ञ मिर्ट्र हे वायामा व हें शया है दार्थ हा यह । ही दर्भ में हेदा ন্স:প্রার বাব: বর্ষুর বাব: ব্রামুল বাব: ব্রামুল বাব: ୢୖୢୠ<mark>ୠଽ୕ଽୣ୷ଽୖଽ୕୕ୢ୶ୠ</mark>ୣ୷ଊୖ୶୶ଡ଼୶ୄୠ୳ୢୠ୕୳ୣୢଈ୕ୡ୕୵ଊୗ୕ୢ୲୕୷୷ୠୖ୵ୢୠ୵ୣଈ୕୵୳୳୳ୠୣୠ य प्येष विद वेश मु न वे में र देश न वेष र न से न विव र न से न विव र न से न से में र न से में र में र में र में ठत्रकृदः प्यतः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वरं ସମ୍ପ୍ର ଲି. ସ୍. ହୁଏ. ପ୍ରଶ.ମନ. ଧାଞ୍ଚିମ.ସନ ସି.ସ.୬ୁମ.ଯୁବ.ଯିବ.ସ.ଲୁଏ.ଖ । र्टात्मावायायायायात्राद्राद्राचे द्राचे द्राच्या हेना ঐর **ন'**ই'স্কেম'র'ট্রিব ঘম'ট্রই'ম এবাঝ'ন ব্রীবাধামর্।। मालद'मी'स्पर कुर.लुब च.बुब.चे.च.बु.लूर.कु.चहुब.लुब.बु.। दश्य.त.प्याय.बुना.ची.हुब. श्रि.चेर.तपु. क्षेर.वेश.चे.च.प। पर्.केर.क्र्य.च्.प.स्वम.दपु श्रै.वस.पुस. ฅ.ษ.ปพพ.ษ.ผี. ส.ช. พะ. โล้ง. ฮุ. พ.ชุปผ.น. วิชย. ผี. ผู้ ะ. ฮ. ปะ. ช วี. ปรู... हिसास हेर तारक है। यर प्रचीर सा च.च.बु ट्र.च्र.कु चाबाजाचत्। चाताडे.स् ताबाचिटाच.रटार्च द्र.चेबा य'दना'नेस'देस नु'द वे मालुक् मी'प्येव'हे। दुःशःस्निध'य'द्रद्राख्व पदे र्ट्र म्हाराध्येष,तार्ट्र,यात्यराख्याची,यार्ट्र क्षेत्राञ्च,त्यशाचित,यप्राप्त <u>र</u>ूपेशाता. र्रे निराधित रसारे हर पुर नुर नुर निर्देशन प्रसानिर मी के हें राम रे हैं र मु लश विद्युत र्मे माना नामा प्रति विद्युत माना महिंद न नि स्थ पा मीम विद्युत माना मुश्र अर्ह्स् नर प्रमुर हो। अर्ह्स्य अश्र है वर्ह्मिन ए प्रह्म इम. मर. विम. मर्जे नरेच हेर. रे. हर. पहेर. हुर. हुं अ. च. पट रे रे हें। महूर. नसार् दिर नेशायर दिशुर विश्व माने पर्दे में लाया दिर सर्वेद प्रा दिस मुन दे कर मार पका लेका नु पर दे कर नार पका भेक पर का मुर का प्रेक पार के क्ष गर दानी महंदर हिंदा भारते न पासे दाय दे खेर में। हे क्षेत्र दें दे दे विश्वान

नः के 'द्रमदः व दे : खुवा मी दे के : धे के दे : व के के दे सर : के 'द्रमुद्र : दे के सिंग नु नदि : स्थाप्तर्भातर मुरायर दे लेश मु प हे हे निया में ते खुला मु चीर तह नुषा दि है । इस ति है । वर विष्ट र मा लेख ने नर हिस য়ৢॱवेदःयरः से 'व्युरः रें 'लेस वु वदे 'देंद हैं।। देंद 'स्दि'या मू 'हेद'ण्डेस'स नमून'य'र्रुर'गुै'सुर'र्सा हेस सु'दर्जो नरुन'गुै' इस'यर हैं ने य नहेर्र यदे श्ची खिका भूषे वार विश्व सिर्ध प्रशासित्त प्रशासे निर्मा हु ती खिल हुरे लेष वा नामा प्रशास दे'वे'दे'केद्'वधवःववे 'खेद । देश हेश सु'वर्जे व रहा में दहा प्राप्त दे प.लट. बुंश.चे.च.ष. श्चिश्व. च. श्रुं ।। लिक. ट्रे. रेट. ट्रे. पुंश. तर प्रचीर. र्रे 'हेश'नु 'नदे 'स्रुनश'र्ट 'सुर'रे । सु 'र्ट'र्ट्र 'वार्श्नास'यदे 'सुवारे 'र्ट्र हे अभग श हिंदा न र प्रचित्र हो। विश्व में दि हैं हैं। निमार्स है। .चुम.चप्र.तीया.मी. र्ष. रटा.रेश.भष्टिमात्तः प्रचिट.च.वर रेश.**डुम.च.**च. रू ं वे 'चे 'चं न दुः भ्रुं पदे 'म रूट मो हे थ सु 'द व्हर्य 'वस' वह दें। दिन हुं । विश्व प्र दुहर पद्गारम क्षेत्र क्षेत्र पर लेश नु पर है। क्षेत्र वर खेत्र सर पद्गेत्र पद्गेत्र स्वाधन पद्गेत्र न'नम'नुसम्हर त्रुः नरे दरार्द्धय ठरा फैन्यर रिं। रेवे मर्ने हेते. म्बुदःम् देशस्य उद्दर्भ न पायहे । दे द्वा के पदे भूद दे स् भूग.रट.चंडिचेश.रट द्वेश.भूग.चू रेश.तर.चुंश.च.लूर.वू. खुंश विश्व.चं राष्ट्र हुं। देशत्मान्त्रेमा अटावन्नवादाक्षेत्राचादे सुराहेश व्यावादे हे ते विवादा है ते विवादा है ते विवादा है ते विवादा है ल. श्र्वांश. नपु. र्थंश. तर. पेश व.लश. कर. चिड्यंश. ज. श्र्यं था. वर्ष. लेर. लिर..... **अदः देना अप्येदः यः दे २ कें अदः देना अ**द्दः येदः ना स्वतः य स्वादा यदः पार्टे अ नर्भिनात्य स्मिम्प्राचि देशापर जेशाय द्राप्तावश्वायातात्वर ग्रीद्रमायर मिश्रायाध्येदायादे सुरादाश्चर उना शामाकेशाय यत्रायाकेता की खेर द्वार में दे खुभ कु दूर्व नम्भय न थिव वी। हे न्न न हु न न दे हु न स त मिन हे न स न्द द्विभागित्रः। मञ्जासन्दःस्रीनानीत्स्यायरःभीसायाञ्चराधिकाया मानुकारात्माक्षरामु द्वारायर विकास प्रवास दे व्हर दापा हुन है मान्यामाहिमा वन्द्रात केन भेद प्रवे छेर नियद से वे खुता वह्नव य भेद दें। नुःह्युः नते सुन् माया द्वारा वे सुया तमान्या तर मुराया रामा क्या पा उन् मुः लुक् में व्यापर जे शास क्या मेर क्या प्राप्त वार्य प्राप्त वार्य प्राप्त वार्य वार वार्य व यात्मात्त्रम् यरात्रहेन्। यरानुसायते क्षुः कुराणुकास्त्रवाके देनाया सामिन्त्रमः ले मिसः येत्र त : भट : सेना नो : द्वार पर : प्रेश थ : या श्री ह : या दे : खु या भट : दे : खु र : या तु र : . : नु को नेन या प्रेन या दे खुरान मिनायर नेन या प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय वर्गी। वर्ग मदे दह्य में दे क्षा लेख में में से क्षेत्र हमा साम के मा समार्थी दे स्पर् भुष.है। वि.चर.भु.वेब.तपु.विर.तर.वेग.वे.वर्.वेब.तपु अष्व.केट ने भारी भार के सं मुद्रा । ने किर गी मुस सुत्र मुद्र मेर मेर पार्टे लेस मन्दर्श देशके लेश मुन्यके दे संघन मिर्म में के में में साम हों। देहे लेकानुःयाने नगराया दे जेकायदे नक्षेत्रकाराहे में न हैन फेन या हरायां हों। ने दे

कुंदानिक गुद्द लेक नुष्य के द्वाद व दे दे इस वद विकास दे साम में मान प्रदे के मीका १८वट स् पु.रेश तर ज़ेश तपु.लेण जम लेज विष हेट कुरा में या पूर মা; र्यट स् तु र्यु स्थान्त्र र भारत्य र युटा प्रते राटा द्वाय र अ मीश या मुनास र यत्। देख्र वर्ष अपत्रदेशे वर्ष देशे वर्ष वर्षे व ल्ये ब्रु. ब्रुंस चि.व ह स्विञ्च वार्याता स्वीता ता स्वीता ता स्वीता स्व लेद देवे देव वे दवः व वे भेश य भेद व । दे भार विदे व व रे म्या व ल्र्यामाल्युरायाने वे स्तुरा कुमाळदावायमार्थेदावायार्भेन्माव याने प्रा वंदाव्यावते हों दार्थेदायं से से के विश्वान के वश्वसाय दे देन से दार्थेदाय न्यः हे द्वर व हे द्वर व हे देश है । के श्वर के ति के ति है है । के ति दवदः वेंदिद दें दें की अद हैना अद्दर में देश अर्द्ध स्थाय करे 45'35'SII केन्यित्यते खेन भ्रम् केवास १८ व व नवर व रे दस वर मेश य नदा अन हुना मा ना केश तारा राजे देश तर राजेश तर राजेश तर हैं ही। से हुना भारत। **ढ़॓.ॳ**ॴॱॸॗढ़ॱऄॖ.¥ॳ.तर्. ॳॖॳ.त४ॖ.लीम.८वट.त् ५,४४ तर.५४४.त.स.१९८४.त. मक्ष्रियायासेदायाक्षेत्रावद्वात्रीया व्याप्तिमान्यास्य विकान्यास्य हैं। इस में अपने पी क्रायर में अपने विश्व में ने दे दे दे में में किया में मार्केस पर्वति विद्यादेर प्रवृद्धान व्यक्तियाने व्यक्ति स्वाने स्वान डेमा मानिकाया भावुदा विते पदा दुवा उदा लेका वा विते देवा हो। 💛 विदे देवा देवा है। दिवार र्घ दे दे दे भारत पुरान दे तर दे तर के दे है। वे बारी तर है की दे ही इस्रायर विशायते खुकानी र्देश र्रो। त्याप्रशाय केरानी खैर र्रो विश्वान या बै'फ्रे**न** ग्रै'इस'सर'वेस'मदे'छाय ग्रै 'नुस'द'न्वद'र्स वे**'इस**'सर'वेस'स विन म हैंद गु हुर रें वे स ह वर देंदर हो। पर हेर देवह रें दे सम पर वेस मन्दर्द् ने मु स्पेन पदे क्षेत्र स्ट्र स्प्र मा सेन ता लेख ना त से से मान नेश पते मुं हेर भेर पते छैर। रवद ये वे द्रम पर नेश पर्द भेर गुर इस'यर'नेश'यते'ख्यार्द्रदे दे द्वार में दे इस'यर नेश व द्वार्द्र दे द्वारे भेर गुँ दम पर वेश प ताय हर भेर पाये व वा। दे अर द अर हे न स द्रदः व् व सेना द्रदः ना हुन् सः द्रदः । मा है सः वः त्रः सेना नो द्रमः वदः दो सः वः द्रदः सेद मु दसातर पुरायद सिया द्राये स्पार्थ दे निया वि द्राय दे दिस्स सर प्रेसाय मान्त्रित्त्र देना मा व्यवस्त्र लेश मध्य मर प्रमुद्द हो। दे स्था व्यवस्त्र व मुद्द स्त्रे त्तुर लेट लेख न व के नाय हे प्येत हैं इस चर मेश चरे खुल दें प्येत हैं कि नम नुबान हर्रिटर निमामक्रिया वर विद्यान मार्ने के के मुक्त में विद्या है। देवे 5.ML. 割、口面とえ、6水、日 ロタ、えを 美川 単、海木 了松、本愛にない」。 में त्र्राय दे द्राय प्रमाय प्रमाय है । दे द्राय प्रमाय विमाय प्रमाय विमाय यःश्चेंब.श्च ।। प्रवश्चित्र.वे.लट.रे.टेट.कश्चेंट्य.तर.खेश.वे.व.वे.वेंट.ट्रे.टेट. डैपारुर विश्व नु पदे र्दे के । के देदे इस पर क्षेत्र प हैर दें पाव : पर नु मालक अदा ते के प्राप्त के के प्राप्त के प्र

५५:बःॐ५:झःॵढ़ःदादैःॐ५ःम्ॐन दम्मग्रःयःदःन्**ग्रेःनःअदःदम्मग्रःय**देशुँ५ः र्रो । । इति द्वासुन्छेन पहिनायन दिन वर्गद्दा देन सहनाय हो। नद्यस्य पदे नवद विद्याद्य केन क्षेत्र क लेखानु विदेश हैं भारा विद्यान्य स यः **मः शुर्धिश्वा**रा हुशः वरः द्वेर. त. त्रुषः तप्रे. त्रुषः वेषः वे. त. वे. प्रेषः व स्थाः श्रुषः सः रदानुबासकी मुंदिनकानी प्रेंद हरायपुरा गुरायदी। ब्राम्याय केंब्रिया नमानुः त्वा द्वा द्वा द्वा प्रमान्य प्र त्यःर्स्त्रम्थः भारते प्रतास्त्र प्रतास्त्र स्वाप्ते । सामे प्रतास स्वीप्त स्वाप्ते । सामे प्रतास स्वीप्त स्वाप <u> लेस-नु:व:बाः व्यक्द्वःलेस-नु:व:बे:के:वरः मर्द्धःव:व:दमःयेक्टोः सेमसः</u> त्रस्य क्रि. विद्याचर दुःस्य त्याहर स्टा स्ट्रास्य स्ट्राहर स्टा विद्यान स्त्रीय : क्रियामान्य स्रेमस्त्र प्रमस्त्रम् स्रम् दुराव न्य न्य न्य न्य दिन हित्रम् दिन प्रमान शेमसम्माल्य द्वा गुरा भेष विभाग मारामे सेराद्विश विस्था सेवा स्टान्विक मिर्देश र्ये दे से के द्वारा मिर्टेश मिर्टेश कर कहा यहिन में शहेर वर "" पर्वेद . बुट . चेंबेर . चेंबर चे . जुरा है . चरा व . चें . चेंदर दे दे के के चेंदर स न्युक्तान कुर्द्रिय रहत त्र्यापर विशुक्ता है। हे हुर्स्त वरे वर्ष श्रेच रहित मिर्ट र्व्यक संसम दिर श्रेमम वस विद्या में रेट पर वर्टर य है.... विराहेनासान्दराहेर याद्याच्येश्वस्यानुकाचाच्यद्यक्तन्त्रदर् यर वसुरार्देश लें बा कर मी मुद्दे छिद सर मीश लेश छ न के द्वार से दर छन्। द विद्यादे वद्मा १८५ गुर य १६८ वस्य स्वय दुव्य वद् से र र विश्व स्टर्

र्दे रहें। दरे अर रे तर्ने सिया रे विष्य ने सिया है से के सिया सिया है से हैं से सिया सिया है से हैं से सिया सिया है से सिया सिया है सिया सिया है सिया <u>বু রুষ মের নার্থ মের জুলা মছু ম'লী মের্লা ৡর জুর মের জুর রুলাঞ্চ মারাল্র আ</u> श्रद्रियासारे रेरारदाविदासन्दर्यराम्बर्धायानेदामी खेर र्रा। श्नद्र हिमा स दे दे त्या शद्र द्राया के द्राय प्रमा हिमा या होता यह हिमा यह हिमा स्वर्थ स्वराय स्वराय स्वर्थ स ঀয়৽য়৽ঀৼয়৽ঀৼ৴৽ঀ৾ঀঀ৾৽য়য়৽ঀ৾৾য়য়৽ঀৼ৾৽য়৽৸ৼ৽ৠৢ৾ৼ৽য়ৼ৽ঀৢ৾**ৼ**৽য়৽ৼৼৢ৾ঀয়৽৽ ଽୠଽ୶ୣ୶୕ଊୢ୷୶୕ୠ୕ୢ୶ଢ଼୕୷୷ଢ଼୕୵୕୷ୠୄୠଽ୕୳ଽୄୢୠ୶ୣଌ୷ୢୢଽୄୠ୕୕୷୳ଽ**୷** प्रहणाय वे खेर रहें 'लेख' पश्च पर प्रमुद रहीं हे 'हेर ख़ेंब' पर खेर पर वे र पेर र बुलिसानु वाका स्ट्रा प्रसादि प्रमादि प्रमादि प्रमाधिकार्वे ॥ माका है दुसा मादि दुसा मादि । य दव मी मरे मा का स्वास याया पर का महिना ฒः नाबसः पद्, ८८. थ्रिंज. २३.मी. शुम्रसः ८८. शुम्रसः तमः चैटः यः मीटः लुबे सः ट्रे.८नाः हैं हिन्द्र बन दुन शर्दाय ध्येन हो न दिन ध्येट यह दिन स्टर है। देनिया यादे हैं दे दिरामी विदायक मीका निकास है दाय है दे दें वि यर दिर संब ता है जा है ना सा दा दा दिन या क्षेत्र यर ति मुरा ता है हिर दा ना ना ता के लेमा पर्द। कु प्रविकानु दुःसामका के सिर देश प्रवे र दा मले द उदा प्रविका

वलेक दर्शे व कर व दर्श सु हो हो र माया हे मुके रहा वलेक हरे. **୳**ॱୡୣୠୡୄ୕ୢ୳୵୕ୡୄୢ୕୴୷୕୵୲ୖୄଽୡୖ୕୵ଌୖ୕୕ୄୡ୵୕ୡ୕୵ଽ୕୵ୠ୕ୡ୕୶ୠୖ୶୲ଐୡ୳ୢ୕ୢ୵ୡ୳ୄୄୖୠୣୄ୵୷ଽ୷୷ प्रमुर लेखान्य प्रमायापार्दर प्रमुद्धार स्ट प्रमुद्देन प्रमाय स्वाप्त यादर्शिय मादाणिकायादेवे का मिल्या मात्रिया हो हो हो के राम स्थानी स्थित स्थानी त्र्व नरः त्युर। वर्षे च केदः प्रेदः प्रेदः प्रदेशः सः दाविषः मृहेना च छ । द त्रमुर:र्रो। नाट:मीख:र्ळ:मु:प्रहाका:मु:मा:मु:पा:मु:र:पर:मु:र-व:रे:सुर:यर: चेद्र'यदे'रूद'विदेक्' पा**र्यमानीस'सेद्र**'यर'चेद्र्य'प्येद्र'य'देदे'के । प्रमा ુ રે.સ.ફ્રુટે.તર. કુેટે.તરુ.દુષ.તડુ. રદાવહું યે.કે.વ. શ્રુપા કો. તર્ચ થાં કે. તર્ચ થાં કો. તર્ચ થાં કો. તર્ચ થાં કો. ત तर प्रीर र मेर मेर मेर प्राप्त मेर प्राप्त मेर प्राप्त मेर प्राप्त मेर प्राप्त प्राप्त प्राप्त मेर प्राप्त प्र प्राप्त ५५.त.**भू८.त.स्व.च्या.व्यक्ष.व्यक्ष.व्यक्ष.व.त.त.त.त.त.** पर्- १९८१ व पर्- व पर्न प्राप्त स्थान के प्राप्त के प् यश्चरात्रुवः वः प्राचार्षः वाद्यः प्राचे स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वत्यः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः ें १९७५ मा क्षेत्र पर चेतायते देश यते रायते साम की शास साम प्राप्त साम की की मारा देते.ळें.**क्वु**'सेद'सर'त्यूर'रें॥ वाय'दे'रद'वत्तेद'**नठेव** हे'हर'तु'स'क्चेद'सर' नुराय भवाले वा रे वे रे ले नुरानुराम् रामे राम विवास के भीवा में मुराने रा दे दे अ रे दे व मे हमे मुद्दा है वर व मुर दे र अट हे हे र दे र र दे र अट है है र पर्य र वहा की र पर होता माया है वें ब हुन्यायान निहार् ने सामा सामा स्थान प्रति । सामा सिहार सिहार सिहार सिहार सामा सिहार पासा सिहार पासा सिहार पासा भेक्ष बिका का स्मेक् हे हे के हें नास या होता यह देश यह रहा यह के कि से के द मते हिर रें। नाय हे दे हा तुर मुर मदे रह मलि के हे नाह सका प्येत ले ता

रत्मी कु त्यश्राप्ये अवि । देते प्यतः रत्मी कु नाव्यं यश्राप्ये अवः पादे सुर व कु ते . वक्तुद्र व र्विन स सेद य उत्र त्येत्र वि । दे वस द हेनास य वस्तुद्र पर छेद वरे देश'य'र्प्यर्'क'र्हेन्श्र'य'श'र्र यर हुर्'प्यरे'र्ट'वलेब'ग्रे'स्रकंब'केर्'न्वि **ভিব্'ন্ম-'ন্দ'ৰ্যক'ন্ক'ন্ক'ন'ন বিন্দি'ন'ন বিন্দুলী**'ন্ম-'ন্ত্ৰীবৃ'ল্টী। ह्याश य दट र्हेन्। सामान्यामा स्वापन स व्यः हिंद्र व्याः व्याः व्याः विद्याः व'ल'र्से दिर'वरे'व'ल'सँव्रस'य'लेस'वु'व'दे स्त्री । ନ୍ଥିବ । ଶିଷ ପ୍ର ପ । ଶିଂ ପଦ୍ର ପ । ଅଧିକାଷ । ଧ୍ୟ ମ୍ୟୁଷ ଓ ଶ୍ୱା : ଖ୍ରିଷ । ଧର । ଖୁଁଷ । ସ୍ଥ ମ୍ୟୁଷ । ସ୍ଥ ମ୍ୟୁଷ । ସ୍ଥ ମ मह्त्रश्चमार् छेर यारे वसार् सा क्षेत्राणे र में क्षाया वरे वाया स्वीताया र्ष्यदशः शुःनिहर् पर ने देन पर ने स्थर के स्थानी सामित हैं दे पर ने सामित हैं सामित सामित हैं सामित सामित सामित मुकारहर्भ दुका चि नवे सर् दे हुना नवर न प्या लेक हो। मु स प्ये का हेर गु.दीर, यट्र.प.ज.स्यं स.त. २८.क्षेष्, दुबी.सैस.यट्र. रंभ.तर. पुंधायं हु तीय. स.... ध्येद दें लेख न न न न न न मार केद स ने स म्येद हो। पर दे दे म दे हम दे न त हु द चर् मि.केट.ग्रिस.संभ तर.जेश.त.झेट.त.ज.चट्.च.ज.स्चेश.च.वेश.त.केट.ल्य. ୡ୕ୄ୳ୣ୳ୖଽ୕୳୶୳ୢୄ୴୴ୢଌୣ୕ଽୢୣ୵<mark>୕୴୷୷</mark>ୣ୷୷ୡ୕୳ୣ୵ୡୄୖ୳ୢୢୡ୵ୄ यशः गुटः देशः नुः नः र्ह्वेसः ने। दे सेन्द्रः देशः यरः सेन्द्रः नः देश्वेना यः सेन्द्रा। ध्यय प्रहेंब य सेन पर बिस मु न का संनास पाय नाय ने हीं संन स न बिना नवटार्वे वे इसम्बर्धे वे स्वाया हो दाया यदो यावा स्वाया यहे दाव विवाय स्वाया हो दे दाव क्रें है हिन्दर पर पर वाका क्षेत्र पर हिंदर पर केराया वाक्ष्र पर वाका क्षेत्र पर वाका क्षेत्र पर वाका क्षेत्र नाद्रशः अवश त्वाद लेना नृ र्सेट वर द्युर व दे पति दे द्रार्थ द्रार्थ व

लश्र.भुंस.चट्र.चर्.च.म.स्वांश.त.पंचंप. हुंचा.ग्रेट.चंश.तर. जेश.चश्र.मुंट.चर.. प्रमुद्रः हो। दे खेर व होंब से ल खेंबाब सायक सदे साथ खेंबा साय है व खा साय है। र्ट. तर. ह्याश. तर. प्रचीर. ह्या वेश. त. ध. दर. त. हश. त. थ. लट. लीज. रट. झेब. हिमा यदी बुक्ष य हॅं हे पर होते य बे प्याप प्रमाय से दे हों। हैं वे ये दि हो के र इ.ज.स्रे.त.स्.स्.ज.लट.वेश.त.रेश्चे.तंज,द्वेर.क्ष्रे.च.ज.लट.वेश.त.पंचेल. वर में वशुर रें।। रे केर के खेंब वें ता संवास मारे रे ता लेश नु न ता संवास त.श्रुष.श्रा चील.टे.वट्.च.ज.श्र्यका.व.पंचर.खेच श्रुट.व.विश.श्रीटश. श्चेंस स्था हेन्स य सेन यर लेस यु य दे मा हर य सेन यर स्था ब्र.लट. ४८ . जम् न्यं त्र श्रुचीश्व. त. बुंश. वे. चुं. चुं. चुं. जे. जं न्यं न्यं त्र त्र ज्या त्र चुं. त्र ज्या त्र य तर्वे । रवट में दे हैं ने निमान व देश के लेख न मार्थ निमान माना मायाने नियम वर्षा यहे या सार्थे समा से विष्यु मायाने विष्यु हैं विश्वास्तरे दुसा ब.चट्र.च.जाःश्र्म्थाःच.इ.चेश्व.चर.श्र.वचीर.इ. खेश.चे.चर.टेत्र्एश.श्री ट्र.लट. लेस.व.च व.चट्.च.ण.श्रम्भाराज् । चर्चान्ट क्षेट्रक्ष्याताम् प्रचीट चर् EC.र्चुयारुव मी'र्यूद'ग्री'क्यायर'त्येष'यस'लेस'मु'यदे'र्देव'र्दे। लिल. हेर. ज व. मुंश चट्र. बुंश. चे. च. चू. मुं. रूज. मी. चंडियंश ज. सूर्यंश. चंटु. हूँ पश.... गुराश्चेत्रपाद्यर विवे हमायर विवासाद्या द्वारा विवासाद्या विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास कुंताक्ष हो। रे किर बे खेला ला रे मुन्या वा लाट वर्ना रेट छोर रेट रेवट च्.संर. त. जम्.वैट. यद्. दट. क्षेत्र.वर. मुझ. नेश. त. मुर. तर हिश. वे. प्रटा... च् च क्षात्र जेशता से हेर पर लेश में पव में से होना में विशास है आहा

ବିଷ-ସି.ସ ଥୁ.୧୯୯ ଗୁ.୯.୯୬.୩.୧୯.ଏହା.୧୯୬॥ . भेरामहैस यादे भॅरास भेद'द'वेस'नु'न'दे'दनद'र्दे दे'द्रम'चर'देश'ध'दद'दुस'मद्धदस य'दन दद'भेद क्षेत्रात्रात्रशात्रवृत् वर्ते हता द्वेषात्र में भी क्षात्र में क्षेत्र में क्षेत्र में क्षेत्र में क्षेत्र में चर मिस्र भेर पट क्षेत्र हो। विश्व क्षेत्र पट पट पट पट क्षेत्र कर मुस्र पेस य'र्पेर्'पवे 'नुस्र'द'वेस'तु'व'दे वदे 'व व'र्स्वास य'दहेद'पर'वर्रे प्यते दस्र'यर ्वेशना व्यद्भाव दे न्या दे दे । यदे ना वा स्वीता वा व्यद्भाव सा व्यद्भाव सा व्यद्भाव स्वीता स इर पर वेश थ दर इन हैन द न न सर दे हुर री दे प्राप्त स्मा न हे द न अहा न हैन वै दें र यह र पर देव हार वे स्वा मालक के पर समास मास हार व ष्पेव वें लें वं वेशनु न वे प्येद ग्रे विंदा हों। ना त लेन ना ना दिन के ना सामित समुव य दे के दे थे है नर मेक्स के कि के निय दे अप कि मि है के से दें में निस्तुत सरे " अन्य सु नध्य चे के ज़ि दे सु र के देव अद देव अद देव स्तर सु र न मु न दे नदे न व र्बन्थ स्त्री नद्ना है न नु सुर सरे द्व दर वर् न सुर नहें तर्म दे नदे न व स्वाका न हे मिं के हित मुक्त स स सिं हिंद नदे यदमा केंद्र केंद्र प्येक वर्षे वर्ष व य यह कर्षि। दे के केंद्र केंद्र केंद्र प्येक वर्ष देव दिना या: भेर : या अ : भेर विका मु: या के : अससा ह्या ह्या दि : यह : यह या हिर के : अससा ह्या ह्या : न'दमा'यस प्र'दर्' यदै देव दमा य पर्दे स्याम प्येव विश्व हो। हे हिंदान वा प्रदः लेखानु ना के दिक्षान्ति पुंचुर या हिंदानर मिक्षाये का के हिंदा नदी अळत्र के त त्यद्भायाम् प्रमाणकार्ते केते पुरे केते के अवसास स्मास प्रमास स्मास स्मास स्मास स्मास स्मास स्मास स्मास स्मास स र्टे के हिर भेर परे खेर के लिस नु व र्रेस है। रह रे व परे वर्ष हैर स नहिं

यर १३ मार शु हिंद पर पर्ना १३८ मालक के पहिंद पर मी तुस है। दे हिंद पर भी यदना है द ख्र है द ख्रे द पदे खेर दर। हैं तथा खर रह रेना यरे हैं वि है द ख्रे द क्षेर हो। मलक् सिंट म भेर के प्रत्म सिंट पर से प्रमुद्द हो। मलक् सिंट प हेर बे'यदना ह्यॅद'व'स'प्रेब'हे। रूट दटा शद्दार प्रेच प्रवा हिदा र १ हेर प्रेव प्रेच प्रेच प्रेच र्भे भरे केर है र दर्म बिहा ही यह मा केर रेमा या तमा यदे ही र रेसे बेहा है मा श्रुंबाड़ी जेशना जस रट रूवां या रट नाविश रूवा वरे हिराचर कुंबा ट्रांचे विशेषा दे.ज.चीरंथ.श्रूर.चर.विश्व.जुर.४.४८.४ची.चठु.ट्. चूर.**श.पची**र.बूट.दे.चिश.जुर. यर द्वेद द खॅद य स्पर्ध स स्पेद र्वे ॥ माय हे र्वेद गुट वेस य मावर रेना यदै यद्ना केन कर केन नुः र्भेन या प्रेय के लिखा रहारेना या प्रदान मिन्द्र के स यर सुर र लेश नु य के सर्दे सुम म प्येक यदे दसेवास थ कर मी र्वे महेंद य श्री द्राप्त के स्वाप्त के स्वाप् यरे.च.ज.श्रम्भ.च.चाबुद.च रद.उहुर यह रक्ष.च.रच मुश्र.चेश्व.च.चलुव.र.व. ५५'यर'र्बूट'यर'दर्न्'र्ने। दे'वस'५ महैम'य'श'५५'यर'र्बूट वर्दे'य ह्वट'य' केर विविधान र से साम मार्ट का ना स्थान हिकानु न ता के निहास के प्राप्त के निहास के निह रव दुःद्रम्यः वये द्रमः य दे यहेद्र यये दुमः वये। वि <u>฿ฺ.๔ฺ๙.๔๖.๓.๓.๗๕๛ฺ เต๋ฆ.ฅ.๓.๓ ป฿ฺฆ.ฑฺ</u>๘.๓ะ.ฒีฺล.๓ะ.๚ํ฿ฺ๛.๓ะ.๛ मधुब्या ध्येत वें। वर्देर् या वे सर्देव यम प्रदेर् यदें। से प्रदेर

त.यु.मीच.ग्रीश.स्त्रेचंथ.तप्रा। चटेट.श्रूषश.श्री.चोथश.त.यु. तर. भर.चोथश. यत्। वर्रायान्यास्य वर्षायाः वर्षायः वर लेखानु न के ज्ञुकार ने प्रति। ने र्ना केर के से स्वर उक्क क्रा स्वर केर ष्पेदाय। वॉक्सायानादायाददायलेदादे १३८ की सहदा ३८ व्यदि यादे । भर् डेश नुत्री रेर क्रा न उद का भेद ने। लेश नु न है ने हैं र्स मिर्नायर उदास प्रेंदायर इंदाय उद्गार्न से त्वीर रें खें साम प्रेंदि प् र्भा केर दर दे अस हिर पर क्रिट व उठ केर भेर या। केर भेर व किर मेर व শ্লুষ্পান্য নিৰ্বাহন প্ৰথমে বিশ্বাহন প্ৰথম বিশ্বাহন उद्गः केन : के व्यं प्रव ११ किन सेन प्रते सुर दें लेख नु न वे भ्रेख नु ने ते खेसस मु दें वरे न ल र्मिश पर रेल्स दे सालि हैं।। मु दि त्र सा दे लेस द न है खुल मुह ह्र्यश.जश.लीज.मी.क्ष.च.कर.रे.पहेच.चप्र.चरंना.केर.रे.चीर.चप्र.च्यूर.पचीर.. १२ नमान हों के तम्मान प्रेन मा खुवा के मु जी हों। रे के ଞ୍ଜିଷ:ସି.ଜ ଜଣ:ଲୂर.च.लूब त.बुब.चे.च.बू.लीज.चु.बंब.तर.पचेंद्रच्यू।। कर.य.म्. प्राचायकाराय राज्या मी द्रमाय में का वा तार हिना पर ही दार्शी तश्च न दे हैं न न न हैं न के दे ते हैं न के दे हैं न के स्वाधिक हैं से हैं से हिंस हिंस हिंस सर हिंस सर है से स ₹4.44.01.43 . 4.44.1. £.44.4.8 4.3. Mr. ₹ 42.02. यर खेषा देशका ग्री त्यंश वी. लूप बूंट दें न्यी. लंश ग्रीट र योश भी संवेद ता. लूपे.... यादे द्वर क्या देशाया प्रेष के ॥ मायादे हे रहा यह विकास के ना असरा

स्रिमः दरः स्रेमसः दना नेसः परः दः स्रिमः मी दमः यः उदः मी दूरं स्रोमसः 35.511 माध्येद्र था है विस्तर है विदेश हैं यर 'य वा स्मास धरे' लेस नु य वा समास धर्मास प्रसार प्रकर स्चित्र.घट्।। र्**वे 'र्ट**' क्षेत्रक 'र्ना' अट व 'र्ना' अर्च 'र्ने 'ले ना 45.35.511 शर्ष्यक्षेत्र,रेथ.तपु.क्षाता.क्षे.खुबा.चे.च.जा.सूच्याता.स्र्यूबाता.ज शर्द्र स्थित.रेथ. तपु र्भात क छिन मित पुरमार्थ स्थानीस में भारा क्यारे हैं सापुर्ध माता क्या चंशक,चर.बैट.चप्र,टट.क्श.वर,ब्र.सट्व.शैस. लेख अ न न न न न न न इस'यर हॅना'यदे'लेस'य प्रसम्भाउन वे'न्द्र'यदे' र्टे यर ह्वा य भेर है। र्वे धेन मदि कुर र्रा न्नाय पान्दामे न्नाय पाना सन्तर्भायते इस थ उद यत् र्।। र्यापत्र द्याप वय लेख न व सहर व हिंदान र त्यूर र लेख न्याय क्षेत्र में। विशेष वै द्वायते द्वाय वेश न करे या विश्व करे है दिरावरे माल स्वीसाव स्ट्रिंट व लेस विकास क्षा माल स्वार देश पाउन । न्दा सद्व सुस्रानी दस्याय उद्योदे वर्ष केन् ग्रीस सिंदा य पहिनाय यस्स य विस् 95558545B551 लूर पर पाल स्वामाराष्ट्राभक्ष केर दुस नि.प. वे कर्दर श्रुम मी दम य उदामी महना सूर्य भेदावी विकास ल्ये द्वारे प्रे सुमानम् है। यरे प्राप्त में क्या पर प्रेम प्राप्त क्या पर चल्याचाकृत्रामु द्वाकाच सेत् चर्चे सर्द्रासुस मी देश वाह्याकृत्यवे सिक्षा र्दे ् । विन्यासिक्त महाने में मालेब वें लेबा मु मा बै हिमा परें।

नेद.रे.पंतर प्रमु.वाड्यांश्वां त्राच्यां त्राच्यां त्राच्यां क्षां व्याप्त त्राच्यां व्याप्त व्याप्त व्याप्त व यर **अ**द्रे लेख नु व दे से प्रति य दश्चेत्र यदे 'सुन्य में ह में सं भट भेर पार्के दे प्रतिस्थ से दे प्रति स्थित हो से स्थाप के स्थाप के साम से साम बुन्यून पर्दे अवद ही पर्दे हो। सुन्य निर्देश मान्य अवस सर्ना क्ना में विना क्या ना हुना संग्वाल का नु क्षा प्राप्त प्राप्त का वना च भार सेन केर प्रेर व भार दे से प्रदे से स्वर से निका । निम्हिस स्मा हैना हर स्रेसस यस हुद न सद से लेस हु न हैं र न नद स्रेमस न तर् नेस न्दा वर्ष न्दार ने नेस ने के नेस ने के नेस ने स त. १ अ. १ ४ . विश्वा त्र त्र विश्वा विश्वा के स्था विश्वा हूंट सर नुश र्सा केर है है न न न किर न न है से सर सर ने दान नार नी क्रेन खुत्य व्यव्यं व्यव्यं स्वर्धन के देन देन प्राप्त होते । विका नरे र्विरी। रेदे के अरामदे हिर्यमान्य वर हेनामा वर विश्वरामा नुःसः हेर्रनुः श्रूदः वरः वसुरः र्सा वेशनुः व देः वरः स्रेससः सर्देदः परः वरुः चेद्र'यदे दुस द संसम प्रमान निमान प्रमान की विष्य की निमानी केंद्र सेनास य नह्रम्यम प्रहेर् यते अर्द्ध हैन उद्ये से संस्थाय प्रेर् हो। हे प्रहेर प्रावित द्वा:अ:WE देवाश ध:डेवा:देवाश:घर:वहूद:घर:वुद्रा। वाडेवा:कें लेश:वु:च: इसायर द्रे में या वे के या में का निर्देश पदी दुषा द ले का नुप्त स्मेद है। मेरुवे.क्र्.चेश्वा.चश्चरम्भैचश्च.ता.लट च्च्या.मेश्च.वोश्च.वार्षे.तपु.हश्चावी चड्.न.ज. <u> রূঝার, নেখু, ৪.২২, ৠয়</u> ঝাঝঝ, আঁব, নাম, জার, জার, নেখ, বিহু, শুরুর, বিহু, বিহু, বিহু, বিহু, বিহু, বিহু, বিহু,

श्रीमार्गा अयोश वार्श्चेशातशाबु श्रीमार्गे त्येष्ट्रां प्रश्ने विश्वाला अवीशा य.मिंडिट.हू. बुर्माती.य.जः वर्ट.केंग्र.पध्र.ज्यबुर्गे विश्वक्रिंग्रे.वर्श्वर. यायस द्रिस र्यामार्था व सेद् या अदानार्थी व वलेत द्रानासय वर दसेनास यर र क्षाणी श्री १ वर् १ द्रार्थ रहा स्था दा साध्ये स सर्वेदायर वर्ष्युरार्टी दे दिहा हुश.श्री.भवें १.तर.ऄंच.व.ज.७ुंश चे च.षु.**४भ तर.चेलज.च.८८.हुश.शी**.श**वे**ष..... यदे हिंस य रूटा रमाय पर रहा से र्माय पर से से से से में हैं र सिंही यह से हें से उद्देश्ह्यायर ह्नियाय भेद वाल्यान या देशान वाला मानुदाव दे हमायर हें ने वादे यद्वे हेन उर्फेर्जी। दे सूर हैंके दस य उर में दस यर हेंना य य नानस मन्दर् नुर्यं भेर हो। यह है ज्ञा के सार नुष्य हो। यह है ज्ञा के सार नुष्य है सार नु ढ़ॕज़ॱय़ॱय़ड़ॱॺॱॗढ़ॱज़ॱॸॖग़ॱॺऀॱढ़ऀॱक़ॱज़ड़क़ऀॱढ़॓ढ़ॱऒ॔ॸ॔ॱय़ॺॱढ़ॱॺड़ढ़ऀॱड़॓ढ़ॱढ़ग़ढ़ॊ॔ऻ र्देशनाकुर्थास् र्देन्स्राचन्नुस्याचराप्येकास्याचन्द्राचाराचुर्वे। क्रे सम्बन्धास्याद्रकासा त्या । रे.वे दे परंप्र. र्.च. कर भाग । क्षा त्यम की ना स्था भाग वा पर दय वे श माचुदायानाद व्यवस्थ इक्षायर विद्यार हो। इक्षाय देक्षायर मी मार्था भे प्राची सम पर श्रीट पट है लिखाया ही पर दें प्राचा है । तर्नातारे कर्नाति देव पर स्वाप्तार का सम्माने विकास के क्षेत्र के किया है। महामानिक के सामा है मासे देश मुनदे शक्ता में । है प्रमान लेश मुन शक्ता प्राप्त कर नर में रें। के लम न नमें नहां मारा पार के ना नहां नर के नहीं नर के य.लट.लु. तस्त्र व.लु.स.चे.व.वु.सर.चे.वर्षेट्र त्र्री हे.देट सर्वेट्य पर

र्देव न्याम्बर पात्रक हुनेवाम विकानुष्य के नुकान्य के क्षामा वार्ष्य पात्र हिम्स पा म्स्रामात्रस वुदान बदायर सामास्ति यही सीटा उदार्शी हे हे दे है। हिंद है है इद्राच संभित्र य द्वा इस पर देना य द्वा य के देन व वहन य के दे वहन य के दे विहा म्बिर मुं र्निश न भूर श्री म्हिर या प्रविश मुं रे भूर में बिश मुं न हैं स्र स नालक मी केन उक् केर न नहक मा स्थेव कें। विश्व मेर मुक् हेर्न मेर म नहा। **े हेश.रेत्र्याः हेश.शे.रेत्**य्या.जश.वैट.बेश.वेश्य.ज.स्यां श्र्यां श्र.त.क्रेरे-श्र.पीय्, जश.चेरेश. त.लस.च वर वह, अह्र शिंस केर केंद्र च हुने। भट्ट शिंस केर केंद्र व लेका 3 मामा क्रियाका प्रकार प्रकार प्रकार होता रहे । देश क्रिकार प्रमार क्रिकाय र र्दे । भरे दस्य पर नार्केन प्रयोग्य सम्बन्ध ने हेन हेना हेस्य नियम स्मर्थ । भारे कारे अर हेश निर्देश निर्देश निर्देश पर लेश पर हेश निर्देश पर र्देन य वह गायर २ गुर रे लेश तु वर अवशन्द श्वर री। दे श्वरतुर गुर य स प्रेंद्र यर देश यर गर्दे या या पर्दर विद्यास वा लेख विषय है होट र ही पर्दे कक्ष उद्देश भेर भर्म प्रत्य पहिंद पाय पद्र पुरुष प्राप्त प्रत्य हैर द र्षेत् धर विरायते देव धर हैं नाय पायहना धर विष्यु र रें देव वाय कर हैं रे दिर रन रे हे वहा नर्दे हे र हर लेख ने न जान होन्य वहा है रहे सर रे हिंदी इसायर हैंन पास नार्ने नास यर इस यर हैंना परे केश पानाल राना सुस है प्येंन म'स'भेष'मी। विक्रित्र सुदेर्म मानेन इस म'दावन विनाने हे वाक करणमा

वश्चिम नु दस्य पर प्रविन य प्रवेद दे विश्व प्रवेद में। इ.स. प्रवेद प्रवेद प्रवेद र वृष्ट्वायायर्र पुरायायायायः ११वयावेस प्रायाः रेपन्दे रेवा वर्गे में याहरा मारायाः ढ़ अ र्श्विश र दे पर प्रसाय केर अ प्रायुक्त या अ र विश्वित यदे हें नाय प्र के र प्राये हें नाय प्रकेर प्राये हें ना तर प्रचीर ब्रेटा श्रीवा ची. मार्श्वाश पार विद्याप देश पा विशास स्तर प्रमुद्दर्श दें हैं दें प्रमुद्द प्रमुद प्रमुद प्रमुद प्रमुद्द प्रमुद प्रमु यान्त्रायादेखालेशानु व श्रिंशायायावहातायहेत्रावशालेशानु व हो यहेत् मते हाम हते ह्मते मह नद नद प्रेश महे श्वर स्था हो। व मुद्दान द विषय दे । विश्व तु न वे दुनै न न ने हैं। संभारत हैं ग तु य र्शेन श य यर्गे । दे हर न हिंग १ मा शा ही राज रे र हु दा वा हिंग नु संस्प कर रे य यह मा य दहना यर """ विवाद:र्गी नाव (र्या वे। परे अर् रूप कर्रे । यरे था क्ते अर्ते वर्र होर्यस इवरेश्य रेंक्ते वर्रेश हैं। देंदर सर्दर्भ य हैं त्वुदःवःवःक्षाय भेशयादेः इरःवःदेः यायदेशः चरावन्त्रवः का विदानि वदः वहेवः या देशस्य ह य स्ट प दटक्स समुद्रायदे कुर स्विस मु म दे दिन में दे र पीर वी क्रमानाश्चित वर् देर सेयाम हे हिंसा श्वाप्य माना प्राप्त हे ग्राय हर ही से या व हे हरा श्चान्यम सामाय द्वारा विकास मार्गा में गार् मुना मार्गि मा लियानु नार्वे प्रति भागायहित पर्यः नुषातार्देश सर्वे नायते ह्यां वसामारे मानु ह्यां सर्वासायायात्वत्वायात्रेष्ठेराते अर्पुत्वरङ्गराज्यवा शास्त्रा हिसास्याद्यान ननु नेस मर्ट देव व्यव मिन्स पर् । कुर क्रेर मेर हुन मार मि स देश माम्बुमार् इमामर से ले ना दे ते कि महे ता द्वार है न महे ना वर्षेत हुं है . हुंस.चे.च.ज.स् ।स.च.झूंस.च.ज। हा.स.चेहुंस च.जस.हुंस.चे.च.हुं.चर्.ज.

हिंतु मते इसायर हिंगामते जेश मन्दर। र्वेत मल्दर नुं ह्ये परिनास सहि क्सामर हैंना यदे भेश यदें। दे हैर क्सा पर नहें र पदे हैर लेस छ प है। ्ष्ठर्यं वृह्ययायां सेर्यायका विकायहर रिं विकास के रुस्ट में इट हिंदू सर्" तालक विद्यात्री तेश वालका कर्त्व श्रुक व्ह्रा न मेर्दा प्रमितान मेर्दा व्या ्रिन यदे यहाम के र स्थे के वे लेख अयर है। विदेश सिन मुन सुर यदे हैं तार्द्ना यरे वेशमाहिश हुर्पनायाया स्वासाया नहिंस हेदे हुर प्रविद् हे न ुर्द्धान्त्रीर हुराश्चर्यनायायालेशन्यनायार्थन्यसायाञ्चरार्था 💮 हुर्द्धान्त तामावर, रे. सैर. वर्ष . धुरा चे. व. व. सैंव. सैर ड्रेस. वर्ष . सर् हैं . क. हैं . पर्र . रेटस. पा ्रह्मामारेकारे देवसाम्याय देवा वर्षा व ्य म स्वीयक्षेत्राच वदे विचेत्राच वेद्वाच हो। ह्याचा यास्वीयायदे वन्ना ्रेर्र्स्। र्म्नश्रामदे स्था मह्र्याम तर्राया माना हे स्त्रातहा र्हा वर्द्ध पर्युष्ट्रम यात्रार्श्वन स्वाप्त्रायात् विकासातु मार्कान स्वाप्त्राय हो स ्र्रा । । पर्वे श्रुष **र**हाक्षण या वेखाँ व श्रुष्ठा साधिव या है हासीवाय। रेश विनान के हिं। असरा की हिंद नहीं देश पर हिंदम है विनान लेका में बेर ब्राद्यायायसान्त्रियायाद्रभेषायाद्री। रश्चेत्राया गुरुपारा गुरुपार ्रेन पर नु न र म देश मु न है। र दे शुक्र हैं न य र द न न देश मु ्यः श्वेरः यत्रः पात्रते । यात्रीत्रायाणी प्राप्तः व दे । त्रुषः वैदः शुर्यः दे । व्यव्यासः ्मसाक्षेराचन्यना वहना यस र्नेना यान्यान्य विदाद्वीय यासेन् यरे वेसायाने या

य नहर् च ही निक्ति मान स्था म



्दर्भ इस दम्रेय में दम्रेय न वर्ष वर्ष स्तर्भ वर्ष स्तर्भ वर्ष स्तर्भ वर्ष

् दे खुःस प्रोदाद प्रदेश प्रवेश य है रहा नाहा ग्रीस प्राप्त खेस ग्राम प्रदेश सामित्र ्यर ह्वा य रेहाया मा स्पेत ही विश्व न विष्य ने वार्य न विश्व य विश्व मा स्थित विष्य ्रेश्यायाची १ केराकी वाका करें में स्थान हैं हैं स्थान हैं से हैं हैं से हैं के हैं से हैं के हैं से हैं के हैं हैंना याद्याय या वन लेखा मु प्रदेश मक्त हैन पर वन मी हैं या पहिल या में रहेंन मदै नेश्वायास्त्रान्तान् पदे छैर। दर्रेर तले यः हे दसन्याणे नार लेश उ ्चतः हैना ने नाल र मीश ग्राम्य म्बरम् मु र मेर पेर पेर ने नार भय सेना पर । हुन याया दे कर के हुन। तम्ब रहा मुक्त से साम्प्रा हैसर्मन् हेंस् स्रिन्थ एस वुः लेख व न अर्सन्य सामा विश्व व नम इस यर वर्द देश लेंबा केंच के देश पर्वेट वहूर में पर्व पर्वेट लेंबा के पर सर्भ सम हर इंटरन रेन प्रस लेस नु नरे में ने में ने ने ने में निः न केर हम नि नि र देन हैं। सम्मान नि ने लेम नि न दे दे र ने ने सम्मान ंदे न न वस्त कर के लेस न न स्पेत्रे हैं। सर्हे दे तस्त के लें न सर्हे केन नु पहिंद् पर अदे लेस हैं। है। वाक्षद या सहेत मदे हीं नम लेस न न ने ्रिक परिवे हिनायाय परि भेक के लेश खुम के के ते इस धर रल गाय नार भेव न्यते निर्देश विश्व स्थान ने से उद्य वर्ष खेर हैं। ने क् लेशनिय के छ सर निय है सियानर हिराय है हैन की है।

हॅर्न्यःसेर्न्यस्मुवास्यात्वुरावार्ने द्वारा होत् वार्ने किर्मु अवास्या दे है र भे ब रे रे रे है र प्रका ह मायर च विचाय मिं व या भे ब विचाय स्थाप है । वलम मदी हे । मल र त्या वर्षे सं यर वसुर व लेश मु म है र्रे रू दि दि व व म विद्यापर त्रिशुर विद्या। देश नुषा पर्दे तेश पात्र दिन पात्र विषान वि ्रतार्यं भारति विश्वका नुकाराते विकासाध १५ राते हिमारावे सक्ता है । यार भेत य ने वे ह्व में दिस्सेन में ति स्वास परे द्वादि हुत स्टि के प्रेतावि हुन में। ्रेष य त्रा नावन ही दर्भ केत् तुर्दर्भ य ते यस्य सदि हैन विद्या ्रेष्ट्रेन्द्रेन्द्रक्त्वाल्या विते द्वे वित्रे वित्राच्या वित्राचा व्यवस्थान्य वित्राचा विषाया महिला में दिन्त निष्या न वे किल्यान प्रमित्य न में मिले विषादना है। बिर. तर रेट. बिर. तर की ताबुर बिर. तपे रेट्स स् रेश्वे प्राय प्रायत के के किस है ... न्ताप्त, तृत्राप्ते 'खुम'क्त्रक्षित्य रे क्षेत्र रे ति । विकास से खेर ति क्षर सि जुंश त हो यान दुना ता दश दुंश नि न ता सुन्ध तथ ने श हिर ने दे तर देश उन्'र्कर्'मानेर्'त्मा पुरा खेसाय हुमानये ममाखुमानन नेरक्षा स्त्रे स्वस्था खु: भेद वें ॥ ं प्रेट्स्स्यूर पर्ने दुमः प्रत्न र विनाय प्रह्माय स्वरं दे विश्व नु महिन्दिंस वें इस्मेद सहित्व है न्या हिन्द विश्व है न भी विश्व नु वर् द्यूर्य श्री चुम.त.फ.भुम.तद्र.पुम तद्र.मुं वुम.च.च.मू.पुमात.ह. म.जश्रुःश्चेश.च.धु.से.अ.द.चे.कुथ.च्. (वृक्ष.चे.चर्. व.कूक्षेच् कार्रेष्यम् नेत्रात्रेष्यान्य वेत् मान्य नेत्रात्र क्ष्यायम् मत्त्रा विद्या ्याके तर है त्य महेब बबा लेख मु म के में पहें नाब मर में दे पाय पर है दिया

च.बर्टिः र्ज्ञ्च, च.बर्टें पर्कैं चेंट बेंब्र चें.च ब्रुं भक्ष्यं चेंब्र सामि वाता विदः यते खेर पर्ताय वकात्र सर्वे यर वर्ते था संभित्र या वर्ते । सामा प्रेत्र या मानि द्येर क्रिंग या उक दे विव या सेदाय दार पिक पु विव हैसाय दे स्वाय लेस यु रमानुः स्व द्वास वे क्षराय के क्षराय के क्षराय के किराय क बुर पर्यः वाचेर या भागति है। द्वास्य म्यार्च वार्मिश्रासदे स्वावदे क्या वा बुं ज़ेशरा ता श्रूरा व सेतृ खुंर हीं। देवे के ह्वा सर्हर श वश मुं लेश मु न'य'र्सेन्स'रा'य'ख्य'स्रुट्रंस'रा'रुद्र'ल्स'तु'र्दे द्वार्ता दे अद्रुत् नार मीकें खुभार्क्षेर्यो भाक्ष्म र खुर्खेरावदे इस महाक्षेत्र भाराक्षेत्र वासहित्याम देखा वणायते ने दादिस हैं दा अस्य शु हिंदा या दे जिदा पर दे ते स य से दाय रे इन्य दे वे क्वि क्विक्स सु ब्विट य दृद शुवा महीद्रम य उन् केट स्मेर पदे खेरा त्र नार्ट हे त्यसामहित्साया पर्ट ना भिन्हो। सहित्साया हे माधना यदि । ्र केंब असस 'खें श्रुट पर्स हो **५** 'घ' छैंद है । स्था के स्था के स्था है । स्था के स्था है । स्था हो हैंब । च्.ज.श्रुचेश.न.रंभुचेश.च.रु.२४ च.ल.न.३भश.श्रु.श्रुट.चपु.जेश च.क्.स.लेज... मी. ट्रां व्यापर प्रमीर ह्रां लेश वहरे तर विधिर ही। देश व धरश वरे. मुैं हिश्रासु नुेद्रायामाणेर्यायाने १८दे दुराक्षमश्रासु सिंदापदी वेशाय ने नामयाः... यर द्रूट व भेद भ द्रूद प दे से नामाय व भेद द स हुट्य प दे स प्राप्त परे के नु नुर यहे मार्च विषय विषय विषय में दिन विषय मार्थ में विषय मार्थ में विषय मार्थ में विषय मार्थ में विषय मार्थ ्लेश:इ:म के मध्र माध्रमायदे द्राम के मु रें में रें माम हे दें ना लेश पर पहना पदे

दे वा वहेब बबा व बुदाव बेबा नु व बे की हैं या नी हेंब वा बहेब श्चेर:र्रे॥ लेश पारे परानालेश नुपन के अवस्ता लेश नुपन स्माराम् ॥ दे दे खुल मुँ सर्द्ध के**द** नदेब प'औक'**ले**स म पाँके सर्वेद म दूद विसाध दे दन '''' ख्रिय में अंदर्भ केर महेब माहे। इस पर दहना पर में दार दे हर द दे ख्रव में सक्र किर परे पर्या महेन यानि मारेन स्विम के नाम के हिसामु च के पर्ने मर्दे दे ।। पर्ने में सार्थे हिसाहित राया चर्ने के स्मामर्थे पा इट म्रा च द्वा खुवा दट वर्षेया या बुवाय की है। दे व्या महेब इस गुट रद'विषेद'ने अस्य होंद'ने प्यद्रिय नु'च'कै'चे दे 'च'त' स्र्रेट च'न्द्र स्र होंब "" य .ज.स्येश्वाचनु,राट.वधुब,केट,वेशकाशि श्रेट.व श्रे.वर,पंचीर,रू॥ हे वसः के हिंदे त् व श्चेष तर मर निष्य हैन निष्य शि हिंद न प्रेष हैं हैं ते दे निष्य स श्च श्चर न ने हिन से ते अमस श्चरीर न स लेन हा। विन प्राप्त महिर न ते निर मेश क्र पर प्रविमाय ध्ये के लेख न पर दे ति हु य पर प्रविश्व पर में साही रिक अभथः श्रि.श्रुट्-व.लट र्.केर.रुवोश च.लूरे ट्रे.खेश चे.च.**यी**व.चप्र.भव**प.**श्री.वश. . माश्चरका वास्पे १ है। विकास दे वर्ग केर क्रमका शुः शुँदः वाक स्मार देव क्रमका शुः श्रुट. च. लट. ३ मश्र.श श्रुट. चत्रे. चरचा. ३८ म्. न. त. लुब. चे. चप्र. स. कुच. च्यां र्ह्च ते दम राष्ट्र दर रायायर्थेश यासेराया है दागी दिरारी लिश**न्य रा**ष्ट्री **रॉथा** ही । र्व.रे.श्च.प लुरे हे। श्च. श्रेशश श्चिर.व.र .ट्र्य मी देश.त.ल वर्ड्स.व. मेर्पायके है। रामे हैं ना वेद या रमायकाय हैर सेदाय हैर र्मा नि प्रिक्षायस्थिता सेर्या क्रिया क्रिया विश्वान प्रिक्षा

दे.ज. ७ श.चे.च ४.३४**४.**शे.शे.ट्.च.ज.ू ॥ के**र** प्येव वे ।! वाशःहे : म् वे. ने. ने. मंभासा करे. लेश वि. च. च स्ट ता चीव त में भावत मिं वर्षा dIZ. व्य इमायरे मिर् पर पर पर दे दे इमायरे मिर पर उदावी। दे हेर दे हिंद में वास्त्रीश नर् विसान र्मास्य ते विश्व विषय विश्व तारुका लेका दी वार्ष हों हो तो त्या खें गुका परि हम पर्वा स्था । हा सामले ह न लेसामु व के छे हुर रहर अरे क्या पर वलमाय व पराया प्रेक है। बराय क्रमश्रासु सुर नदे नद्मा केर र छिर पर सेर पदे र्व दर पर सेर ... মংলেশ স্থা প্রত্তি প্রকাশের ইবু বের প্রত্তির হয় বিশ্বর্তির হয় ਛੂ.ਭੈਂ≭.<u>શ</u>੍ਰੈट.ਖਂ≭.ਪੈ. वर् दश्यायायशावर्त्त्रेगायालेशानु वर्षे भीशायते द्वराय केराह्या हु हींदावर्षे यर हैं। वेश म हैर हिर्मर लेब यस द सर्वे र र दे हिर्मर हैं। य'मालग'यर र्वे रेन ग'रु रेनिश धरे छैर ने अर रु वहुई ने पर दे पा सेर पर न्द्रमा भाग रे सुर र लेख न वरे र्दर हैं लेख न व रे मान्दर हैं हैं ने मासय यर नेर म प्रेक्ट्री विषेत्र कुर में नाम प्राप्त में के मान परिक्री म् जि स्वासामा ने से नासामा से कि । जि मुद्द महासामा के के सिंद म् त. श्वेशत लेश वेट। हिंदे. त. श्वे वेशत हेरे में ट. पेशत त. त. **रश्चिश्यः यः प्रवर्ते ।** क्रिंबः च . प्राः श्चिशः य र . वे स्वर्धः श्चाः स्वर्ते च स्वर्णः य स्वर्णे स्वर्णः य मर न्व वर सेन वर्षेन्स मदे इस मर देश म वर्षे पास केर हैं। नुर्मित्रम् श्रदः व केर् प्योव व प्यद्वेश नु पा वे हे हुर विविधाय पविव नु

लेकायाव्यायहेक क्षारे अन्तु यहेंदारी। दे मिंक के नुके यहे या संम्याया शुराम हेर हिंद यं ता समिक पते शिर मालरामहिका श मेर या हेर लेवा मुक्ष'यर'य इक् भेर हैं।। निहेना हैर'र् रसेनाक परे छेर लेक छ न के 'स र्द म क्षेर् मर दक्षेत्र मदे क्षेर र लेक न नदे र्दे हो। रे नक दरमानी ี่ พีพพ.พพ.อีะ.จ.ปะ.ชุพพ.พพ.อีะ.ฉ ปป.ป.ซี. ปพ.ชโป๊ภ.สม.<u>ปัฐป.ส....</u> ह्रे गुरु : यह : विषु हे : हे । अस्य : दि : क्षेत्र स्वाय : विष्ट : वि द्रमेष्य सं व्याप्त नामा व्याप्त । व्याप्त स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग केत १ अर शु हिंद नदे नद्वा १ दे उद प्रेर नदे हिंद हो। महिन १ हे र दु दसेना यदे नार्त्र केवासामा दवाया वर वहेंद्राया अहारेदा दु नास्त्र व प्रेत्र कें। हैन दर रक्षेत्रस यह दिर लेख न नहें नहें नह केत्र हो हैं दे वा देवा मानर हैं नह सर विमुराने। डेम डराय वाङ्ग केंग्राया हैन विस्वाया होने परि खुराने। वर्ष लाहेशाम हैन मुदार्थन या स सेन है। वर्ह्मिन न स्वित मार मुने से हीन परे क्षेर्र्स्। पर्वेश्य नहेन्याय नहेन्यायान्त्राष्ठ्राक्ष्यास्य व्यक्ष श्रे. क्रूट व से दिन हुं किय नहीं र हुन है। विकास र ट न क्षेत्रक्षां मिं चे उनामी र्द्रा दरे स्मानावत नु कुरायर रग्नु देवर अपने विना नवगःग वि:नगःसः नवद्गार्वे वेशः उःवदे। द्रेरः दः प्रम्यः स्रातः माकेशन वेशन्य महिनानु न्रेमेन्सं चसारे असाधान्य सेन्य सेन्य है न्राय हिन लेख चु नते : रॅब र्रें। रुष : यं बूद रिते : दि खु क कर मु : पेब या दि दिश्य चुर :

मैंर.च. बुश.चे वर. कूपे. क्य वर. शैर. र्रो। अंगर. बुग. क्या. प्रमार. जुश. व. वे. <u> बुश्च.चे.च.बु.पट्टेचा.राष्ट्रे.क्श.रर.जुङ्ग रा.प्रश्च.चीट.लट.पट्टी.चट्टी.चट्</u>रा.च्या. क्ष्मां लेखा चे.च.बे. गीब.चाह्य श्रमः नामः नुष्यः च व्यक्षः च वे श्रमः च वे श्रमः च वे श्रमः च वे श्रमः च वे श रे.बर.तर.वेर त.वे.विर.तर.०व.मी.वश.तर. जेब.त.पश्चेर तर.वी.व.च. व.व. ৽ ৽ পূর্ব বি নে প্রাম্বার্ম বার্ম বা প্রি বাম বার্দ্দির প্রবা প্রবি বাম ব্রুদ্ধির প্রবার্থ বাম ব্রুদ্ধির প্রবা चुंश्रायानाराष्ट्रेरायायव र्र्वाश्चर्यायाय चुंद्रायाय वुद्धायाय विद्यायाय विद्यायाय विद्यायाय विद्यायाय विद्याय नि श्वर मां अर हेन मर रे रे दे बुर मदे रा मले मालक र मालक में मालक है। श्रेन सं विन पर उन खें स के समाविन क्षेत्र पर वेद पर स् शुं गुर य लेश व व के प्रवस्थ व हो होत यदे मह्म के तर हो। के पर प्रमें व वै गुनःमाले लेखा उपने देशाचर मेलायले वर्षा हैरा पुरेश वर्षा होते होरा ेव्रायाम्बेद्देन्'याम्मेर्द्रन्'याम्यापश्चर्यात्रेत्र्याम्बेद्धाःयान्त्रेत्राय्याः स्वायाम्बेद्धाःयान्याः स्वय स्त्रायाया द्वाराष्ट्रिया वहार ने स्टूर विकास के साम्हर्ते है। हु.केर.उचित्रातायबुरिटे थ्यातरामवितायपुरिद्धराष्ट्रा मार्क्स भ केंद्र के स व्यव हे मार्क्स से द पर केंद्र प्यव प्यव है है स्त्री माद्र मी के मीव. य.रेवे ट्रंब तेश व च.ज.श्रीशत व ते.हे.रू.न.के.ट्रब प्रश्न वित्रावश हे.शर.टे. महेंद्रिःह्या दुसः यर हैना य हेते हे खुर छहा व स्थेता वहेंद्र य दिस तर्रे.तरु.स् ब्यालिय अध्यश्मित्रित्व व.ख्या.वे.य बु.क्यातर हुवी.व.कुरे.लीव... १मश्रासु सुर न स्पेत् र्वे त्रि ग्राट खिल ह्रेन्श धर नि न न लेव न स्था वर्ष रे.ज.अम्ब.श. होट्.च.लेम.व.श्रेर.टे.विम.त लूब.ब्रा टे.टंट.टेम.हो ट्र्ल.हो.

र्देर या दी र्राय मी नावया नुर रेना य दे य त्र मा ना ये हा ये द रे'लेवा'रद'रे**वा**' मान मामिन में लेखाम प्राप्त मामिन में मिन मामिन यर हेना म मुरेश मन पर पर प्राप्ती लेश म न ने प्राप्त पर में प्राप्त पर ने ही यर प्रचंश वेष में मेर हेंग या लायहूँ वह माड़ेश य लेश पहंद हों। मार में कें मुराय दे दे दिस लेश मुन्य ता स्मार ये में लुट दि सा यदसः परः र्हेन्सः प १६ दुर। क्र्यः सदे त्र्याः ११ १८ तुरः परे लेसः नः ल.श्र्मेश.च.क्र्यं भ.र्पेये लश.चर्यं शह्यं श्रिभ.मी. ५४४५ सिविट.री.ह.हेर..... वर में र नर् वर्ष में अर्द् र पर वर्ष र पर दे र वर्ग में अर पर वर्ष पर वर्ष । रदःरेनाचरे तत्रशास देश्याप्रदेशीं रेज्यादेशिनाद्या स्त्रीत्राधिक यनुषादते मानुष्या था कुर्रे मे मी र्दे रहेन्साय वहसानु इसाधर प्रवास पर दे वहा यः भर्मा भरेता क्रि.संगुर्श्यसं य दुसं यदे निबुद्दः निद्द भरेत सं वदे सं निद्दे सं निद्द मी कें सुर्रे में मुंदर्व न्वया नुर्धि र व देवे कें। खुला ब्रूट न पदे दे कर् लेशनु नः भः सें('च'ने हुँ स्य नुँ **र्**व प्रें('चर हूं 'न व्य' अट'रट'रेग च'दन्नस''' नु प्येद पर देर से दिस वहस नुदे हैं पर हैं नं प न सुस प सूर्व पर हिंद पर प्रेद वैं। १२ अट देन वस वस पर विष्य हो। से देन मी देव से पान रह रैमा'य'कै'२ प्रश्च तु'फेद'वेस पहेंद्'दस । र्द्दिरेस'य'कै'दे'द्देस'फेद'वेस र्देते वन्त्रेयायके प्रदानी कें ध्रुतार्दा वहसायते के सार र्देव प्रेवः म लेख र र भी र लें। दे हैं र है मार हें खुम च र र में स च र हे हैं र न मार श्री पः श्री । ध्रायाद्वा प्रकार प्रति । विश्व विष्य विश्व व

दें। विकास रेना या हमा हैर ग्री प्रवास स्वार हैं राय परे प्राप्त हैं जिस स मन्द्रे रहारेनामान्द्रे त्यावासान क्षेत्रं वेश्वाना देश्वान्द्रेशा रहारेना या दशामी त्याव वुरे दे यर हैं न या नट भे र यर रे र्ने देश य है रे र्ने सं अप हे लेख वुराय या रे रे यते'ना नुष्यं नेषायत्वत हिष्य ह्में त्या ह्में न्या लेखा नुष्य देव हैं।। **इस्य** पर सेना या द्भः १३८ में । कर त्यं १ तयं १ तयं १ वयं १ वयं १ वर १ ह्या वाया समाय है । वयं १ वयं १ वयं १ वयं १ वयं १ वयं १ यर हिंगा य नाव्र प्ये । व विश्व प्रकृतर से नुद्रा हे हे दिस प्रकृत पर है से र्रो १८ देर दर्भ हेना कर सामुदायसाय दुस समाय स्था सुरी दसारम हेना य मीं अन्यत्राय। से र्या मीं र्यामश स्टार्थ में र्या मीं र्य हिंद्य त्रम्भानु प्येन लिट देन हेन या ता रह रेना या तह सानु प्येन में ।। ल्ट्रिक लट लेख में च क र्याय महिंद्र हीं निहुन महिना महिना महिना महिना महिना 5'दिनुर वश' व'र्वे भर क्याया 5' संख्या वर दिनु ' है। देश के बिका के व वै दि ही द्वार मी भाक्ष मायक वर्षना याक हिनाका नामा दि है वहा ही वहा । इम्मान है होत हूर न दे न वस्त कर देन देन पर वस्त कर देन दे स्रात र्त अट क्मं पर्रा के उत्र र प्रमात के प्रात्त के प्रमाणक के प्रमाणक के प्रमाणक के प्रमाणक के प्रमाणक के प वि.च.ज.श्र्माश.च.वे.चीच.नपु.भवउ श्री.चपु.लुब र्शी अश्र.रट.श्रभश ग्री. त्नुर म दवद से दे दस्य पर नेश भ वत् मु वके व हें व हें वर हे दा वे ... निवर हैर रेने लेश न न हैं से स् ।। स्नि कन स की हिर नर लेश न न है ব্ৰিন্ত্ৰ বি'ব্ৰাহ্ম শৃষ্টা ছম শত ল' অ'ক্ৰব'লীম স্ত্ৰিল্ম' ব মীদ্ বেৰ প্ৰীদ স্থা

मायाने ने के द्वार में या मार्केन चा न या प्येक के लि का न न के पर क्षार है। मुन् क्यांश में विराधर हरा तया र जिया का मिय में मुन् या यार के रायार के रायार हार देश र त्रं दे.ज.र्ड्र देवटात्रं जावीक्रं वाचिश्वातशामित में ख्रिप्तादे वश्वाव हे अर्द्धिया लश.रेटु.रेंब.स.सर.तश.भूर.के जुंश.त क्वेच.के ह्यूबोशंत.रेट.४डुंल.च.धुं.चर... नियुर मी। नियद में दे नेशाम वियुर माने माने के माने में होती। मान ने दे कु र्र्य मु द्वारा कुराव प्रवास मान प्रवास मान प्रवास किया है। देव कुरा के दा का प्रवास के दार के प्रवास कुर्वानन वन्ना हिन खेल हिन खेल थने छैर नहा हैं न नहान निर्मा निर्मा खुल हैर सेन यदे बुर रे लेन। हेरे बुर रेन रून मूल लुब लड बुब छ च ल खून हा से स च लुब लिस के स हो स बुब है ठाय वे नारमो छैर देव देश या वे रहा मी देन यर यहना हेर प्यवस्थ कार हेरे दमामुक्ष न यर यह है । वेश वेश गुर्य के हें ईश यर यवना सदे क्यू अव सदे हैं है हैं दिन दूर हैं य देश है वर वर्ग साम प्रेम हैं। इर सामुद प्रसावर्त समाना में हैं। मुद्भामी र्राम्बिय न क्षेत्र हे बुंबा माना स्वाया ता पर के प्रायम न मान यर् हैं मा या महासामा या निर्धा थी के हैं। रेश के पर है सिर् हैं मिर ने के हैं र् य मुद्दे के म्वावय मुख्या रे दे हैं है। एत इस म दिन है के सामी ्रवेश क्षेत्र निरम्भ स्तरम् स्तर्भ क्षेत्र सम्पूर्व वर्ष स्तरम् स्त्रि स्तरम् स्वर्षे मिति है समाय दे कर्र पर देना पर ने हैं। पर में कें खें रूप है दें के ्रम्ब्रम्मु स्पेक्ट्र हेश पुष्टाम्। विशेष्ट्र विश्व के स्टर्म के के के दिन के कि

रेन नदे न न न के लेख न न न हिंदी हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं नर नु न भेद दें। देश द दन ने दें दें ने नि में के हैं रें ये मी दें प्राप्त में माल्यान की पादेरे की राट्येमाय प्रमुख नु मान्य के मान्य क विं । १२ वहार १ वदे वद्य १ स्वयं देश वर हिंग य गहास पर प्रमुद्ध है। हर हु र्ला ही र्व अन्य र ट रेना य तत्र भारत है दार मामा से दार दे हिर पहें देश.त. १२ भर किश शिट तर देशी । जुंश ने वेट मी लुब तर श्री तपे. त्रिनामा गु.र्.नामा त पश्मा पर मि. पर पुर मेर । सिन मेर पर पुर मेर से से प त्रम्यान भवायायात्रेवाय वास्त्रय नुःक्ष्याय केनाविकायावनेते करामाकेनाये मु तहर पद इस य दे स भी र दें। हे हर दे तह माल माल र यदे मुंद है य द <u> बुश.चे.च.इ.चाड्याश.८८.क्षट.च.ज.क्र्याश.च.३.च.वर्षा</u> डे.**घट.४.७४.त.** वैन्द्रमः में सेन् वर्षे च दे स्रमः में लेना र्व अप मु अव वे लेख मु म अप मुर न्वर व र्र पर भर् में ने र था है न व किर हैं र व ये सेवास व हैं र वर्र स बुचाबाला जुंबाचा ही नरा से बच्चारार्थी कर हा स्नर मन्दर या वहेब हैं। बेर मी नवा कवास ग्रैस नुसारा या अटा ५६ र १५ त्रसा नु क्वी । या नहें ५ १ वर्ष से में ५ ... क्री.श्रेट. चर. मिर्स. सिर्स. वेश. रे. चहेब. च. भूब. स् । हे. सेर. प्रहूब. सर् **इ**स.स.क्र.स.क्रेर.लु.स.स.चर्र्स.स.पक्र.तर.पंचीर.प.लुंश.चे.प.ला न्नाः कन् स्वः त्र्राचुः अदः। द्वाः न्यते : क्वः यः होतः यः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स त्यः दह्नु द्वार देशः यः वे क्रं साध्येष क्रां क्रें हिंदा क्रें सार हे मिल्यः है। विश वे.व.ज सूर्यास वर्ष. श्रेयस.रेट. ह्यूर.वर.वेर.व र्षम.वे.व.जा क्रेर.स.र्योग्.जा

नर्शनायायाञ्चरान्यदे निवयानु नायाश्चित्रायान्तरायरान्यदे निव्दर मो अन्यान्दायेषान् न्याने न्दार्श्वेरात्य हेन् हे सानु वरी दें बही। भ.श्चीश.तप्.बुश.चे.च.ज.श्चीश त जा जनी.च.ख.श्चीश.चर्.प्रट.चबुर. न्'त्युद्र'म्ब्रा मद्मी'सेर'दे भु'प्पेद'च देवे'सेर द्वंद्रस'यर'प्पेद्र'व'सेद माठेना ऑर् नाम भेरादा लेखा नु निर्मा प्रमान निर्माण प्रमान निर्मा प्रमान निर्माण प्रम निर्माण प्रमान निर्माण प्रम निर्माण प्रमान निर्माण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रम निर्माण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण माइबाया लेबा नु वा वा वा या ने व्यू र या सा क्षेत्र या दे हिरा के क्षेत्र या ते हिरा वा वा वा वा वा वा वा वा व खराद ऑदायरे विदायर के यर अर्द्धेद यर वेदाया लेखा वाया दे दिस संमादाया र्ष्य्र प हो रे मिं ब हैर नु पर्रेर पर महें व पर महें व पर महें व पर बुद्रचन्नै क्वार्क्स में न्याया में न्याया से सादे अद्रेश विदेश कर्ता करी हैं न रदः स्वा नर्या या स्वा शाया में मुद्रे लेश मु न है है है पर है र्ये पर है र र र है र मुँ दुर र्भा दे खर द सम पर प्रेश या निह नाया स्टानिय है द्यना पर दु व वार्स्सन्स प्रते हिन् पर व्यो पर त्यार क्षा वरे व वार्सन्स विकास न्द्रात्रा केन्द्र ने हेश्र श्रान्यना यर ने निया के विष्य निया ने विष्य वार्येन् प्रते ष्टिर.तर.जी. क्षेत्र.त.रेट. कंष्य.त.त्रेष. त.त्रे.त.त.त. वाड्य. केर. टे पर्ट्र. तंर. यदे व त स्त्रीं म्राया ता त्या न के मा हे द दें। दे त्या है त हैं दें। दे बै नदे न व संग्राय न न व न व विकास न स्वाय स्वय स्वाय स्व कृद्रियेदायर अदारेन्साय स भी हे लेस मुन्त हैं निर्देश सु सेर्पेट दें वें (A) मारेना केन्द्रिमान्य संध्येत्र हो हिल्द्र ह्याँस प्रेट्स स् प्रवद् भादे ल्द्र हों

वर्षे देश दे नहिना भीद सर भी दुरार्टी लेख दे स्मूर दु र्से व सर त्युर र्से। च्योद्याक्ष्यां सहर्षः वर्षः वर्षः वीषः क्षेत्रः हर्षः विषा उत्य तार्याद्वितः वर्षः ख्रीतः विषा उत्य खु'नार्डर्'सदे'रूट:पत्नेष'केर'धेर'यरे' र्युर हे रूट'केर हें नहां सदे रूट पत्नेष'धेर वरे क्षेर्र्स लेस व नरे र्रे र्ना कुरे रे सेर नर्नर में है। मर्दे देश पर्दे देश यर मेलिया या प्रेय दी। लेश न पर मिर दश द्यार ही। क्स म अर्था के रूप रेवा मान्यका तुर मुरामारे किया पर अहिंवा मर केरा माने ्रहेंतु यदे दमायाध्येव वें लेखा मुन्य हैं हेंतु हों। हे हैं है है के स**स्या** सु सिंहा यदे पन्ना हिन दे नास भावर प्येद दे लेश नु प भारत संग्रास प्रसाद हु पर ने ने दे । देने चनमा खु य उन द्वाना याका लेखा च चार हो । साम प्रतिस पहुस पर्य देन वेश विश्व विश्व कर के हो हो है स्पर्व सुनिका त्या विषय विश्व विश्व स्थित स्थे ब्रिनाशाः नाल्यानु तह्यानु द्वारा नात्रमा पाले मान्य पाला मान्य पा . ब्रि. र्ज्य म्री. र्व. र्जे. य. कालार पर्टर. क्योकाला स्कृता स्ट र्चा तर्रा कर्षे श्रेक. ्षराम्प्रीपाय स्थितायराचे है। स्टार्म्स्यायदेशस्त्राक्षस्याया प्रेशाचा वरा मी भेर पर ह्याचा मालभ छ दः तहमा हेद दः तह्य छ प्रविना पास हिस्स खःर्पेदः विश्व 3 न पर पर भेदः विशेष हो। हे हेर वे दे स्था पर देन दश्य पर देना या द्भःग्रीमः ब्रेशः नः त तः स्नाम मधः पक्ष पर ने दे दे । वत्र विना यनायः े**ले** जे के दिनाय न भे के हैं क्षम नु सेमस यदे लेश वु न के र्सिन र दें हुन स है ... ब्रिट में र पर्दे र कग्रा थ स्वेन र पर र र में पर प्रेर हें लेख मुख्य सारा मु पदे

र्ने भे विशे देहें देहें प्रवेद्ध प्रावेश मालेश मु पाउर पाने दे साने र प्रावेद याने खर विनाया पार्य व क्रिय द सेम माने व देवाया है व के विना दे हैं व देन रदारीना वालिशायन्तरावानाता धनावारी भारति से विकास নত্ব স্ত্রী হ श्चिम् न्यं के मीक तर्दे दे किया के त्या के प्रायति निर्मा के ति विकास सि प्रायति के लिक वस्र नामार प्रेक्ष वर्ता। हेन्य मेहिन वर्ष हुस क्षालेश नुप्त के वर्षे प्रे इस यदे सक् के के ते के दिन के देन के दे के देन के द शुक्र मने रहारेन मालेक महे हुँर प्रेक ही। श्रुट चर्य से रेट्र र ज्येत. धासामिक की अम्म द्वा खें के हैं दे दे दे हैं है कि मुन के मालक द्वा में त्यः र्स्वन्यः वः इसः वरः विश्वः वदे कुः १९ द्रान् अर्द्धार्यः वः प्यारः ह्यू १ वर्षः स्वान्यः धः । स्रिया केर स्त्र पर तर्र र की रवट राज्य राज्य मारा ह स राज र ते लेख निय निय र दे र्हों (यद्श्रामाधना पर्या द्रमायश हो द्रुया महिला हिन्दु मुनाया भेदादे विशा वि.च.बू.लेज.रेब.लेज.३२.टे.क्स तर.च्लेब.तस.स्र्री इस्यर सेर्प द्वर मी. इस. तर प्रेम. त. प्र. त्रिया स्र स्रूर हिस. प्रते दस्य पर प्रविमा पा है दे से रे.चम.व.लील.ची.क्स.च.क्य.चुस.च.रट.ट्र.लस.वेमस.स.झूट. यते क्या य भेर या दे ख्रें क्रिक्स महिसाय हेन मुक्त य भेर हैं। देने ख्रें या दु ब्रूट नदे लेख न न न से न्या राम देने हें लेख न न न ने ही रेख मी स्था यायदी भी ने संग्वी ने संग्वी के साथ के हों के साम प्रवास के किया में कि से सिंह में कि से में कि से में में के हते.के खुतारमान्य या हेन में हिर री नाय हे इस धर हेन सर्वे इस धर विशायान्द्रानुसाम्बद्धद्रसायद्रायद्रायद्रियद्वयं द्वत् च्वत् क्षाया वे वन्सायदे लिया मी लाइ सर विचार र दे दे न हे होर लिया मी इस वर ईट वर हे देश

ସି.ପ.जास्याश च.श्रेस.ह। ंत्रेस त.रट.रेंश.भश्चेंटश टा.केंट.ग्रेंश.ट.डेंट. क्रेन्न् क्रूट न वेद्रों र्द्र स्व य वे प्येव विद वेश य ता प्य प्र हेव ही क्र य परे र्मिश्रायान्द्राञ्चयामाकृदासाध्येदार्वे हेशानुगमाके हे सूरासेनायास्निशास्ते प्रेसा मार्द्र-दि स्रि । मार्थार्श्वर मार्थाया सम्माराय ते समायर प्रे हे हे में मार्थी हे र ला ही र दे र ले का मु द्रमायर विषायर मा भेवावा हिस् दे सुर देवायाय दे नहिन द्रा प्रदर्श च.ज.रेश्वेबेश.तपु.रंश.तर.रेरे.तरं.तुंश.च.परु.ज.ला.लट.ट्रेंश.ची.र्थं भारतु.ट्रेंय. यान्द्राच १ व माध्ये हो। कुर्रिय व व्यन्ति देव देव देव व व्यन्ति व ने स्वरमेन लेश पुरव के र्स्ट्र में दे क्याय ना स्वर पाम प्येन हीं। व्याय पर्वाया लेखानु वा वे इस पर हिंगा धरी इस यर के साथर मे साथरी वा पायर्गा हिंदा - म्री.वेंबात.बुबाची.च ्राक्नी. रूजामी.लीजामी.वेंबातप्रा। वर्थाता जार्यभूमाथातप्र. નુંશ વર્ષે છું માનુ લેશના વાયા સંત્રાં વાય કે નાલક છે. જાય કે! ેનું સાયા સાયા 'ગું' ક્રમાયા **હવે. જે** તા તાહે માતા જોવા તા કે ક્રા કે હે સા ગુ વધે દેવ કે મા अभवाशि म् : प है. मूचा ने इस तर प्रेश ताला मूं र ताली जा की देश ता कर तार । ्रवे. खेंबाची यह बहारका रूषी हा क्षेत्र संभावा भूरे तर प्रचीर चाला ने किरावे ा लाट लिया २३ मी प्रेशान समहा उट दिया माहेशायर मामूनाय प्रेश हें हास है। ... ्रश्रम् स्था तर् देन हेस विदायामार्थे वारायमायम परिवयायर वेर दे। देन मु:इस व'न्यादायस'सेद लेस'नु'व दे'द्र्रायानद'येद्र'व'वददेवे'ख्यासे'न्याय '" न्दे दुमाया हे नारा यहा प्रदेश हे त्या प्रदानी हु वे रेमाया नाव दे हु हुर ना प्रदेश

देवा वर मुर्ते। देश क प्रमामी देव के माध्या यह क्रायस द्वेव यह क्षेर प्राप्त स्वाप्त क्षेर प्राप्त क्षेर प्राप्त र्देशमेर्नियते कुरालदा लेश निया पर होता है र मि देश या लेरा या कर हैं लेश.चे.च.वु.इं.चु.केश.तत्। पट्ट.चर्डिश.तपु.इं.वु.हु.डे.हु.स्.श्रेच.त. श्रवाश पदे खुवा मु देव मु देव मु दे व नीहे ना नीश हें नाश पदे दूश व नावर मुक्षामुद्दार्द्देषु यादे चल्काद्वार्थित मुन्देश यह से सम्बद्धार्थित स्वार्थित से सम्बद्धार्थित स्वार्थित से स र्या मु दें वें प्रेक्ष प देवें कें। हुं श्रामु मिहन मिह देंन साम है ने साम है ने ଞ୍ଜିଷ:ସି.ଲି**ଜା.ଅ^{ଫ୍}ଟେମ.ସ.୪.ଘଟମ.ମ.**ଧାରହ ସ୍ଥିମ.ସି୯.ଧାରହ.ଜ**ମ**.ଅୁଣ.ମ.ଅ୯.ମ.ମ. लिहामहिदायर त्युर व पहारा प्राप्त के दिन्हा या सेर् यदे सुर हैं। दे द्रर द दे दे है है रिया मु केद प्रदेश महार देवारा यर हिने विरास मार है। दे⁻१९८-४-८ . ज. हूर्न. त. छुर. त. त. ह्यू. श्रेन ग्रेट.ष्ट्रंत.त्रुव.तपु. ख्रेट.ह्. खेश.चे.च.वु.चंबर.ची.जेश.मी.वट.व.चवर्थ... ี่ นลิ รุ๊ะัฆ ซั เล่ะัง นาณ ผู้ๆ ๆ พารุจะ ซั ณาฐมานา ซึ่ง นาณิ ซึ่ง รั [] यन्न'न्द'त्रेय'यदे'सुर'द्दिन'य'स'भेद'र्द 'लेस'नु'म'दे'पद'हेद'स'भेद'र्द्द'लेस' मुन के नहिं गुर के नमर से द्युर रे लेश मुन नमें मानुर मीश वह के र स के र नर वहेर तर हैर र्। भैंश व वस्तर हर हुल व व व स्रूर पर माल्य ही. वसं वदे दे तत्रसं व ले र स् । वसं व ले र सं र द मी स ले स न व दे र सं र द मी स ୕ଵୖୡୖଽ୕୶ଽୗ୕୲୕ୖଽୡୖୠଽ୕ଵୣଵ୲ଽ୕ଌ୕ଵୖୢଈ୳ଵୡୖୄଽ୕୶ୢୖଈୡ୲ଵୣୡ୶୰ଽୄୠ୕ୠୄୖଈୡ୲ୠୡୄ रेमा पाये के प दिश मुन के मार में के थिक मुन था में दें प्रकर पाये का मार्ट का य

<u> सर:585,4श.साल१:त कुना नेशाई शरूर होता संदेश के तकता सार्यश्रहीत.....</u> मद्रे:र्ब ११ व संस्था ह्वारा पर प्रश्न स्थ्रे ग्री विक मुन प्रति । मति देव है माना भव के लेखा छा मते हैं रहें। हे निमान महिर ग्राह है मान यर के विवीर हैं खेश ने न ज स्वीय न न पर न न न जिंदा न न न न न न तकर् याचिंशार्युर्यते र्वे ता १३ या विकादि वा से रामि ब्रेर.र्ट. बुंब.च.चर.चश्चन तर् ना या है। है। प्रे क्या बेहा छ। वा है। नाय ने प्येत की इस बर केस बरे खुल ईंद खर्द य हैंड दु वकत य बें दूर हुन य:चूर्र हुँग्रस:स:स्रोत:सर्गा वर्मा:हुद:हु:सुर त्रचेस:व:खेराच:बुराच:बुराचर्मा वित्र की की व इदाया **लेखा छान**के देवा हो। म्परायान्देर रदा ब्रेल्य स्ट्रिंग सामा स्रवास विश्व न न वे विश्व स्ट स्राप्ते व पाया विश्व स्ट प्रवेव स्ट प्रकार्य व मार्भिक सार् है। इस सामा हैना साहक लेखा है नहें सहिमार्गा ૡઌ૽૽ૺૺ૾૱ૣ૱ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢઌૢ૽ૢૢૢૢૢૢઌૢ૽ઌ૽૽ૢ૽ઌ૽ૢ૾૱ઌ૱ૢ૱ઌ૽૽ૢ૽૱ૢઌ૽૽૽ૢ૽૱ खेब न हुते और जेश वहां देश मारीय शेर शाओब अंहेर फेब वहां हैंग है अर वै.चचर.चनु.चकर्यास्.रट.वेय.स.स्र्यास्यास्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य म. तेर ब्रु. खे.चे. टे.ज. तुमा नर्छ. द. तर श्री. च.रच. ज. वे. खेम.चे.च. ज. श्रूर. च श्रिस. भी भिक्षर पर्द वेश वर्द के स्थापक्षर पारक मी प्येश पार्वेश प्राच के के राह्य गुड़ेश्चान लेक व लेक छ प्रते दें हो। यह में ब्रुक्ष के हें दें या में हें दें या बहुर्यः वर विवासायानाया है। त्रीहाणी क्यापरा नेशायका महाराज्य है। यह वर्षिका

न्न्यर मुर्या नेति के है कर के अपने त्वार लेगा मे द्वार करेते क्या वर हैंगा धर विश्वर रे । देते इस धर देंना धर वश्वर वरे हरा वर् रापते इस य दे नाल्य में भ ग्रोट देने सामर तमुर रे लेस हर नत्तर य दे प्याद के सामर क्षि पर क्षेत्र प्राप्त क्षित्र प्राप्त पर कार्य के दि क्षेत्र प्रमुद्ध पर पुरवदे खेर पर वा के दि है दे न बु र बु दे में देश मर वेस पायस व दर्ग म से दायर देश मु पाय सेवाय । त्रश्चित्रं श्री दे लहा अभया शु श्चिद् लेश ने न त स्वाम न स हिन स सु वं हर् य के पर कार्रिका के मार्क के प्रकर संविद्य हैन प्रकर पर मा रे विमा खुमा नेस देव भेग यह। वि विमा गर्म के द्वारा महिमा हैन **उस** मु न ता स्प्रीय या स्प्राम मु र वस वनुस पदि निवुद्य ने ने स्पर्य स ୬ଟ-ୠ୷ୖ୳୶**୷**ୢଌ୷ଵୣ୷୶୷ୖ୶ୣୣ୕୶୷୷୷ୡୄ୕ୣଽ୷ୣଌୗ भूमे.ज.श्रूचेश.तप्र. इमः धरः सेश चर्गा बेस.व.च.च.स्वाश.तस.तस्तर.तर.वेर हा। છુત્ય વૈશ્વાન ૧૯૧૬ વેશ વાદના ગેલું સુના હેશ વર્તોલાવ લેક લામ હેના નો ક્રિકા **५**ने निर्मे के में देश की देश की देश निर्मा न की सम देश की देनारायात्रायोद्देते। नारामी क्षेत्र द्रमाया मेदाया क्षेत्र द प्याद द्रमा वा र्ट हैंने य भेर य रहे ने मळ हिंदे प्रति पर हैं देश खु य वेश य रहे दे वेश ह याद्र गानी के ज्ञान नाल र मी अदिने के नहिंद पर कुषाचा दिने खुर पहुंच नाल क पद्मायम क्षेत्र खुक्प मेर्स माल देवे मेर्ब या है खुक्प मेरा मेर्द्र मेर्ब का है लिक संभाव का रेट्र केंबाव देश ये कर में हैं र पट में ये ने ये जा कर पट दे के दिस में पदेश्वर् माने पर बहुत हैं। लुक् मी के पादर रिंग पर मुर पदे हैं। परिका ल्युम में ब्रु. मर प्रमें स प केंचल शि ब्रूट पड़े . प्रेशायां पर्टी क्षेत्र के लिया में चर्डे . के

विते महत् केन के भार इनाय के या र वुदा व हैंना या दार वर्षा वर्षा के सामाने गा स्रीया केंग्राचारे दे केंग्राचा लेशा नहें दे देशा निया केंग्राचा केंग्राच केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा केंग्राचा के स्रै.श्रूभ.त.पर्यथ.ये.८८ कंश.तर.पचीर.तथ। तीज.मी.पुंश.त.खे.भ.पचीट. चयु. पुंत्रानमा चिह्नाचा वा तीया की क्षाना नह हंश शि. पंत्राचा तीय की खेंगाना दर्भने वें लेश 3 प्रते क्षा पादरेश प्रहेष पर केर दे लेश दें के पे प्रते परे रे हिर बर्द्य हिंब व नेब सर्ट केर हा नेब स न निहान के बहु बुंश श्रेथ में । देश या देशहेश श्रे र वेश वर्ष खारा मीं । येश या मीट अदार देशहें तर.चेर.नद्र.जेश.तश.चिट. वर.वचीर.र्रा डे.केर.चशज.वर.चे.चेर्.केर. लिक. के. क्ष तर . जुंश त रूची त जुंश ने व श्रुंश हो लीक के. क्षेत्र के श्रुंश शु र्सिन्दे नेस प्रके नदे पी र दे लिस मुनदे दमा पादिस है माय लिस मुनदे द्र हीं रिकेर में जिला के हे लेश में माने खान में जेश माने के में के में में माने हैं में माने हैं भेर हैं लेस ह नस है अस प्रहेर पार्च हे रहें । कि अप हो मेस पासीय हो क्याय दर हे भा शिक्षेत्र व केर प्रस्त वहेंद्र स्टानेद्र सद विषाध्य सहित न्द्रम् भ्रेक्ष्य में के द्वाने भ्रेक्ष्य के विकास में के स्वर्ध में का माना निवास में के स्वर्ध में का माना में कि स्वर्ध में का माना में कि स्वर्ध में के स्वर्ध में इसारा हेर रे लिस में में स्वाप में है स्वाप है हैर पर है हैर रे । अम्म अर्खें निर्देश नि मि दम य अस्य शु सिंद यदे भे साय प्रोक्त हैं लेखा न पदी देश या पदी सामे सायदे चेंबायावहणायाध्यमानेवा यदे असमाधार्येदानदे द्वाय दहिन यर छेदाया लेखा उत्तर्भात्र विरायर रे जुर या भेषा है। ह्रिं ये या सम्माय देश माया महरा કુ<mark>ર છે.શૂ</mark>ર્યાત્રિક કુય. નું સત્તાર ક્વાતર પ્રદૂધ તરું કુર સ્થા કું પ્રથાય કું.

श्चेर रु खुवा के इस या १९ र रु खुवा के सेश या रहा रहेंद्र यर केराया है। खुवा મું **ક્યા**વાક્યામું લેયા ને **યા**વાખેયાવાનું કેટ ક્યા ના કેથાવા ખેરા લું ક્યા નન્ त दे. होर. दे। सिना पुरा दे भारत हो साम हो स्वा का है। होना का यर वेद.तर प्रचीर हूं। इर्ड क्षेर लेज के ह्य मुंच प्राप्त प्राप्त है क्ष माने संक्षित्र निर्मे वर ये प्रायाला माने संक्षित्र प्रायाला में प्रायाला माने संक्षित्र प्रायाला माने संक्षित्र में देते हैं रहा मा वर्दे हों हैं है लेंग हा नाम स्वार मा हैंस है। प्राप्त हैं ना हैं के अस्य शु हिंद नदे देश म से वर्दे देश हैं। हें नुष मदे दें के दे हैं พูง ผมาวรุง นามส่รายาฐัง นา อิราร์แ รัง อิราฮิงาระ ৡ৾ঀ৾*ড়*৾ঀয় য়য়৾ঢ়৾৾৾ড়৾ড়৾ঀয়৻য়ৼ ঀয়ৣৼ৾৽ঽৼ য়ৄঢ়৾য়ৼ৾ঀড়ৼ৽য়ৼ৾ঀৼৢৼঢ়ড়ঢ়৾য় ष्पेदःवें ॥ दे 'स्ट्र-'द'र्देव'में 'द्रम्य'य'केद'में 'च 'दे 'दे 'द्रम्य'य' प्रस्तु 'द्रम्य'य' प्रस्तु 'द य य व द पर प्रत्युर र्ह्या व द्व पु खूट य द्व र र र र कूट य वे स मु स के प्रसुका मदी देव के व व । देव दे रूट ह्या न लेक न न के दूरा न कर मामा श्री देश मा भेद वे 'लेस.व.च.पर, दर खुर विकास के खुर पर वेद खेर प्रवास व खेर पर । नेद हेस न पर देन हो। क्विं पर देश देश वर्ष पर विकास क्विं पर विकास कि क्र यस पर्त पर्त मानुदा रे दे । विदेश पर्य दे प्राय के खुर मी देश पर्दे । तत् रद्दः द्वा क्व मी रहेनाश पह दिश में न क्षेत्र है। स्वा मी में मार . -अभश्राश्चार्यात्रे . पुत्रायालेश.ये.यपू . स्थायायहरू अपद्रायदे प्रत्यादा स्थापा

र्भन्य ने भन्ने सन्देशन्तरी दे.वे.लेक.रेटः हु**स.शे.**घरीय.तपुरीय.व. बैदान दश्वेश में के अप दे हिंग शिमधेश व है। तिम में देश पर है। वरावश्चिराक्षभ्रम्थाश्चिर्यावस्त्रेभावाश्चिषायाः विषायाः वाद्यात्रः वाद्यात्रः वाद्यात्रः वत्रक्षाक्राक्र्यं वादे कादेश्वद हैं श्रावस्त हैं। देन वादा वादा खाया है इस्य उक्ष में इस्य य दे वे स्टाय दिसेन प्राय के ए हैं दे हैं र दे ले स्टाय व में निहरी क्रुवाश मु:र्द्र भेराकु विशान वार्षेशने अपनी इसाम क्रमम सा स्टानि स्थायात्र द्रिन्य यानाव्यार्थेन् याने साने स्निन्छेश प्रति। र्व स्थे द देवे हुँ र दी। निक्किन के देव दूर स हुँ द सर हुँ द सर हुँ द सर न'नात्र केंग्र भो दें ते हैं।। नात्र केंग्र में दें के दें से ये दे दे प्रकार केंग्र तर देनी तर में कि राज्य प्रति के राज्य प्रति के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध क के परावर्ष्णु कार्या विद्यान के र ग्री स्थिर स्थाय में भिकाय नो हार परी देखा वार्षित स्थाप र देहा श्रद्भ लेंग व पर्व गुर मरावनुष धरे बाबुक की र वें। रक्षेर हिंगारा सर्वे : हिं हर ब्रह्म के परे हर र पहले . पर्मी है है है र वे लिए में के पर कर्ति साम स्टूर्म र मुद्देश मु ते य मार्थिय विकास स्टूर्म पर में देश पर्याण्ड विधायदे के मायामान इटायदे इसायश वसुर व हैन यह वर महरू नमून है। दे अभियन नाय दे खुवा नी में दे मि द विशासर प्रमुद् म केंब्रिक् रहानी हिंदि में सामिक्ष मालेश मुन मेरे मुन मेरा महिमालुहा पर्वे के अपनिता प्रभाव विकास कर में प्रमाण के स्वाय के श्चित्र में व प्रवाद होने से के किया में किया है किया है कि कि किया है किय

ं चॅ 'म'र्भेद पदम। असम सु चॅंट पदे हैम 'पु'प'य' सॅंट 'पदे 'सेय'दस 'दर्म' य.लुब.बुं। स्रिल ब्री.ट्. च् चि.ब.चेंब.चंट प्रीट.च.लुब.बी खुब.चेंच.इं ब्रु.क्ब. **୶୬୬.୯୩.ପଞ୍ଜାପ.୧୭.**୪ପ.୧.ଅନ୍ଧ୍ୟପ୍ତ ସ୍ଥିୟ.ଅ.୩.୩୬.ଅ.୯ଏଟ.ଜିଏ.ଲି.୯ ् ख्रेयाची हें विश्व के प्रमाणीय पर पर्दर हो। े ख्रियाची हें वि केर विवय 'बिना'भेद'र्जे। र्हेन परे दें र्वें मुर पायुवा प्रबे र प्रें से में से भेद परे परे परे परे परे परे परे परे परे ्षयायदे खुर स्थि रहानी हैं वें लेख तु व वे वहर पर मिलें चुर य हैं र ग्रीकाने पर प्राप्ति पार्योक हो। दिन्दर के ज़ेकाय क्रम के बेद बार्यक के लेका ह्यून्यायाया स्वाया स्वार्त्ते निकास्य निकास्य देवे हे तेकास्य ने सामा स्वा लिया चेश तर् नेश राजा लिया चेश तर नेश स्टि चेश स्टि चे स्वा से र पर देवीर ... ଷ୍ଟ ଅଟି ସେଦି ସମ୍ବା ୬ ମ ଔବ ଶିଂ ଔ କ ଶିଂ କ୍ଷୟ ସଂହର ବି ଅ ଔବ ବି ' ଜିଷ ପ୍ର ସଂ ମିକ୍ଷ ये वाता हा वर मुर्गा चु ज्ञान के रायर विष्ठ हो वे श मु न वर दे दे प्य वर न.वु.विर.चर.भुर ब.बुझ.चे.च.लुब.बु॥ लीज.चु.पुझ.न.रभुवाश.चर.चीर. त्रस्य पहुर्य तर षर्ट्र तत्र पुरा पदि पुरा पर्या पुरा सुवा मु हुमा पर पर वेस यर क्रूट व द्र है व्या मेद यर व्युक्त रें वेस ह वरे दें हैं। अभका शि. श्रुट् . यद् . देभ च क्ये व्ययत . बुची . लीका . जुका च . लाये . ता. देने . क्रुट्र . यहाँ य यर मेर्ने प्रते भेषाम अपाध्यय मेशाया पर १ १ १ मश शु र प्रते १ देश या उत् अप ୬ୁ. **ଓ୍ୟ**.ସି.**ପ.୯.୧.୧୯.ଅ**.ଞୁ.୧୯.ଞି.ସະ.୯ଘିଂ ଲା ଲିଜ.ଘି.୧୯.ଘ.୬୪୪.ସି. र्बेट वर्षे नेस म भेद दे लेश न नरे दस्य म न देश है म भेद दें लेश न नहें न्यस्यतः द्वं भवे ह्या न्यम् स्थापद्याय सेर् प्रते क्या पार्ट प्रति

यर वेर पार्वाय व सेर वाया वहँवा यर वेर वास भेर हो। रे किर वास्य ব ৽ ব্র'বর শুন্পুর প্রশ্ন শুর্ র্রানের শ্বর বর প্রারণ কর ব্রীর বান জিলা ं के विष्टे देश तर कुंश चंडे, कुंश च विष्ट शास्त्र शास्त्र भारते स्त्र के स्त्र शास्त्र होट विद्र देश तर् तिन दर में श हैं र तर भ्रावचीर है। तिन में पुरा पर है र जर भ्रा ंवनुरार्के वेशनु वर्ष कर्ना ने अयानी वेशन के देवे खुय भेव हैं। हे यस क लेख मुन्न व स्वारास्य प्रमेश या मेन प्रमा हैन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा मेन प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रम में प्रमा में प्रमा में प्रमा में प्रम लैंग.वी. तुमन्तम चुम.च.ली.ज.३मम.मी.श्रूट.चट, देभ.चर. चम्रीर चर.वी.कम लेक्स प्रत्य लेक् हु सः बद् की खुय की तेस म दे अद खुय की इस व दह मुस न हेर खेर व लिया हुव सं ता स्राया हमसा हा हिराम हेर त मुदासक की बशुक है देव दर २५ व भेर सर स्थाप असल हा हिंद पर से प्रश्न हो। वर हिंद ख्यानेशन् वे बेशन व यार्शन्य प्राचे केन वश्या वरा नेतृत्व कार्या . बुंश २ न हे . लेंस . बुं**श** न र हुई . तर . नुदः तपु . जुंश नहीं । विकास के कि असे हु देश. ता.चुर्ने.न.४डूरे. रेट्रे.टर देल.क्षेरे वुका द्यांच क्रांक क्रीका ता अथवा शास्त्र मते मेश म लेश च त नहें पते हर दुवाना त संद मारे मारे भर देश नुत् ट्रे.कर.य.र मुन्नम् नाइट हेश श्रामध्यात्ते, जेश महाजेश साम्रीतर तिस् ही। ने अस्तर भेर के लेखान पर है अस मी नेषान छात्र मी इस यह मान हैन लिक <u> पर पर्ट्र व के स पर्ट के स पट्ट खे स पट्टर खे स म उत्र के ते के स म उत्र के स</u> ध्यम में निम य पहें पर में प्रमुक्त है। अहा में तिम के देव द मारव है क्षर तपु होर हा। लीय में देश राज्य लेव पर मिन्दाय ला लेवा में देश

य हेर्ने अहा क्षित्रां कार्या क्षेत्र विश्वा विश्व विश् गुरास्थाय में देश य ने स्वाप्त में है। 💎 नहार वह स्थाय वस ब.रेर.चयु.चिक्ट.चयु.र्थम.सब.लीज.ची.र्जमान.विर.तर वीर.च.रे.भ.र्यूथ.र्थ. लेस-च-न्द्रे-इन् ना हिन-च लास्मिस-च-११मस-स सिट-चदे-हें ने १९-दे-हे.सिक.मी.चेश.तर.श.पर्केर.हे। ह्ये.देर ४२.व.श्रेर.वर्डिस.सी देश हैं हर प्रत्र पर दे दें हैं शर्य प्रत्य हैं । ষদ্যন মুন্ত্রীনান. रद्भविष् ७३. रुष्ट्र च. बुक्ष चि.च. बु . राया च च च्ची च. र्युक् के ।। इस य वेस य हैर र वेस वदा वेस के दहें र स्ट्रेडिर य रटा। श्रूर् निर्म निर्म त्रम् त्रमुर नारे के है क्षेत्र नु नक्षेत्र सदे रात्र रात्र विकायार क्षेत्र वारे क्र. व. लिया मी. पेश. त. दे. व. क्रिक्ट्य मा. स्त्र चे व. वे प्रश्न शे. श्रूट. यह र ट. पर्वे व. 5.นีขึ้น.รู้ || र्यु.सुर.रु.ज.लट.हु.३मश.श ब्रुट्.यप्.पृश्न.न ज.लेज. મું ક્રમાના ખુટ્ટાના ભુયા હું !! ક્રાના ક્રેશન જ્ઞાના કરા મું છું **શાના ના** છે. તે શ तर्र विश्व च.ली त्राम्नी रेश तथ चर्लीर ,च.वेशशासी श्रुट्ट च.पर क्रुये हुं . खेश प्र थे . त.बे.ली.ज.मी.पुश.वर् बांबेट.चप्र.क.बेट.उह्बे.वर्.क्ष.ज.वंश्वेषाव.लाःभी..... दह्र यह का प्रता हिना था है साथि हुई। वह है है है दार्य दे ना हुस य द्रमायान्त्रेना महानिरासर छवा लेखानु सानि सानि स्वार् धेरवे॥ सप्, भक्ष. केट. की. चश्चिम. त. त्रुव. ब्रु. । अध्यशः श्च. श्चेर. चप्, व्यथः त. चाहचा. जवा. **चिर.तर.** टे.चीर.त.बु.लील.ची.श्रेश.च.लुब.डे.खुश.चे.च.बु.इ.खुबा.लीख.चुंश.नपुं.

म्बर् प्रते मुहर् प्रते क्ष्म स्वरं स्वरं स्वरं क्षेत्र हो स्वरं प्रते स्वरं स्वरं प्रते स्वरं स्वरं



क्र्यास्मायनोषानी त्रेत्रेषाच्या प्रमायास्यात्राच्या

૬ે વ્યાવક્રેર <u>'</u>કૃત**સ' સું** સુંદ ' વર્ષ ' બે**સ**' ધ' કૈ ' કે ' વર ' સર્જે ક' વા **હં** સ' પ્યેક ' કે | लेख पु न के केंन्य शु यकर पते असस शु र्ह्हेट नदे के स पामट पेक प क्रिस सी र्स्युर्न्यते वेश्व य भट लेश नु न हे दुर्म पर ह्र्म पत्रे वेश पा भट हें भी हेते. लेखानक लेखान न के नर्जे नर्जे नियते लेखा न वहिक पर नेत परे लेखानका स्था <u>ଛି ୱ୍ଟ 'ବଷ୍ୟ'ସଦ୍ଧି 'ବ୍ର୍ୟୁ 'ବ୍ୟ'ସ '୨ଷଷ' ଷ୍ଟ୍ରାଫ୍ରି 'ସ'ବ୍ୟସ'ବ୍ରଷ'ସ୍ତ'ସ'ର୍ବିଛି '''''</u> इन्द्राच्यास्य पादे द्रापी द्रमाय क्रमसा हा हिंदाच द्रित्य पे साय के दिन्ता सा ସରି ୮୯ - ବିକ୍ ଔବ ପରି ଅଞ୍ଚିକ ବୃହଣ ଶ୍ର ଅଟି । व । व । व । व । ୢୖଽ_ୖୡଽॱପଈ୶ଈଂଧରିଂ୍ଦ୍ର ଶ୍ରିଂଶ୍ୟଂଧଂ୬୍ୟଶଂଶ୍ରଂହିଁ**ଽଂ**ପ ଜିଷଂସ୍ତ**ଂପରିଂ**ଶର୍ଜ୍ୟ^୬୨<u>୮</u>ୢଟः… ब्रूट च लेश नु च में र्द्द हैं। दे सूर द दुर्द पदे पेश प द हैं र पदे पेश ਜ਼੶ਖ਼ਜ਼ੵੑਖ਼ੑਜ਼ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੵਖ਼੶ਜ਼੶ਲ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼ੑੑਜ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਜ਼ਲ਼ਜ਼ਸ਼੶ਫ਼ਜ਼ੵੑਸ਼੶੶ ¡मालक'र्माके'रद'मी'द्वॅ 'लेख'दर्क'यर'मे<u>र</u>'रे। พะ नश्यापते द्वामी द्याप क्षया शु हार नते रहा मी हैं न्यूर ही या दे कि रा त्य दे रे 'रद: में 'दें 'फे**र** पर प्रमु पर 'तु दें । रद: में 'खु वा रह में हे स नु'न'बै'न्द्रॅन'पदे'केस'पदे'खुवा'ठक'मुैद्रे। दे'वस'क्'न्ट्रॅन'पदे'केस'या aहर्नचेत्र वेश व अट न्युन्ये वेश वान्ति श्रादेश श्रादेश वान्त्रेन के स्वान्त नुरायादे स्वराव दुर्जि सदी भेषाया अदा खुवानी देश या उदा खेदा वे ॥ मान्द्रीत्र न्यते देव दरास्य सर द्यार दे विशानु न साह्य दरास्य पालेशानु व'दर्भ'म् ब्राप्त क्रिंग्य प्रमान क्रिंग्य प्रमान क्रिंग्य व व दर्भ

के पहें के त्राच हो के त्राच हो के त्राच के त्र नर मुर हें 'बेशमु'न'वे हें अंगु इस मार्ट प्राच हे। देश वे नहान दे क्स या महिन्द्री यसमाया लेखानु चार्ते तहे व मते क्साया महिन्द्री मी.ब्रेंस्पर्.केंस्त्रिका.मी.क्षात.वय.को.पोश.पोश.पार.ट्र.पोश.पश.रश्चाशायर. रिश्चाका स्पृष्ट प्रहर्षे सर प्रश्चीर हूं। स्पृष्ट खेरा से क्षा से क्षेत्र से हु में बार तर तर्र तर्रा इ.स.वर मीर त. बुचा इ.व। तिषा मी क्या त व्या है। र्ह्न स्प्त र्म्य सप् क्ष्म प्रमाने पर ने प्रमाने पर निष्टे हैं र प्राप्त में क्षाया द्वराणेदार्व . खुंबा चे. या दे लीजा ची. जेबा तार्ता। टेट्रा क्षाया द्वराण टेश्रेचीका य लेखानु या त्या स्वाहार व्यवस्त स्वाह स्व द्धर-द-देवे दश्याय उदाया-दिश्वायायवे द्धेर-वेश-वा-त-दे-देनात्व क्रेनाया की ।।।। र्देशम्बर्भा र्वे देशम्बर्धायः उर्देशम्बर्धायः विष्यः वुः वर्देशस्य प्रत्विषाः मातरे के दमका शु नुरामार्क देव देव क्षा माउक नी नु सक्क छेर छक प्येक है। इॅंब्र'ल'ऑर्'पते'**इस'पस'**रे'इस'पर'पल्ना'ध'हेर'फेब्र'सदे'सुँर'र्दे॥ दे'हे**र**' वैर्देशरेते क्र या उव मी मु केर प्येर पते मिर से के अंका है। र्देश में क्र त.मैंर.मैंर.प.चर्मैव.तर वे.व.इ.ज.ह.भेट.टे.चलट तप ह्येंचश मी कुश.वट्ट.डे.. दस्र चर्ते नार्य केन्य स्य दस्र दस्र । नाल्य से के के के कि मार्य क्रेन् भः र्श्वः लेश्च-वुःव-वे नाय-दे है म्नू- दुःव-वदः धवे कुः दः वश्वराव कुर्- दुः है । । पर्देर परिवे के रूप वले व मी नाइव के नाय है द में व है। नेते द्वाया उद मिन्द्रकेष्म् अद्भावा मिन्द्रकेष्म् अद्भावा मिन्द्रकेष्ट्

मु.मै.व्य.भूर.लुर.तप्र.बुर.स्। कुर.कुर.र्.केर.लट.वर्मेर ताल्येय. य. ७ अ. मे. य. ज. स्वास. तस. पर्टे. य. पर्योर. तस. पर्ट्ये, ये. यो रूरे. म. १४ वि. १४ व वस्र वस्य मात्र कें जे स्वाप्त कें प्रस्ता वस्य कें प्रस्ता विकास कें प्रस्ता वस्य कें प्रस्ता के प्रस्ता कें प्रस्ता के प्रस्त के प्रस्त के प्रस्ता के प्रस्ता के प्रस्ता के प्रस्ता के प्रस्ता वर्द्रायर वर्षुरार्द्र लेख प्रमुद्दायदे सुर। वेषायदे सु सासी सामि ये न जा श्रुचीका न है। क्रें मा गी में जाका न ने का न सहंदे , नका न के बे ता जा है। जे का मु, ध्यात, रेट येज, च, पर्, सिज मी, प्राय, लाग, तर, प्रमीर, च, पर्, प्राय, प्राय, न्ये. प्रायाख्याक्षेत्राच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षाक्षाच्याक्षा दनदःलेना नुःदनुष्टः मरः सः वर् ग्री दर्गग्रदः हुई। नाल्य दर्भाषदः सः स्पेदः ટ્રે! વુલાવાસું.સાસું.સાસુંશ વરાનુરાયા છુવા હૃાસાવ**લવાવરાસ્ટ્રા**વા હવા તું... भु,रचीर खूर ह्य.तर भु,रचीर र खुल वि.यपु,र्य हु। हु,क्रेर बु,क्र खु, भा खु, भ हैं। अध्यासी शुरावपु जेमावाजानेत्राचेसावाजास्वीसावादी साही वराधाः पनुरूर्भ। हे सूर व वेश न या सम्बाध पर नासक पर ने र् य. बु. अस स. श्र. श्रट्ट. ते स. त. ज. दे प्रे. जे स. त. बुस. ये. त. प्र. स्वास त. त्रु र. ख्री। अससासु स्ट्रिं निर्दे निस मात्रा देवे के या लेस नित्र मित्र निस्त मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र नर्ने, च.स.लुब.चतु.क्षेर.ह्या वेश.चतु.चेश.स.क्षे.श.लुब.ख्या शपु.सीप.बुश.चे.च.बु.पुश.च.रट.त् पर्वैट.चपु.सील.ह्यू.त्.प.ह्यूबश.च.यू। . चुंश.त. मुंश.य. पहुँश.यश. पश्चात. पार्ता वि.स. मुंश.य. पहुँब. पर. भु. प्यार

नु पत्रे दें के दें। त्रभ्न या पत्रे खुयाया दे पहें के पर पर्दे पास प्येक हो। दे द्वा बु.ट्.थ.वच.पपु.पुंश.पषु.लेग.३ट.लुब.तर्.कुंट.स् ॥ ट्रंपु.लेब.३ट.स. ୴୶୕ୣଌୠ୕୷ୖଽ୕୕ୢଵ୕୶ୢୠ୕୷ୠ୕୷ୢ୶୷୶୷୷ୢ୕୶୷୷ୣ୵୴ୄୠ୷ୖୣୠ୷୷ୠ୷ୠୖ୷୕ୢ୶ୄଌ୕ मन्ते नेमायासुमासुमादी मते खायामाय्ये स्वर्धि रहें विकानायायी कर्ता। દુ.चश. थ. क्री. ट्र्ज. मी. लेंज. मी. चुंचश. मी. जुंश. चंच. 'जुंश. त. पा. पश्चेता. तंच. तीवा..... इदान संभित्र वे लेश नु नर द्विष्य से ॥ वरे देर लेश नु न ता स्वास प के वलायायार्चितायार्हेष् यराष्ट्रीरायाय्येकार्षे । दे वसायाय्याया क्याया क्याया मि देश या भेर पर परें र पर परें ।। नारात्रानुस्रीनाह्याच्याः हेन तप्र. मेश.त.रेबे.ज.इं.श.वश्चेष गप्र. ती.स.हाट.व.लुबे.ब्रु बुश्व.वे.चर.रेब्र्स.... श्री तिलामी, पुंचारा जमाचैं : यपु : लिलामी : यमाराषु : ह्रेयमा छेट ग्रीया पुंचा ୕ଧ**ୖ୵ୣ୰ଽ୲୕୰୕୰୴୷**୕୳ୡୖୄୢ୵**ୠ୷**ୢ୕ୣ୷ଽ୕ଽଽୖଽ୕୕ୄ୶୷ୖ୴ୢଽୄ୕ୖୠ୕୳ଢ଼ୢଽୢ୕ୢ୵ୡୖ୕୵ୡ୳୴ୡ୷୷୷ र्वे । १इम्मान के के इस्मान लेखानु माने के के मान माने के का माने के के कि माने के के कि माने के कि माने के कि वयाय खूर्या या प्रदेश हैं. जेश वी प के परी के ती के कि की माने पारा पर के था. बस्तमञ्जूना । सुब पालक्री। विभागानेशमा शिक्षा पर पुरा पर प्रेश पर लेख'मु'न के मुक्र' मदे क्रम म'३मब'सु'मुट्ट'मदे 'वेब'म'नाम्'बेर'म'रे'द्रेमम्ब'' , तर प्रेट्रे, तथ बुंश प्र. च ८ प्र. च हुना च् विश्व च १ विश्व स्थापित हुना च चह्र्ये प्रते, प्रेम प्राप्त स्थाप्त स्थापा निष्ठ ना निष्ठ प्राप्त स्थापित स्याप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप स्वांश मानके हुं हु। विभाव पुरस्य मान कर मी जेस मान कर हैं विशाह विभाव

ब्रिट:ब्रेश:य:प्येद:वॅ: बेश:हॅन्श:यर:प्युर:र्मा दे:यश:द:वेश:य:दट:यॅ दे: म्बिट्-व:देट्-वहर्षे,त्वः,क्षायःबट्-क्षेत्रःयःदे-देवाःवेशःयःबक्नेशःवदेःवदेः **इस.**त.लुब.तर.पर्ट्र.त.र.ट्र.च.च.देर.त.त.पु.चेस.त.लस.चेस.त.च.चेस.त.दस्य. त.चेश्ची.चोश.क्रेचे.च.लार थ्रा टे.चेश.तप्र.चेश.चश.वेश.च.भ्रमश.श्रीश्रूर. य.रे.पू. पु.स.त.चाट.लूब.य.रे.पू. पु.स.य.क्रे.चीश्विस.तस.स्। विस.यपू. पुंस. चदैःवेसः यःभेरार्दे नुः च कै नुसः यदैः वेसः यः नादः धेरः यदे दे वेसः यरः नुरः वः ने प्रशान के प्रमान के प्रमान के सम्बद्ध के साथ के सम्बद्ध की साथ के सम्बद्ध की साथ के सम्बद्ध की साथ के सम्बद्ध की साथ की सम्बद्ध की साथ की सम्बद्ध की साथ लेब वा विभायते. वेशाया वेशायते दशाया है। महाशाया दे देवा दे वेशा च महिला सदे महिट पर दिल्ला रेर्गि रेने है है है से सदे किया सदे है से सह प्रकार यर विश्वः सप्ते : वेश्वः सप्ते : वेश्वः सः द्वांशः स्त्याः स्त्याः स्त्रः वेश्वः नः स्त्रः स्त्राः हे : नविष: र् नाविष:र्ना त्यः स्ट विश्वः र ने विश्वः यः नविः तः यः श्रम् श्वः यः स्ट विश्वः स्ट विश्वः यः यारे रेस ह्रवाय केर त्येश यर रेवा यर मुर्दे । वेस मु पदे प्र केंबा माँ रे ପଶ୍ୟ 'ଝ୍**ଞ୍ୟ'**ପ' ଆଟ. ପ୍ରାଟ. ପ୍ରାଷ୍ଟ ପ୍ରାଷ୍ଟ୍ର ' ପ୍ରାଷ' ପାଞ୍ଜ' ଅଟି ' ଅଟି ' ପ୍ରାଷ' ଅଟି ' ଅଟ ସଦ୍ଧ ପ୍ରିମ୍ୟ ଦ୍ଧି : इस : ସଂଝ୍ର : ବ୍ୟ : ସଂଧ୍ୟ ହିଂ । ଜିଷ : ପ୍ର : ସଂକ୍ରମ : ଦିଷ : ଧ୍ୟ : ଅଷ୍ଟ : ଜିଷ : ପ୍ର : ସଂକ୍ରମ दे ख़ स प्येद दे चे चु दे दे चे चे प्येद प्येद के स व क्षेत्र प्येद के स्व ପଞ୍ଜିଲା.ଏ.ଲାଡୁଧ୍.ଲ.୧୯.ଲି.୧୯.୯.**୯ ଅନୁ**ଦ.ପଟ୍ଟ ନ୍ଦିନ୍ନ ସିପ.ମ.ଲିସ.ସ.ଜୁଏ.ଖୁ। नेस य नाकृत य दे के खाय नेस य वहें यह के बार वहें 481.23C.C. र्ने मी द्वार व्यापेश विश्व वि ल्र्ने प्रते पहिराम द्राप्त होने प्रते क्षापा माहेश द्रमा गुरा वेश पाय हेन प्रते वेश

यते.चड्डद्राचदे द्रम्म पर वचुर है। दे.ल.हे.द्वा नाह्यदा केंद्र हुं द्वार पदे खेर र्भ भेट. स् रंश. त्राच. एक. च. एक. चे. च. प्रेची स. चर. चीर. त. तीया. प्रेश. तर्र. स्. वसार्वेदसायवे । लिलाने सिटायाने स्टार्स स्वरायवे सक्ता हेन छवाने व हेसा मे य के माह्य न दि प्रायदे क्षा यदे अर्द के दिना माँ स्रायदे के दिना माँ मशिभातकार्स्, ध्रेशाचि पार्या प्रेशानप्रात्त्राचारा तहूर्या प्रप्रात्त्रा क्रा क्री प्रेशाः तपु.पु.। हे क्रि. व. लीजा की. क्ष्म व. वव. की. जे का चर क्रिया व विश्व चा विश्व का व तर लिया पुरा प दहूर पट , टटा क्षेत्र कर मी. पुरा म मिडिट पर , ये . या लाट्रा ही. महर्नितर द्वीर दे। दे वा ध्येय मी इस या उर्म मी भेर यर इंदाय वेस निया वर्षान् वर्षान् वर्षान् द्रमाय द्राहेशासु त्रेया वर्षाहेशास्त्रास्य सु महिंद्राय त्रीयार् खेश.त. बुंश.चे.च.परेश.वु.र ह हैंद च.३८ लुंब ख्रा वाषाडे लिय में क्या नर. क्ष. खुंश. चे. च. ज. सूची थ. तथ चीव रे मी. चश्रभ. च. ट्वीश. च. चश्च. च. ले हे हो। ही स. ୠୖୣଽ୕୶ୖୣଽ୶_୕ୡ୶ୡ୶ୣ୰୵୵ୄଌୣ୶୰୵ୢୠ୕୳୵ୠ୕୵୰ଊ୶ୖ୶୕ଢ଼୕୶ଢ଼୶ୠ୳ୠୖଽ୕୶*᠁* क्र-क्र-पद्रस्य यादेशास्त्रायाद्र स्वायराखे वराष्ट्रीता प्रेता प्रेसा म देश म भेर मा भेर अर अर देश मार्ट स्व मर पहें पर मेर केश मु वर रें हैं। दे हैं दे दे हैं दे हैं । अया था है वर ह्या दे ना से मेर वर हिंस नु न ने खिलाल हैं वर ह्यूर न इस पर जेस पायार में इस पर पर दिन् यारे क्षा रेना या अदायर है। इसाय पहिने यर छेर या से दायर प्रेस यस

लेस.चे.चदे.ब.कूच म् ।टे.केंट.ब.चेंस.च.क्य.च.मुट.च.केंट.लुब.बी **ले**ज. พะ. क्म. म. पहूर्य. मर. में प्रचीर हूं। हे. के. लूब. बे. लट. लीय. रे. ब्रूट'न'ल'र्सिन्स'म'र्मु'र्डेर्'स प्येद'लेस'नु'नर'र्नीटस'र्से ॥ श्रुर्टाचर हेश चत्र देश चर जेशचाया मुंदी हे ह्या माराया लूर् चारे है हे अससा हु ... शुर्यते देश तर जेश तर में हे हिं में र सर लेब मा बब मी पेश मा भा लेश मा न हैं भी इस मा से दा मी स प्रवृद्य वर्षे भी संदर्भ लेक हेट हुँ वर्ष्म् सं मेश्वर्म वामाल सं सं दे सारे सारे सारे ड्रम.चेत्रा । लट.य.र्य.ची.दम.नर.खेय.च प्रवितातश.सर.च.ख्याच. यर क्रुंग, इस यर ख़िर रू ॥ रह रू ३ अस . शु . शु ह . यह . तुंश य है . हेमा त सेन्'न्देंस'भेद'द'लेस'मु'न देप्नाहर न'न्देंद'न'न्ना देस'मु'नदे देंद'ने ॥ म्माने ने अस्य सु सु दि नदे दि न्दे कि न्द्र नदे ने नित्र नदे नित्र नित् नर् । अस्य श्र.श्र. चर्न चर्ना हेर की हू च्या निवन ने निवस पर प्रमीर मही रदः ब्रूटः व केर्नु त्वयुरः र्दे 'बेश्व' च त्वे 'ब' केंब' वॉ ा े प्रे 'ब्रूर' द 'द्रार दें दे त्रे**श.**च.क्स.च.स्र-.च.लेक्.से.चलेक्.से.से.स.ची.लट.लाक्.के.के.से.स.चेश चट्ट.व्हेंवा. <u> ह्या त.भ.का ब. खू. खुश ने सूरश सू ।</u> तीमा देर हुम अधिव . यद् पुषा तप्र. ब्राट.च.भ.लुर ब्र्. बुरा.चे.च.बु.लीय.रेट. हुरा.श्री.भरीय.त.रु.अभस.श्री.श्रूट.चटु.... दर्भ भेसायाता व्यर् पर्दा माहारावान्या प्रहेताया नामा व्यक्षा सादी द्वा के हो त्या नाहार स

यत्र दस्याय केरानु द्वाराय साम्येव वे विष्य नु यत्र प्राक्षेत्र वे विष्य नु यासाल्य बुधानी मार्थ देये देश तर प्रमेलाया है। तिय में देश मार्थ ने में जेस माम ह्याना उद्देश प्राप्त प्रमान विद्याना मामिक हे खेला मुग्न प्रदेशी मी.क्षाताक्ष्य,भ्रमकाशी.मूट्तपष्ट, जैकाता लेका मी. या मेरा मेंटा या नाटा पा रहेते. या दे 'लादे 'श्रेद 'हें रा पुर्वे ।। इ 'त्र पर 'लेश नु 'च हें ब पर दे दे से ते दे से पर 'स सामा सामा म वरे के पहें परि क्या यात्रवत लेगा वहें के या दे के परहें के 55 45 F 11 मते मक्ष के के दार के दार में दार है दार के दार के दें के दार के दें के दार के दें के दार के क्रेन् इट नते दे नहेना य उद क्रेन् फेद मते हिर र लेख न इस र ॥ निकृषाया के देव में क्षा का केर्द्र शासी मिल्ट दे पार्ट स्वर पार के के लिखा मुन्य दे हा स केनामी । । । सार दर्देद मी दस्य धारे दहेद पर देद मी दस्य पर दहिद पर हैं। अभवाशिस्ट्रिं नपूरे तेथा न लव है। हे हेर व पर्यम् कुटास्वाम हे नहिट नते क्रां भेकाने । विशेष हैं देश प्रमानिया हिंदा मार हिंदा पर हिंदा मार हिंदा स्वीत हैं र्रा । मिंगिटामाने प्रिंगिटामाने प्राप्त मिने हिंगा निर्धा । प्राप्त मिने हिंगा निर्धा । यद्र असम् श्र श्रुर यद्र वेशन वेशन दे वेशन ताम विश्व यद्र समान हेर न बैंद.तर.पर्मीर.रू॥ वेश.तेश पर्मैंद.व.१४.मी.पेश.व.स.श्वीश.व. दर है स प्येद हैं विश्व मु न दे नेश पदे नेश म दहेंद मदे रर है य उद नेश य नश्चिम् य प्रति लेश नु नदी महिला मि । रह दह दि दिला न क्व'ने'न्द्र श्वेर'मर'वेद'णेश'लेश'व'न'वे देव मुर मुर पर्दर हैं। ध्राप निर्वेशास्त्री देशस्य लटा लेशाची पार्वे लिया मी देश पार्ट प्रेशायदे देशस्य देना

रेशन्तु प्रदेश द्वेन म् । ह्यूर्यायाया विद्यान्यायायायाया हिना नुहर्मायर द्राम्य सदे सुर लेखा ५ वर्र मान्य क्रेंग्या वर्र के देव है वर्र वर्षे केरामास्वितारार्ट विवायाचार्टामाहेश चाक्षेरायास्वासाचरामाद्वीराचाहे हेरा म्हिः वृद्धनि मुक्षः स्टर्भव स्टर् स्टर् स्टर् न अपट संचित्र हो। विदेश पर्द्रस महर्माकागुम्यत् पुरित्रायान्वरार्वितायान्वर्गायाः । रे[°] बै' 🛭 व यः ५२ क्रि.स.इस.स.र. हेश.य.जेस.**लेश**.ये.य.स्रॅस.स्.।। 至 3. 基 4. क्यं कुर्स . मर्दाता कुर ज़िमान य व क्रिया स्था स्वाधा प्रथा हिंदा पर्दा सा स्वाधा खालेक न वर नर्वाटक स्वा र्स्त्रिकायदे हम यह विसाय निहासित यादेवे ही वाचा ध्रेत यादेवे वन केन्सं ... लूट्स. श्री. श्रीय. त. हो। वस्त व श्रीर त. ज. ये स. च. लूरे. वस्त । वस्त मी स र्वे प्ये द ता ने द व प्ये द र व प्ये द य नेदायते स्वाद्यायश्वर विश्वर विश्य व्यक्तिमाराअम्बर्त्ता भन्ने कु निराष्ट्रा व व्यत्ति । ने सम्भायक दास मुन य लेश न व व मुन्द्र स्मिन व वर न व व व वार मिन के किस अपने अपना वारा की रहें। निया है प्या मिल है पिल है प्या मिल है प्या मिल है प्या मिल है प्या मिल है प् मालेश.व.च.तः स्त्रीम यस.वेष में त्री प्रमायदे में वीस या प्रमाय प्रमाय इस यर विश्व व दश्चेन्य य सेन्यर सर हा नवे स वे न न ह सु मु दे न न नर व्यन्तामाध्ये व मी व्यव गाटामा त्यव द्वाराहा मीर क्षेटा नवी मी ते नवीटा नवी क्षे वास्त्रासार्वत् दरा शु मु द्रमा थर प्रत्न प्राप्त विश्व विश्

य'WE दे मिं ब है दे पूर्य मा भाषी के ब ।। दे है दे हो से पूर्व सम्म हा : मीर क्रिट व प्रवित्र व केर क्षेत्र वहा केर में दे केर क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र हो है दे भार्चे (प्रामु मुर ब्रूट न नर भेद य रे प्रामु भारा है प्रामेद प्रामेद पा है द भेद पत से में में विषा न पत रे दे हों। रे के से म में में में में में में में में में त्य र्श्नेन्याय सुन्तु सुन्ति सुन्त है होत् य ते दे हमायर नत्नाय हे सुन्तर । ে বলু হ'ৰি ব । অ ম'ৰ্ম্বাৰ্হ ছে 'লু হ' শ্বু হ' ব' বলা এ 'ৰ্ৰিম' দ্ৰ' ব' না ম'ৰ্মাৰা ম' ्रह्मॅसरी सार्वेदानु इदान कु सार्थेदालेट ह्या मुराइद नात्र न्या सार्थेद हे दे अद्रायते क्षेत्र हो। ५ दुन्न क्षायते दुस क्षे **ऑ**द्य सामेद्र या लेसानुः ् नः ते देनास सुः मुर प्यते नु माञ्चाद न्यते नुस्य द स्वेस मुः दारा मो ध्येत पर ह्या परे नुः नर इंदि नदे हों रे. न त्येष वा रे. हेर हो नर वर्ग र न रेट महिष्ट स्वार ्राष्ट्री र्रिय मिन्ने व्येर्पय सम्प्रिति । र्रेनिस सी येन परे छैर र्रेनि रेनिर ळें सेर इंदानते क्वें भदार्रेद न माणे करी है के है मान वृद्य निर्देश रहा ्री: इट्रा में सेद्रात अदः द्वार प्रदेश में र क्षार प्रदेश में र देश में र हे नाका में अदेश के हारे मानदेव शास्त्री दे हिन्दे हैं विश्व सान विश्व मान विश्व विश्व नहें विश्व महें विश्व महें विश्व महें विश्व महें नुरा देह द्वार लेश में या असी असी। अस्त्र पा असी सामि चना नुःसूर वर्षे स्त्रां त्य ने संभावन नुः य वुरः है : स्त्रे : ते लेश वुः व य ने सं वे सः वे न ्रेचेत्रचत्रे सर्देव स्थान दर से न्योन संग्वेत प्राप्त स्थान स्था

रमा गुर दर्देश से 'भेद फीन यदे 'क्षेत्र कु दि त्यस सुदे दिस से र दमाय य से द श्रम र नर्यादश रही। है हिर स पूर्व प्रश्न से मी लेश मि न हैं न रहू श मू मे लेशन नाम स्राम्य मान में ना लेशन ना निर्मा में में नर प्रमुर रें लेश सुर रें॥ र्स संरादेश परे हिर लेस व पर है देहें हेस पर्चे पर राजना या देश परे हेस सु नेन्यवे सेन्र्या ने स्र के लेस न या स्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र के मार्थक है। सार्चक नुः ह्वा नुका मुद्दा मुका मार्थक नुका मार्थक है सु वर्त्यात्र न्यात्र वर्षेत्र हो। श्रु. मी में द्वार तर की विश्व पा वर्षेट तर वर्षे ৾ৡৼ৻৸৾৾ঀ৻য়ৣ৾৻ড়৾য়৻ঀৣ৾৻ঀ৻ঀ৾৻ঀৼ৾৻য়৻য়৻য়৾ৼৢ৻য়ড়ড়য়য়৻য়ৼ৻য়ৼ৻ঢ়৻ৼয়ৼ৻৻ " प्रकारित मुद्र सुर पर होत य के प्रेंद्र दे ही के अर्द्व हैं हो कर पर सूर पर विराही द्रेशमान्याय वर्षे होराही लेखा वा वर्षे। सहवर्षे नहाहेश्वान्याना नाना मेश कुर्रे मु र्रे अमुवाये कुर रे विश्व नुपर रे खूर पर् है वर ्यल्गाय मार्डेना वॅर इस वेस पु वा यासँनास पाया है सूर सु र्या नु र्वे र्या नु नरे क्म पर वेश पर क्म पर नवना य व्र वशनावर नी है रूप मी र्द्रक्म चर 'दल्ग' स' स' पट्टेंब' बुक्ष' सुं र्रेस मु र्देब' स' मुव 'सदे 'सळ ब' हेन' ग्रे 'सुँब' प्पेर्' स''' देख्र सेश व र ने भेर पर हा पर समाधर प्रवास नहीं पर में के रूज में रूब दे दे दे दे हैं तार विवास मूर्य शि. यर देश देश पर विवास मिल्य तान्देर्तातालसाम्बुद्धाताराज्यात्रात्रसान्त्रात्रसान्त्रमानुद् ्यायसाम्बद्धाः नारुषा धुना निता निता होसा ना स्रोता सर्वत केत्र के प्राती केसा नामा पर् भाष्ट्रमाय माध्येत्र है। अर्थेन के स्वानु हेन्यान्त्र भाषान्त्र मा

ं याकृराणुष्टिर दर वरिषा भराष्ट्रराच वर् बेबावरी खेरीरी। वं उर्व की वेश या श्रम प्रवृद्ध वं मार प्रमुद्ध है। इस वेश दिन हमार प्रमार हमार है पर्वे खेर हो। विशादनास मिल हो। द्वार स देस प्राप्त ना पर्वे से राष्ट्र पर यं भेद हैं दु वर क्रूट य रुद हो देश य दि दि य दे प्रति है दि य दे से वु है द भेद य दे हैं द र्रा । बुशन्तु भेर हे सेर ब्राट व के में वेश व नु हेर द नावर हा । मते हिर र्स्। दे वे रे नास य माध्ये व वे वेस पहल पर पु पति है मा वे दास न में भेर लेट देश न पर भर क्रिंस हों। देहें के देश में पर के देनांस खुना र च.दे.च.ह्नेश सपू, देश थर्।। चार एड्डा दे वर हैं र व वशक्ती: जुंबा क प्रवास वुर दूर्वास धर त्युर वेंश वं व व ग्यार देन सं सु कुर पहें नास है न हर सर इंट. प्रे. केंश्राय वटा शहर वर वित्र स्ति हैं हैं से प्रेड प्रेस प्रेड दिया क्षेत्र वर मु द्वर क्षेट पर केट पर वेश वर्ष में इस्वेश वर प्रीट ह्या वर्ष का के बद ने हैं पर मेर्ड या मेर्ड या है यह मार्ड वदना हैद खेंच दु चूर यह महिन के लेड मिर्या में दे बुर्ब या भेदाया हो। ही वार्की मार्ट मार्थि मार्ट मार्टिया देश वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे देश वर्षे देश वर्षे व्यवस्तित् विस्ति विस्ति प्रिक्ति । विस्ति गुन् इसं वर विसे विसे विसे निर्मे के मार्थ प्रभुवित वर्ष हित्य के पर निरम्भेर वर्ष हैता विदेशिष्ट्री अर्थः विदेशिष्ट्रियं विद्यापर विश्व मुर्ग्युर पास्ट्रिक् में हैं। ल लन्दे वर हैं वर नेशान में हैर देशनाम बर हा पर्वेर है। इर. सर म सन्मान से र बूट वेदे हिंदूर वेद्द पर दिन के प्रति हैं किर देन

वर देशें र परि खेर दें।। वाय है। वे व सेर ब्रूट वरे क्वें हैं हैं पर ब्रूट वरे क्वे ल्यु-पन्तु-मून् भ्रे भ्रे भ्रे भ्रे प्रमान्नि प्रमान्ति वित्यम् नित्यम् नि क्षेत्रके ले न माक्षेत्रके का सुन्य स्तु न मान्य हरा हुन कर सेर बेट वंद हैं। सेर वर लट प्रवेट पर हैं र रही है पर कार महिनी कें अदासेर बूद वादेश प्राप्त पुर्व के बूद विशेष्ट्र के प्राप्त के कि स्मार्थ के कि स्मार्थ के समार्थ के समार्य के समार्थ के मेर क्रद वरे हैं भेर वर क्रिय में क्षा व में क्षा वर में क्षा व क्षा व वर हैं रूप वर्ष लिंदिशा दे नह के बाजर मुन परि ही वस मेर हार ने ही र भर वस धरे मुक् र् चर जुंश न पश ने वर रेट वर में र चे देवर में र चे हुनर जुंश म में र चीर म मेर क्रिं मा क्रिं पर हिन परि क्रिं परि हैं दें ने दें इस यर विषाध श्राम सेर क्राप्त ही ही रायर होत मारे बुसाध द्वीं पर होते मद्रे द्र नीस वर्ष वर वर्ष पर पर्य से हार पर्वे ही हैस सु द्री पर वर्ग र है। नु नर हित नरे हैं दे किर किर किर की से की कर की मार किया में रहे में की मार्की मर मुरायस मेर द्वार व रे हिंस कु फैन हैं लेस रे हर हिंस सु देवेंन पर है हैं र्रे वेश मुन्द वर्षे भेती दे हैं र वेष्ट्र चरे केरा वर्षे मार्थ वर सर्य करा । क्वें केर के मिलिं वर केर वस लेख के व के केर है। दु वर इंद यद हैं के कु सेर इंद यदे यन कनस नस्य यर सर य उर्दे ने नद हैंस... शु'त्रेयपान्नित्र' हेना सामाल र ते प्रिंद्र शु'गुर प्रश्ने सेर क्रूट पर के वे देत के हेंद्र च के बेंबा वर क्रिंट करें के के के के देन हो दे पर हो दे पर के के के के के त्युर रे वेश हेश हा दर्वन पर छैर री रे कि गु रे कि गु रे दे त्योग व छेर पर

त.रेट.उष्ट्ररे.त.त्र.ध्येथ.तर.बैट.चयु.चै.भुर.बैट.चयु.धुर.प्यीर.ट्र. खेश.ये.. वत्रेने स्पृत्ये वसमाधारका पहना धरे देरार्गा से में रूपा में रूपा में रूपा में लट. इ. श्रह्म श्रम क्रियं है। वर्द खेर रे खेना से नाट मे शर्द न ही दिया ५.५४.वि.स.वे.दे.वश रेत्र्य.तम्.वे.तम्प्राचान्त्रः वि.च.वे.वर्षाचाः केर.लेषः... यदी खेर खेना यद्दा व केंद्रायाया संनासायदी वुषा या केंद्रानु से विश्वरार्थे। विश्वदा यर 'द्रशुर'व मार प्येद यारेख दे 'तु 'व' क्षेत्र 'या साध्येद यारे 'सूर 'द' है सुर 'द' हेंद्र'' पर्यक्षः वेरः चुरः पत्रे र न त्यक्षः कुरः पर्रे र भये र को र वे र ने र म र वे र न र न र न र न मीर्स्न, तर ने दे तर पर होता पर निष्या कर ने के से निष्या कर के निष्य हे मोनास मेर या सेर दासे सेर पर वुस या प्येत या है यस दारे यस सेना या रहा बक्रेंद्रायर बुद्धायदे से त्र वृद्धायर विश्वर हैं । वृद्धार हैं हैं या दूर स्थाय विश्वर यर प्रमुर नक्ष द निर्देश लूर या का का दे दे विका नहेर पर मुद्री की दे का स्पेर हैं लेश न न है है रें स्थानी मेरे में नर ने द राम भेर है। दे द सम पर चुंश्रायात्मात्रान्द्राचरामा मुव्यायदे सुरार्द्रा अराञ्चरावा छदासी दास्यास *હુશ*. છે. વ. કુ. **નોશ્વતઃ વર.** ક્રેંદ. વ. કરે. શ્રેનો. વ. રેદ. તે છૂરે. તર, વેશ. તરું. ધ્રું ટે. કેર. છે. में। रु.पर मूट वर्षा मुख्य महित्य वर्षा के के दे हैं के मेर्पि के मेर् द्रें किट है और रे नियं तर तर देश नहां नियं के चर ज़रे नर मिर नियं में भार ही. मैंर.इ.इ.स. वर्ष. में हीर.चर वंश.च.३र.में.चर छेर.च.३र.लंब.ब्र. लंब.चे.

म्हा संस्थित वे लेखानु निर्देश हैं। नह ने हैं र दूर हूट नदे हैं दि हिन ૱ૡૺૹૣ૱૱ૡ૱ૡ૱ૡૺૡૹૡૹૹઌૢ૱૱૱ૡ૱૱ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૿ૢ૽ૺ૱૱ૡ૱ૢ૽ૺૡ૽૿ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺઌ૽ૺૺૺૺઌ૽ૺઌ૽૽ઌ૽૽ૡ૱ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ૡૡઌ૱ૡૡ हर् मु. वेश.त. भुर.तर. १८८ व. १८. मु. ११ म. १ श. ११ स्था स्था प्राची पर में १८ वर्ष न पर्यक्ष:वि.हेर.जश.के.हुश.शि.रेतच.तालूब.मी की.जश.पर्यक्ष.वै.हुश.शि. द्यम्'य के स प्रे के वेस प्रमुक् परि क्षेत्र मि वम् कन्या मास्या वर सद तप्रक्षिट.त् वथ.बुश.वे.व.ज.सूर्यका.व.झुंब.ट्री अप्रक्षिट.वप्रु.चें.वे.वे. के के के दाहेश शुर्दान या प्रेम के लेश मान के माना निर्देश के के बाबांद्रिया'तारमा'तासा'यावाद्यम्या'तास्त्रीय यार्ट्स'हे। कुराह्मासायाः कुः ક્રમ ક્રમ શું દ્વાગાય છે. હું વાવાન કે દાવર વરાવર પ્રદેશમાં હું થે વાવડે.... .चक्रिश.चक्र. ट्र्य.लब.ब्र्. अधिश.वश्यका.वेश.वे.च.च८इस.व.लट.रच चढ्र. मिलिट में हिला हुं र बट में उन देश धर में शायर हूं नर हुंद धर हेंद धर हैंद स्तर हैंद स्तर न्नाति हेर्ना वाता हिंदा वा सेर्वावर व्याप्ताव के अटार्मा वर वहर्ष यह अटा इन सर हेंद्र य है। अर्थ अर्थ म्ब्रिस उद हैन अर्थ पर हैन .क.श्राचे में के के प्रापा में ता प्राप्त में प्राप्त हैं प्राप्त हैं रूज भी रूप प पहेक्क्क्यावहर्ष्याधीत्रार्वी। ्हेन्यसालेकान्त परे क्यापर तम्रोकाच देवावरा चिरकार्का लेखानी तालार कुर्ता श्रामकात हीं या प्राप्त के लेखाने प्राप्त का या है. नामका नामको नामको माना विकास के माना नामको र्नेन्द्रनृःब्रूटः वदे सिद्धावरः वेशः पुन्तः वे रुन् र्नारः र्वे त्यः श्रेन्यायः है । द्वरः ब्रूटः वः ः नि हो मि द्वार्गार व्यापक क्षेत्र विन व्यापक क्षेत्र वर क्षेत्र वर द्वीर केर कर दक् नेक नेक सम्भारिक सिंद्र भारत है र ने विकास मान्य M. स्ट्रे.त. लेश विदे तर विद्या अवदाया ने हे. ज. महूरे ता तारे हे ॥ स्ट्रे पठ म्बर्धा के मि द्वा मालक प्रवादात प्रकर के लेखा साम के हिरायर प्रवेश की। देव द्वा यर वृद्धेना अक्षेत्र सिका ब्रह्मायर पुराय क्षेत्र या दे 'अदा ख्रेना का दक्षा यर क्षेत्र ''' यही क्ष्म सह प्रेक्षामाने स्टर का खायानु स्टर मदी क्षा मन वेषामानुनामा प्रेक्ष की। दे दक्ष कर मार्थ हैं हैं निया के कि प्रहेश प्रते हैं व निर्देश मार्थ की निया निर्देश मार्थ की निया निर्देश की म 'भेक् नि । ने के कार्याद खेबा मी के खेखा मुन्य के प्रीयका वा के नियम की दिस नालक सके मु म्प्रेंद क प्यत्र में द्वापुर च लेख न च के नहीं पर पर्दे पर वर्दे पर के मु मेर क्षेत्रानु पर वह वर मुन् किया के वर वर्ष दे हे के हा वर्ष है है । पर पर पर पर पर किया व व मुस्यातमा हुँ ए. यह . तीवा मा हुनीमा प्रयत हुनी का र सुनी मा यह नीम वा निमा सालाश्र्माकायात्रात्रात्रात्रात्रीद्रायर हिदाही। दे महीदारु वुक्र यातार्श्याका मधुः वेश च वालाच नवाहे। े दे वादाह्र्याया सेनायर वुषायर विग्राय ये अ. य प्र श्र्यास. परं . प्रेस. त दे . लट. ये भ. प्र सहेरे. परं . स स्रें ये श. या है दे राष्ट्र में राष्ट्र म बेसामानावरामा वृद्या हैरा सर्वेदा यानाम हे दे द्वा द्वारा विस्तार विद्यार प्राप्त स्वार श्चेदः यदे बुद्धः यद्धः श्चेदः दः १दः दुव्धः य देदे हो मुनालदः सुद्धाः वुद्धः व कुराल्यर सर भ्रावचीर हा। यह मार मुराविषा तथ हुर राष्ट्र सा हुवास ला बुकारावे प्रेका वा क्षेत्र पर को बेदा बेटा दे प्राप्त का क्षेत्र पर के चेत्रमदेशे सुरावुस्रमायास्त्रवाद्यायात्राह्यक्रकेनायादे दना केत्रि गुरायाकेत्रा लेब व लेब हेन् अध्यक्त व मुक्त पर निष्य व द्वा ने अंदि का मा कु कर कि दार हे अ मार के वार मेर द न विदर्भ ने य

हे . प्रश्रामिष्याम् के . वर प्रमीर वर हे . दर स्था प्रमामी मी . वर न्तर्या स्थान स्था र्रा । वि.व.ज. श्वायाता मेर १ लेश वि.व.व.वे.से. र्या मी.ट्व.टे हेट व.ज. पी नीया यपु. भि.च.जा. श्र्योश. वर् । इ. किं र. जर् हु व प्रश्न वि. हिंची. तपु. ही र. शहूर. यर विश्वाय कर केर कर ता लेश ये या व वीय वा वा श्वाया या यह वा यह वा वा विश्वा ये ह्र्यात लेश ये. य. ये. या. म्रेट य. ह्र्ट थर में ये मार पे दे वारा माल र पट ... वल १.८ मान्द्र-दण्याद मिंद या श्रेर या है । वेश मुख्य है साह स्वर मान्द्र या दे हो। नाभारे अर् से प्रेंद् व प्रदासेना से नास्रयामा संनासामा दना या र गुरे वाद्य दिन नु इद म.कर मी विश्वाया ही नर से विश्वार न हेते हैं कर विद्यार श्रुषाय हैन प्रेर मर प्रचुर है। अर से रह का में हैं 'ऑर खेर । विकेशन र्म मुद्र मुर में वसुर र लेश मुनर सुर री। र्रें पर्दि सेर में सर्वेद म पर्वे र व लेश मु:पान क्रिं प्राम्य होन सर्वे वा स्था वा क्षेत्र व दिया से प्राप्त व दिया लेगा हेस खायमा पार्ट क्रिंग प्रदेशहेश खानेदामा सामित्र की। क्रिंव हे प्रदेश ले वा पहि न् द्वा ने भटार्ता निहन केर के लेख कर न र दे केर के खे खार दर स श्रेट.च.लुब.च.बुब.च.च.चेरं.च.लुब.च्री वाब्ट्र.च.भ चेश चर.भर्षेट्र. मत्र द्वट खेला स्र्राय द्वार महाय देसा मुन्य का सहित्या वा का हो हो हो । द्वट म् वास्त्रीम् वाद्वाच्यायाणाः भवायायाय विभावायायी वास्त्रावहित पर्वे पर नार्ट माम वेश तर में र्यायकारिय गाउँदावर्गा रे व्यामिका सामार न्नातारे प्राप्तात्वेशन् व स्वायते र्व कान्ता। के वान्दा विव न्के पर मादकायान्ना त्यालेकानु वादे प्रमा हे प्रमा प्रका प्रका है वाद्या प्रदेश के प्रमा न रबादान्य वा है। है निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा वा निर्म वा निर्मा नु नित्रे दें दें हो। दे के हे नर मर्के र न द म प्येव दें। दे सुर व मादस यक्षा मेन मुन्दे वर नाम्बार द्वाया विषा वु नाया आपर वह वर वु र् दे विर बः मर्दे सहर्दे प्रमाने वादि है दि वर्ष मित्र वर मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र वदे क्षेर दें पदी वहेंद वर वलेद ए भेर हैं। नश्या व दर में नश्या व र्द के र नहाम न र दे के के नहाम में नहाम निष्य के न केषामिर'तु नाष्यां च लेषानु पर वस् पर दिते। वर् प्रमानेदार्य नाम्याययासी नाययाच रूपा हेसानेदार्य नाम्यायया हैसा में नामक पार्टा। किस क्षेत्र हैं हैं दर्बर नामस सम केस कि रहें में नामक पार्टी विकानुष्यराञ्चर दरानुर्ये। ने विकानुष्य प्रतेष रामास्य प्रकासमान प्रका नु के न क नक्षा प्रशा भिक् नु निषया न लेखा नु न य स्वाया पर सुर री। दे र्ह्य कर्ति वास्त्र कर देश मानु व देश माना गहर प्राप्त क्रम माना रही वासे। क्षेत्र देना में बद बर्ग में कर में हैं ने हैं हैं में हैं ने पर हैं ने कि हैं ने हैं ने हैं हैं ने हैं हैं ने र्दि दें। क्रियान विकास नियान रहेते इसायर त्रे में पार के ख्रान विकास निया के वि र्देश विशेष्ट्र इं दर्भ व केद्र यं र देग्य व स्मेश व विशेष व व व न साम हे खूट व स्मेर माउना भेर रा देवे के नासक न नद में मासक नरे नदना है र में दिए हैं। नाट वस वन रेट व द नदस परे दे न व व वे न सव व न न से नहर में न सव व न द से न

ME.U.M. ME.Y.M. के व द श्रव पा के द प्याद पा लेख कु त्या ୡ୵ୣୡ୕ଽ୕ୠୖୡ୕୕ୠୖୠ୕ୠ୕ୡ୕ୣଌ୕<mark>ଽ</mark>୕ୠ୕ୠ୷ୠ୕୷୷ୠ୕୷୷ୠ୕୷୷ୠ୕୷୷ୠ୷ୡ୕ୗ <u>ૄઽૢ૽૽૽ૹ૽૽ઌૢૡૺૡૺ૱ૺઌ૽૽ઌ૽ૹૣઌ૽ૹ૽ઌ૽૽ઌઌ૽૱ઌ૽ઌ૽૱ૡ૱૱૱૱ૹઌૡ૽૱</u> ষবাংশুলের বর্ণি কুট্রের মে মেল্ফ্রীর এম 'ব্রিব্রার রের ব্রার্কর ন্ম বৈশ্বম लेम.चे.च.वु.केट.च.सच.स.झुच.तर.चुर.चलु.चिं!लूब.तम.ब.झुच.चर.पचीर.<u>र्</u>∭ नावन त्य रहावेश न परिये दसा हार प्रामेश के क्षार प्राप्त के क्षार प्राप्त के व श्चीतास्य निर्मात्मात्मार्थः दे नाव्य केत्राध्येत् यते खेरा दे । अवाय सेद्र हेसः ૭' વઃકે <u>'સ્લા</u>' કેર 'કારા' ધારા કરાય છે ૧'માં કે ' લે મા ૭' વર્લ ' ર્લે કો પા यालेश वि.च.हु हे.च रट.ह्ट.च.ल.श्र्चाश.चहु है.च.च् हु हिर.चर.ची.व रर.च... डे.के. 4.क्सर्ट क्सामाली राता हुं रातर हो दे तथ था लेस है. রুম্বর:ম্ वः वः स्वामः स्वयः हर्षः प्येत् यते वः भ्रेतः यतः चेतः पवे भ्रेः तमः प्यवः प्रति सायः मादः भीव सार्वारे के केंसा शार्ख्व पर हिरादें॥ यद के तहे वा केर वहें से करें मार्थरे.ता.हेरे.ता.सार क्षेत्रकारे.सु.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. लेक्सर क्षुर वर विदेश है रेज़ है रेज़ विदेशक के केर कर ही देश रहा। क्रमामा भेर सम्बद्ध वर्षेत्रास द्वारा । निर्दे सा हेर सह महर हेर हवा ही ही ्रेट.च्यास.स.१५:लुर.स.५८:स.स.१८: इंश्रस.१४:प्रमास.१८:ज.स४.म.५८: मार्ष्ट्रति, खेश वि.च.ज. सूर्वाश्वाचा जार्मिवाचर किरे कुट श्रीरे तर हिरे तथा थे। सैव बर हिर त. १४ है। अध्याचित । अस.चार जा स्था न रहा। वार्ष्टान प्रज्ञासन्दर सर्वे राज श्रीयः तर होन् रहा होन् राज होन् राज होन् राज होना होना होना

श्रमका क्षेत्रका वदः या तव ता दरा ने वूर् रा श्रीय तर ने देश वर्ष मिता वर्षे लिक्षामाने मन्ना विकासका स्वाप्त स्वी मिले से लेक है। अंश्रहा स्वी <u>न्यः ब्रॅन्णी'तहेनानेक पर्योत् क्षस्य न्याप्त पर्योत् क्षस्य स्थाप्तेक स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त</u> गुन्द्रियः स्त्रा वस्यक्षः स्त्र ता वर्षेत्र प्रमा यस दर्गासः तरः विदायकात्रिक् यक्ष्वविक्ति। ध्रिया पश्चियाया निक्षाया निक्षाय निक्षाया निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाय निक्षाया निक्षाय নবংক্টিকক্ষ্য 🖟 📑 ইংবশক্ষেশ্বেদক্ষ্যেক্ষ্যেক্ষ্যেক্ষ্যেক্ষ্যিক্ষ্যিক্ষ্যিক্ষ্য यव पर्तिका यक जैसाम मुँब यह जैस्यानमा भेव परिक्र का परिदेश वासाल्यम् संस रेश्रेष्ठमा स्थाप्ति। वर्षेत्रात्तिः विश्वातिः वार्ष्यात्र वर्षात्रात्र वर्तिसायमानुम्द्री। नेस्य की नेस्य केस्य केस्स केस्स केस्स महिम्स ने मानसायाधन न भटारे छात्राउटाय अमानसायर विमुद्दायादेवी के मार्बेदाया हेदा यान्दरम्ब वर्ने वर्ने वर्गे ने प्राप्ति प्रति क्षेत्र र ।। वर्षे ने वर्गे वर्ग त. बुका. वे. च. जा. सूची का च. जा. सूची का च. कु. कु. की. चे. कु. की. च. च. कु. चा. च. वे. च. हिं। अहिं शुक्र न्द सहें शुक्र का धेर देश नु न है नि हो हैं न्द नी हैं है निसन्त होत यह होत यह देश का अहें के स्थान है स्थान है स्थान हैं स्थान है स्था स्थान है स्था स्थान है स तक्षा बंधा तर कुंबा ता श्रेरा वा श्रेरा वा अहत श्रेस सा प्रवास के अंग स्था न्याञ्च द्रयास्य से श्रेस्याया के दे इससा के नावक न्या भरा हेना साहे द्राप्तसा प्रेय तप्र क्षेत्र र ।। विश्व महित्या यः कर वे प्रतिशानि वर्षेत्र पार्थे । ्यशः तेशः च.च.क.माटः माः क्रेंद्रवस्थः च.मुः दुखः सर्वटशः यः क्वः प्रवे प्रके देते मुक्तः नुसान तम्बान प्राप्त मुनामा ने मुनाम मुन्त पाने न प्राप्त मा

ब्रिर मेश प्रश्न सेर वायत त्रिय वेश मिर के मार में ख्रेर चेश माय ख्राय सेर. यह, र.भ धवी, यह, खुश, ये.च जा से.ज.शूच श.यह, मैंर.वह, मैंर.वह, दीश, प्रयेट. ਹਨ੍ਹ,ਵਵ,ਵ੍ਰੰਯ.ਵਖ ਗ੍ਰੇ. ਖੁਲ.ਬਨ੍ਹ.ਬੈਂਟ.ਗੈਨ.ਬ.ਸ਼ੋ.ਯ.श<u>्</u>चश.ਬਨ੍ਹ.ਐਟ.ਭੂਚ.ਬ.ਸ.ਸ਼ੋ.ਬ... नार ध्येत य देश वश्चेद यर हैं। रूट नी यक्किय वश्चेद या है दूर है नास য়য়ৢঀॱय़ॱৡ৾৾৾৾৾৻ॱঀऻয়য়ॱয়ৼॱয়য়ৣৼॱৼ৾৾ॱ৻ॿॆয়ॱয়ৢॱয়ॱढ़॓ॱऄৄয়ॱয়য়৾য়ৢঢ়ঢ়ৼ**ড়৾৾৽**য়৾৾৾ঢ়৾য় ्यभ्रेर'यदे'-वेश'यदे कुं'रे'१९ राह्म रेणस'स्रयुक्'य'रे'१९ राणस्यायर वियुक्ते रि देते मुद्रै दे सम्बन पुर्णेर् पर्रे पर्दे दिए हुन केन व दुरान दे दिए हुन कि से n ଞ୍ୟା-ଥି.ସ.ଟୁ.ପ୍ରଶ୍ମୟ-ଟ୍ରୁ-ଆଲ୍-ଅ-୧୭୯ ସଂକ୍ରୟ-୯୯-ହ୍ୟ-୧୬ ଲି ... ୖ୕ଽ୶ୖଽ୕୷୳ଽ୴ୄୢ୳୵ୡୄୠ୕୕୳୷୕ୡ୕୳୷ୡ୷ୡୡ୷ୡୡ୕ଽୖଽ୕୳ଽ୷୴ୡୗ୶୷ୠୢୡ୷୷ୢ୷୷ୢ୷ मिहेशास्य वर्षस्य यह र्वे हो दे रदा स्व केना व द्वार पर पर सा ं प्र- यदे त्या ने अप के अप ने दें। वदे खेर खेर खेरा की या पर दें विकान मा े दे भीस मारदार्चुसामहदस्य यर प्रमुद्द या सूत्र रेना माना हैसामर प्रमुद्दायि हदा क्षिय हर मी र्वे व व ।। मुर हिना ध हर मीहा मुद लेखान में वे लेखान दि मी भष्टाम नश्र श्री रेम किर मी और हम अमा भर हम हम मा ने हरा पर ୍ଟ ପ୍ରିଟ ସହ ୮୯.୭% ହୟ.କ୍ରି.୧୯ ଖିଷ.ଘ.୯୯.ଖିଷ.ଘ.୯୯.ଅ**.ଖ**୯.ହୁଣ.ଖ.ଖିଷ. ्रवर मेर वाचार लुक्त वाचार वाचार के देखा है से सार हैना से वाकेश वाच हैं से तार हैं ्रिसामद्भारतायोगर्वे लेस.च.च.च.इ.स्.च.च. स्ना.क्.म.च.म.च. ्रिक्ष व्यामि द्वि हैर यह वर्ष मार्केर सुक्ष या प्रवासकी सुर हो। है गार्केर विभि हुन, बुन्दर हेर रिश्व जरेरी निम प्रेम पुरा पुमारा हो. चना तथा केश च नव रू ने वा रा पर्देश खेल र केंद्र न र द ह है द न र न ने की है। क्ष्यानाकृषाकृत्राम्यायायाय्येषाकृतान्त्राम्यायाय्येषाकृषान्त्राम्यायाय्येषा रदःरेना पर्दे पर्ना हैर्'र्'नेश पारे हैर्डिंद पार्रा हिंद पर हिर् पारे हैर्' म्यानः भेषः व् . जुन्नः ह्या श्रा इ. मान्नानः न द. मान्नानः तर् श्रावः **७**४ व.ट.ज.स्र्यंश.त.श्रुंश.स्र्रा। टेश.ब्रेश.टर.च.लश.मेट.लुश क्षेत्र.चे३४. मानेदायका विकास्त्र नर नेदायानार योदायालेख नाम के दर्भागुदायहा । पर्वा परमान्त्राचा क्रो। दे देर वे पर्वे पर वे प मान्द केंद्र माल्द सूर्य य तबर्य य रेके दें लेख र्वो दे रेक्ट खेल र्यु हो स्ट स्था लेखानु नाताः स्वासान्य नम्द्राया प्रेक के लेख नु ना है नालक मु दस्यान से पर्देहा न. इ. डेर. थे हुं अ. वे डें अ. त. डें दे. ४ व. दे. वीच. त. लु थे. बु. खुं अ. ची. च. ज. क्रूं र तथा चेश. देयू. चेश. स. भी हे. सन्। यस है. खेश. निहेश हैर बेश. निन् र स. प्रेर खेश. मार्डेश नते : क्षेत्र मुं के होते : मुं के प्यार्थ : प्रेर में । वर वर वर का नते हों वर लेश-नु:च'ने'नोर्ड चॅ'स'फेन'-दे टॅ'वॅ'दें। दे'सूर दे। दे'नशन्नेस'नदे'ढ्य' माक्रैक्ष केर् दे व्यर् पाम केर दें।। विकामार्ड वी पहुन दक्ष मार मेना पाकेर दे न्त्रुवःसरः अःमःमाल्दः केदः प्येदः दः दे न्यः रेनामः यः मः प्येदः है। मायः हे हेरिः वर्दा हिंदा वर हिंदा रहे हिंदा ही हिंदा वा के स्वा वा के दे वा हे दे हैं है है र हिंदा माकेश या केरा व्यर्गया स से दार्दे 'लेश दान र रेहेश र दारेमा या यत्र यर प्रमुद्रः यादी हिर वाव ही यायर ने या विवास कर यार हो त्यार हो। हर हो दार



ध्यय मी दम्म प दहेंद परे दि व उन मी मिर वर मी स लेश म ने प देंद रते क्या व लक्ष ने विन पुर प्रश्न किर पर हो। ध्राय में क्या पर हैंदे य वैज्ञेक्ष पर्यो दे हैं केंद्र वेंद्र वेंद् देवे हिन पर देश शी। यन देन शन पर विश्व न पन हैं से विश्व प इट सेर से ते जेस य देस मुन य सेना स य प्र द पर रें। दे हर केर गु.र.क. भुर , ब्रेश ने न व के किर हूं है है जिस न जूर के खर हा है . जुर न मा जूर ... व विया। देश्र व अद्धार्म विश्व न व क्षर के मान के विष रदं रेवा'भ'केर रेम'नु'च'रे प्रवित्यर विदे भ'रे केर में विदास मना ... गु. बुंब. चे. चं. बुंब. पुंच. पुंच. पुंच. पुंच. पंच. भी । वुं. चुंचा. पंच. पुंच. चं. है। १८ वेश ल में चनर है। डे हर व लिय वेश वह लिय में क्या य केंद्र में . वेब सद देश यह विश्व स प्रेड ना विवास पर अवाड देश हैं श इब य स्था प्रवालिक नियम दे निवाल है। यह विदान स्थान विद्यान नि वै देव दि त्य वर्षे । स्था में इम या मि तम तमाय विषा गुर से पद्दि । माध्येत वी। नामाने नेसा पर्ये निमाने नामाने पर्ये नामाने नामाने व्यव सार प्रमान विश्व राज्य हिंद राज्य के लेश साम प्रमान प्रमान दे प्राप्त लैंस नु न व संन स व । देस से द पर के देस स प्रकृ लेस नु न दे सह दे र्रेट'दे अट क्रिक्स शुः हिट ये केंद्र ये अड्ड ये केंद्र दें लेक डिय व केंद्र ये

खेश.त. वर्त्रोयः सर्वे स्विद् नीसः व वर् रहेदः गुदः यसः वर्त्रः सः सर्दः यस। म्बिर हिर्द्धारा ही हिर परमाना सामाश्चरम मा। नार मी है र्रे र्रा न्दे न्द्रन् १९५ नु शुर धदे दुवा मुहेश पदे बेश न न व स्निशन का न मि हैं नेस नहें के माने समीवाता देवे के रहा मीहर वर मीर नहें केट व अभस ही... हे लेंबाल बेट वालटाइं लेंबावश्रावशायाव विचान के हारा है। विद् यत्र न्द्रमा हिर्दे मुद्र यदे खुवा मी इसाय देश मु नदे म केना में १८ हैर्दे हैं र्ने द्राप्तर प्रति विकास के प्रति के प्रति । विकास प हे र विन खुयामु इमायर वेश युर्ग हुँ र व दे वर्न के हु दु मुर्ग परेते हैं वेश मते रार रेना माना माना प्राप्त हो। अया मी इसा मा उद मी नदन हें देश है। अस र से होट् न म प्रेस में विश्व न न न हैं न हैं । विश्व में हैं विश्व न न हैं स्रेश रेनुद विते में वि माता प केर र विदेश मार नुद में तिनुर वर वि विदेश बर्नेकी वेश याश्रमायमाश याहेर्के केंद्र स्ट्रा स्मान् वेश यानावर में में हार के प्रमुद्द में किया के किया में किया में किया में में में किया में में में में में में में में में गुर वं रे तर व निर्मा य रेस कुम र वह वम मुद्दा व हर के में बिट दे मिट दिंब भर ब्रेंट पर प्रमुद्द हैं लेखा देने खैर प्रमा हैर नर्ना है र गुरु अस म श श हिंद नर मिल से जे र नद है र द लेश न न त स्मार म श्रीं संशी हैं। नार ये असस शुं श्रीं ना से दे पार से मार है से नार ये से नार के से न उत्री र्दे र इंटर व वरे व प्यानियम व र्षे र इंटर व र द स्वापर्वे । नविर

त्वेश नु न के हिंद में ता संनास पर्ता है दे मानु सर्द पु न से पा है नहा म क्षेत्र तुः क्ष्राः स्वरः त्युः रहीं लेखा तुः स वे दश्चेन्य सः इशः सरः करः सरे दुः व याचन्त्राकृद्रायाच्व्यायाय्याक्ष्याचराकद्रायाच्वेकानुः सर्वेद्रायसाम्बद्धारायाकृद् नु अर्थेद् य ने यस् द नाइत्य केन् नु र्र्भित्र सु यक्ष याद स्माय दे भेशायदे । " नर्ना हैर नु मुर नर कर कर के नहार न हैर नु हैर न लेक नहीं हैं। नियन मावनायते क्यायस हे सुर रु त वह यह वेशयाय भूर वर मुह य हो । यर अट्रेन पर एट्टेन पर वेश प्रमान निवर य खाय नु हो। हैं। र्स य स्मान यर वहार यर बेर हो। दे वहार क्रम र सुर्बेट पर हो वरे भट लेश व प ત્રું ક્ષમ અમા શા શેરા વધુ તરે તા કેર. રે. વર્ડ તા વધુ શે **શે મ. વૈ**ર. વ. શે. ટ્રાંખ **ટે**...... भट्य.रे. ब्र्निशायर ब्रैट. रं. पंची र.हा हे. लश्च. वेथे रतपुर विदेश तर् मी में नविन दें। देन्ना मुनन्ना भाविषान न मार्थिय पाया ब्रामदें म्बिन्स नहिन मने दमा म हिन ग्रेस लेश न म हे बरान में ने प्राप्त हैं में में ने न न किर ग्रेस अळव केर दु प्येत नी। नाहर पति इस प केर दु के साम दु के लेखानु न देव देव के नियम के कि ते के निवास के कि ते के कि चुंश.न.चीवरे ३८ ३सश.श.श्र.श्र.च इ.स.ल १ वुंश ह्वांश.नर.वैट्री रदानी मिं हैन की रायदे हिर है रियानु मि यह सायस लेश न व के मिं मिट की गा यादाः वेश्वाच नावशाम्रीशाक्रेशशास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राच्याच्यात्रे केताया नावशाम् विकास स्वास्त्रास्त्रास्त्र दे तहेंद्र पर चेद पते हों हो रेंब दु मान हमा पर पद वा पा मा प्येद है। मी. स्रिमेनामा मा केर लोग तप्रे हीर ही र स्था नु मि मह स्थापर में देवीर र हु हिसा नु वर्ते द्वार्ता देवे के अद्यु देवा दु मानवृत्र यात्र अव यर के द्वार

इ. खेश चे.च.बु.रूट.चो च्रि.ल.रेशचीश चर्ट. खेर रेथ तथ ग्रीट अभाश शिहा चर्ट. स् निवेश नु निवेद निर्मे देश विषे देश मा हैन ने अर्थेट नर विमुर् रे वेश नु यते र्व रें। त्र यते विद्यापते क्रिंमाई प्यते के या के र रें क्रिंप मार्थ प्राप्ति के प्राप्ति का क्रिंप के प्र पर कर महिट के हिर दे कि पर पर की का कि के कि पर बैर्नेब नित्र व र म नमा शा हो । वित्र प्रति प्रति में नित्र का में कि में मा प्रति के लेस शेमश सा। वर् वामम उर है रेल है से गुह है। वे व हैं र व तर् भेद रेस नु न द द न द न द म की अड़ द हैं द द न दे ए अप के म की श्रुट् च है। वर्र च दश्याश्रय अस्त्र शुं हिंद चर विषुर च स प्रिक हैं लेश न वरे. व के निम नि विम ने विम ने विम ने विम निम में के निम में के में के में र्भ मी देव द्या य में वर्गाश विद्या विद्या पार विश्व के प्राप्त के न रेर्ड अन में लेश राष्ट्रिय म है। नश्चर नम है म.च न अर है म.ट दुर पहुंचीश चश मिर प्रसित्र धर मेरे दे दे लेश है चंश देश है है है है है है दे हैं सर निर्दा। वमसाउर गी लेख निर्म ने ने ने मारा मार्सेन्स या केंसा या नदना नी भट्टी। मार्वर में अया कर में विश्व में या के मार्वर में खुया डर सुरा तर लेख त्या के बार विचार व हम पर कर यह है हैं हैं प्रियों। हिना र १ १ में १ १ १ १ में हिंद न नार में राज्य संग्रास देशीया सर्व हा वे कि होंद नर नियुर् रो। नगर रा व संग्राय देनेनार य सर्दे श्रुस हेन स प्रदे श्रुस

र्रे विश्व मु:वं दे गरार्थे वा श्रेम्य दश्चीर पर २ मुराय पार भेर दे शहेर श्रुम द प्रमुद्र व स भेर हें लेश मु नरे दें रहें। र्ज़िन हम स वस स रह ही द्यार र्रात्म स्वास पत्र दस्य नास पा वद मी सिंद पत्र दि में नासत्य य नार प्रवर पर नाम । हे निमर स्याय स्रोत গ£্⊀.**থিম**. मु मुंदानदे द्रावित्रम् । अद्भामा अद्वास्त्रम् । न्गर र्चि य स्वास य न्येर य श्रमा स्वाद ने सिंद पार्व ना व्याप्त मार्थ र सिंद । श्रम कि पर कर्त करे हैं के देन व के वा संवास पर देन के पार महिं श्रम म क्षेत्र-हे। माद नी नास्त्र न है जैस न हैं ने क्षा न होंने प क्षेत्र प्रदे प्रदे न सुर र्गा अट्व सुम नवर य नवर सर्ग सुम विश न न स प्येव वा। दे नका का यहना हिन सिंदा या यह का वा से दे पर दे ता से न से से से हैं हैं हैं या न र्थित व हैन दम ही नार्य में व विच यर विच त दे अद विवत् य म खेंदे वि बुर द'खुय पर्दर य'फीर वें विश म न हैंद हैं व नव्य चर से देनु में विश मु नास्य य केन या नास्य वर होते य केन गुर हिन य खेर य पःश्चेंशःश् ।। दे दिन्द ग्रंभ व के नाम में व मा के के व पाका मा वर होते व के दे कि व दे दे के ले मुनः धरः हेन्य दनाय न दक्षेन्य यदे। दन देश्वेय भावसून या के है। म्बला न संभित्र या नवाया नर हिन् न प्यट नवाया न हैन मुक्त वसर उन मुक् ममभ उर् नमें नम विमुद्द में देवे छिर परि के महिन महिन विकास की कर स प्येत व । दे हिर वे निमर व व व स्वास प द्वार पर नुर ध नासवान संभेत्र य स भेत् ते 'लेश'च प'ल'से नारा धरा वल' व' पह्निन प पहुत हो। नर्ज्ञिन रस्ति विश्व नुप्ति विश्व व निर्ज्ञिन यश रह रेना माना ना ना प्राप्त है। र्गार

च .ज.श्र्मश.चर प्रामण.च.यु.चामज.च.चुर.च.कुर.चे.चीव.तप हुर.स्। तारक्रेचेश.चपु.रेश्चेश.त. बुंश.चे.च.धु तीय.तारेश्चे बेश.चपु.रेश्च बेश च. जुंश . यान्तेश्वायान्तिश्वायादे । अदारदारम् वायाविश्वासे योदायदे । सुरावदे । सुरावदे । नास या नास या भी ना होते के में ध्वाया या में में सा स्था ना हिंद पदी พิพาศิพาย ชุมพาผู มีราจรามา ฉริรั ย ราณาศิพายวาสราเหรานรากา य:५८१ ध्रुभःमुःवदनाःहेद नारःध्रे रःभः५८। ध्रुभःमुः पदनाःहेदःनारः लुब.तपु.लीज.हं.रेचा.कुचा.वर.भट्ब.तर.चोशज.च.ब्य.तर.पंचीर.हा। कर.पचीर.प.लुश.य.कर.लूर.त.पुश.य.लट.ट्र .केर.पचीर.बुश.य.य.कुना.कर... र्देश्चरः यद्माकृदः भटेंद्रं धरः मुख्यः बरः युद्रः धःद्मानुः वयुरः हे। मेर्पे सेर र्रा हिर्पर नार नी श भेरा पात्रमस उर् की वास भारत्वा कुर.ज.लीज.रची.कुवी.कर.चीशज.चर.उचीर.च.मी.जुश.च.र्घ श.रची.चू. १.ज वु... माध्येत्रात्रे देख्यात् मात्राय्यात्रात्र्यात्राय्ये स्तर्भेत्रायात्रा स्तर्भेत्रायात्रा स्तर्भेत्रायात्रा स्तर् दे'वस'द'र्द्रार्थम् चम्मुव'व'प्येद'र्दे 'वेस'वु'व'दे'र्र्द्रार्थन्यये सेर्द्राय यद्नाकृद्रद्राध्य हैना हर सहित्ररू नास्य व से होद्राय है हर ही। निस्यन् से विश्वर व लेश व व व दे दे गर ये व स्वास व व हे दे पर दे दे से है यर से विचुर हो। ईंद सर्वेट पर हे सुर हिर पर उदार विवास है सेन ने इस पर के प्रशासका वर्त अर्दे पर नाम या पर अर्दे ट लिट। इ.चंद्रे. इम.चर जेंब. तथ. घट्र तर नेश म.च. ग्रंब. श्रं डिश.च च.ज. श्र्चेश तथ्री

मुक्तानु माञ्चमारा अर्थेट पान दे ने अर्थेट पा अट हैं नार पान प्राप्त के लेखानु पाने देखा तर.कर.तपु.चिच्चारापहूर्य .त.व। चिच्चारापारभूचारा वट.लुर.वश घ . व्यव लेश हें नास या सामित है। रद रेना या निस से त्येत यदे हीर रें॥ दे हिर धरानु नुरायामालक यहिकाया है हिरायर हैं है या है कानु स्थान उन्हों ष्टिर'यर र्ह्न्न्**राय मे**र्न्यर रेश ष्टिर्यर र्नु सुर्य यदे खिर्यर में मिले वहेंद्र यर " में नुबारा हैर में खेर दें। वर् वा मिर यर हैं नुबारा मेर यर दे से र मु मि द्रमेन्स द दे स्थाप प्रेष वि । हेन् उर रस रेस मीस लेख प्राप्त वे विचेत्र के मा उर सम्मेर्ट पा के 'हे मा साय विष्टे के सा अपने पा कर में सा मुक्ष गुर व १५ व वा वार की र व दे मिक्ष मुस्क के के हो । वा वा है सुका ५८ दे **৴**শুনাধানত্র, ব্রিশাসপ্থিয়ে, বার্ল, বর্লীয়, বার্ল, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, এই বর্লা, कें रेम में भागित प्रति सार्थित के पर्दे महिता व किया में महिता में प्रति हैं। विके บะ วีส.ชชีะส.ฮ.พ.พร ละ ชชีะ.ชชู.ะะ.ชิล.ชร.ภู.รู้ง.รู้ง.ระ.ริชูปส.ส. न्ना वस न्नेवाय केर व्याम केर विकास केर केर केर स्वीत केर र्म मुजबयावर हेरायामाध्येताही देवे के देव लेका व व के देव दरावड यम् वेशःयः मार्थायः यदे नुसः दर्भाः हेः अदः हेशः वुः यः हैः वेशः यदे वन्न हेनः हैन'नु नुर पते देंब'न्दर'वर् नर्म पु हिंद'न वर्ते। वेब पते हें वेंन्दर खुव मामाह्यात्र उत्र प्येत्र व प्यादेशम् व व वे मेमायवे द व वे नन्न केन्द्रा द वॅर्दराख्य के दें वॅर्दराख्य के ने देना माना व व्यर्ग व के देना के निहर न निह के के दिन के के दे भर देश न हो। रट रेना य एस से ये न परि केर रें। दें वें स नहर पहि

केली के व क्षा यर जेस पद देश व प्रचानाया च छेर ही खेर ही। नार्रे के जानर वदेशक्षकश्चार्श्वेट नावदे प्येषक्षेत्र वेश वाच के वेश नावदेवे नावः वावदे १ अस्य शुः श्रुटि मा भी दः दें ले दें। विकार दें न मा भा ले सं मु न दें श्रुट न न दें श्रुट न न दें श्रुट न न मुन्य नन भरें। ने सूर म क्रिन पर्ने मुन्ते मुन्ते म ने परिते मुन न'भेर हैं। वेस न नरे मं इंद पदेरे मुर्ला वह मंदर पर न सम गुह दर्व हैर हमस सु सिट व सेर यदि दे व वेदि उद दर् दर व दे स त्रस् र्सा विष्य है लेस है न दर्दे देश पर द्रेने व दे दे न दे दे हैं न दे है न दे हैं न दे है न दे हैं न दे है न दे हैं व अर्थेट वरे द्राय द लेख व व प्येद द्या अर्थेट व द्रिम्य वरे द्राय वर्धेस दश दगर वित्य संग्राम सर्वे- ' वरे दुश द लेश वु व र्र्जूस है। विश्व प्राय विश्व व नाल र में अवहर व हैं के रादे दुक्त की। वित देनाद लेग ने के मुद्द स स्पेन हो से उद्यानहीं केंद्र रें लेश न न न ने ने सामान वर र दे हैं र हीं दान म 'प्रेक् वास गुर में स'या श्रामा नहेंद्र या में द्वा वते हुन में दे दे हे न व असम शु हिंद व नावर मी दे व भेर यह से रिवेश च व रे रे दे में वास थ व रूस शु हिंद व निद्धा यह है दिन्द से व स्वास स्वास स्वास निवास निवास निवास में कारे यह रे लिया सबन में हैं वें और वंदे खेंगह में केंद्र वंदर वेंद्र केंद्र हैं। है केलिस मु न स सन्ति पर पर वर्ग हैर र चूर वर हुँ हुँ पर नेर नेर पर म दर यर के बहुना य उक लेख में य यह य यह या के यह दन यह दनाय के य र्से संस्थान देश पर लेख न न स्थान है। अर द्वा पर द्वाद न देश इस पर मदे य व वहन हैंद दे वस वहन यस सून वहूम दूद दें द ने निहेर वह का यस वर्देर याय यहना यर वसुर र्री। दे भट नट वस लेव। र्भन्भ न्म्भ सदे हिर् यर स्था लेश है । है । है । इस न्या स्था र्दः मिस्र य हिस्र नु य के तुर रहे क प्येक कें। मिस्र य है पिर या ने प वृक्ष सन्दर्भ वर्षा। द्वाय पद्दा न्द्रियरे वे स्वा वर्द् यात्र क्षेत्र यदे वन्ना हैन का लेखा मुखा मानाय निर्देश मुद्दा पर मी महान हैन के वहें बदी। व्यद्भाक्ष निर्देश वह निर्देश में महित वह महिता वह महिता वर्ष्या महामान के विकास मार्थित विकास के मार्थित के मार चर्रा। धूर दक्षचारा बहु है चर दक्ष बर चलन च लेब च लेश ने प ही इसायर विसाय प्राद्य पति कुर्ते पुर्द दिय हिंदे हिंदे हा विसे केंद्र वित्र केंद्र वित्र केंद्र वित्र केंद्र वित्र वे वेश मु वरी देव हो। दे बुर बुद वर मुर घ ने वरे व स समस्य परे द वस् बूद वर मुर वर्षे देन मुद्द लेख मु अ है हिंदन के विदे व म र्सम्बन्ध देवे वद्म हैद गुँध हैस नुवन हैं सेश धरे वद्म हैद हैद गुँध सी । श्चिरा नु वाल्य में श्राद्यावाराया नाट प्येय था लेख नु व के वरे वा का संवादाया व यश्चित विद्यार विश्व र सेर पाटेश धर हैन य वश्कि हैश सु र विन पर् श्रद्धार विभाने ना है है हैर श्रद्धानर मुर महे वर्ष के का स्विभ नह हैं कि म्स्य च अस्स सु सु द व लेश स नवे दे हो। दे हे ह ग्रे से व दे ब व र्याय य श्रीदाय के विते दे लिस ये के मार्थित मार्थित है। दे का देशे ना वा उन मी नेस व दह सब मा है द गी दे हैं। व्यस्त्र हुँद पर छे द पर है द प्येव वह हुँद रंग लेकामु करे पर हमाना के अहामुन सामाने प्रदास्तर मा से कर न में मान हमान गुर प्पर् याम प्येत वी। महिस दर मिर्व में मार्ग पर पर्। परे माय

र्विन्य प्रयानित्रेन्य द्रा देर द्रा द्रा प्रतानित्र के या नु पा के ही पा द्रा प्रतानिया र्भेन्स पर इस पर न्विना परे हिर र विश्व न पर र्नेट्स स्वा है निर लुब.त.बु.रह्म.तूर.चुर.त.ढ्म.चे.वर.वश्मश वर्ता। • कु.केर.कर.वर्थ. च.**८**.केर.२४.चर.**२.**चरु. क्षेर.८.के.२४.चीर.च.३८.**ग्र.**चखेट.३८. १.केर.चशका. च त्या चर्चेश या सेन् च च लेश नु च त्या संवास हे चर चर्णे द या प्येन हें। सहें श्रुम ५८.वर्च, रूच, ब्रु झ.वे.च.हे. वर्षे । अर्थेट्. शुर हे. क्रूंश. ५८. क्रूंश. मानुदः य ददः वेश य दिंदे य दर्दे य दर्दे य मादः पीदा य दे हैं व विमायः स्र वर्ता। अर्द्रायास्त्रम् तर्द्रायाहनान्द्रायाहनान्द्रायाद्राया श्चिशाय लेखानु य य। रवदा शुना दनाय वायस वदी वानासय वर दी वासा न्तर। हैना वहारा मुनास मानर देश नाम पर्ता सार्वार साम है। वर्त्तियार्गा ः देखाताला हों देखरा हरा व देखें सामुध्य साम सहित पाय सहा मंत्री च्चीय मिना ही निवर ही यहे या अन्य स्त्री सार दें वह वह में हैं है सह स ब्रूट व ब्री वर वायार्सन्य पर्द क प्रदानदे हेश खादन् व द्रान्द मी के. ८८. जुरावर, हुंवश वश वुराव देशी वाय हे. ८**५ व. ५८.** वाल १ मीश करे. च ज.सूर्यश.वर्ष.भेशक.श.श्रि. सूर्य नाश्चर्यातर वस्त्रीय वर चि.च.लुरे.यो अरूर्य क्षमः १८.४ व्यापः वः मान्तरः स्था १ श्री १ व्यापः व्यापः विश्वातः विश्वातः व्यापः स्था विश्वादा के में मुख्य विशेष प्राप्त हैं में पर विश्वादा प्रवेष हैं। पर मिश्रा शें को १ व दे प्रधार वहीं व्यापका होते वादहावनावा वदायहावना राहीं हैं हैं

यशः बः यर्मा र्दः म्ब्रिः ग्रै यरे यः सः र्ह्यः यः सर्द्धद्रसः यरः र्ह्योदः वः म्ब्रु सः स्वर् नर ये.च.च.क.कूषे.वे. बु.चा चट्र.च.ज.श्र्याश्च.तर पहुष्यर बुश्च.च.ज. र्श्वास य ह्वास है। विदेश मार्थ है विश्वास य वहुत य प्रवाहे। नाय है मित्र गुरु वरे वर संस्था संस्था वर्ष वर्ष वर्ष माल्य मुख्य पहेंद्र वर पर्दे दे गी। रैना'य'म'र्भेर'य'रेदे हें रूट'र्ट'नाव्य मुस्तुर'र्ना में हिंद न वें व सर में '''' त्रमुर है। र्श्वेट शासर क्ष्मुर हो। यदे या अर्वाकाया हैद है। रट:रेम्अन्दे:हॅं:वॅं १५'फ्रेब मुक्रादेक्षायर वेश्वरामालव मुक्रासमा रटमी मुद्रात्म विकरमी विकरमी क्रिया विकरमी किराया विकर्ण विकास क्रिया विकर्ण विकास क्रिया विकास क्रिया विकास क्रिया विकास र्खेन्य पर निवस व रेवे कें रेवे कें रूप में कुर गु वरे व व सेन्य सेवे १ महार शुं हिंद म के रह रेमा सदी नित्र में हैं प्रेक सदी हिंद हैं। महिंद ही कुर गु क्राय मल्य मु यह या स्वाय यद ख्राय हैन न पर्दे पा द्राप्त यर यह नाय श्र्वासायदे रदानी दूर में भार हरें चर्रा खारा से दार वा के में नासरा वर क्रूट केर प्येत पते सुर पर्वा रूट नावत में सुर वरे सिर पर पत्र पत्र प्राप्त के ... लेखानम्बर्धाः पर त्युर री देवे मार में के तहें राधा के रावे सामित श्चमान श्चिमान श्विमान विकास मान्य म य संभित्र मी व्यक्त मार दे हैं न्दा रे ना य हे द सा ये द हों। वह दे र य रेना य केर या स के स प्योद है। नाय है कुर नाव र नी स स य प्राप्त नाय हैना मीशायदे पाया स्ट्रिंग पर पहेंद्रे पर पेरे देते हैं पर पाया स्वीकाया पहेंद्रे पर मर्ड्यद्रसाथ प्रेषाय वान हेलाचे रहे हुन के हैं। नहना द्रम नालव हुना के हिंद

नदे बादर मुहार्के के नाम नाम नाम के मानद में न'म'र्सेनास'म'नाल्क मुं'से'यहेंद्र'यर'दर्द्र'म'रेदे के वर्रे'म क'र्सेनास'म'न्सस शुः क्षेत्राया माध्येत या वर्षेत्राया केताध्येताया है। स्वराव वा वर्षेत्राया भी वा वर्षेत्राया स्वर् नात्रार्श्वम्यात्र के वराद्र विद्राप्त विद्राप्त के कि विद्राप्त के कि विद्राप्त के कि विद्राप्त के कि विद्रापत ह्याना व्यवसम्बद्धाः विकासमा व मु क्रू रीता वर्षित रे भीया १३८ ही मा वर्षित भेशका की श्रूर प्राप्त भी श्री श्री श्री श्री वर्ष वे रत हैनायर हु। यदे क्रामे देना सबै करना हेर रह मी हुना यह या ही सामा द्भाकृद् श्रुमा प्रदेश क्राया स्मार्थ स्त्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ में मार्थ द्भा से साम प्रार्थ स्त्रा स् च् .च् .वच.च र्चेच.रर्जेत क.स्चेश व.र. देत उर्चेर त.रेचे.चे. अमक्षास स्मान्य भारत हु जिस चारा हु मेविश मी ैर कार्स राज होने सक्ष का र्शित्रारोदे क्यापर वेरिया के विशाप्त का श्वासी स्थारी हो स्थार के रत्युचान केर्ने में वर्षियाता श्वांभारा क्षेत्र शि.श्वर्य तारी की प्राय हंटा.... बैट.तर श्रेश.त.थ.भ.लेथ.था। नाबय,त्री सैना,चर्नक ज.धुनेथ.त वैज ए हुई. शन्ताकी मुद्दाया में मुद्दायका के त्यूदा हिटाय हुटाया का प्रेतीय प्रदा है स्टूर दारहा इनासकुन्वनमाकुर्कुक्षमार्था ह्यात्रमा ह्या तर द्रमारा वाकाने द्रकृतः यर् याम् स्निशं क समात्येर रहा होता त.ज. वर्ते संस्था सहस् र प्रमार पर प्रमें है की दे के अव है है। सून प्रमाण सून स्मान तार्राकृत्याक्षेत्रायसम्बन्धारायर् कुर दे सद्र स्था मुन्द्र कार्यक्षेत्र विस निक्रिक्ते। वर्ष्यक्षिक्ष व मुन्द्र के क्षेत्रका व मुन्द्र के निक्षा व निक्षा व केर न सहस्र बहु वर्ष हैं। इस 'युन्द रित 'वेस परे 'दमेनास' धने छैर 'सहस्

श्रिम-नु त्युर न भे दे। देर इर नर हैं श नश हे स न ने दे स्ना नहास र्चेच.यर्जा. ३भभ.शे श्रूट.च.भुट.य.लट.क्ज.पच्चेट.ची. ह्या.पथ.ट्रेट.क्ट. पर... ଞ୍ଜିଷ ସଂदेःदशः শ্রীষ:पदेः पः श्रः र्श्वरः यः सर्ददः ख्रुमः १९८७ । दे "परः पद्वापः प्येदः শ্রী। য়ঀ৾৻ঀয়ড়৻ঀ৾৾৾য়ৼ৻ঀ৾৽ৡ৾ঀ৻য়ৢঀ৾৸য়ড়৸৻৸য়৾ঀঀয়৻য়৻য়য়য়য়৽ঀ৽ঀঢ়৽ঀৗয়৻ঀ৾৽ঀঀ৾৽৽৽৽ असमा शु : शु र : तर : त नु र : होना व होया व : श्रेना मार्य र द : व ले द : हे र : द मुकान हेर क्रम श हार न प्रेम शा। रे हिर के क्रम श हार न हे माप्रेक क लेखा नु न क्रिके ने देर क्रिट नदे जिन में क्रिक पर ने का स क्रिक पानार क्ष्यामान् स्वा नहायातास्वास यदे न्द्रामित्र हेन नुष्ठमसासु हिंदानास क्षेत्र हैं बुक्र.चे.चर्.स.कूच.च् । चरच.बु.र्रःच चबुर् ची.चु.रंच.कुर.ट्.र्झच.वर्षत . व्या (प्रमाय होना डेका नु न के रहा में मुद्द के रामक हेन मही मदि मदि मही के र नुः भ्रेषः या देशानुः नदे रहे ।। हर्षः नाव रान्ने हरायर द्रान्य या देशः मु य परेदे नाहर न है परे लेट परेदे तह के य है परे अन सम्मा ने साम माल्र तमाद लेग मोर यहेर या है सु सु से सकर है है र उर मी माहर या निर दहेर ... नपु निर्मात्रा क्षा निष्म नि निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म निष्म র্ব্র : মন্টের্ বৃদ্ধ (ল্লিঝ ব্র বে বি বৃদ্ধ লা বিম্ব ব্র বে লান অবি বে বি ফ্রির কুলাঝ ফ্রির বু লাল दमान होना मी कें हें नामा धर हो देश हु नदी च कें मा मी विदे ही हमा हे स वे.च ४.२वर.त् ४.६८.वर.र् ॥ वश्चैवस.चालूच.भर.७स.वे.व.म.श्चैव. भ्रमाः श्रीदायाः स्वासायसः हेसास्यानाद्दायानाहरः द्वाः विसायासाः दुसायः लुक् तर् के दे तर् । दे त्या क्वां यहा नाव का माने ना ता है सा है पहनायर्गा दे 'अर'म नुवाय बेश नुवाय में हिं वि । हे 'व दर प्रम्य " य.रेचे.भु.१८८.वपु.खुर.७्श.व.२.४.अर्थ.सम्भाभात्त्रेशतर.रेभुचेश.त.१४.वीश. ष्ठमसःउर्-रृ:ष्ट्ररःसरःसर्यरेर्दर्राद्यायःविषाप्रदःस्वाउताकेताःकेताः र्देश पार भारत हैं भे जिर पार प्लंद पार दे भारत है भारत है भारत है भी स्थान है भी स्थान है भी स्थान है भी स्थान माध्याय बेंबा नु न के रें का नाब्य य है। ह्वा बेंबा नु नदी हा हैं ना मिं ।र्क **१** त्रायानाम्यत्राचनः स्राप्तर्भे वर्षे व विश्वानु । य वे स्राप्तर्भे व विश्वानु । यदी भ्रवसाय्येवः ଵୖ୲୕*୍*୲ଵୖଽଞାଞାଞାଞାଞାଦଦବା*ୟ ବିଷ୍ଟା ବ୍ୟ*ମ୍ୟ ଅଟି ଅଟି ଅଟେ यर खाचर्ड्स चासे दार हे दा है दा है देश विश्व विश्व विश्व कर से स्वर्थ स्थित हो दे देश वासे दे द वरें विश्व च केर स्प्रें च स से व वा। विश्व च च के हो द्वा दे विश्व च नि ष्पेब य देवे वेश य सेन् वा 🐪 ेने विद्याय है दिस्स से सेन् ब देवे की की वान प्रति क्षायाकेता प्रति वासायिका विष्या अपादके वासाय यादसे ग्रेस पर होता ब्रंबेश.चे.च.ब्रंलेज.उह्र्यं.चप्रुं.टट.क्षेत्र.वर्षे ची.जुब्र.त.३शश.शे श्रूट.चर् ॥ दे दर दे अर वेश कुर के अप अर्थ मार्थ मुखा पर्दा हे हु कु अर दे ता दे वेश म केर देव रमायर मेराया केरायेश प्राथम अले भावाय में देव रे प्राथम विद्यारेश ... मेबः य'हैद देव दम्रायर व्यद्रायाधार हे वेसायर वु याहिदाणु वदमाहिदानुसः माक्षेराक्षरायते खुरासी। हे हे नेयाया साक्षराया हनासाक्षराया लेखानु या ता श्चिमायमास्त्रीमायाहेमाय वस्तरहो है है मे माया माया प्रति प्रति है।

न्त्रे न्या वेस या माह्या का कर्ता न्या केरा महत्र श्रम केरा मा केरा महत्र बुर-सः सर्वेदः नर्ते। सर्वेद वः हे 'दश्चेन थ 'य' मार-दना थ 'र्येद 'य' दे 'दना है ' मामर्वेद मर्वेद उदादमा में देव प्येव है। मदिव श्रुम माप्ये र पन्दमेनामाया दर् लेश व देन में १३ त वर्ष मार पर्दे पर पर पर्दे पर पर माल र मी है . लेस-तु-च-है-ल्द-लेन-देदे-खुव-ठड्-तीु-सर्द्र-सुस-५६न-घर-५द्र-य-न्द-धेद-य अर्दे यर पर्दे य देवें। क्षाय ये दे द्वा तथा वाव क वी भ है। वाद हैन चे.च.ज.भक्ट.च.बे.रेभुवास.त.लुब.जा डे.केर.भक्ट च.सुर.त.बु.रेभुवास. यः सेन् भः विश्व वुःवदेः देवः है। हैं खुरः देदे हें नहुन्धः यः सेन् धः यः न्नः ८६ना स देश'गुट धुवावादा द्वेन स सुंस सु । चेता मुद्दे सु मादा सु स से । स से से स्वार से स्वार से से से से स्व लेक पर्या श्रिट च हेर् साधि । पर्य सेर सहर्व श्रुम साधि । पर्य प्रमाण वह नी र्दे रे रे रे न के अर्थें रे न के रे रे के रे रे के रे रे के रे कृरक्षमभासु ह्यानामाध्येदायमे स्यापन्ने स्यापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने स्वापन्ने बोद्राधि देन देन विकास है कि से हैं के के हैं है के के हैं य उर्द्रन्ता गुर ही स नु द्वाय थेर सार्द्र यर द्र्रे थ विवेष वीस दिहें यर पर्देर्यादे ख्रेर ख्रेर सर्देर सर्देर पर पर्देर्य यात्रा नाल र यदे क्षे या तुसा गुट मह्त्यर प्रमुर है। क्षेत्र मुन्नि भारत खुम मार्मि मार्मि स्वर्मि स्वर्म मेन पर मर्द्धारा पते सुर री। ने केन ने ने दे दे दे दे माय उद दवा लेखाना पत ह्मिश्राय: र्श्चेस हो दे 'वस द व म हेस यर स मुर हिम सहस होस च च

य सूर अर्थ तर पर्ट्र तथा भीर भीषा व अर्थ स्थिम भारत तथा तथा रेश्वी था म उद मिश र्दे दे सर्वे दान स स्थे दे लेश निश हिट वर निर्दे । माया हे भेश व से व र वे र्रे दे की में हो को के अप अर अर व शिक है न से के व दे**ॱदुर-५** देश-दॅश-मु: मुद्द-धर-दक्षेट-धः अ'ओब'व्या दे 'दुर-ब'अट-दॅब्'मु: मुद्द-यर.भ.पुरा.य.ता.व. हे हैं.ज.वेबार.कुट.लुब.यर श्रुश.वे.के.च.त् शह्य.यर. पर्ने पाया वर्षेश्य दे खान पराया दे साम महित्य कर मी सी बाव नावन दे तपुरियाशास्त्रात्तात्वीर हा। इ.क्षेर चर्त्रातर वे.वषु होर हें र हे मुन् মপু.मु.म्बन कुम्.मु.म.हाँम.भू। भुग.मु.म्बन् मह्ट.म.म.लट.बुका.मु.म. ૄૡૢ૽ૹૺૡૺ**૾ૡ૽૽**૱ઌૣૣૣૣૣૣૢૢૢૢઌૢઌ૱ઌૣૢઌૺઌઌઌૣ૽૽ र्स् मी ने राम के प्रेस माहे र प्रेस है। अद्दर खुम मा प्रेस है र र र मेना स म हेर में हैर रा । मलक में में भर लेख में न हे से न से म लेक न न है है से ये.चंबर में लट भ्र.चंबर दंर में वे.चंबर में हे.चंबर में है.चंबर में लेंदर में लूर में रिटर मु. प्र्यापा नर्जुश हे र. बब खुंश चै च या हुंश चै इंश शि रंत्र्मी. म.त् वु.रट.चु.क्श.टु.चेश.त.चिवश्य चर्ड्स.त.मुट.त.वर् ह्या हेश सु दर्जन व में वे लेश मु न व संन्या है दे वे व व द प्रें के व के हों। हिश व हेस सु न्व्ना मार्च दे चर्मा हैन नु मुरायरे के सामा देश मुनायरे के सामा के मर्चे स.त.भ्रेर.तर. बुका ची.पप्र. हुर्ग. हु। रद. क्र्या र ट. मी. खेल. बुका ची. प वैं इटामें अयामवर यादरेषारा यादर नु व्याप्त याह्य पर नु या यदि स्वेराक्षय र्झस्यायाध्येद्द्री हिं कुन्हे दनास वे रद्दानी हिं दे दनास ही। दहेवा

· चः सेन् प्रविष्टुर- देश मु प्रविष्टे के प्रविष्टा च च न्द्र प्रविष्ट । विष्टुर प्रविष्ट विष्टुर ्रवेच मा मेर् मा मोर हो। व्यवसाय में मिना मा हेर सम प्रेस य के प्रवेश मा य ह्व विश्व य म्ह्रमा च प्यस है। कु मालक व्यन् क व्यन् दिन हि से दिन हे दःस्य हिर र लेब मुनवर देव हो। दे से त्युव म लेब मुनवर रेवट से में प्रमुव पर्वे । देवे द्यास म प्येष हिट ह्ये प्यट म प्रमु होस है दे हैं दे दे व्यक्ष विते वर्ग हैर की रेमक के मुन सक्ष प्रेन हैं कि मेर्ग हैर रे जिस म्युन यात्र प्रेक् के लिक प्रायक्ष देन हैं। मान हे प्रयुक्त प्रेक्ट के देन हैं। कि मुन्ने महिनास प्रदायि वस हेर् में कार्राम्य के व्यक्त वे व्यव व्यक्त विस्त सर विश्व म्याद्विन चार निर लिना यश कु रनार लिन स्र र वे से हीर "" र्यः मुं मुं य य होन् य दे खर ख्राय की निर्भे र मुं य व स्वाय पद त यहा है। निर लेब पार नार बुवा क्वा पायक कुर नार बिवा गिर लूर ताल ब पर है कर व ही र ह्य न्युव पार्ये वें ले वा वह्य वु वन्य लेन रहेश वाय विकास है। के खर महमासादमारू**द**ाय हेद मासामादिनासायर मुग्तिस्य विमार्थिद वारे खेर ह्येम्प्रवर्षे विष्युवाय प्रेम्प्रे विक्रिक्ष विष्यु केन्द्र र र र र र र विष्यु व स्वर विस्तर विस्तर विस्तर विस्तर ति। ते कु वर चुरायदी कु हैन तर में ले खुरायहर यह छैर है। तहे क्र द्वराव त्यार खून क्र्ना मालका हीर में दम रचीर ना के ही केर लेक स्मानेसायर मुप्त साधिकार्ते लेखानायते दिवार्गा वि वि के कु दस रुपर्देर वासायकारी के के के के के के कि मान ही के दियें के देश में के के कि मान के निकार म र्श्चिश ने विविधित के देश के देश मुक्त मा कि त्रीत त्र मान प्राप्त मान न लेश नेश यर विर लेश व विर व केना व रि.मे हर व हैं नह य य कर्म न्त्रः भुः व उद्य स्पटः लेश न्तुः व त्यः श्वां स तः या 💎 र हें ते हे विश्वः यः नाटः स्पेषः यः दे.जम.क्र्यंवाम न व.रेर.च.भु.च.क्रे.डे.लट.क्रे.टे.उट.उच्च.वेडू.टे.इं.च्र्र.ल्रे.च.. क्षेत्र त्या द्वे दे देनास हेद : दे व्यार रे ॥ दस य नावत से होद यदे बुरार् लेशानु माने केंग्रामाने केंगा सामाने केंगा सामाने केंग्रामान ५५ यात्रारमा अस स है भू ५ दूरमा निष्य स्ति स्वास में ते हमास है दे हमास है द नम्भयायाध्येदाने। इमायानासुमायादीध्येत् यामाध्येदादी। देख्रादे त्नु र सॅर्णे क्वा स नाट में प्रदेश केट ता हीं लेख हैं ता स स्वाय स क्वाय नार मौक्ष है। अक्ष ग्री मार्के व मार्क व का क्षेत्र का सक्ष है का क्षा मार्क व व व व व व व व व व व वार्मे निश्चर पर वर्षे प्रतिविश्व क्षा के निशा दे के रामसामाल राम लेखा मुंच है र सवुदायदे दुनिकाता च्चित्रम्या प्रमान प्रमान देवा स्टाप्त विकास श्रेमशः र्ह्या ने मुवः पशः नावनः दुः विशः वः वः वः सत्तुनः पदेः स्वेतिशः स्वरः नावनः पार्श मुनिस लेस नु पदे घ हैंना में दि पस महिस सु पर्मे प मुवाय धेर् विटाहेसासु दर्मो वादे अस वद्वाया आटाहेस सु दर्मेना या के रही। पर्मा के पर भर दे अर दे अर दे से के प्राप्त के चैद्रकेट खुँव्या मुः ऋँ सायद्या य दैं द्ये ये खूँवस मुक्त प्योदा दें देश वस्त्र पर प्रमुर हो। हे दे हर द लेख नु व ता खें ग्रायस प्रमा वर हिन्हीं। বর্দ স্বামেনীর বর্বা অ'রু ইর্মারু **র্মেনা নম** 'এর্হ্ মের 'র্দ হৈ ত্রি অর রূম ८२. ध्रे. इंश. श्रे. ८ मूँ. य. यरमा ल. इंश. श्रे. २ यम् य. दे. लक्ष. मुवः य. माटः क्षेत्रः य. दे. के. ्मर्वा म र्चि हे स सु र्यम य मह फेर्ड पारे वस सूर मुव म फेर्ड हो। हे हिर ब हेश सु द्वा प मुव यदे दुस दुस वद्वा म हिं हेश सु द्वा प मुव प प्यंत

ीर. चुना महीय तर ये.व.चीवर जाला बुरा ये.व.व. अधिर पप्र हिंगाश पर्। ने देन के ते ता अदा हो ने के ୖୣୡ୵୴ୖଌ୕ୡ୵୷ୢଽ୕ୠ୕ୢ୶୶୵୷୷୷୵ୖୄୠ୕ୢ**୵**ଽ୴ୖଌ୕ୡ୵୷ୢ୰୕<u>ୠ୕୶</u>୶୷ୣ୕୕୕ୗୣ୕ଌ୵୷୷୷୷ୢୡୢ୵<u>ୗୄ୲</u>ୢ୕ୢୄ୕ୄ୕ଽ୶୵ୡୢୢ୲ त्रम् नावस्याप्तरे सुराहनामा हिन्दु वहूर्यामार क्षेत्र यादेवे द्यो नावत्र वस्तुवः यर नु न हेर वेद पदि सादे मुन य सेर य रेट र स्ट्रिंग य स्ट्रिंग मःलुबं बं न्यायः हे हेर लेसानु या बै समुबं या दे मुँ ज्याया य दे । प्रेर प्राट लेखा ्च पारे प्रत्या यहाँ। दरे को दार उदा लेख च पारे अधुदाय रे खुँबास या अदार रे देते कें वर्षे माना विद्या कर है त्यस विश्व मु माने नाम विनाय का सेनास मा ୍ଞ୍ରି ଦ୍ୟର୍ଷ ଓ ୬୯.୯.୯୯୯ ଅଟି । ଅଟି ଅଟି । ଅଟି ଅଟି । ्यः नाउना निष्मा केर नायवः वर विष्युर च लेखा च । च के क्विं खार केर विष्युर च । বহ-ব্রির্মান্সর-বিশ্বেম বার-বার্মানহ-ব্রির শীর-র্রি। স্ব-শ্লের-পুন भे त्वुराक्षत्वाहरायाप्यदाप्यक्षातालेखान्याकेषाञ्चरातुर्वे । रेख्रराक्षराक्षेत्र कुर चारायान्य केषा व पर है । या हो क्रें**स** नीस के 'होना' न होसा न पाया **स्वांस** पर्या हुंस. मुख्यावरेष हुन् न् वचुरार्से। धुयावेष्ठेष्ट्राम्बयावाणेब। ं केद'र्दे लेख'मु:वदे नाकुट'ददेख के नालक मु: प्यक का विकास के वदम केद'ना सव य हेर दें लेश चे. य. य. स्वीश त है मीय तपु स्वत हैं तपु त्र के है। दें न मिट दे 'नद्ना केद 'न्याय नदे 'नद्ना केद 'प्याद 'स्याद 'स्याद स्याद स्य वर डेर्प लेख चु पर रेर् हीं। ब्रिंगल र ब्रिंगल र व्रिंग् वर् दि दे दे पर वर्ण होंगल र ब्रिंगल र व्रिंग के पर विकास

सदे कुरामाश्रभावर हिरास अधिक सदे वर्षा हेरा ख्वा खेरा का भारा **है स** प्रमुद्धाः चम् मुं हा स नासक चर होर च र हेर हो र देश सर नासक चर होर च स रहेर सदै वर्गाकेरका केर जैस सि है है है वर मुर य र्राक्र वर्ग से पर रे हैं माराया पर हिन्दार व मुर रें लेखा है। यह रेंब हैं। माराया पर पर माराया पर नास्रयाचते दे वे दे दे दे दे दे व वे नास्रयाचे द के सहर धर री। नास्रया पदे दे ्रम् सालाब नार मिद्रानर कु नासक नेप विदायर कुर था। ह लेश न प कु नासक ्राम्यस्य ने ने विष्ट · लेश नु पर देश प से द लेश नु प ते दे व प दे सर्वेद दें लेश नु प दे ' हे नु दे देश' ्यर देखान हो हे अद्देशमा मेर्ने स्थान है से मान िपशाने ह्ये अहूरायालश्चा शहरायर हिशासर तिश्चरायात्रहें। हिये प्रशालेशः मिन दे हुं कुंद्रा हुंद्र ने इ. जेंद्र ने किंद्र मी स्था निकास नविष में बुंद्र मी - तते देव दें। - देव अर्थेट नहीं तुंब के देव कि का शासि केंद्र नहीं तुंब के दें कि - वर्षाम्हर्मा स्थापन । स्यापन । स्थापन । स्यापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्था यर द्वामहिंदा वर मुक्ष पाम भीत हैं, बेस् प्राप्त रेनेंद्र संस् ं वि.स कु.स्कें.संबूद संस्टारिया मञ्चाम ताहूचे.मह्हां तपु कि.म. दव मी. पुरा र पू ... संसूर् निर्ता अप रहार मी माने माने माने माने निर्माण न ये.च.बु। श्रुंच.रेत्वं ह्येचांशके योदःत्रं बिध्यंमीश श्रुंब चर्र चीच त.प.प चश्चेव. समुद्राम् वेशानुः व व स्वायायम् व नद्राद्रा व द्रीतायम् स्वर व स्वर नेम

· র্মর্'ট্র'র্ম্বর্মা থাবছর ধন দ্র'বর শ্রীর অব 'ট্র'বর 'বর্লার অধী ভারা ভারার দ্রা केंद्र मान्नस्य मान्नेद खेरारी विसान्य मानेद स्वर मान्स मानेद पर खेरारी! ्रम्यास्य रच नारेषा सद्दं पर प्रमेश्वर प्रदे नुस्र हे सूर रेषा संध्येत हो। लेख नु - सन्दे नुसाहे श्रेदानु त्यायाम्य नाव्यायस्य प्रदेशायते नुसाने श्रेदाने स्त्रान् हेनाः ्रमः लेखानु त्र ते दे दे हो। 5 स दे श्री द है न स भे व दे लेखानु त्र श्री हा है न - केन ग्री नुष्य ग्री सम्मन व्यनिकार ने साम के साम किया मान समा के ना साम किया मान का निकार के ना साम के ना स ्यते नुस्र की सवत कर है। प्रदेश हु हैवा सार वादाय स्पर्देश है। सारे स्नि - डेब नुत्री अना यनुन यान् हैन पर सेना यह सायान हैना हेब नु न र से र्सर सुर हो। तुसरे रस मिस विस्तु पार से सेना पहिसादा हैना मी तूसरे दूर ्रमा प्रमुद्धारा नारेमा नी पुर्वा गुर्वा स्था। हेस भूर पुर पुर व अद लेस **स**म . महिमा दस या भरारी। भी में मुता सहै नुस्व व महस्र साम्पद या सामिने हैं ेषुक् च च के सिर् हेना म नहिना नीस नस्सायते कराया ये ते सिं के सिर हेना मा ्रु अते पर्वा केर्का के स्थानो याचा सके पुष्प अप्योदा सके केर्ना कर केर्ना कर केर्ना कर केर्ना कर केर्ना कर के ्रभे मो नाडेना ने दूस कर से नाक्स सदे हूँ नाडेना ने भे मो नाडेना दिहें यर से - न्यू में जिल्ला व नर निर्मास मा नियु नर ने वर्ष में ग्री की अन ्यास्त्री ह्र वेश्वदः हेमा सद्ध्य रेस मी सानी पर मी इ.स. नी साम रेस मी प्राप्ती ।

यस देट रॉ. व. श्रॅन्था धर्दे थी नी वहें र खेरे व श्रू र पु त नु र रें ले के देवै. सुर-फ्र-वेद्र-क वसस-स्ट-प लट-बेस न न क्या स्वास-मार्श्वर न न न न हे ह्ये रे'दम'रदःरेण'यदे'र्दः वॅर'द्युर'व'रेदे'क्री र्र्धः'यर'द्युर'वेदःस्रु य केर व्यर् य के स व्यव है। रह रेमा थ केर मिस से विर प्रते हैर रें। विद्यूर य वे वर्त में में में राम कर के वार्य के विश्व के कि की की ता श्रेश चते. में. रं.रेता. शशारा. रेश भ्येत्रात वर हेरं. में. में स्मातर हेतात. ্বচুৰ,নেম, টুই,বে,ব বীল,বম,বেনীম ব,ই,বধ,ৰ,ধধ,বম, প্ৰধ,ব,নাৰিধ,মী,ৡ৸প্ল. ध्येद दें ले दा देवे कुर हें मायाद्रा वहसायाद्रा हें नाया सेदाया लेशा नाया र्शेन या र्ह्झेश है। क्षुवे का व्याप्त मेना मा च वर मी हिना पा से दे पावे में दूरा। दे ता रेम्बेश रा वर्ष में प्रीर में में रेवा हवा वर पहेंच या मेर हैं विषा अपन रेव र्ने परे पर दे रूट रेन पं सेर पर में सप में सप माल द मी स अस्य हा कः नाडुना ता बुश नि.च ता सूर्याका ता श्रीका है। इसा निका निका निका निका वै नाट अश्वालव कुळ नावव कुर्नेन म र्थेर्थ सम्भेव है। हे हैर्स स्नर्देन मस्यम् स्याप्ते प्रहेष् पर नेते प्रति स्वर्थं मुद्देष स्वर्थं स्वर्यं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्यं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्यं स्वयं स्वयं स्वर्यं स्वयं स्वर्यं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् नहेनायाभेन न्यो। देशायनानु हे सुँदानदे ह्यों लेसानु न है से साहत नदे भे मार्रे करे वहेंदे सर उर् मर्रे हुँ दे अबस शु हुँ वर्षे म दे । व. में स. च. पुंस.च. नावव मुक्त असम खु खूट चर नीच चर प्रमीय वर खु प्र. लीच प्र.



- इंद्र स ्स विमीय में तिमीय निवास में दूर्व है या

दे हैं नमुन्यर पुरवि छैर देर बूद वरि के लेक वु व बूबर है। मोद्दे कर्दिक वर्षिक दुना वद्या में भेद पर दूर पर्दे ॥ नाम दे ह्वा देश दुन ब्रह्मत्य कदानु के को त्युक्त के देश किया किया किया के ण.श्रुबंश रा.श्रुंश श्रु ॥ व्या वि के बार्कर क्षेट नते हिर बेश से क के लो मोदी. ङक्ष्माः कर द्वार प्रते सुर दे त्यक्ष शः ५५ म के १ यदे खे मे दे रहे सके १ यर दि सुर ર્ર ખે.ત્રો.મુજા શ્રુ.પર્ને .હુંશ.વે.વ.કું.મુજા.જું.ત્ર.જૂંદ.ન.કુંન.ળુંશ.લુંદ ન. रट.रेश.भर्षटश.त.२४.३८ त्र्य.त्र.त्रु. हुर रू.। चाल.८.रेश.पुर. व्रेय. व मुरुपारहिंद्र रहेर मुब्द मुंजुर मुंद्रिय संदे दे हें रेट से दिर शुट हु र्मा शर्दर । वर प्रमुक्त रें। दे हिद्देर द अद्मुक्त सर्वेद से देश मुन्य ता र्सिन स य'म'क'र् अति'रेम'में मुर्द्र द्वा यस 'सेव'वे लेख' उ'न'वे क'र् अदि माट""" षेत्र'य'रे'हैर'कुत'षेत'ते। विचे पर'दे'पर'दे'प्रेमिये'क हू'स'रद' कुराल्र्यान्य रे रें अं वार्त्वे क्रियान होर सामाल्य की र्वे क्रिया स्त्रामाय का मारेश पासीयातातात्र्रा वशासीयातात्र्र कर्रास्तरे हमा भीरासराहिरास ... लेक के लेका रेदे छैर भ्रेर क्या लेक न न के बाब म भ्रेक है। ले में इ.भ.रट ल्र्नत्व रेशन्यत्ये वेशन्य हे श्रीर तर भ्राप्तिर हे एक स्त्रीय की लब् त्रमामी नुस्र के का स्थान स्थान के निष्ये प्रत्ये खेर स्पर्य के निस्त्र स्थान मैस.व.मैं भ.एव.रहे. द्रेर.रू॥ ल.मोट्र.क.म.घ.भड्.वर.चर.चवस.व.ब्रा. मु च है हैं न स सु पर पर पर है हैं। थे मोदे क म मदे पर न पह सर पर है

भेदार्वे लेखानु वादी भेगोदी काशासदी वारानु नादसाय नादा त्या भेदा वादी ता ୍ୟୁ ବିଷ୍ୟର୍ମି ସୁଷ୍ୟ ଶ୍ରେଷ୍ଟ୍ରୟ ଆଧାର ହିଷ୍ୟ ସମ୍ପ୍ରିୟ ନିମ୍ନ ସିଲ୍ଲ ଷ୍ୟ ଦେବ ଗ୍ରୀ त्र्व के त्राच के विकासी मान के विकास के वितास के विकास क नक्ष्यामाने क्षेत्र दे क्षेत्र ्रमोल च दे.लू.मोद्र.क.व.भ...देश.व.च.स.स्र.त.लूद.स्। नादश.च.भटे.दुस. वु च दर्दे दिस्मायर द ने भाषा दे निदस य पर्द पास के दा द दे है । ्य भेव हो। र्वेश संबद्ध संस्थान कर्त में शिकार दर भी दिसारी प्रकासे वास ्रे सिर दुस् वि: वर्ष खेता ना रका ता खेरा ना है हैं हैं हैं से रक्ष मा से र यह नहें र य नार भेर य दे दु स सर्द स्य य उर्र मी ख्राय दर ख्राय उर्र मी दिस य मिरा ् वोद'च'ऒॅर'द'इस चर' मेश'च'वाइस'चर'दह्नाचर'दुस'चरे कु हेर्'सुस'हेर्' लुबान चार. भूबान. इंद्र लीम जनायाताय. पृश चार्. चोबस चाला जनाम मुराना लुबर्श कुर्रा प्रवस्तु भार नुसाय द्रायर नुबस्य प्रते छेर हैं। _ଽୄୄୄ୵୷ୣ୷ଽ୷୶୶୷୷ୢ୷ୢଢ଼**୶ୢୠ**୳୷୷ୄୢ୕ୢ୷ୄଢ଼୶ୢୠ୷୷ୣ୷୷ୣୠ୷୷ୢୠ୕୷ बु.स.र्या.स्था.श्रा ४८ मी.जुब्र.तश.कुर्त.त.स्.रे.शश उहुदे.तर,उचीर. र्दे 'बेश-वानक' वे पर्दे भूत-तु हैका वैक-तु हुट बदे 'थे 'वे दे 'क रे हे 'या देहिन यर ' ୍ର ପ୍ରିଟ୍ୟ ଅନ୍ୟୁଟ୍ ବିଦ୍ୟାକ୍ଷ ଓ ଅନ୍ତି ପ୍ରଥିବା ସଂହ୍ୟୁଟ୍ୟ ସଂକ୍ରି ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ निर्देशयर भे'त्यु र र्रे 'देश'तु व दे 'तसय'व भेद र्डे क्रम'तु 'सेसस यर 'द्युर'" र् लिखानम् १ यर त्युर र्। माया हे त्ये मोर्ड का विद्या वर्ष मुंद से नकर

व्य भार मुं नावन मी नाट १ मश श होंट य फ्रेंब ले बा **ଧ:**ଞ୍ଜି:ସະ:ନ୍ମ୍ୟୁ:ଜ୍ୟ हुनु हुर ल मेर लय लया हुश नि.य. ज स्वीश त हुंश है। विश्व स्वाह्य हुट. यदेश म् .रूट. म् .य. श्वीशायर वर्षीर ह् . केश. मे.व.जा। वर् .श्रेश. ने.चाट. નું.જુ.તું.નુંત્રુ.જ.સ.ખ.ત<u>દૂર,તતું.એ</u>મથ.શે.જુ<u>ન્.ન.</u>નું.વય.યે.નું.એમથ શે.જી્ન... यत्र तीयाश्वाताश्वात्र क्या द्राप्त प्रमायविष दे अभावाश श्री श्री र प्रमाय विष दे । मोत्रे महिमा हु ५ हैं ते पर हो र पत्रे ५ त मार प्येत पर महूच पर हो र दें वेता रः १९८ रमः निवर मी १३मश श श स्ट यः मः लेव यदे रदः বহাপ্র, নর্।। मले**दः लेसः मुः**मःर्दः ने २ हैंदः यरः मुन्दः येदः याम् लदः रहः रेना यः ने ये के स्वरः । भ्रात्येशम्बर् सुरार्स्। दे प्रशंकारे खेता खें स्थान शुः खेरा पासे दाये ૹ૾ૢૺૺૺૺૺૺૺ૾ઌ૿ૺ[૽]ઌ૽ૺ૾ૺઽ૾ઽૻ૽ૼૡ૿ૺૼૺઽૢૺૺૼ૱ઌ૽૽ૹૢ૽ૺૢૼ૽ઌ૱ૹ૿૽૽ૢૡૹ૽૽ઌ૽૱ઌ૽ૺ૱૽ૼ૽ૡૺૹ૽૽૽ૢ૽૽ઌ૱૽૽૽ૻ लामोद्राक्षात्रावहाँद्राचर नेदाय लेख मुन्य दे अटालेखामु द<u>र्</u>गोदशःश् ॥ म.ब्रे.म्.मेप्र.क.स.स.क्ष न्वेष ने.क्ष्टान.पहूर्य.चर.नेर.तज्ञी क्रामोप्र.सीमा दर, इंट स् . में . दे भे . दे में . च . व . व . च . च . म . म . इंट . स . में मू ह . स . में मू ह . म म . में मू ह . र् 'वेश'रे'हर'द्र पर'से'यमु रे रे 'वेश मु परि रे के रे । रे हर के वेश नु'न'म'र्स्स्मुस'यस ने हे दे स्र्रं पर हे देशी भी मोदे क दह्य पर ने स्राय र्ना मोश हर्न त लेश निय ता। धामोदे क वहूर त हे इट नदे के रा लुर.च.ट्र.च ट्रह्रे.चट्र.चेश ग.रच.मोश स्। ट्रेचवित्र.च.लर.भव्दरश. त क्रुब . खंस . चे. च . क. स्मार यह ह्यू हुंस . चे. च . हे. में खेर का क्षाट मार्थेट म यं पे द लिया। यो मी हिमा उर विंदा या प्रेदालेखा नुष्या को रायस या मान के या हिन गुं केर र्।। केंद्र हेश वु न के प्यानादे केंद्र र्या। प्यानी बुद्र महिस्द्रन के नहेंद्र

क्रि.त. भूट. तर विवितातर विवीर खेश वि. पं वे. भू. मी. त्य. पीवेश रहा। परे तिर्वेत्वत्तर पर्वेर है। दे त्यालट ख़ें वहना त्यास्त्रीं वशाय हैर है ख़ैर हैं लेस'मु'नर नर्गें-स'स्। ननट'र्च यस'र्कें न्सर्वेट'ई यह लेस'मु'न'दे'न्नट'र्च दे' म्रसः वे. दं नतं देश तर तेसा मा हेर नत्र नर हे हेर के खेर दा नदे देश तर देश न'यश लेश नु'नश प्रत्र 'धर 'नेर्'। र्नर च वश से के दिर लेश नु'न के क्स पर केंद्र य द्वा 'a' केंद्र य सेद 'पर 'द्विय य 'द्वा दे दे दे वेश व 'यश स'.... भैत्र लेखानु प्रति दे दे दे । वरे के प्येर विषय व केर प्येत प्रति स्वेर दे । असस श क्रूट नदे 'नेश न रसश की बेश ने न हे नेश न रहेर मर नेर न हेर न रहेर न तर्र नेस.त. देशस.ग्रीश.स्। ट्रे.र्चा.ग्रीट. नेश.च.चिंश्रेशस.शे.श्रेट. च. हे 'ल' मा ब्रमाश रूप रे दिए है 'लश र्शेंड पते हीं' रे 'रे 'लस १ मस 'ह हीं द पते ' लेश' यादे अप्रमानु विमुद्दार प्रमे के लेखा वर्षे प्रमान प्रमान के मान प्रमान के निमान के क्र्रायायार्क्र यासेन यमावित्र यमान्तरार्वे वे क्रिंत्युमान्तरार्वे वे स्वीता ष्ठमभ उद् त्रिम् भ तर प्रमा नर द्रमुर री। पुर ग्री मध्द में द्रा पदे छैर र्रे वेशनु न वे नुषा गु सवर से उद्यय हैरार्रे॥ र्थ गु.भवत.बु.भर. चेनाम प्येन है। नाद ना अन्य स्त्राप्त स्वर स्त्राप्त स्वर हिना स्त्री स्वर हिना डेस.च-वर.त.लेश.स्। रट ८ हुर्य.त.क्य.मु.नर.रे. क्र्र.त.लेय.त. हेस.च.च. के प्यामी रे का गरेना व्या वहेंका प्रवे क्वि वे के का स्वा प्रवे क्वि वह के प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे क्वें हुं न नेश थे मेदे क नहेश य दहिंद यर हुंद यदे क्वें केंद्र यर हुंद य

दे यहीय नु प्ये मेदे क हों र्स स दे देन य केंद्र य प्येत हों। ये मे ्रम्भसः केर्-याञ्चस्य यादा अदा लेसा नुःयादे । औ मोदी का ममसा स्री। मर तिसिमान ने नदार् हे हिंदिमान के मिन हे निवा है निवा है निवा है निवा है निवा है है म् विष्यायर दर्देर ४ लेश सु पर देश में मां । रेश मीश भी मां मार में दमा वायर दरायरश सर वहेंद्र यर विकानु या व हे हुर विकास विकास वहेंद्र या यर न्दः नक्यः सः ने 'स्ट्रेन् स्थाः तीदायः स्वायः स्यो क्रियाः दर्गेन् स्व क्रमी स्थाना सारासः द्वातात्रहेंद्रायाप्यदावर द्वातकसायाप्येव है। ब्रायावहेंद्रायर होद् यते ब्रिस मर-दु-निर्दि-च-१द-गु क्षेर-र्सा . दे-वस-द-दिन-च-पर-दिन्च स्त्रास्-श्रस्त ब्रुमसाक्ष हिंद नदे हिंस भे नेदे दहिंद परे हिं केंद्र स भेद द स्मिन परे हिंद्र तारचर बुचा के भारत हो। जूर क्रीट निविधाल हा 'शानाक लट हा। ्रस्त्रामानवे स्राप्ता है है दिए हैं तम स्वाधार मानिए हैं। अद् हे ना माने स्राप्ता ्चीवर मुक्त देश चर कुरे क दे तार कुरा निकास कि तम्रोतायाके दे १५१५ महासुर स्ट्रांच वर्षे स्था लेखा सुर वर्षे । महास्था सर्गास सदै हिं अर मर नु हर् र म हैराये र मर सद्धर म म भेर है। विश्व म मिल्र मुक्तिमासासास्य वर्षे प्रदेशसासा असी प्रहेश रायहेश पुरिस समाने प्रीमी ्रमाञ्चारम्पद्रसार्श्वामार्हर् पर में तेर नाम विकारी हो। । हे अपीर मीरामा हेर के प्राप्त ्रे**द**्री सन्य केर क्षेत्रचन स्त्रियां क्षेत्र हो साथ मार्च सामहेत्रचन दटा खेवा ्रवर्षे देशके देशके सम्बन्धियार के लेखान देश में ते प्रतास सबस ।

र्देशमहिनानुः सूटायासे हो ता सेनायर सूटायर्दे । देख्रा दाने ता हेना उरा चाश्रया वर् देश व ना बहुना हैंदा व लाव की हैं हो व लाव है सा लेद हैं। मिट मेश र र्वेश पर्ट रूट मी मेश पश पश्ची पश र भेर र अट लेश मु प है। वेश.य.पहर्ष.यह.चेश.वश श्रुवश.व.लंब.व.लंट.ह्या.व.टंट.वेल.व.च.४८.श्रु.... यर बुर्यायामा केशायामा हेशासु र बुर्यायामा देशा तर प्रेश तथ वेश त न रे र्वे नविश्वर नविश्वर नविश्वर नविश्वर यानाट भेताचा दे त्या पहिताचा के साचारी के साच दे दे हिसा सुद्धित या है। दे दे **ୖଽ୕୶**ଂସ୕୕୕୕ୗୄ୵ୄୖୢୠ୶୕୕ୖ୷ୖୄଌ୕୵ୢ୕**୷ୖ**ଌ୕୵୕ୠ୕ୡ୕୕୕୕୷୷ୖୠ୕୶୕୕୕୷ୖୡ୕୶ୄୠୣ୵ୖୢୠ୕ୣ୵୷ୣଽ୕୶୷ଽ୷୷ हु गुर्भ राष्ट्र 'पुर्भ रा **पश्चिम राष्ट्र ॥ हे** ३**४४ श**.शे.शेंट व खेश ने न रहे हु देश . यर नम्दर य है। पहेंद्र यह दस य नमूद नह देंद हिंद न लेस नु न प्येद है। वहेंद्र मते द्रमाय हेंस मुमारे द्रम मुमार मान्य यस हर्र य से द यदे दस्म य माद धिद य दे र द्वाद यर मुर य दे न में द्रर व कुर मी वहना य उद मी द्वर ये दे दे वह या मान कुर से दक्द यर दें दर सर्वे । रुमाना स्पर्धिक त्या मेना सं यो यर प्येत या देश मुन्ति । रहस र्वे दे मुंबस हैस लुन्स यदे डर्म हैर रेस छ न नदे रेस है। रेस हैर है है भर'र्'न् नित्रपते सद्धेन के हे से चु पा वा स्वाहा प्रशास के के पर होते हैं। पर लिना है सुर दूर देवे ले**ग** मु न ले दुस य नाट न्ट नि नो दूर नवे की स नवें। रे के रे इर कर माणे र के लिया मु यर रेम्बर हे लेख मु न के मोरे या उद मेर

य. वर . खेंब. चे. चर . दं त्रांट श. श्री। चीय. दे. दे. चीर प्रश. चे. व. चेश. पर . देवट. मुश्र.पुश.च **१थ.तर.**चल्चा.तप्र.हीर.ट्र.**खेश.**चे.च.श्रूश.<u>श्</u>र॥ चेश पार्य अ कर्र साम प्रमेश हो हो साम हे हिन हो में साम म विशान देशाचरार विवा ता लेखान ताल ख्यां शाता श्रेंशा हो। हे हे हे त्या कर् महानिहर्ने तामेर्य लेस नियम है। वेहार हैं वेहा नियमित है है तामेर वह क्दामम निर्दे पाम निर्दे पाम महिंद कु'भट देश नु'न'ता स्वां भाषा ता देव द्राद्र होंद न द्रमा धर हेंद्र पाद्र वा मा सर्वेद व भर हा। रशुर्यायमाल्यानु य यारे लिना द्वासर्वे पारे सामदा केर हिंद नःमः प्येषः पराः व नेषः यः विष्यः मुक्षः श्रुदः वः प्येषः वे वेषः देःमः वनाः नुः वस्तरः पः देश लेश नु व दे दूम पर केंद्र ध सर्वेद वर्ता देवे केंद्र देवे व
 कर.ध्र.भ.भह्ट.च.लट.क्.भ.भ.१)
 कुवा.कर.ध्र.भेट.भ.भे.भे.वप.सी.
 दे 'अदारस्र पायमा क्रम य मालका नुमाना यते सुरार्गा दे 'यदे हिन' के लेखा म प्येत है। में भ्रवस से दर्द किया नु प्वति दें हैं। दे के सर्दे हैं। र्दःसर्द्वःयःससःवाह्यदसःस्। है हेन्द्रःत्रे साधिवःयःदे हिरःद्वद व दे स्वार पर्ना भाषा विश्व नु पा के के हुर क्षा धर हिंगा या ना है स ही ही प दे हुर " न्वर वे वे वेश य रेनास सबुद य न्ना गुर ही व से र वे लेस नु वरे रेंदर हैं। ह्रें सप् हुं श शि. पंचेट प. ट्र. पुंश . य. ये हु ग. ग्रीट. ये बिरा है। है र. वे. ये शक्ता पर क्षिट न उन के दे दिन अदिन श्रम हे द दिन का साम के दे कि से कि के कि कि के कि क

म्बाश अधिकेतपुर्धिभारार पुराता कुबा वरः भु पर्वेट बुर बुर वी. व हिंसा है। माया दे तिया ना द्वा का देशा तर तेशा वा द्वाशा स्वरी देशा ना ने हर की राज्य ने विश्व हिंदी हैं। ร.ต.ชพ.ก.ฟพพ.น.อง.พะง.พีชง.วิ.ชพิร. อูะ.ฐพ. ปู้ "ลี้ร.อร.ชิป.กษ. यनमान्नेन् उत्रुच्यु र दाने प्यार प्येन् यास प्येन वी। साल्य में हेर्मा यासेन य'दर'द्रश्च'यर'हॅन्'यदे'.वेश'य'यद्न'केन्'उर'ह्ने'वर'ह्ने'दर्दे हैं पर देंग पर किया पर किया भड़ हैन हर पहुना पर मा के हैं लेखा मुन्दा है। हैंना या सेन प्रते प्रेकाय प्रदास्त्र हैना हेका गुणार्मेर दक्ष न्युरार्टेना नी किर नार में है। दि 'मेश मदी इस धर हैंना परा दे हैर परे प्येव वे 'हेस' नासमःनरःब्रुदःनःढदःशुःन्दिसःस्रःनेःब्रेःनरःग्रेन् कैदःनार्रेनःनुनेन्यदेःदस्यःसः ेरेशट 'वेश'नारे द्रम पर हिंगाच रे केर नामया पर इंट प थेद दें हिंम र नावद तु सेमस नर्दे। द्राप्ति च न्यम मन्दर ह्राद्य केन दर न्येन पुरदेश सर नु न सर्दे अञ्चल के दर्म केर दु परेंद्र य मार प्ये क य दे मा वाय नर नु न रे खुरा ट् .पेश.य.मोश्रम. यर.श्रंट.य.७४१.ये.म.स.स्मेश.त.श्रॅश स् ॥ ৡ৾ঀ৾৻ড়৻৺য়৾য়৻ঀঢ়ৣ৻য়ৣৼ৾৻ড়ৢয়৻ঀৢ৾৻য়৾য়৻ঢ়ৼৣ৻ড়ৼ৽ঀ৾ৡঀ৻ড়৻ড়ৼ৻ৼয়৾য়ঢ়ৢয়৻ঀঢ়ৣয়৻ঀ৻ म्बर्रिंदरम्बर् मुर्टे केश्वर्मित्र द्वा द्वा दे वह व व वह वा व वह वा व यदे के नहेन हैन दूर य यह मामा भेर के। दे दे हर के श्रेप न्द्रक्त दाया स्वाम दा विसाध कर्त्या पर दे विसाद नेबार्वते ह्व स्वक्रियाचर ब्रुट च प्पेर हो। दे आपट ह्व 'मलर दे वस द सर से व सेविस वादवा कर्णा दे तेस व नास्कार मर सूट व पेद र

ले**स**.चे.च चिश्र थेंट चर.चेट्री नायः ने :नाक्षयः चरः श्रदः चर्ते : कुरः है र : दे : कुर दरे लेब द लेब द जेब पर हैं अदि सुम केर हैं न पर देश हैं भर.भु.ण.स्चेश.पप्रे.ट्.प्रेश.त.लट.प्रचेर.ट्रा अ. से.चेबश.व.लट.से.च. ฒ. श्रॅचीश, त. उर्देर, लट, ट्रंब, रेश, तर, ब. देर, चर, चीश म. वर, श्रैट, वर्दे, ची. हेरे. मी. विर मह्त् श्रमःलुब्धरः सार्मात्वीरः है। सह्त्रःश्रमः मी क्रम्स लुब्धरः विराध र् लेस मु परे र्र रें। रु सामा इसाया नहेना नु तहना या हैर गुरे सामा याकुराध्येरायदे हुरार्च व्हेशाच परार्नित्यार्थे। दे तर्दर त्नुराहेशाचा मन्द्रे विमायमान्यम् देश नियम् नियम् विमाय के नियम हें हिंश मु न है जाहे न हैन नु नहीं न सर नहें र रहे हैं ज़ेश म है नु स स सर भर्तेर पद् सुर र्सा देखर रे लेगान लग मी पर्म रस है जेश मान्यर त् .ज. हेब.त. हेर. लुब.वर . रिश शिटश.वंश.प वियात हेर. लुब.तर . यहे रे.हर. । हे हैं दियह में 'क पहेंब पा हैद सा प्येब हैं 'बेस पहेंब यह है में हैं ' प्रेस पा हे 'अह न्या र् वा लेश मिता मार्स्य मारा ह्रींस स्री। हे ह्रा ह्री वर्द्या स्री साम माने नाम् तार्वास मारे केंसाने केंदायने ध्येन में लिसा में पर्ने नासा पर्णा मारा यस'न्वद ही स'ती 'मेस'य प्येश हे 'बेस' हा व के 'न्वद व दे 'मेस स है हा ही हेंह " तम.ह्रंट.न.हेट क्रे.हिर र्.७४१.वे.वर.ट्य्ट्स.ह्या पर्वेर.य.लट.बुस वे. माने हिंद असमा खा छेंद मार्य म क्रिंग्रेर ही पर्यास पर्या में परेंग्रेस माला तनुर्व अर है। मिर्च से इन भेर हैं इस पर विश्व पाय विवे ने हें हैं रे परे **ঀৢ**ৼ৾৾৾৸৾৾৾৽ৼৢৼ৾৾৽ড়৾৾ঀ৾ৢ৽৻য়য়৽য়ৼ৾৽ঀয়৽য়ৼৣঢ়৾ৼৢ৾ঢ়৽য়য়৽য়য়ঢ়ঀ৽য়৽য়৽ঢ়ঀয়৽ र्च दे-पेस.स.**लट.ड्रेस.**चे.चट्र.ड.डू.बे.च्र् ।ट्रे.जस.ब.ट्र.ट.सट.<u>ट्र</u>ू. प्रचीट.

र्रे लेबानु न के प्येत मुक्त न के सम्बन्ध न प्राप्त के ते प्रेक्ष यातालेश नु न के दूर नेश याद्रा पहेंद्र यर नेश पर में श यह देंद्र नेश य दर न्सं महित्स यानाराधेनायाने वाजार हो। र्न निक्सायाञ्चराना निवन हेना रूर हेंनास पर त्युर ४ लेस यु प है रें दे ने समान विषय है पे से पान विषय यदे खेर दें। दे य वहार व केर दे दें के की स दस यर निवर व वर या निवर लेश स दे ता हुदा सर त्युर है। दे अद दु हि हुर देंब ही लेख स ता देंब ही इस.स.झॅट.च.टु.डेरा चेश.चप्र.चेश.च.ज.लट.ट्र्य.ब्रे.चेश.चप्र.इ.स.टेश. माकु वा. रे. बैदा वर व वीर हूं . बिका वर्तेश वर व वीर हूं। हुंब . रे. बैदा व . वे. वे. वे. वे. वे. वे. वे. वे. <u> लेश.व.च.च.च.चेश.पप्. पंत्रायालाल एट.इंच टे.बॅट.च.को.मी</u> पुरात हेट ट्य.टे.बॅट. नःश्रीदःबिद्रा र्देद मी विष्याय दे से र्स्य मी र्देद वनदः विना स्पेर्य दे नकाद। र्दे न इंदरमान् हैस सु हैन हर त्या र् निस म दे दना में लेख म न दे दे न चुै'.वेश.**य.रदः, ३४४**४.श. बुट्:यये.वेश.यर्गा र्द्र, देश य. या केश स.रट्र.य. प्रेव कर्न के लेखा छान के र्देव के लेख म है। र्द्या के र्द्या है रहे हैं है हैं म्बिर्भार देरे दिर हैं ज़िल बिल मुन्य स्वीका या माना है देरे क्षेत्र य दर ... नेबायरे सूरावाक्ष्मशासु र्स्तित्वे पुषादाशाद्दर्भ के हा सराव सुरावा देवे के । र्भे मि भेषायाल हुट व नाट खेंद्र व दे दे द्रादट देव के सम्मे केस याल हूट ... म नार के दूर दे दे दे ने सारा के दे पहें हिरादा व व दर पर देश भर ने लगा यर प्रचीर कुटा। कुंशालीय मुं.विदे.तर जाशार्थ त. भटा व. दे तर प्रचीर. र्भा भिन्न न्या वर्षे द्वार वर वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार वर्षे द्वार १ मस है हैं - पर ना का सरहा है हैन है पर मार पार पार में पर है।

୬ୖୣୣୣଟ ଓ ୬୴ଶ ଖି. ଅଁଟ 'ବଦ୍ଧ ' ଦୁଷ'ଶ' ଜିଷ 'ସି 'ବ୍ୟ ' ଦ୍ୱର୍ଗ ' ପ୍ ' । 59.55 रॅंब नु के न न ने हिंदा व के साम विषेत्र हो का का लेखा नु व के हिंदा विष्य के कि यश्चर्व क्रियश शुः ह्याद लिदः सुर्थ र ५ मु । भेद र देव मु । भेरा म । भेद मु द्रमायर । । जेश.नश.भेशश.श. हार. ट्र. जेश.चे.चठु. व. कु.चे.च्र. ार्थ. जेश.त रट. श.वर्डेश. म. खंस.चे. म. बु. स्थ. पुस.म. माजिर पर माजिर पर पर स. प्रदेश पर है। यक्क से द स्पर्ता दे हे द गु सुर प्रयद लेगा हो। दहें पद स्म यर मूह प श्रुट्-वःनाडेन ।श्रृष्-व्यःभःश्रृष्टः प्रदे अस्यः श्रु श्रृद्रः परि न्द्रः प्रविष् हेर् प्रसुरः मित्री ने देने सुवा उदावेश मान दे सूर्व में अंदि नने सुवा उद्या दे हो दे हैं है द्र प्रे स्र क्ष मुद्र ध्रय मालक त्य र क्र वरे स्र ह्र ह्र द्र मीस वर्ष निट.लुर त.बुरा चे.च.बु। जुरा.त.बेट मुरा.जुरा.तपु.जुरा.त.असरा शे.शूट. म.इ.ज.लट रेंच त.सर्ह्टा डे.चस.च.डे.लट.चेंस.त.चेंबेर.चेंस.केंस.की.हेंट. यरः शुमा स से र'मार्टारे सुर 'खुल'माल्र' म दर्के व े द सर 'द्रमुर हा दे 'आट' सर्वेद वादे खुर बार्स्से वाद्यं बार्से वाद्यं वाद्यं वाद्यं क्षेत्रं स्था स्था वाद्यं व वर्षे न' मेर वरे मुर्गनम् व प्येश में। इ निरं है नर वेश मरे खुन है द प्येश पर्य हिर र लेश.व.प.दी प्रवर्त दे खेश प.रेट.व्.बट.लेश प.रेट लेख कुर प्रवासके खेर र्हें। विश्व च विश्व हैं के हीं। व स्थाउर पा वस्था उर के कॅ.चर्ना हेर वसका उर् में लेश चि.च हे त्याय समस उर जार का समस उर रहेंस. त्रममः दर्भे वर वयः वर् सेर रू. बेश व वर् वः भूवा व्या विविद्य वर् थेव द। वसस उर् क्रेंस क्वें रसेनास यह सह र केर केर केर वार या कर केर केर

वर्षीर वर है , उर्दर ध्र्र भी लीम लार देशना राज , भक्ष में हेर भीर वीर साल में देते. सुर १३ वर हे १ वेश मु वर हें संस्था नाय है १३ वर १४ वर भ्रेत्यर नेत्र य भेत्र प्रदेश यर्गा कुर न हे न त्या न वस यद स द्वंदस य रे য়'য়न''৸दे''क्केब WE'য়ৼ'ড়ৢ৾য়'য়'য়न'य'ঊয়'য়ৼ'য়ৼ्रि' त्रे'चे दे'ড়'ড়दे अळंड द्यान मार्जी के पर येन पर प्रमान प्रमान के लें के के पर के पार्के र के दे के पर के प लेक के लेक न के के के लेक मान के लेक मान के निक निक निक निक के नि উষা দ্রাবাৰে ব্যামান্ত্রা বা স্থির বান দ্রীবাৰে ই ক্রিবাৰে বি মানী করিবাৰে নার্মানা ता हुर में बुंबा ने तपु में भी भी भारत ने ना मा में हिंद वर से ঀয়ৢৼ৾৽ঀৼ৾৽ঀ৾৽ঀৼ৾ৼ৾৽য়৾ৼ৾৽য়ৢ৾। ৼ৾৽৽ঀঢ়৽ৡ৾৽ঀৼ৽য়ৣ৾৾৽য়৽য়ঢ়ঢ়৽ঀ৾৽য়ৣ৾৽য়৽য়৽ঀ৾ঀ৸৽ नुन यदै दें नाट भेर य दे नहें ने यर नुन यदे हैं देश दें न दह हैं हा अ असर श्र श्रुट् व त मूर्व वर त मुक्त के वर श्रुर्थ श्री श्री दे वर मुक्त वर के लिए <u> बुश.च.च.ल। मैं.च.बर.बुश.चे.च दु.सीट.ट्श.चोचोश.तप्। हीर घर मैं.</u> वास्यानादात्रार्वेद्राचा के हीद्राच्या के ब्रा दे होते कर हे त्या के दे त्या के त्या के दे त्या के त.लट.लुश्चस्य थ.सूर्यतर मैं च.कश्रक्त की सूर्यत सिट.सूर्य कि कथ. खेर. चे. वर्रेन्द्रन्ति। ह्रिये वेषानु वर्षे तुन्य हो। ह्रिये प्रवास मार स्वेषाय दे ह द्रश्य वर्षेत्राय ४ व है। इं १ सम् १ हीं व्यक्त शु हिंदा वासेताय वासेताय वासेताय है।

मुरातपुरिकर्रा वटानास्मिस्तुरेश्मसाश्च श्रूरानपुरिस्त्रं स्वसानस्सानास्त्रं ्दवद लेगामाप्येमजी इं दे रामाप्य कुर कर या प्रेम की है रूप ही र्द्रिक्यादेन्।यासेद्रायत्मानेप्यायविद्धायासेद्रायाद्मस्य यालेसानुप्यायायद्धाः स'र्वेट्स'य'दः रे'र्वेट ने'र्नु'य'स्निस'यरे'र्द्दस'यर हेन्स्यादे र्देशकार्यायामा भवे है। र्देशमेर या हेर ग्री केर रा विमान पार्मिकाया के:वःदनात्मात्मात्मदाद्वमात्मर दिनाःवःनादः ध्येषःवःदे दनाः देवः ध्येदः वः ध्यदः देवः वर्षेद्रः भासेदाय भेदाते। देकेपा सेदायराभटाक्षा मासेकायते सुरार्दे। दसायरा र्ट्रेम.च.लेब.भूर तक्ष्य कुर मुद्रायर पश्चित्वर बुरे.ट्रा वेश.च.पहुर च.जन नाल्यनु दर्भे नदे कु देव भेर नाम भ्याप्त दे लेख चात के लेख साहा माहा माहा पहेंद्रायानाम केदाया दे अका नावदार हो। के देवा की देवा दिर्देश पर केदाया प्रस्तर् कुर मुर पर रॅक र्सर पर स केंक्सी देव के क्रें दे पुरुष या वर रेस मा नार लक्ष र्रे क्रिं दे है दे भेद ले विष्य नुः च दे स्वर निष्य परे हर कुष्य ठड मी ही ଞ୍ ୰ୢୢଽ୵୷ଽୖୠ୵୷ୖଞ୍ ଽୢୢଌୢଊଊ୵୰ୖଌ୕୕୳୰୰ୖୄୖୢଔ୵୕୳୴ୖ୶୶୷୕୴ଽ୵୷୷ୢୡ र्दे निवर वार में वरे रहा द्वार कर मी हैं है निया समाधी है के निवर हैं हैं। **୯**ଟି.ଛିଷ:2 ୯<u>୯ ଖିଟ.ଞି.</u>ଷ.୪.୯୯.ଖି.ଞି.ଞି.୯୯.୯.ଦିଷ:ଦ.**ଅଟ.**ଘ.୯.୯.୯.୯.୯ नावर नी खिन हीं ही र पर हिर पाय दुषाय मेर पाय देश वा अर देश पर पर है केराया जेसासक्केराचारेये। बुसाया बर याणीयाची रिंत पालयाची हिंत्याये साणीयावी लेखार्ड्न्थराचरावनुरा दे.वखादार्श्वेरायेखायाः क्रेत्रियात् देखायाः चरायाः लेक न्यूरक स्था अवानहेनाय हुका पर ने राम हुन पर के

लेश नि.च.तु. मुं.म मि.भ. मुंस रभूया स.नह. मुं. यश मुं. मुं.भ. मुं. स. रभश ग्रीस... म् दे सुया उ । हेर विश्व यदे नमु र न से व वर्षे रे या कन्य प सर् व व स्था लियामोबर पा पुरा न पहिंच न्य प्रमुद्ध व लेश न न के प्रमुद्ध में स्व प्र प्रमुख प व्य क्रमास्य व्यक्तित्र व्यव गुरु नाले दस्य यर विसाय व्यक्तिय व्यक्ति च केर हो हो हो लीया नोबसाया पेशासा प्रह्मा सरायमीर वर्षा। हे हिरावा वुसामा हुआ.चे.च.भ.धू-।श.तम.बेर.प प्रांतह त्रव परेच वेश रे.ट्रं.हेर.व.ईस. तर वेश ता वेश ता भेर ना स लेश व है लेश च न ला स्वास तथ है म म ले वि.व.लूब.री वेंब.त.रेट.चंज.व.लूब.ब्रू. हेंब.वे.चर्.ब.कूचे.च् १रेड. ब्रैर सेन मी इस पर केस पाय कार्याम र वेस पाय के प्राप्त पाय के से प्राप्त प्र प्राप्त हे वुस्य मार्सेन्य न्य न्यान्य में ने की हिरा में की की में ने महिरा महिरा महिरा है है से महिरा महिरा है य वै. सि.म.ह के.म.वेष वे. रेसा कर्ष वेस वर्ष वेस वेस वर्ष वेस वेस वर्ष वेस वेस वर्ष चल्व.रे.श्री.चर.प्रचीर.र्...लेश चे.च.व. देश.तर.रे.चे च.देशक.रे। देश.तर. हुंची,ता.चीहुबा,बु हुची,बर भू,पिविदानंपु, बुर हूं।। अभयाताचीर लुबे दा. लुस.च.च.च.चु.चु.चम.ल.सूच्य पर्ता। सू.चकुम.त्.स्मप्ट.वेस.त.स् सूर. देश पा त्यक्ष का प्येद वें ले द लेश नु न दे। सहिद्या पा ने का वना परि की द लश्र में मार्थ दे में निकार मध्य पर्दे में निक्षा मध्य पर्दे मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में ्रहराष्प्रास्त्र व दुः वर्ष्ट्वा वर्षा वर्षा द्वार्था । वर्षे स्त्रे द्वार्णे दिन हैन उर है। ५ दूर का का दूर देश के प्रति के प्रति व व के स्वीका परे

भैपमा शेर् ।। बार मी के लिया पुर पुराना मार के ता हा में के का के कि की का की की का की की की की की की की की की च लेखानु न दे खुकाना नेदानु नायकान वन के नादा खँदान खुका करा ्र ५वट.स्.चोबेब.२ट.पंडीज.चटु.लूर.हुब.तर.पंचीर.हू।। ट्रेप.झॅ.बेब.कु. बुक्स. स्रिक मुः द्वार स्री नन्ता केन हेस नु न के हुस नु नन्ता हैन पर्ने प्रमासी। पन्ना प्येन नि है स्मान समा हैस इसस देश है य के इस पर र्वा प द्रावहरा वह मारा देश य इसस रे । बोर्यवे क्षेरार्ते॥ रे इरक्षिरार्त्तमार्द्रायकेमारुराव्युरारे। वित्र में हिन महिना में हिन के हिन हैं। वित्र देशका विवेद निविध वा अदार का नविदानुःस्दानाम्बार्यदासाधिदार्दे।। अदादाधिन्युतानुबारा ही नाया म् रुष्टानी में रचत लेग मिट सरे चंद्र हैं र लेश ने न हैं हमा मी दें र की हैं। चेत् य गरेन केत्रणे लेखान्य के नेत्रणे दर्ग केत्रण वर्षे अवसानेत्रण के इंद लेश हैं।। इ.बेर.भर में रे.भश नब्द बिश वे.च वे पर्श नडेवाश ल. श्र्मेश क. भर्ते च्या रे. भर्ते च. च. र्. । डि. च. च. रे. भर्ते मर्ते वित्र वेश . तर पुर या भुष या १ छे हर : चेर य फेर लेश च यर रे रे रे हें।। मुक्षामु नु अया लेखा मुन्न वा स्वाधायय २०५ १२२ हिन्दी। हे हे प्रदा द्भायार्थोर् अदी द्वरानीस विश्व तायाय दे हैं सार् हे रायादन नी ता याय सूत ं यात्रार्या कुर् पुर्वे स्वास अव की रे प्रवास के के प्रवास की स ् ८ हुना रामः १ न्या १ निष्या व नामः व हिन स सं निहेना धिव स में व्याप्त

म्बार्सामार व कर्नास्म स्क्रीर यर प्रेर रें लेख पर्यस्थ पर्या। दें व वे लेख द्वारा भःस्निसः च ते मुतः पदे अवदः ह्या पदे प्येत है। पदे ह्युमः तु नायः हे नेदः मार्च दे दयम नेमानु मार्थेद मार्टिद हो है। हा मार्च दे हो हो स्वाद्य चुंबानाक्ष्यं मेंद्र मुद्द सर उन् में वुषान द्वारा बन्ने या मर्बेदा वर वुषा वा क्वा लक्ष देश तंर जेश ता देशश रूथा मुशा ही पर जिबैर व लेश व वेश वा सह्दाव ... मेंद्राया रह शुःष्येदा र माने वा रे लिया न लिया ना तमाद मेंद्र वा वा वि हे दे दे दे दे क्रि. देश. तर, पुरुष: १,४४ : वर्गा : ३,४ : इस : वे. व. स. १,४४ : व. हुस : हे। क्रि. वर: नुसामप्रमुन्साम्ब्रायार्गालकार्यरामान्याप्यापामान्यापामान्याप्याप्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्या য়ৼ৾৾৻ঀয়৽ঢ়৽ৢঀঢ়৾ঀয়৽ঢ়ড়৾য়৽৻ড়ঢ়৽য়ড়৽য়ৢঢ়৽য়ঢ়ড়ঢ়৽ ्रामी दर वर्षे भुकार्ताः वर्षा केरासेमस प्रित् याकेराकी संवाकिराधिका वाती क्सायर विसाय केराकेर या केराली राम ह्य यर अनु रही। व समाय हीर सर. वेश. पट्र. चर्ना. हेर. क्री. विर. तर हेर. पना. क्रनेश. श्रूरश. श्रे. हैं। क्यमान क्षेत् यायास्त्रानु क्षिमामायायाया कताम दे रे विद्यार रे दे दि वे क्साधर विश्व वर्रे हैं। वे निराय प्रेंदाय दे त्यादी क्षेत्र वर्षे वर्षे हैं। बेस्: अपने देश्येद सम्मा येद गुः देन सन्देश्ये पार्ट से ही पार्ट से पार्ट से ही पार्ट से ही पार्ट से ही पार्ट से पार्ट से ही पार्ट से पार् सरायहर् र्।। नारानी द्वेर द मी हे नर तो र या हेर तास इसायर नेस या ্মু म इसस भे भ्रे म देवे के। 💎 वदेश येद रस देश हु द्वन यर नु य र स मान्यायार्जी मान्यायार्ज् १ १ विश्वाचा । हियाचा म्याकृत्याम्बर्धाः स्पर्वत्व विश्व च च च च च च व स्थान स्पर्वत् । दे स्पर्वत्

त विदान प्रतार दिया द्वा मी लेश नि पा के प्रती होता मी क्या क्या है साम है लेश नु न के ह्वा वसाय नु ने नार प्रकार नु ह लिया तु ने ने द स ह्वा प्रकार ब्र्. १५. डेर.पु.पर्वेर.<u>भूर.भू</u>.खुंश.वे.च.ज.श्चमश.त.ज.स्रेश.पर्वेट.चपु.स्. के.चर.जुर् तप्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स्त्राह्म स पवीर न बु.स.राष्ट्र बु.बे.बे बुस.चे.च.सुस.पचैट नपू मु.ल.मु.म्.स.स्स.चिवर चिह्न चार्के निक्त निक् व.ज.श्र्वाश.त.जा उहुरे.तपुं.भक्षे हेर.वरे.ची.क्स.तर. तुस.तामुरे.वर. <u>डेर् मानुस्कित्य रेक्ट्र ना</u> इटावरे सक्त हैर ग्रेमाइटाव हेर केर वें लेखाडा चिहर राष्ट्र भक्ष हुर कुर कुर सर राष्ट्रीर य चिहर य हुर. यदे र्च र्चे ।। व्यव प्रमा व्याप्त हैं विश्व व व व देश प्रमा प्रमें महत्र हैं कि में मुक्त प्रमें दिश हैं क्सायर जेस या भेरायर विकास के मान्य मान्य मान्य मान्य के ।। प्रमुख्य के ।। प्रमुख्य के ।। नर मेर प्रेर परि दें हैर भी परे दें र लेश मु य ने मुंब र मुद्दा यहे हैं धर मेर या क्षेत्र-था व्या है। वरा वेत्र यते द्वार्च हैता व्या स्वर् । व्या हैता व्या प्राप्त हैता म व स्वारा न दिन स्रापाय हे नर यो रायर हैं वे से राय मार मेर ही। वदना हैन्द्रे त्र मलेक् नु अहेर्द्र याद्या श्रीस श्राम्यस लेस या यास्य वासाया माहता पर्वे । क्षायात्मार्स्तरायान्यः पर्यासहकाने दार्षेत्राकालेशानु पराञ्चर रे।। मान्तराद्राः मु ल श्रृंट प क श्रेमसार्ट रूससा लस चुट परे में हे लेश च परे हुन हुन निट. मीखामा हिमाय में सक्त केरा प्रेया लेखा । यहमा केरा है तहे या प्रमा मुखालका चे.च. श्रुंका श्री वाह्नदायते. सक्षा हेर ग्रीम ग्रीम पर हे. हे वे दे ता नाह्नद

न हेर् सक होर नर होर न के नावक का प्येक हो। त्व'णुट'रट'मी' वेश'ध'हीर' यर होर म हेर महर पर होर य जा महर हेर रहे हेर स्था भरीये.त.दर की.कि.च.भुरे.त्रा श्रमेश नर्ज.सी.ट.त्स्.वु.भ.कूरं.त.रट.रट. यलेक प्रिकृत र र उक् प्रता । मु जालक क्षेत्र केवा चेप सास्त्रीना सार्सिना साम वाह्य र दिंगा मार्हेश प्रश्न है रहा पहुँदा हिर पर उद अहूद रे ज़ैंचीश दारह। कूचेश त रमा नीडिट हों। हेसा के राजा के हें के खुवा की सावश्रम विदा अदः य'त्रा राज्य विद्यान्य । स्टान विद्यान्य स्वर्थ । स्वर्य । स्व यते केर हे विषानु य परे प्रेक की। परे हो पहें परे केर प्रेक रटा शुट्र च लेश मु न ता वहेंद्र पर मुद्दे पर्य दे दहेंद्र पर्य है। दहेंद्र पर्य र क्स पर लेश म लेश न पते हैं करें।। पहें पति है पर मेर मेर मेर मेर मेर वसःश्रीतः वते श्रीतः वसः विदेशः विदेशः । विदेशः र्यानार्डे वर्र वन्तर या भेदार्वे॥ इनदार्य दे अदानाहिदानदे सक्षेत्र हैर ग्रे न्द्र में र 'र मुर नदे 'सुर र 'हे स'मु'न'य। न्द्र में हे है न्द्रन में दे मुक् कुर लाव तय है र दश तर क्षा यह के तर लाव वर प्यार व सालव वसा रे.बे.चरेब.टे.चेलब.चे.प्रश्च स्थावशारे क्रिंट.च.लेब.च्या चालग्र.रचा के द्वर में प्रत के पर ते पर पर्त पर दे किर वा अध्या के दे प्राथया इस.तर. क्ट. वहु इस. चर. पुराय.रेवट च्. हेर. की.हे. चर लुर तथा हुर.व. लुर. वें लेश में र्स्य में रेंब परेंच सर हा या वर्षेत या प्रवेत वि है ने यर प्रेबर यदे.ह्. त्व व श्र्येश त.भ.१,४.१४५ वडूर.ह्. खेश.२.४ उ.श्र्मेश.१५५ सेंश.१५५

नाहेना'व्य'दर्श्चर्'चरकुर्'वरकुर्'वर्श्चन्य'यंस्रेर्'यानाहर हें।। कु.चर.जब. य हैन द्राय प्रेक के लिय मु पा दर दे दर्श य प्रेक के । दे प्राय के लिय वु न वे के नर लेब नि देर का में अब नि के के नर है। जाया है नि है के कि पर वेशायात्रान्त्रायते कुराया के ह्रार प्येश हे का हे पर वेशायते वुश्वाया म्बर्ध्य विदः बिद्यानु व द्वार्थ । के वर विद व प्राप्त माला कि व के प्राप्त माला कि व के प्राप्त माला कि विद्यान बै:सब:खुब:सळव:कु**द**:से:पठ:प:कुद:ग्री:खुर:घ:द्द:सःसेद:पर:रेन्यस्य:स:स्रेद: र्वे 'लेश नु 'परे 'र्वे 'र्वे । वुस्र' म 'र्वे स् चें स् नु र प'य क् कुं सक के कि है । <u> २५, त्वामीश्रामहिना ५ २० वि. तु.स. हो दे हेर । तु.स. द्वामारा तुश्रामा द्वासा द्वासा स्ट्रिंश</u> चॅर मुर यामहिनादा अन्य हिर मु देर त्राह्म व महिन मुदेर या प्रेर व विहा म्बर्द्यास्त्रम् संस्था। वसायायाहेन द्राय्यस्य संस्थानाः माने मान सम् सम् ह्यानि भेराने। द्रसारी माने विसाम सम् र्षे । भूतसाम्बर्दु यहिर्या बेस उत्तरि देशम् माणुदार्स्य होता र रह्राल्ट्रा शि.पर्य प्राप्त के पण प्राप्त के प्राप्त मित्र शि.पर्य में र्भ देखार्स्य स्वाकायाः भटा लेखानु । या के स्वाका समुद्रा सदी मालना सामुद्रा यात्रार्श्य स्वाधायात्रुक्षकेता नेरायरी मेक्ष्यक्षित्र विश्वासाया नाहेना सं त्रै'य'वेशनु'व'के वाञ्चन्ध'द्र'र्से'य'र्सन्ध'यते केंन्। पद् । नाक्स'य' वै न्वा विषा विषा विषय के कि त्या कि कि त्या के कि त्या कि त्या के त्या के त्या के त्या कि त्या कि के. चर. जुब. चट्ट. मी. जुब. बुट. खुब. चे. च दू विश्व. च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. चित्र च. माञ्जाबण्चेश सेना ने इस धर ने साथ हो राज देश वर ने साथ हो राज हैं। मर त्येव सर्वे कुं प्ये १ वें 'बेंब मु नदे मार्केन'मी |दे दे त्य मात्रस र नवस

दे 'त्र'झुक डेवा'चेद प्रते क्रिक छेद प्रते प्रते प्रते हैं કે.ભદ.૨૪.સ.ચીલ૧.૱.તમ.ઝુંથ.ઘમ.ઘૈમ.સ.કુંથ.ઘક્રું<mark>ય</mark>.ઘમ.ઉ ઘ.જુંથ.હુંદ......] दे :लट.च**७४.चे .ल**४.च.ट्:केर.४.२४.च४.चेश.च.चर्चेर.च.लु४.च्.। · คริ.ฆี่-เว้าปู่ผานฐ เจษตาผี ฐะ. นะ. ปี้ะ. ส รู พ. ฮป. เช้าปูล เก. ปุ่ยนาก ปี่ยน. मुक्षायर्द्र म नाराध्येष पर ने त्य वर्षेश वहा वहार वहार महर वहार महर वहार है । सुराधुना । या अन् भारते हुन्। या सह्य की 'द्रवार ते हुन्। वसा क्षा करा सा रूब लेखा हुन्। यर 'द्रवीर र्रो । विस्तुर इट वक्ष कृर खेर लेश न य के नार मार्क है है व वदे हैंया सिंदारा दे के सामित के दे के दिन दिन सिंदा में अपना दे के में के दें। दे के दे वे नार में के बेबान पा र्सेन्स पर तकद यर ने र री। भागाना पहुन. तपुरदाक्ष्या द्वर मी पुराया पहुर पर मेर या में सा मो स्थाया स्पार रहे दर ब्रिय बर् की जेशन विश्वान व है जहानी के जेश मान हमा है र कैश जेश मान हमा है **स'र्**राख्याम्बिक् यहेर्द्र यहादर्द्रिय हेर्दे के । थे.मो .क्ष पहुब्र.चपुं.रट . व्याद्धानी नेश या २ द्वाराम हेर यह से या मुद्रा राष्ट्री में की वार्सिम संवी तहिन यते पर कुम कर ही ज़ेश या भेर हो। दे प्रश्न भेलो स्था यहिन सदे पर खुत्रा हर मी केश सारे त्या की मी को है है हिया मी खुत्रा के हिए। इंस्याय प्रेंद्रियदे एं मी अ दे भी मी अ दिर्देशयरे दि हुं भ हद मी देश या हूटा न्रामुरास ने भी मी खर भेदार्वे॥ दे 'दुर द भी मी खर केर्दे समे दिए रहें अ

उदामी नेश कर दे वहेंद्र धर वहेंद्र धरे वहेंद्र धरे वेश धान केश धान है। ल्लामो खाः र्टः बूटः वरः बूटः व्यारः वरं वरा व त्यानी ह्या अटः बूटः व त्याव है। दे खुरं व म् निद्मा वा नहेंद्र या निद्ध शु त्नुर दिर्दे। के मे दहेंद्र या तथ निव्दु ढ़ऀॺॱॸॖॱॸॱढ़ऀॱड़ढ़ॱज़ॖ**ॱॺॱॺ॔**॔ॸऻॺॱय़ॸॱॸॣऀॱय़ढ़ऀॱॵॱॿॏढ़ऀॱय़ज़ॕ॔॔॔ॸॱय़॑ॵज़ॱॿॏॱढ़ॺॱय़ॸॱॱॱॱ ्वेषायद्या हेना हरात्रहें प्रामा वनुराने लेखानु प्राप्ते वर्षेना मी माल्य प्रेम अ लिस मु न के दे न के नाक नहीं। मा भरे के ते हिर ले दा धुतावादह्यायदे देश य सर्पात हरा मुन्ति स्वापात है सामु न र्ह्स है। या त्र स्रुवातः तहनायते देश स्यामे स्याने त्या हे स्त्रूद केश मुद्री। त्र .पुंस त.पहूब.तपु.cc.थ्या.मी.पुंस.त.ज.चंडिचंस.गी.पुंस.त.ज.चंडिचंस .. **ॻऀॱॹॣढ़ॱॸॱॸढ़ॎॱॹॗढ़॓ॱॹॣढ़ॱॺ॓ॖॱॿ॓॔ॺॱक़ॖॱॸॱऀॱॹ॓ॱॵॸऻॱॸॏॱक़॔ॱॵॸऻॱॸॏॱढ़ॺॱय़ॸॱऀऻॺॱय़ढ़ऀॱॸ॓ॱ** स्त्रवन्। नुःङ्कादः वदे देस्य धरः वेश्वः यः क्षे व ने दे हें रेशः ह्या प्यादसः शुः नहिं रहेदः । । । म्बिन्सः सुः बूदः व :ठदः मुः स्रेनः नो :द्रसः पदः वेसः धः सः स्रः स्रः सुः नहिंदः धः प्रेदः। ार्दे प्रसाद सेना मी दस्यायर खे**स** या हैन पा विदाय प्रदेश पदे खेर हे त्या ल्र पर्यामा विषया के स्वाप्त मा विषय के स्वाप्त मा व क्सायर ने सायात्रहेंत्यते हता द्वा उदा में दाये क्सायर में साया ख्रा वर त विचीर वर्षा नाकुचा ग्राट मार्डेस मार्डेस इंदर य दे लेश मि.च.च विट य र र र न् नृहेश शु श्रूट म हेर्दे । न्द्रन दि हो श्रूट होर दे लेश नु म हे शुल क्रीक्ट मी दिं वें के प्रमाणिक भारे भारकी माना परि के साम के देवें सुक्ष प्रमृत !वर्ष.रट.रुष्ट. ख्रे. ब्र. वर्ष.रट ख्र. रेब.ज. हो लेश. में. क्रे न्यन्द्र-भेश्यम् भेश्य मः लेश्यनु नये न्या हैन हैन नि न ने ने के नि ने नि ने

मार्डेश.सर्रे ॥ नुस न्हेन ने के लेस नु म य स्निस य है वहें य प्राय लेब ब्रा रहानी वेबायायार्थेर् यर लेबानु यादी लेगो लिही वेब यायार्थेर् तर.प्रचीर.स्। रे महित न ना हिताय होने या नहेना त्य हेया न ने तरे हुर रे अट है अर र नवर वरे द्रम वर रूट में विश्व वर के विश्व वर के विश्व वर्ष के वर्ष क्षर यर त्युर र्रो। दे पश्च व मक्षेम प्रेहिक सम्मन्त्र व लेश ग्रुप वे स्वेश या माउना नी प्युमानांवन प्राप्तिका या हा सामहिं। या सामित के विकास निर्मा हैना म् । तेशत्मानात्मात्म् त्यं त्रे वेश व न के भेर मे क्या पर नेश्वापत् अवर म्रम्भ पर्र दर द्वेय उर् देश च नावर में स रुमस शुः हैं : न स प्येर च यस खुक नालक नुष्य प दे के रह देना यर त्यार सी। देने खेर केश य नालक में किंद वर म्युर व म लेब है। विश्व व मृत्र म न्या गुर श मदे विश्व या विश्व है। देशे के वंश कर कुट मेर माम मर प्रमुद लेश न के माम प्रमुख के महित्र हैं। हे**र्'स'अर्**'यदे खेर'ॲर्'नु 'बेर्'गुर्'से**र्'ध'र्**'द्र पर विस'य स्थानम्बर्सासु त रे. बेर. थ त्रभश १८ अथा श खुर. ब. यज पर भ प्रचिर हो। मी. मेश.त. तथा.तिवा ४ थश शि.श्र. त. बुश ने त. वु ह. केंट लिया वा क्षा न ता विवे. मीम असमाश क्रिट्र च चर्चा १८ महर्ष समाम क्रिय च छेट क्रि. होर अमस सि होर क यर प्रश्नुर व स प्रें य दे हर व र द मी वेश य अद वह मी कें सदें शंस है देश ल्यातर प्रचीर प्रप्ते के रे अस्य शे शिर्या लार अस्य शे शिर्य प्रचीर प्रा म प्रवन्ते है। वेशका शि. ह्या. य. वेर जार टार्टा मावका मी. जेका यार्या जे स्मा



क् इस मूँ य दे ने अहूर में अहूर में विश्व इ.स.ल्ट्स प्रविट.जुनस.चन्ट.वर्टेट कु.पट्टा ारवर.टे.वर्झेश.चपु.रंभ.ट्येर. बिट. तु प्रवेश । लट. रेच. क्र्य. में. स्. स्. ह्ट. बंच. चची। ।चेट्टश. हे. मुराष्ट्ररे तर्ले वामायुषाय। विषायेन मार्चे राप्तरे सह राय दरहा वर्जे रा র্বা । विश्वायादरी अदारेट नुशासीर शुव ग्रीश कुरावक्षणशासी दी ह्रीया ह्रींट्र के चवर नवश्चारमा हिंद्या ह्या ह्या ह्या हिंद नु ह्या प्रवास के हिंदा है हिंदा है है । र्च . के क्षेत्र म्रॅ हे ब्रिट पास्टर दियर यारे दे श्रीट मी हिमा मा समार् १ क्षेत्र के हिमा वकें नु नु दे क्विं ने के के दे निवेद नु न न के निका की गुद दे हैं नि निन र्द्धेनाश सर्वे : बुर वर्से या ना २९ : ५ ना : झुना से ५ : ५ : कि : कि : नि सा सि से सि सि सि सि सि सि सि सि सि करान नम्बन यहै में हा मार कर में मार कर में मार कर मार कर में मार कर पहंस मिट करश नहु हिंद जा पष्ट, सुर ७ व र जाम हुंद। क्स पड़ेर जीमे. केर टे.रशूचात्र.चंट चर्नेथ मीव.शर्य प्रमाप्त हेर ही.मशिट.रच रेचा.रंतर टे टर्झेंश. र्ट. पश्चर त्मीर मट जट हिर क्ष्म पर रेने पर्जे दे हैं वे क्षें वे क्षें वे के में ह्यूर.क्ष्म.झ.च.रच.रेवर.ह्यू.चडर.चर्चेच.उहूच.च्यू.कष्ट्र्य.ह्यूर.चर्या।